In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

ஸ்ரீகைலாச குருக்கள்.

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

[illegible]

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

ஐ ஹ வ
ஜநஸ ாந
தஜிஷ விஞ
ஜநநீஶரவ
ஜநஃ, தத
காஶ விஷ்
ஜாதீநாஜீஶ
தழ । யதொ
கெயொவஹ
வஷ்ஹித
வெநாஷவண
ஞ ஜநஸா
ஸாஜாநி ஸ
வஜாஹி

தாஷ்ய
ஹிஷ்தெ। ெ
வஜெ ஷ
யுவஜெ
லுகாயி தீ
காஉஸாகு ஸ
தாவிஷஹாவ

ஸவெ
யெுஃ கி
தெ । க்ருத
காமிணஃ ।
ஷகஹாஜ
ஷிவ்யாஜஃ ।

उ

शिवाभ्यां नमः ॥

## उपोद्घातः ।

इह खलु जगति जीवैर्लभ्यमानेषु बहुषु जन्मसु मानुष्यमेकमेव जन्म श्रेय इत्यवगतं न विदितमिदं विश्वेषामपि विदुषाम्, यतोऽस्मिन्नेव मानुष्यजन्मनीश्वराराधनरूपश्रुतिपथप्रवर्तकं तत्त्वज्ञानसाधनं मनः, तत्त्वार्थश्रोत्रकसज्ञीतकं वाक्‌, तदुपकरणं कारश्च विद्यते । न तथा मानुष्येतरजन्मसु । एवं जातीनामीश्वराराधनेन भगवच्छ्रीपादविनोदेन निवृत्तिर्भवति । यथायं विधिः कथितः । संसारादपवैतृत्व केयोपहमानुष्यजन्मनः फलं तस्मान्मानवाकारयत्नेषु प्रयत्नं हितया भगवत्पूजया सायनीयसंसृतिदुःखा पनोदनम । ततश्च मानुष्यजन्मनाऽऽजस्रमपि भगवन्तं मनसा विचिन्त्य वाग्भिरनुक्त्वा कर्मणा समाहितः सन् सम्पूज्य सम्यक्पूज्य मोचयन्तु यतः । शिवपूजारहितमानुष्यं मृगसम इत्यागमविदः ।

तादृशशिवपूजाऽऽत्मार्थपरार्थभेदेन द्वेधा हि दृश्यते । होमयोगेष्वादिसंस्कारपि परार्थेऽन्य पक्षेऽपि सर्वशास्त्रसिद्धया क्रियया पूजाऽऽत्मार्थपूजेति निगद्यते । तत्रात्मपूजा सम्यक् प्रकाशयितुं श्रीमदप्पय्यदीक्षितविरचिता शिवार्चनाचन्द्रिकाऽस्माभिः सम्पादिता पूर्वमेव सम्प्रदाय प्रकाशिता द्राविडभाषया विवरणेन च ।

सर्वोपकारार्थं श्रीरुद्रावतारादिशैवाचार्यैः क्रियया पूजा परार्थपूजेति गण्यते । तत्रात्मार्थपूजायां शिवदीक्षामात्रसंस्कृताः अधिकारिणः । परार्थपूजायां शिवदीक्षाऽऽचार्याभिषेकसंस्कृताः शिवाचार्या अधिकारिण इति दिव्यागमाः । तत्र तत्र दिव्यागमेषु विशकलितरूपे

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌣𑌾𑌵𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑌂 𑌵𑌰𑌾𑌹𑌪𑍁𑌰𑍀𑌵𑌾𑌸𑍍𑌤𑌵𑍍𑌯 𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑌪𑍂𑌜𑍋𑌤𑍍𑌸𑌵𑌯𑍋𑌰𑍍𑌵𑌿𑌷𑌯𑌜𑌾𑌤𑌶𑍈𑌥𑌿𑌲𑍍𑌯𑍇𑌣 𑌕𑍍𑌰𑍋𑌡𑍀𑌕𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌲𑌯𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑌪𑍂𑌜𑌾𑌵𑌿𑌧𑍍𑌯𑌾𑌦𑍍𑌯𑌵𑌰𑌾𑌹𑌪𑍁𑌰𑍀𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑌪𑍂𑌜𑌾𑌵𑌿𑌧𑌿𑌪𑌰𑍍𑌯𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌤𑌤𑍍𑌰 𑌭𑌵𑌾𑌨𑌨𑍍𑌦𑌵𑌰𑌾𑌶𑌿𑌵𑌾𑌲𑌯𑌪𑍂𑌜𑌾𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 𑌵𑍍𑌯𑌵𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑌃 ।

𑌅𑌥 𑌤𑌤𑍍𑌰 𑌤𑌦𑍁𑌤𑍍𑌸𑌵𑌪𑍍𑌰𑌕𑌾𑌰𑍇𑌣 𑌆𑌰𑍍𑌦𑍍𑌰𑌾𑌨𑌕𑍍𑌷𑌤𑍍𑌰𑍇 𑌨𑌾𑌟𑍍𑌯𑌾𑌡𑌮𑍍𑌬𑌰𑍇𑌣 । 𑌅𑌥𑌾𑌸𑍍𑌯 𑌤𑌦𑌾𑌵𑌶𑍍𑌯𑌕𑌤𑌾𑌂 𑌜𑍍𑌞𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌨𑌿𑌯𑌮𑍍𑌯 𑌸𑌂𑌭𑌵𑌯𑍋𑌰𑍍𑌯𑌥𑌾𑌸𑌂𑌕𑍍𑌷𑍇𑌪𑌪𑍍𑌰𑌕𑌾𑌰𑍇𑌣𑌾𑌵𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑌾𑌨𑍍 𑌵𑌿𑌸𑍍𑌤𑌰𑌸𑌾𑌪𑍇𑌕𑍍𑌷𑌾𑌨𑍍 𑌸𑌾𑌰𑌾𑌨𑍍 𑌵𑌿𑌤𑌤𑍍𑌯 𑌯𑌥𑌾𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿 𑌵𑌿𑌰𑌚𑌿𑌤𑌯𑌾 𑌵 𑌤𑌦𑍀𑌯𑌾𑌨𑍀𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌕𑌾𑌶𑌿𑌤𑌂 𑌚 ।

𑌅𑌥 𑌤𑌤𑍍𑌰 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌾𑌹𑍋𑌤𑍍𑌸𑌵𑌪𑍍𑌰𑌕𑌾𑌰𑍇𑌣 𑌕𑍍𑌰𑌿𑌯𑌾𑌵𑌿𑌧𑌿𑌰𑍍𑌦𑌰𑍍𑌶𑍍𑌯𑌤𑍇 । 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌾𑌹𑍋𑌤𑍍𑌸𑌵𑍇 𑌤𑌾𑌵𑌦𑌾𑌦𑍍𑌯𑌦𑌿𑌨𑍇 𑌭𑌗𑌵𑌤𑌃 𑌶𑌯𑍍𑌯𑌾𑌯𑌾 𑌉𑌤𑍍𑌥𑌾𑌨𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌤𑌃𑌕𑌾𑌲𑌂 𑌵𑌰𑌸𑍍𑌨𑌾𑌨𑌂 𑌸𑍍𑌨𑌪𑌨𑌂 𑌬𑌹𑌿𑌰𑍍𑌗𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌦𑌰𑍍𑌶𑌨𑌂 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌾𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑍇𑌃 𑌸𑍍𑌨𑌾𑌨𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 𑌤𑌤𑍍𑌪𑍂𑌜𑌾𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 𑌸𑌨𑍍𑌧𑍍𑌯𑌾𑌵𑌨𑍍𑌦𑌨𑌾𑌦𑌿 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌕𑌰𑍍𑌮𑌸𑌂𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍍𑌤𑌮𑍍 ।

𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑌾𑌹𑍍𑌣𑍇 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌲𑌯𑍇 𑌕𑌾𑌰𑌣𑍀𑌯𑌃 𑌪𑍂𑌜𑌾𑌵𑌿𑌧𑌿𑌰𑍍𑌦𑍍𑌵𑌿𑌤𑍀𑌯𑌃 । 𑌸𑌾𑌯𑌾𑌹𑍍𑌨𑍇 𑌕𑍃𑌤𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑌾𑌹𑍍𑌨𑌿𑌕𑌸𑍍𑌯 𑌸𑌨𑍍𑌧𑍍𑌯𑌾𑌪𑍂𑌜𑌾𑌵𑌸𑌾𑌨𑌂 𑌪𑍂𑌜𑌾𑌂 𑌸𑌮𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌦𑍋𑌷𑌕𑌾𑌲𑍇 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌲𑌯𑌂 𑌗𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌕𑌾𑌨𑍍𑌤𑌾𑌸𑌹𑌪𑍍𑌰𑌾𑌣𑌨𑌾𑌥𑌾𑌦𑍀𑌨𑌾𑌂 𑌸𑍍𑌨𑌾𑌨𑌾𑌦𑌿𑌕𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑍁𑌷𑍍𑌪𑌾𑌲𑌙𑍍𑌕𑌾𑌰𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌶𑌯𑌨𑌾𑌲𑌯𑌂 𑌗𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌶𑌯𑌨𑌾𑌲𑌯𑌕𑌵𑌾𑌟𑌾𑌦𑍍𑌯𑌪𑍍𑌯 𑌶𑌿𑌵𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌶𑌿𑌵𑌶𑍈𑌵 𑌶𑌿𑌬𑌿𑌕𑌾𑌯𑌾𑌮𑌾𑌰𑍋𑌪𑍍𑌯 𑌪𑍂𑌜𑌾𑌦𑌿𑌕𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌶𑌯𑌨𑌾𑌲𑌯 𑌦𑍇𑌵𑌸𑍍𑌯 𑌸𑌹𑌶𑌯𑌨𑌾𑌲𑌯𑌦𑍇𑌵𑌂 𑌯𑌥𑌾𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑍇 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌶𑍍𑌯 𑌪𑍂𑌜𑍋𑌤𑍍𑌸𑌵𑌯𑍋𑌰𑍍𑌵𑍍𑌯𑌵𑌸𑍍𑌥𑌾𑌂 𑌸𑌮𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌸𑌨𑍍𑌧𑍍𑌯𑌾𑌪𑍂𑌜𑌾𑌦𑌿𑌕𑌂 𑌪𑍂𑌜𑌾𑌵𑌿𑌧𑌾𑌨𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌅𑌨𑌨𑍍𑌤𑌰𑌂 𑌨𑌟𑍍𑌯𑌾𑌦𑍍𑌯𑌨𑍍𑌤𑍇𑌷𑍁 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌮𑌜𑍍𑌜𑌨𑍀𑌯𑌪𑍂𑌜𑌾𑌯 𑌨𑌟𑍍𑌯𑌾𑌦𑍍𑌯𑌨𑍍𑌤𑌸𑌮𑌯𑌪𑍂𑌜𑌾𑌵𑌿𑌧𑌿𑌰𑍍𑌦𑌰𑍍𑌶𑌿𑌤𑌃 ।

𑌤𑌤𑌃 𑌕𑌾𑌲𑌸𑌮𑌯𑌸𑌮𑍁𑌦𑌿𑌤𑌾𑌨𑌾𑌂 𑌦𑍇𑌵𑌾𑌨𑌾𑌂 𑌪𑍂𑌜𑌾𑌂 𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑌹𑍋𑌮𑌂 𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑍋𑌤𑍍𑌸𑌵𑌂 𑌬𑌲𑌿𑌪𑍂𑌜𑌾

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

உ

# 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌲𑌯𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑌪𑍂𑌜𑌾

## 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌯𑌾𑌵𑍍𑌯𑌵𑌹𑌾𑌰𑌾𑌯𑌪𑍂𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑌪𑍂𑌜𑌾𑌵𑌿𑌧𑍇𑌃

## 𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌾𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌪𑌤𑍍𑌰𑌿𑌕𑌾 ॥

| 𑌅𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌂 | 𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌮𑍍 | 𑌪𑍁𑌟𑌃 | 𑌪𑌙𑍍𑌕𑍍𑌤𑌿𑌃 |
|---|---|---|---|
| 𑌤𑌰𑍍𑌜𑌨𑌿𑌕𑌨𑌿𑌷𑍍𑌠𑌿𑌕𑌾 | 𑌤𑌰𑍍𑌜𑌨𑍀𑌕𑌨𑌿𑌷𑍍𑌠𑌿𑌕𑌾 | 5 | 15 |
| 𑌯𑌕𑍍𑌷𑌾𑌣𑌤𑌰𑍍𑌪𑌣𑌂 | 𑌯𑌕𑍍𑌷𑌤𑌰𑍍𑌪𑌣𑌂 | ,, | 32 |
| 𑌤𑌰 | 𑌤𑍀𑌰 | 6 | 10 |
| 𑌆𑌵𑌾𑌜𑌰𑍍𑌨𑌂 | 𑌆𑌵𑌰𑍍𑌜𑌰𑍍𑌨𑌂 | 7 | 21 |
| 𑌆𑌶𑌾𑌣𑍁𑌕𑌰𑍍𑌣𑌿𑌕𑌾 | 𑌆𑌶𑌾𑌵𑌸𑍁 𑌕𑌰𑍍𑌣𑌿𑌕𑌾 | 11 | 9 |
| 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌸𑌨𑌂 𑌶𑌿𑌵𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌿𑌰𑍍 𑌶𑌿𑌵𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌨𑍍 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯 | 𑌇𑌤𑌿 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌸𑌨𑌂 𑌶𑌿𑌵𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌿𑌰𑍍𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯 | 16 | 15 |
| 𑌸𑌵𑍍𑌯𑌹𑌸𑍍𑌤𑌕𑌮𑌣𑍍𑌡𑌲𑍇 𑌨𑌮𑌃 | 𑌸𑌵𑍍𑌯𑌹𑌸𑍍𑌤𑌕𑌮𑌣𑍍𑌡𑌲𑍇 𑌶𑌾𑌨𑍍𑌤𑍍𑌯𑌤𑍀𑌤𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 | 19 | 2 |
| 𑌓𑌂 𑌸𑌦𑍍𑌯𑍋𑌜𑌾𑌤 | 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑌦𑍍𑌯𑍋𑌜𑌾𑌤 | ,, | 9 |
| 𑌪𑌙𑍍𑌕𑌜𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌕𑌮𑌣𑍍𑌡𑌲𑍁 | 𑌪𑌙𑍍𑌕𑌂 𑌜𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌕𑌮𑌣𑍍𑌡𑌲𑍁 | 22 | 12 |
| 𑌸𑌾𑌵𑍍𑌯 | 𑌸𑌵𑍍𑌸𑌾𑌵𑍍𑌯𑌾 | 24 | 18 |
| 𑌵𑌯𑌰𑍍𑌨𑍍𑌯𑌾 | 𑌵𑌯𑌰𑍍𑌨𑍍𑌯𑌾𑌂 | ,, | ,, |
| 𑌕𑌮𑌣𑍍𑌡𑌲𑍁𑌰𑌾𑌧𑍇 | 𑌕𑌮𑌣𑍍𑌡𑌲𑍁𑌰𑌾𑌧𑍈 | 25 | 6 |
| 𑌧𑍇𑌨𑍁𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾 𑌸𑌂𑌹𑌾𑌰𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣 𑌕𑍁𑌰𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 | 𑌸𑌦𑍍𑌯𑍋𑌜𑌾𑌤𑌾𑌦𑌿 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌭𑌿𑌃 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾𑌨𑍍𑌤𑍈𑌰𑍍𑌹𑍃𑌦𑌾𑌦𑌿𑌭𑌿𑌃 𑌷𑌡𑌙𑍍𑌗𑍈𑌶𑍍𑌚 𑌧𑍇𑌨𑍁𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾 𑌸𑌂𑌹𑌾𑌰𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑍍𑌯 𑌕𑍁𑌰𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 | 29 | 24 |
| 𑌧𑌿𑌷𑍍𑌣𑍁𑌨𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 | 𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯𑌮𑍍𑌬𑌕𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌧𑌿𑌷𑍍𑌣𑍁𑌨𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 | 30 | 4 |
| 𑌕𑌹𑍀𑌧𑍍𑌯𑌾𑌪𑌾𑌦𑍍𑌯𑌪𑍂𑌜𑌾𑌦𑌿 | 𑌕𑌹𑍀𑌧𑍍𑌯𑌾𑌪𑌾𑌦𑍍𑌯𑌪𑍁𑌷𑍍𑌪𑌾𑌦𑌿 | 31 | 9 |
| 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌵𑌾𑌨𑍍𑌤𑍇 𑌸𑌂 | 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌵𑌾𑌨𑍍𑌤𑍇 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌗𑌵𑍍𑌯 𑌵𑌸𑍁 𑌸𑌹𑌸𑍍𑌰𑌾𑌦𑌿𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌤𑌃 𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣 𑌸𑌂 | ,, | 10 |

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



| അശുദ്ധം | ശുദ്ധി | പുടഃ | പ |
|---|---|---|---|
| ഢണ്ഡി | ഡിണ്ഡി | 33 | 4 |
| ഉപവന്ദ്ര | ഉപേന്ദ്ര | 38 | 13 |
| സാപഞ്ജപതഞ്ജ | പതഞ്ജസാപഞ്ജ | ,, | 31 |
| ഡിണ്ഡാനാം | ഡിണ്ഡിനാം | 43 | 21 |
| വൈധവാധായ | വൈധവാധായ | 44 | 12 |
| തളെ | തളോ | ,, | ,, |
| ഹര | ഹരി | 45 | 17 |
| ചംക്രിജാ | ചക്രികാ | 48 | 31 |
| പത്ഥാ | പദ്ധാ | 49 | 3 |
| രൗദ്രായ നമഃ | രൗദ്രായ നമഃ ഇതി സം പൂജയേൽ | | 17 |
| പത്ഥ | പദ്ധ | ,, | 28 |
| പത്ഥ | പദ്ധ | 50 | 11 |
| ,, | ,, | 52 | 26 |
| പാടാഗ്ര | പാടാഗ്രൈര്യ | 53 | 5 |
| ധയി ഭയാ പൃതേക്ഷാ | ധയി പൃതദയ്ക്ഷാ | 55 | 13 |
| സര്വൈരഹിഷിച്യ | സര്വൈഃ ക്രൂരൈണാഹിഷിച്യ | ,, | 14 |
| കയാ:യാര | കയാzzയാര | 60 | 15 |
| ജവിക്വാല്വ | ജവിക്വാല്വാഹാങ്ങദഭ്ര മൈന ല്വ | 65 | 27 |
| ഹവൈനാണം | ഹവൈ കണം | ,, | ,, |
| ഹവൈത്നാണം | ഹവാത്ണം | ,, | 28 |
| ദധജ | ദധൂജ | 66 | 21 |
| ദണ്ടവവൈസ്യാത്ര | ദണ്ടവെ ഉത്ര | ,, | 24 |
| കായുയിഃ | കായുവിയിഃ | 68 | 24 |
| പാടം | പാടായധും | 69 | 18 |
| യാന്വം | യ്യാന്വം | 70 | 3 |
| പാപയ | പായ | 72 | 2 |
| ധൈവെഹ്യ ഇതി പഭ്ര ണാുഹാതിദമൈണ്ഡ പഭ്രണാു | ധൈവെഹ്യ ഇതി ഹ്രാക് ഹ്രാവാ | 76 | 2 |

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



| अशुद्धं | शुद्धि | पुटः | पं |
|---|---|---|---|
| सज्जृगृह्यप्रक्षालसं विन्द्य | सज्जृगृह्यविन्द्य | 77 | 6 |
| पट्टवात्रुंसमक्ष्य | पट्टुं समक्ष्य | 77 | 20 |
| बद्धज्य | बद्धज्य | 78 | 14 |
| धृकः | यृकः | 83 | 2 |
| पृथिव्युदकसंयुक्त संयोज्य नायुक्तिने जमेनं संयोजयेत् | पृथक् संमेल नायुक्तिने जमे सायासे पृथगुपसंहृत संयोजयेत् | 86 | 4 |
| दोषपदेशस्य | हदेशस्य | 86 | 7 |
| हां | हीं | 87 | 3 |
| हाः | हः | 87 | 7 |
| हिद्यां | हिव्यां | 88 | 30 |
| वाहकां | वाहकां | 89 | 2 |
| ह्रीं वषट् | ह्रीं वं वषट् | 89 | 6 |
| शं | रं | 89 | 19 |
| शक्तिह्यां ऊर्ध्वभागेण | पताकायुक्तवस्त्रावरण यो: इन्द्राणीमिन्द्राणींस्तु | 91 | 6 |
| बाहु | बहु | 91 | 23 |
| कार्यधिनः | कार्यधिनः तद्भया | 92 | 22 |
| रोहिणीक्रु | रोहः क्रु | 92 | 28 |
| ॐ सवेष्टु | ॐ हूं श्रीं सवेष्टु | 93 | 4 |
| कृष्णा | तृष्णा | 93 | 9 |
| ॐ ग | ग | 94 | 3 |
| विवि | विष्णी | 97 | 5 |
| नायं सदेष्टु येत् | नायाधिकं यजेत् | 102 | 5 |
| धान | यान | ,, | 20 |
| ऊधुद | ऊधुद | 106 | 12 |
| भद्रा | भद्रा | 109 | 17 |
| ऊधुद | ऊधुद | 114 | 19 |
| दीर्घ पुष्पिकोपविनिन्द्य स्य त्रिःपविद्याय | त्रिःपविद्याय दीर्घ पुष्पिकोपविनिन्द्यस्य | 117 | 20 |

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



| 𑌆𑌗𑌮𑌮𑍍 | 𑌪𑌟𑌲𑌃 | 𑌪𑍁𑌟𑌃 | 𑌪 |
|---|---|---|---|
| 𑌸𑍂𑌕𑍍𑌷𑍍𑌮𑌸𑍂𑌕𑍍𑌷𑍍𑌮𑌕𑍇𑌵𑌲𑌮𑍍 | 𑌸𑍂𑌕𑍍𑌷𑍍𑌮𑌸𑍂𑌹𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 | 118 | 25 |
| 𑌦𑌾𑌨𑌾 | 𑌯𑌾𑌨𑌾 | 119 | 11 |
| 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌤𑌃 | 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌤𑌃 | 125 | 2 |
| 𑌰𑍌𑌰𑌵𑌮𑍍 | 𑌰𑍌𑌰𑌵𑌾𑌤𑍍 | 127 | 4 |

𑌷𑌡𑍍𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌵𑍍𑌯𑌾𑌨𑌦𑍀𑌦𑌦𑍍𑌵𑌯𑌦𑌿𑌵𑍍𑌯𑌂 𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵

𑌵𑌿𑌦𑍍𑌯𑌾𑌸𑌿𑌦𑍍𑌧𑌿𑌦𑌶𑌹𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌵𑌿𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰
𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌶𑌾𑌰 𑌵𑌮𑍍𑌹𑌯𑌹𑌸𑌿𑌜𑌮𑌦𑌾𑌶𑍍𑌚 ।
𑌵𑌾𑌮𑌯𑌾𑌰𑌵𑌾𑌵 𑌕𑌾𑌮𑌿𑌶𑌾𑌬𑍍𑌜𑌵𑌾𑌰𑌶𑌕𑌮
𑌵𑍇𑌦𑌯𑌾𑌰𑌸𑌵𑍍𑌯𑌕𑌾𑌰𑌷𑌜𑍍𑌞𑌾𑌵 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌶𑌤𑍍 ॥

𑌸𑌤𑌦𑍇𑌵 ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

| | |
|---|---|
| 8 | 25 |
| 9 | 11 |
| 25 | 2 |
| 27 | 4 |

ञ्च त्रिष्टुभमेव । षड्वर्गस्याभिकायात्रयः यदि वा पञ्चस्वक्षरेषु तस्य प्रयोगविधिः क्रमेण पञ्चाङ्गं कृत्वा नित्यहोमं नित्यार्चनादीन् कारयेत् ।

अथ उपासनविधिपञ्चाङ्गं मायाद्विकपञ्चाङ्गं च क्रमेण परिवारस्य मूलमन्त्रं गृहीत्वा तदावरणदेवतापञ्चाङ्गं अस्त्रिकाद्यादिकं कृत्वा पत्रिवारबन्धनं ब्रह्मरन्ध्रे संधीत ।

अनन्तरं शिवस्य तन्त्रीयमार्गं मूलमन्त्रवाचकं गृहीत्वा ब्रह्मादिदेवतानां न्यासपञ्चाङ्गं विततेन षडङ्गादिपञ्चाङ्गं संक्षेपेण च व्यापकेन कृत्वा पञ्चाङ्गन्यासादि पञ्चाङ्गं साधारणं विशेषेण सोमस्कन्दस्य च कृत्वा अनन्तरं शिवयोरुभयोः पञ्चाङ्गं परिवारस्य शयनार्थं पिण्डिकायाः रोमस्य शयनाद्यं गृहीत्वा तत्स्थानोपाधिकायां देव्याः सिंहासने शयनासनदेवतायाः संपञ्च शयनासनं कल्पयेत् सह पञ्चाङ्गं कृत्वा क्षेत्रपालाय उपगम्य आवरणादिकं क्षेत्रपालाद्यादिपञ्च शयनासने पञ्चाङ्गं क्षेत्रपालनिकटे रक्षणार्थं सदेवतं पात्रं समुद्र वियायाग्निविनियोगं कृत्वा मूलमन्त्रेण पञ्चाक्षरेण विधिना होमं कृत्वा ब्रह्मार्पणं तत्त्वपञ्चाङ्गादिकं कृत्वा सर्वेषु शयने सादरं स्थापयेत् सर्वदेवासनं मन्त्रैः पूजयेत् । विस्तरस्तु विषयानुक्रमणिकातो ज्ञातव्यः ।

श्रीमज्जनार्दनः शिवोपासनाक्रमः अनन्यभक्तः श्रीमत्रिलोचनशिवाचार्यैः शिवोपासना तत्र पठ्यमानं श्रीमीनाक्षीसुन्दरशिवाचार्य शिवोपासनाक्रमं अनन्यभक्तानां श्रीमज्जनार्दनानां बहुजनोपकाराय शिवोपासनाक्रमः । अतस्तेषां परिश्रमोऽत्र विश्वसनीयः ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy


| அஶுத்தம் | ஶுத்தம் | ப்ருஷ்ட: | ப |
|---|---|---|---|
| ஒஞ்சி | பிஞ்சி | 33 | 4 |
| உபவஜ்ர | உபவஜ்ர | 38 | 13 |
| ஸாவஜ்ரவதஜ்ர | வதஜ்ரஸாவஜ்ர | ,, | 31 |
| பிண்டநாம் | பிண்டிநாம் | 43 | 21 |
| வைதவாதாய | வைதவாதாய | 44 | 12 |
| தவெள | தவௌ | ,, | ,, |
| ஹர | ஹரி | 45 | 17 |
| ஹம்ஸிகா | ஹம்ஸிகா | 48 | 31 |
| பத்³தா | பத்³தா | 49 | 3 |
| ராத்ராய நம: | ராத்ராய நம: இதி ஸம் பூஜயேத் | ,, | 17 |
| பத்³ | பத்³ | ,, | 28 |
| பத்³ | பத்³ | 50 | 11 |
| ,, | ,, | 52 | 26 |
| பாபாந் | பாபாந்நியே | 53 | 5 |
| தயி தயா வ்யதிக்ஷா | தயி வ்யதிக்ஷா | 55 | 13 |
| ஸப்தைர் அபிஷிச்ய | ஸப்தை: ஸ்ரோணாபி ஷிச்ய | ,, | 14 |
| க்ஷயாயார | க்ஷயாzzயார | 60 | 15 |
| ஜபித்வா ஸ்வ | ஜபித்வா ஸ்வாஹாந்தம் ஸ்வ | 65 | 27 |
| ஹவிஷ்ணாஹம் | ஹவிஷ் கஹம் | ,, | ,, |
| ஹவிஷ்நாஹம் | ஹவிஷாஹம் | ,, | 28 |
| தேஜ | தேஜஜ | 66 | 21 |
| தண்டபவேஷ்யா தர | தண்டவே உதர | ,, | 24 |
| காயபுயி: | காயபுவியி: | 68 | 24 |
| வாடம் | வாடாயதம் | 69 | 18 |
| யாந்நம் | யாந்நம் | 70 | 3 |
| வாவய | வாய | 72 | 2 |
| தேவேஷு இதி வசோ ணாயாஹாரதிதேந வசோணயா | தேவேஷு இதி ஸ்ராக் ஸ்ராவா | 76 | 23 |

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy


| 𑌅𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌂 | 𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌂 | 𑌪𑍃𑌷𑍍𑌠𑌃 | 𑌪 |
|---|---|---|---|
| 𑌸𑌜𑍍𑌜𑌹𑍍𑌯𑌾𑌰𑌕𑍍𑌷𑌾𑌸𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌧𑍍𑌯 | 𑌸𑌜𑍍𑌜𑌹𑍍𑌯𑌵𑌿𑌨𑍍𑌧𑍍𑌯 | 77 | 6 |
| 𑌬𑌹𑍁𑌵𑌾𑌤𑍍𑌸𑌂𑌸𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌵𑍍𑌯 | 𑌬𑌹𑍁𑌂 𑌸𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌵𑍍𑌯 | 77 | 20 |
| 𑌬𑌦𑍍𑌜𑍍𑌯 | 𑌵𑌦𑍍𑌜𑍍𑌯 | 78 | 14 |
| 𑌧𑍍𑌯𑌕𑍍 | 𑌯𑍍𑌯𑌕𑍍 | 83 | 2 |
| 𑌵𑍍𑌯𑌷𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌸𑌂𑌯𑍇 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑍍𑌯 𑌾𑌯𑍁𑌧𑍍𑌧𑌿𑌨𑍇 𑌜𑌮𑍇𑌨𑌂 𑌸𑌯𑍋𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 | 𑌶𑍍𑌵𑌾𑌤𑌃 𑌰𑌂𑌯𑍇 𑌾𑌯𑍁𑌧𑍍𑌧𑌿𑌨𑍇 𑌜𑌮𑍇 𑌸𑌾𑌯𑌾𑌹𑍍𑌨𑍇 𑌵𑍍𑌯𑌷𑌹𑌸𑌨𑍇𑌧𑌵 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 | 86 | 4 |
| 𑌦𑍈𑌵𑌦𑍈𑌤𑍍𑌯 | 𑌹𑌦𑍈𑌤𑍍𑌯 | 86 | 7 |
| 𑌹𑌾𑌂 | 𑌹𑍀𑌂 | 87 | 3 |
| 𑌹𑌾𑌃 | 𑌹𑌃 | 87 | 7 |
| 𑌶𑌿𑌧𑍍𑌯𑌾𑌂 | 𑌶𑌿𑌵𑍍𑌯𑌾𑌂 | 88 | 30 |
| 𑌵𑌾𑌧𑌕𑌾𑌂 | 𑌵𑌾𑌧𑌾𑌕𑌾𑌂 | 89 | 2 |
| 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌵𑌨 | 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌵𑌂 𑌵𑌨 | 89 | 6 |
| 𑌶𑌂 | 𑌰𑌂 | 89 | 19 |
| 𑌶𑌕𑍍𑌤𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌅𑌷𑍍𑌟𑌅𑌷𑍍𑌟𑍈𑌰𑍍𑌣 | 𑌵𑌤𑌾𑌯𑍁𑌵𑌣𑌅𑌵𑌰𑌣𑌯𑍋𑌃 𑌇𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌾𑌦𑍀𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌾𑌦𑍀𑌂𑌶𑍍𑌚 | 91 | 6 |
| 𑌬𑌾𑌹𑍍𑌯 | 𑌬𑍍𑌯𑌹 | 91 | 23 |
| 𑌕𑌾𑌯𑌟𑍁𑌰𑌾𑌕𑍍 | 𑌕𑌾𑌯𑌟𑍁𑌰𑌾𑌕𑍍 𑌤𑌧𑍍𑌯𑌾 | 92 | 22 |
| 𑌰𑍇𑌹𑍇𑌯𑌾𑌤𑍍𑌰 | 𑌰𑍇𑌹𑍍𑌯𑌃𑌤𑍍𑌰 | 92 | 28 |
| 𑌓𑌂 𑌸𑌵𑍇𑌟𑍁 | 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌸𑌵𑍇𑌟𑍁 | 93 | 4 |
| 𑌕𑍃𑌷𑍍𑌣𑌾 | 𑌤𑍃𑌷𑍍𑌣𑌾 | 93 | 9 |
| 𑌓𑌂 𑌗 | 𑌗 | 94 | 3 |
| 𑌵𑌿𑌷𑌿 | 𑌵𑌿𑌷𑌾𑌣𑌿 | 97 | 5 |
| 𑌨𑌾𑌯𑌂 𑌸𑌅𑌵𑌟𑍁𑌯𑍇𑌤𑍍 | 𑌨𑌾𑌯𑌾𑌧𑌿𑌕𑌂 𑌯𑌜𑍇𑌤𑍍 | 102 | 5 |
| 𑌧𑌾𑌨 | 𑌯𑌾𑌨 | ,, | 20 |
| 𑌅𑌧𑌉 | 𑌅𑌧𑍁𑌉 | 106 | 12 |
| 𑌮𑌧𑌾 | 𑌮𑌧𑌾 | 109 | 17 |
| 𑌅𑌧𑌉 | 𑌅𑌧𑍁𑌉 | 114 | 19 |
| 𑌧𑍀𑌵𑍍𑌯𑌾 𑌕𑍋𑌵𑌸𑌿𑌵𑌿𑌨𑍍𑌧𑍍𑌯 𑌸𑍍𑌯 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌃𑌵𑌸𑌿𑌹𑍍𑌰𑌾𑌅𑌯 | 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌃𑌵𑌸𑌿𑌹𑍍𑌰𑌾𑌅𑌯 𑌧𑍀𑌵𑍍𑌯𑌾 𑌕𑍋𑌵𑌸𑌿𑌵𑌿𑌨𑍍𑌧𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 | 117 | 20 |

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



| 𑌅𑌶𑌁𑌦𑍍𑌧𑌂 | 𑌶𑌁𑌦𑍍𑌧𑌿 | 𑌪𑍃𑌃 | 𑌪 |
|---|---|---|---|
| 𑌪𑍍𑌰𑌤𑌿𑌪𑍂𑌪𑍍𑌰𑌣𑌯 | 𑌪𑍍𑌰𑌤𑌿𑌪𑍂𑌹𑍍𑌯𑌾𑌪 | 118 | 25 |
| 𑌪𑌾𑌨𑌾 | 𑌯𑌾𑌨𑌾 | 119 | 11 |
| 𑌉𑌕𑍍𑌷𑌿𑌤𑌃 | 𑌉𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌤𑌃 | 125 | 2 |
| 𑌗𑍌𑌰𑌵𑌂 | 𑌗𑌾𑌰𑌵𑌾𑌤𑍍 | 127 | 4 |

𑌷𑌡𑍍𑌵𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯𑌾𑌨𑌦𑍀𑌪𑍍𑌤𑌨𑍍𑌯𑌪𑌵𑌿𑌰𑌚𑌿𑌤𑌂 𑌤𑌚𑍍𑌚

𑌵𑌿𑌧𑌾𑌤𑍃𑌪𑌨𑌿𑌹𑌟𑌿𑌪𑌶𑌹𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌵𑌿𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰
𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌶𑌾𑌰 𑌵𑍃𑌦𑍍𑌧𑌹𑌯𑌹𑌟𑌿𑌜𑌗𑌪𑌾𑌶𑍍𑌚 ।
𑌵𑌾𑌪𑍀𑌰𑌚𑌾𑌵 𑌕𑌾𑌵𑍍𑌯𑌶𑌾𑌜𑍍𑌞𑌵𑌰𑌶𑌕𑍍𑌤
𑌵𑍇𑌟𑌯𑌰𑌸𑌤𑍍𑌯𑌕𑌾𑌰𑌷𑌣𑍍𑌣𑌾𑌵 𑌨𑌪𑌸𑍍𑌤𑍇 ॥
𑌘𑌨𑌤𑌪𑍇𑌵 ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



ஞு மிவு-உ த-உயெசு । ஷ்வகஸ்யாதிகாயாஶ்வாzzவுயஃ யதி வா யுக்யெநாவுஷிதஃ தஹி-உ தயொரவி கூஜெண வ-இஜாம் கூகுா நித்யஹொா நிதெய்யா-தவாதீநு காரயெசு ।

சுயு உவவஸந்ஷிவ-இஜாம் ஜாயுாஹிகவ-இஜாம்ச கூஜெண வரிவஸாவஸ்ய ஞுவாய-உஃஷ்மஹரூம் மகுா ஔவாவஸ-நா தாயு-உவ-இஜாம் சுதிகாய-உாதிகணு கூகுா வதிவாவலெ ஆகாதெணலஸஹ ஹுஜீத ।

சுநந்தரம் திவஸஸ்ய தாஈயெயாஜ ஞுவாய-உஷ்வாயயம் மகுா வூஷொஷகாஜெ நடாராஜவ-இஜாம் விதஜெந ஜ-இவ ஷிஜ்ஞாதிவ-இஜாம் ஸம்க்ஷெவெண வ வூகாரெண கூகுா வஶ்ராநு-இவஷிஜ்ஞாதி வணாஹாநாம் ஸாயரக்ஷாம் விஶெஷெண ஹொஜாஸஜஹ வஸ்ய வ கூகுா சுநந்தரம் ஶிவயொாயயுாஜ வ-இஜாம் வரிவஸாவஸ்ய ஶயநாயஜ-இதிஉம் ஶிவிகாயாஜா ஜொவஸ்ய ஶயநாயம் மகுா தநூதாzzஜொஷிகாயாம் தெ வ்யாநிகவெ ஶயநாய தெவவெவஷ்ாவஸ்ய ஸம்வஇஜ்ய ஶயநா ஜய கவாடம் ஸஜ்டிஷ்ய வணவ-இஜாம் கூகுா கெக்ஷநூவாஜய ஜவமஜ்ய ஆரவாஜாதிகம் கெக்ஷநூவாஜனாzஹஸ்யவஉஸ்ய ஶய நாzzஜயஜநூாதிணம் கெக்ஷநூவாஜிகவெ ரக்ஷணாயஉம் ஸஜவெஉஸ்ய சரகவாடாம்ஶ்ச வியாயாzஜவிநியொமம் கூகுா ஞுவாய-உஸவ-உவாஹெயாவஜாஜெஸஸஷிதஃ ஷ்மஹரூம் வூா வ்யாஹ்யவஹார தாஜ-இவசவ-உணாதிகம் கூகுா ஸுவெந ஶயநெ ஸாஷ்வவ்யாதிதாதி ஸவ-உஜவி ஸுவிஷூரம் வூதா வாதி । விஷூரஸு விஷயாநுகுஜணிகா தொவமஜவ்யஃ ।

ஶ்ரீரஜநஹாமஃ தீவொவவாாகுஜஃ சுநெஷ்கெவநஹா மாஶ்ரொவஜபயொராதஶ-உயொநஉதிஶ்ய ஜெ । ஜணகூபி ஶிவ ஶ்ரீஜீநாகூஷிஸுநாரஶிவாவாய-உா தீவொவவார தஹு வயகுஜஜ்ஜூஹாம ஶ்ரீரஜநஹாமாநாம் சுநெஷாணு கெஷா ணிசு ஹாமாநாஜாதஶ-உாநுஉதூா வரிஶொயயவொவவகுஜஃ। வாரெதஷாம் வரிஶ்ரூஜொzதீவ விஷூஸநீயஃ ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



[illegible] श्री. ति. रा. [illegible] शिवाचार्याः [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

[illegible] ।

[illegible]

1 [illegible] शिवश्री.

उ. वे. श्रीबालसुब्रह्मण्यशिवाचार्याः

[illegible]

2 [illegible]. ति. रा. [illegible] शिवाचार्याः

[illegible] ।

[illegible] ॥

[illegible] ॥

[illegible],

शिवागमसिद्धान्तपरिपालनसङ्घाध्यक्षाः.

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

ஶிவாய

நித்யவைதிகவிதுர்யாவ்யவஸாய நித்யவைதிகவிதயெ:

விஷயாநுக்ரமணிகா ॥

(நித்யகர்மவிதுர்யாவ்ய வைவஹாரம:)


ஶூவாயலக்ஷணம் 1

ஶூதயந்தாநாதிவிதி: 1

ஶௌசவிதி: 2

உதஶுத்தி: 2

ஹொர வர்ண மஹாதி தேவதாஸ்தாயநா 3

தடாகாதிஹேதந கஹிர்வாவஸ்நாநாதிஹேது: 3

ஶூத்திகாஸ்நாநம் 3

கஷ்ஹ்யஸந்த்யாவிதி: 4

விதிஸ்நாநப்ரகார: 4

ஶூவர்தநவிதி: 5

தேவர்ஷிபித்ருதர்பணவிதி: 5

யக்ஷதர்பணம் 6

ஶிவோதகதாநவிதி: 6

வாஸோதகதாநவிதி: 6

உஶவிதஸ்நாநப்ரகார: 6

யஜ்ஞோபவீதஸ்நாநஸ்ய ஶுத்திகாமீபதேஹக ஸ்திவாதநவிதி: 6

ஸந்த்யாஜபாநஹர்வஸ்த்ரநிஷேதம்: 6

ஹஸ்தாரணவிதி: 6

கரஶுத்தி: 7

கஹஶுத்தி: 8

ஶிவஸந்த்யாவிதி: 8

ப்ராஹ்மீ வைஷ்ணவீ ரௌத்ரீ யாநாமி 9

தர்பணஸந்த்யாயாநம் 9

தர்பணஸந்த்யாஹாவாயநிஷேதம்: 9

ஶாஜநவிதி: 9

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌜𑌪𑌶𑍇𑌷𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 10
𑌗𑌾𑌯𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯𑌾𑌃 𑌸𑍍𑌵𑌪𑍍𑌰𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑌸𑍍𑌯𑌾𑌃 𑌸𑍍𑌵𑌸𑍍𑌥𑌤𑌾 10
𑌸𑌨𑍍𑌧𑍍𑌯𑌾𑌪𑍁𑌣𑍍𑌯𑌕𑌾𑌲𑍇 𑌸𑌹𑌸𑍍𑌰𑌶𑌿𑌵𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 10
𑌶𑌾𑌮𑍍𑌭𑌵𑍀𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 11
𑌶𑌿𑌵𑌗𑌾𑌯𑌤𑍍𑌰𑍀𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌂 11
𑌪𑌞𑍍𑌚𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾𑌰𑍍𑌪𑌣𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 11
𑌦𑍇𑌵𑌰𑍍𑌷𑌿𑌪𑌿𑌤𑍃𑌤𑍀𑌰𑍍𑌥𑌨𑌿𑌰𑍍𑌦𑍇𑌶𑌃 12
𑌕𑌰𑍍𑌷𑌣𑍋𑌪𑌸𑌂𑌹𑌾𑌰𑌃 12
𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌯𑌜𑍍𑌞𑌪𑍍𑌰𑌕𑌾𑌰𑌃 12

(𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑌭𑌾𑌗𑌵𑌿𑌷𑌯𑌸𑍂𑌚𑍀)

𑌸𑍍𑌨𑌾𑌨𑌂 13
𑌸𑍂𑌰𑍍𑌯𑌾𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯 𑌪𑌾𑌦𑌪𑍍𑌰𑌕𑍍𑌷𑌾𑌲𑌨𑌾𑌦𑌿𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 13
𑌕𑌰𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌃 13
𑌪𑍍𑌰𑌾𑌣𑌾𑌯𑌾𑌮𑌃 13
𑌪𑌞𑍍𑌚𑌗𑌵𑍍𑌯 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌿𑌃 14
𑌶𑍋𑌷𑌣𑌾𑌦𑌿 𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑍀𑌕𑌰𑌣𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 15
𑌅𑌙𑍍𑌗𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌃 16
𑌅𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌾𑌦𑌿𑌕𑌾𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌃 17
𑌵𑌰𑍍𑌣𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌃 18
𑌷𑌟𑍍𑌤𑍍𑌰𑌿𑌂𑌶𑌤𑍍𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌃 18
𑌶𑌿𑌵𑌹𑌸𑍍𑌤𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌨𑌾 20
𑌆𑌤𑍍𑌮𑌯𑌾𑌗𑌃 20
𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌾𑌨𑍁𑌜𑍍𑌞𑌾 21
𑌸𑌾𑌮𑌾𑌨𑍍𑌯𑌾𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌕𑌲𑍍𑌪𑌨𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 21
𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌦𑍍𑌵𑌾𑌰𑌪𑍂𑌜𑌾 21
𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌪𑍂𑌜𑌾𑌦𑌿𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 22
𑌗𑌨𑍍𑌧𑍍𑌰𑌾𑌦𑍍𑌯𑌰𑍍𑌪𑌣𑌶𑍍𑌲𑍋𑌕𑌃 23
𑌶𑌯𑌨𑌾𑌗𑌾𑌰𑌪𑍂𑌜𑌾 23
𑌦𑍍𑌵𑌾𑌰𑌦𑍇𑌵𑌤𑌾𑌪𑍂𑌜𑌨𑌶𑍍𑌲𑍋𑌕𑌃 23
𑌶𑌯𑌨𑌾𑌗𑌾𑌰𑌦𑍇𑌵𑌪𑍂𑌜𑌾𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑌨𑌾𑌦𑌿𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 24

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy




உஷ:காலபூஜா

ஸ்நாநஸங்கல்ப: 24
கவாடோத்காடநபூஜா 24
பாத்யகல்பநவிதி: 25
ஆசமநீயகல்பநவிதி: 26
அர்க்யகல்பநவிதி: 26
பஞ்சகவ்யவிதி: 28
பஞ்சாம்ருதவிதி: 30
ஸ்நபநவிதி: 31
உஷ:காலபூஜாப்ரகார: 32
ஸ்ரீபஜநம் 32
ஷட்காலநிர்ணயஸ்லோகா: 33
காலஸந்திபூஜா 33
காலஸந்த்யௌபூஜநீய தேவா: உமா உத்ஸவகாரணா
மஹேஸ்வரோமணஸ்லோகா: 33
ஸந்த்யாபூஜா 34
ஸந்த்யாவரணபூஜா 36
மத்யாஹ்நபூஜா 37
மத்யாஹ்நாவரணபூஜா 40
ஸிவபூஜாநுஸாரபூஜா 42
பிக்ஷாடநவ்ருஷவாஹநாதி 43
ஸிவமஹாவரணபூஜா 45
பிக்ஷாஸங்கல்ப: 45
உத்ஸவஸங்கல்ப: 46
க்ரியாரம்பஸக்திபூஜா 47
அநந்தாஸநபூஜா 47
ஸிம்ஹாஸநபூஜா 47
யோகாஸநபூஜா 48
பத்மாஸநபூஜா 48
விமலாஸநபூஜா 49
அங்கந்யாஸக்ரம: 51

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy


| | |
|---|---|
| ப்ரஹ்மாங்கந்யாஸக்ரமஃ | 51 |
| வக்த்ராங்கந்யாஸக்ரமஃ | 51 |
| ஸதாஶிவத்யாநம் | 52 |
| ஆவாஹநஸ்தாபநாதிக்ரமஃ | 53 |
| அபிஷேகவிதிஃ | 54 |
| தத்தத்காமாநுஸாரேண அபிஷேகத்ரவ்யஸ்நாநவிதிஃ | 55 |
| அபிஷேகத்ரவ்யக்ரமப்ரதிபாதகஶ்லோகஃ | 55 |
| காம்யக்ரமேண தேவஸ்ய வஸ்த்ரப்ரதிபாதநஶ்லோகஃ | 56 |
| லிங்கஸ்ய வஸ்த்ரவேஷ்டநப்ரகாரலக்ஷணவிதிஃ | 56 |
| ஶிவாவரணபூஜாயாம் அர்ச்சிதாமந்த்ரப்ரமாணஶ்லோகநிர்தேஶஃ | 56 |
| ப்ரதமாவரணபூஜா | 57 |
| த்விதீயாவரணபூஜா | 58 |
| த்ருதீயாவரணபூஜா | 59 |
| சதுர்த்தாவரணபூஜா | 59 |
| பஞ்சமாவரணபூஜா | 60 |
| ப்ரஹ்மஸ்தாநே தத்வயஜநத்யாநாதிக்ரமஃ | 61 |
| விஷ்ணுஸ்தாநே தத்வயஜநத்யாநாதிக்ரமஃ | 62 |
| ருத்ரஸ்தாநே தத்வயஜநத்யாநாதிக்ரமஃ | 63 |
| மஹேஶ்வரஸ்தாநே தத்வயஜநத்யாநாதிக்ரமஃ | 63 |
| ஸதாஶிவஸ்தாநே தத்வயஜநத்யாநாதிக்ரமஃ | 64 |
| நைவேத்யதாநவிதிஃ | 65 |
| அர்க்யதாநஸ்யாऽऽவஶ்யகதா | 65 |
| ஷட்விதநைவேத்யபேதப்ரதிபாதக காரிகாஶ்லோகஃ | 66 |
| ஹோமஶக்தி[illegible]பூஜா | 66 |
| ஸமஸ்தஶிவ[illegible]ஜநாவிதிஃ | 68 |
| நித்யாக்நிகார்யவிதிஃ | 69 |
| வாமாக்நித்யாநம் | 72 |
| ஸ்ருக்ஸ்ருவத்யாநம் | 72 |
| வ்யஜாக்நித்யாநம் | 76 |
| ஸம்க்ஷிப்தநித்யாக்நிகார்யவிதிஃ | 77 |

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy




| | |
|---|---|
| वृषारूढध्यानम् | 78 |
| नित्योत्सवविधिः | 79 |
| बलिहरणनिर्णयः | 80 |
| बलिबेरध्यानम् | 82 |
| देविकादिस्थापनेषु बलिदेवाष्टकस्थापनविधिः | 83 |
| बलिहरणविधिः | 84 |
| पादप्रक्षालनविधिः | 84 |
| जपहोमपूर्णविधिः | 85 |
| कालस्थापने वर्षादिस्थापनविधिः | 85 |
| वज्रपूजाविधिः | 86 |
| षण्मुखपूजाविधिः | 87 |
| षण्मुखावरणपूजा | 90 |
| सकलसुब्रह्मण्यपूजा | 91 |
| गौरीपूजाविधिः | 92 |
| शक्तित्रयस्थापनविधिः | 92 |
| गौरीपञ्चविंशतिकान्यासः | 92 |
| वृषभशक्त्यादिस्थापनध्यानविधिः | 94 |
| गौर्यावरणपूजा | 95 |
| गौरीनित्याग्निकार्यविधिः | 97 |
| देवीनित्योत्सवविधिः | 98 |
| कलशपूजा | 100 |
| उपसन्धिपूजाविधिः | 101 |
| माध्याह्निकपूजाविधिः | 102 |
| भोजनविधिः | 103 |
| प्रदोषकालपूजाविधिः | 103 |
| नृत्तराजेशपूजा | 104 |
| नटराजशिवकाम्याम्बिकाध्यानम् | 105 |
| सायरक्षापूजाविधिः | 106 |
| अर्धयामपूजाविधिः | 106 |
| कारणागमोक्त शयनोत्सवविधिः | 107 |
| शयनशीलोत्सवस्थापनविधिः | 107 |

| | |
|---|---|
| ப்ரகாராந்தரேண ஷோடஶோபசாரவிதி: | 108 |
| யஜ்ஞோபவீதாத்யுபசாரஸ்ய விநியோகவ்யவஸ்தாவிதி: | 108 |
| பஞ்சாராத்ரிகபூர்ணகும்பபூஜா | 112 |
| ஸஹஸ்ரநாமஸ்தோத்ராதிநாமாவலீபாட: | 114 |
| தேவதாஸ்நபநவிதி: | 114 |
| ஸோமாஸ்கந்தபூஜா | 115 |
| ஸூர்யாதிதிக்பாலாதிபூஜாவிதி: | 118 |
| சண்டேஶ்வரபூஜாவிதி: | 119 |
| க்ஷேத்ரபாலபூஜா | 121 |
| க்ஷேத்ரபாலாவரணபூஜா | 123 |
| பாஹ்யநித்யதிதீய க்ஷேத்ரபாலபூஜா | 125 |
| ஶிவாலயநித்யபூஜோபஸம்ஹார: | 127 |
| மஹாப்ரதோஷபூஜாவிதிக்ரம: | 128 |

விஷயாநுக்ரமணிகா ஸமாப்தா ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

உ

ஶிவாப்⁴யாம் நம: ॥

ஶ்ரீமத³கோ⁴ரஶிவாசார்யவிரசித:

# ॥ ஶ்ரீப்ராயஶ்சித்தபூஜாவிதி⁴: ॥

(பூர்வபா⁴க³:)

வேதா³தி³நாநாவித⁴ஶாஸ்த்ரதந்த்ர-
ஸாரக்ரியாஶில்பஸமஸ்தவர்க³ம் ।
ப்ராயஶ்சித்தம் ஸம்பூர்ணம் ஸர்வமேவ
ஶைவாக³மாத்³யாக³மஶைவஶாஸ்த்ரேஷு ॥
ஸ தத்த்வஜ்ஞாநஸம்பூர்ணஷட³த்⁴வஜ்ஞாநவித்தம: ।
ஸாரதா⁴ஷாட்³யோகா³பி⁴ஜ்ஞோ ஜ்ஞாநஸம்பத்திபோ³த⁴க: ॥
தீ³க்ஷாபி⁴ஷேகஸம்ஸித்³த⁴: ஸர்வஜீவத³யாபர: ।
ஜ்யோதிஶ்ஶாஸ்த்ரக்ரியாதந்த்ரவாக்ப்ரஸாத³ஸம்யுத: ।
இத்யாதி³கு³ணஸம்பந்நோ தே³ஶிகேந்த்³ராபி⁴தீ⁴யதே ॥

அத² கு³ருப்³ரஹ்மணே ஶுப⁴தி³நே போ⁴ஜநாய உத்தராபி⁴முகோ² ரவிராஸநே ஸ்தி²த்வா (1) கு³ருபாது³காதி³ ஶிவதத்த்வம் விசிந்த்ய கு³ருதே³வதாதி³நாமைக்யம் பா⁴வயித்வா நமஸ்க்ருத்ய ப்ரணதிம் யதா²தே³ விஸேவயந் ஶிவம் ஸங்கல்ப்ய பாஶஸம்ப³ந்த⁴நிவ்ருத்திஸாத⁴கவாக்யஸாத⁴நா க்ஷேத்ரவ்ருத்யாதி³வஸ்த்ரவேதி³காதி³ஸம்ஹிதா ப்ராஸாத³ப³ஹிர்ப்⁴ருத்ய நத்³யாதி³ஜலதீர்தே² தாநி ஸ்தா²பயித்வா விஶுத்³த⁴வி ஸர்ஜநாயாஞ்ச ப்ரோக்ஷ: ।

காமிகே –

நதீ³ம் தடாகம் கேதா³ரம் வல்மீகம் வ்ருக்ஷகாநநம் ।
கோ³வாஸம் விப்ரஸத³நம் ஶ்மஶாநம் ஶிவமந்தி³ரகம் ॥

---

(1) கு³ருப்³ரஹ்மா கு³ருர்விஷ்ணு: கு³ருர்தே³வோ மஹேஶ்வர: । கு³ருஸ்ஸாக்ஷாத் பரம்ப்³ரஹ்ம தஸ்மை ஶ்ரீகு³ரவே நம: ॥ இதி ஶ்ரீகு³ருத்⁴யாநம் ॥

In Public domain, Digitization Muthulakshmi Research Academy



ஸூநாமஶோமுஞ ஹ்ராவயம் ெஶௌமஶேமகூ ।
ஷவம்க்ஷேத்ரம் வஸிதுஜ்ஜு ஹ்யந்யூஹேஶள விஸஜுயெக ॥
ஜதுர்க்ஷஹேஶிம் வஸிஹ்ரதுாந்யூஹேஶள விண்ணேத்ரு ஶமவிஸஜுநாயும் ஹேஶிஷெவதாம் ஷாளயுயெக ।
நவவண்ணவதிநுஷெவாநு ஷாளயுயாஶி ஷயாவராநு ।
ஹேஶாவஸ்யாம் ஶமஜமம் க்ரியதே தஸ்க்ஷஶ்லஸ ஷோ: ॥
ஷவம் ஷாளயு யஜூஸேத்ரஶவஸவ்யம் ஷக்ஷிணக ஷணு நியாயாஸ்த்ரஶஞ்ஜ்ரண கராவாஷ்லாடு ஷிவா உத்ரா ஹிஶ⁻ஷொ ஹேஶௌள ஶௌளநீ துணாநி நியாய வஸ்த்ரகௌள வீஷெந விஸ்ருஜ்ஜு நாஸிகாம் பஞ்ஜா ஷ்ரூ⁻தம் ஶமஶேஷெத்ரு விஸ்ருஜெக । வாஶஹஷெஸ்த ெஶஷஸ்ஸூஹ்ரு ஷக்ஷிணஹ ஷெஸ்தந ஶா⁻ஜ்ஶ்ருதிகாஶாஷாய க்ருஶமகஷ்ருஶணெந ஸவ்யவாரம் மருஹீகுா உஷகெந ஷ்ருக்ஷாளயெக ।
யொமஜெ–
ஷகா மிஜ்ஜெ ம⁻ஷெ வஞ திஸ்ருஸ்திஸ்ரு: கரெ தயா ।
வாஷயொர⁻ஹயொரெஶ்வ ஷண்ணுஷா க்ஷாளநம் ஹஷெக ॥
மருஹஷொ ஜ்ரூஹசாரீ வ வாநஷ்ருஷொ யதிஶ்வர: ।
ஷகசிதுிசதஶ்ரீத்ருா க்ஷாளயெத்ர⁻ யயாவியி ॥
தஷெஶம் வஸிஹ்ருதுாந்யுஷெஶ ஜமெந ஸவ்யவாரம் மணுஷ்ஷு உபவீதம் யாரயெக । தத ஷ்ருவாஶெக ॥
இதி ெஶௌசவிதி: ॥

॥ அத தந்தஶுத்தி: ॥

காரஞ்ஜெ– ஜம்பூரஜெள ச ஹி ந்யக்ரோயம் பநஸம் வாஷிரம் தயா । ஸுவாஶமபுாகுவ்ருக்ஷாம்ஶ்வ ஸக்ஷீரம் வா ஸகண்டகழு ॥
காரயெத்தந்தகாஷ்டாயும் அாஷஶாஜ்ஞமஶாநகழு ।
நிஷெயஶ்ச ஹி தஷெத்ரவ ஷெஸகதஷேஷ காஹவழு ॥
ந குர்யாக ஷிஜஶா⁻ஜ்யயும் மருஹஷேயீ கஷாவந வமாமம் வா விஶேஷத: ॥ விதந்ஷிெந காஷ்டேந ஷந்தயாவநம் ந குர்யாக । ஸுஜிதெ–
ஸோயாஞ வ்ருதிவாதெ ஶாதாவிதுஶ்ஶதெzஹநி ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy


दर्शकालेषु न(1)कुर्वीत पितॄणां भयकारणम् ॥
अवशिष्टेषु पर्णेन वा दन्तशोधनं विधाय पश्चान्मुखः गण्डूषद्वादशं चरेत् । स्नानार्थं जलसमीपमागत्य प्राङ्मुख उदङ्मुखो वा सपवित्रपाणिराचमनं कुर्यात् । प्राणायामं विधाय तदनन्तरं भैरवं प्रार्थयेत् ॥

## भैरवप्रार्थना ॥

अतिक्रूर महाकाय कल्पान्तदहनोपम ।
भैरवाय नमस्तुभ्यमनुज्ञां दातुमर्हसि ॥

इत्यनुज्ञामादाय जलदेवतां प्रार्थयेत् ।

वरुणस्त्वं नाथ त्र्यम्बकस्य सदाप्रियः ।
अनुज्ञा दीयतां मह्यं स्नानार्थं पश्चिमेश्वर ॥

इति स्नात्वा नाभिदघ्नजले स्थित्वा गङ्गादिनदीः प्रार्थयेत् ।

गङ्गे च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति ।
नर्मदे सिन्धु कावेरि जलेऽस्मिन् सन्निधिं कुरु ॥

इति प्रार्थयेत् । अंशुमतीति ।

सूर्यस्याभिमुखो भूत्वा तटाके स्नानमाचरेत् । प्रवाहाभिमुखो नद्यां कूपादिषु हि वोत्तरे ॥

## अथ मृत्तिकास्नानम् ॥

मृत्तिकास्नानार्थं नातिदूरप्रमाणं मृत्तिकामस्त्रेण संगृह्य त्रेधा विभज्य तत्र त्रयेणादिम्य एकया नाभ्यादिपादान्तं मृन्मयेनानुलिप्य एकया शिराद्यवयवेषु अस्त्रेणालिम्पेत् । बाहुना जलं विलोड्य मूलमन्त्रेण कुम्भमुद्रया स्नात्वा पञ्चगव्यादिभिस्तत्तु स्नायात् । ततो विजाः प्रथमं ब्राह्मं संध्यामुपास्य पश्चात् उक्तसन्ध्यामुपासीरन् ।

---

(1) दन्तशुद्धिमिति शेषः ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

## 𑌅𑌥𑌾𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌸𑌨𑍍𑌧𑍍𑌯𑌾 ॥

𑌆𑌚𑌮𑍍𑌯𑌾𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌤𑍋𑌯𑌮𑌯𑍇 𑌚𑌤𑍁𑌰𑌶𑍍𑌰𑌮𑌾𑌲𑌿𑌖𑍍𑌯 𑌤𑌨𑍍𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌮𑌾𑌯𑌾𑌵𑌰𑍍𑌣𑌬𑍀𑌜𑌂 𑌵𑌿𑌲𑌿𑌖𑍍𑌯 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌵𑌾𑌰𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌣𑌾𑌯𑌾𑌮𑌾𑌦𑌿 𑌕𑌰𑌾𑌙𑍍𑌗𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌿𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌹𑌸𑍍𑌤𑍇𑌨 𑌜𑌲𑌂 𑌸𑌂𑌗𑍃𑌹𑍍𑌯 𑌵𑌾𑌮𑌹𑌸𑍍𑌤𑍇 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌵𑌾𑌰𑌂 𑌪𑌿𑌬𑍇𑌤𑍍 । 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌸𑌪𑍍𑌤𑌵𑌾𑌰𑌂 𑌶𑌿𑌰𑌸𑌿 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌶𑌿𑌷𑍍𑌟𑍋𑌦𑌕𑌂 𑌕𑌵𑌚𑌾𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌹𑌸𑍍𑌤𑍇𑌨 𑌪𑌰𑌿𑌤𑌸𑍍𑌸𑌂𑌵𑍇𑌷𑍍𑌟𑍍𑌯 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌿𑌂 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌶𑍂𑌲𑌂 𑌸𑌶𑌿𑌵𑌾𑌙𑍍𑌗𑌰𑍂𑌪
𑌏𑌕𑌾𑌨𑌨𑌂 𑌶𑌰𑌚𑍍𑌛𑌶𑌾𑌙𑍍𑌕𑌵𑌰𑍍𑌣𑌮𑍍 ।
𑌵𑌰𑌾𑌭𑌯𑌂 𑌕𑍃𑌷𑍍𑌣𑌶𑍍𑌰𑍋𑌰𑍍𑌧𑍍𑌵𑌹𑌸𑍍𑌤𑌂
𑌜𑌟𑍇𑌨𑍍𑌦𑍁𑌗𑌙𑍍𑌗𑌾𑌧𑌰𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌿𑌦𑍇𑌵𑌮𑍍 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌅𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌤𑍍𑌰𑌯𑌂 𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍇𑌤𑍍(1)।

## 𑌵𑌿𑌧𑌿𑌸𑍍𑌨𑌾𑌨𑌪𑍍𑌰𑌕𑌾𑌰𑌃 ॥

𑌪𑌾𑌨𑌶𑍍𑌲𑍇𑌷𑍍𑌮𑌗𑍍𑌰𑌹𑌮𑍋𑌦𑌾𑌯 𑌸𑌂𑌹𑌿𑌤𑌯𑌾𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯 𑌨𑌾𑌭𑌿𑌦𑌘𑍍𑌨𑌜𑌲𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌵𑌿𑌶𑍍𑌯 𑌵𑌾𑌮𑌹𑌸𑍍𑌤𑍇 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌧𑌾𑌵𑌿𑌭𑌜𑍍𑌯 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌦𑌿𑌕𑍍𑌸𑍍𑌥𑌾𑌂 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌭𑌿𑌰𑍍𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌦𑌿𑌕𑍍𑌸𑍍𑌥𑌾𑌂 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨 𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑌦𑌿𑌕𑍍𑌸𑍍𑌥𑌾𑌂 𑌮𑍃𑌦𑌂 𑌸𑌕𑍃𑌦𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌜𑌪𑍍𑌤𑍇𑌨 𑌦𑌿𑌗𑍍𑌬𑌨𑍍𑌧𑌨𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌶𑌿𑌵𑌜𑌪𑍍𑌤𑍇𑌨 𑌮𑌣𑌿𑌬𑌨𑍍𑌧𑌾𑌜𑍍𑌜𑌲𑌮𑌵𑌗𑌾𑌹𑍍𑌯 𑌶𑌿𑌵𑌤𑍀𑌰𑍍𑌥𑌂 𑌵𑌿𑌚𑌿𑌨𑍍𑌤𑍍𑌯 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌜𑌪𑍍𑌤𑍇𑌨 𑌵𑌿𑌗𑍍𑌰𑌹𑌂 𑌕𑌰𑍍𑌣𑌯𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌅𑌘𑌮𑌰𑍍𑌷𑌣𑌾𑌦𑌿𑌮𑌾𑌰𑍍𑌜𑌨𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑍐 𑌕𑍍𑌰𑍋𑌂 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌙𑍍𑌕𑍁𑌶𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌯𑌾 𑌸𑍂𑌰𑍍𑌯𑌮𑌣𑍍𑌡𑌤𑍀𑌰𑍍𑌥𑌾𑌨𑌿 𑌤𑌤𑍍𑌰𑌾𑌵𑌾𑌹𑌯𑍇-

𑌬𑌿𑌨𑍍𑌦𑍁𑌤𑍍𑌰𑌿𑌕𑍋𑌣𑌵𑍃𑌤𑍍𑌤𑌞𑍍𑌚 𑌚𑌤𑍁𑌰𑌶𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌶𑍋𑌭𑌿𑌤𑌮𑍍 ।
𑌶𑍍𑌰𑍀𑌪𑌾𑌦𑍁𑌕𑌾𑌪𑌰𑌾𑌯𑌤𑍍𑌤𑌂 𑌵𑌾𑌰𑌿𑌸𑍍𑌨𑌾𑌨𑌂 𑌸𑌮𑌾𑌚𑌰𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌇𑌤𑍍𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌤𑍍𑌵𑌾𑌤𑍍 । 𑌮𑍂𑌲𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣𑍋𑌦𑌕𑍋𑌪𑌰𑌿 𑌚𑌾𑌲𑌿𑌖𑍍𑌯 𑌆𑌵𑌾𑌹𑍍𑌯 𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌨𑌾𑌦𑌿𑌪𑌞𑍍𑌚𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌰𑍍𑌶𑍍𑌯 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨

(1) 𑌪𑌾𑌨𑌮𑍂𑌲𑌾𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌜𑌪𑍍𑌤𑍇𑌨 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌸𑌪𑍍𑌤𑌵𑌾𑌰𑌂 𑌜𑌪𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑍂𑌲𑌗𑍍𑌰𑌨𑍍𑌥𑍇 𑌪𑌠𑍍𑌯𑌤𑍇 ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



[illegible] 𑌶𑌿𑌰𑌸𑌿 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌵𑌾𑌰𑌂 𑌸𑌂𑌵𑍇𑌷𑍍𑌟𑍍𑌯 𑌆𑌚𑌮𑌨𑌂 𑌵𑌿𑌦𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 ।

## 𑌅𑌥 𑌆𑌚𑌮𑌨𑌮𑍍 ॥

𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌾𑌭𑌿𑌮𑍁𑌖𑍋 𑌵𑌾 𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑌾𑌭𑌿𑌮𑍁𑌖𑍋 𑌵𑌾 𑌵𑌾𑌮𑌕𑌰𑌂 𑌜𑌲𑍇 𑌸𑍍𑌥𑌲𑍇 𑌵𑌾 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌜𑌾𑌨𑍁𑌮𑌧𑍍𑌯𑌹𑌸𑍍𑌤𑍇𑌨 𑌆𑌚𑌮𑌨𑌂 𑌚𑌰𑍇𑌤𑍍 । [illegible]—

𑌗𑍋𑌕𑌰𑍍𑌣𑌸𑌦𑍃𑌶𑌂 𑌹𑌸𑍍𑌤𑌂 𑌮𑌾𑌷𑌮𑌗𑍍𑌨𑌜𑌲𑌂 𑌪𑌿𑌬𑍇𑌤𑍍 ।
𑌨𑍍𑌯𑍂𑌨𑌾𑌧𑌿𑌕𑌂 𑌤𑌥𑌾 [illegible] 𑌸𑍁𑌰𑌾𑌪𑌾𑌨𑌸𑌮𑌂 𑌸𑍍𑌮𑍃𑌤𑌮𑍍 ॥

[illegible] 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌵𑌾𑌰𑌂 [illegible] 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌵𑌾𑌰𑌂 𑌶𑌿𑌰𑌸𑌿 𑌸𑌂𑌵𑍇𑌷𑍍𑌟𑍍𑌯 [illegible] 𑌅𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌾𑌨𑌾𑌮𑌿𑌕𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌸𑌂𑌸𑍍𑌪𑍃𑌶𑍇𑌤𑍍 । [illegible] 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌦𑍇𑌵𑌰𑍍𑌷𑌿𑌪𑌿𑌤𑍃𑌤𑌰𑍍𑌪𑌣𑌂 𑌕𑍁𑌰𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 ।

## 𑌅𑌥 𑌦𑍇𑌵𑌰𑍍𑌷𑌿𑌪𑌿𑌤𑍃𑌤𑌰𑍍𑌪𑌣𑌮𑍍 ॥

[illegible] 𑌓𑌂 𑌭𑍂𑌃 𑌦𑍇𑌵𑌾𑌂𑌸𑍍𑌤𑌰𑍍𑌪𑌯𑌾𑌮𑌿
𑌓𑌂 𑌭𑍁𑌵𑌃 𑌦𑍇𑌵𑌾𑌂𑌸𑍍𑌤𑌰𑍍𑌪𑌯𑌾𑌮𑌿
𑌓𑌂 𑌸𑍍𑌵𑌰𑍍𑌦𑍇𑌵𑌾𑌂𑌸𑍍𑌤𑌰𑍍𑌪𑌯𑌾𑌮𑌿
𑌓𑌂 𑌭𑍂𑌰𑍍𑌭𑍁𑌵𑌸𑍍𑌸𑍍𑌵𑌰𑍍𑌦𑍇𑌵𑌾𑌂𑌸𑍍𑌤𑌰𑍍𑌪𑌯𑌾𑌮𑌿

𑌅𑌥 𑌕𑌣𑍍𑌠𑍋𑌪𑌵𑍀𑌤𑍀 [illegible]
𑌓𑌂 𑌭𑍂𑌃 𑌋𑌷𑍀𑌂𑌸𑍍𑌤𑌰𑍍𑌪𑌯𑌾𑌮𑌿 𑌓𑌂 𑌭𑍁𑌵𑌃 𑌋𑌷𑍀𑌂𑌸𑍍𑌤𑌰𑍍𑌪𑌯𑌾𑌮𑌿 𑌓𑌂 𑌸𑍍𑌵𑌃 𑌋𑌷𑍀𑌂𑌸𑍍𑌤𑌰𑍍𑌪𑌯𑌾𑌮𑌿 𑌓𑌂 𑌭𑍂𑌰𑍍𑌭𑍁𑌵𑌸𑍍𑌸𑍍𑌵𑌃 𑌋𑌷𑍀𑌂𑌸𑍍𑌤𑌰𑍍𑌪𑌯𑌾𑌮𑌿 । 𑌅𑌥 𑌅𑌪𑌸𑌵𑍍𑌯𑌮𑍁𑌪𑌵𑍀𑌤𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 [illegible] ।

𑌓𑌂 𑌭𑍂𑌃 𑌪𑌿𑌤𑍄𑌨𑍍 𑌸𑍍𑌵𑌧𑌾 𑌨𑌮𑌸𑍍𑌤𑌰𑍍𑌪𑌯𑌾𑌮𑌿, 𑌓𑌂 𑌭𑍁𑌵𑌃 𑌪𑌿𑌤𑍄𑌨𑍍 𑌸𑍍𑌵𑌧𑌾 𑌨𑌮𑌸𑍍𑌤𑌰𑍍𑌪𑌯𑌾𑌮𑌿, 𑌓𑌂 𑌸𑍍𑌵𑌃 𑌪𑌿𑌤𑍄𑌨𑍍 𑌸𑍍𑌵𑌧𑌾 𑌨𑌮𑌸𑍍𑌤𑌰𑍍𑌪𑌯𑌾𑌮𑌿, 𑌓𑌂 𑌭𑍂𑌰𑍍𑌭𑍁𑌵𑌸𑍍𑌸𑍍𑌵𑌃 𑌪𑌿𑌤𑍄𑌨𑍍 𑌸𑍍𑌵𑌧𑌾 𑌨𑌮𑌸𑍍𑌤𑌰𑍍𑌪𑌯𑌾𑌮𑌿 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿 𑌸𑌂𑌤𑌰𑍍𑌪𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌪𑍁𑌨𑌸𑍍𑌸𑌵𑍍𑌯𑍋𑌪𑌵𑍀𑌤𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌯𑌕𑍍𑌷𑍍𑌮𑌾𑌣𑌤𑌰𑍍𑌪𑌣𑌂 𑌵𑌿𑌦𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 । 𑌤𑌦𑍍𑌯𑌥𑌾—

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

यद्या दूषितं तोयं शरीराबाधसंभवात् ।
तद्दोषपरिहारार्थं यत्नाण्णुपयाद्यहम् ॥
इति मन्त्रं तीर्थेऽस्मिन् प्रक्षिप्य
अथाश्वत्थेषु शुष्केषु पतन्ते वितरो दश ।
तेषामाप्यायनार्थं तु दद्यादस्तु शिवोदकम् ॥
ये केचित्तत्र जाताश्च पितरो गोत्रजातयः ।
ते गृह्णन्तु मया दत्तं वस्त्रनिष्पीडनोदकम् ॥
इत्युक्त्वा शिवोदकपादोदके दद्यात् । अथ तीर्थाभावे । जलस्नानासमर्थश्चेत् अशिरस्कं स्नानमाचरेत् । याज्ञवल्क्यः—
गोमूत्रं गोमयं क्षीरं दधि सर्पिः कुशोदकम् ।
भस्मना च तथा वापि मन्त्रस्नानं विधीयते ॥
वस्त्रेण शिरोऽङ्गानि परिमृज्यात् । श्रीमत्संहितायाम्
एकवस्त्रकृतं स्नानं तेन वस्त्रेण मार्जनम् ।
नैव स्नानफलं प्राप्य शुनामीशं प्रपद्यते ॥
इति स्मृतम् । परिशुष्कवाससी धारयेत् ।
सप्रहते काषायमार्द्रवस्त्रं तथा वस्त्रं विरावृतम् । सन्ध्याजपविधाने हि नग्नमित्यभिधीयते ॥ इति स्मृतम् ।

## अथ भस्मधारणविधिः ॥

शुद्धं भस्म तत् संहितयाऽभिमन्त्रयेत् । अथवा निवृत्त्यादिकलाभिर्षडङ्गसंयोज्य संहितयाभिमन्त्रयेत् इति क्रियाक्रमद्योतिका ॥

विशुद्धं दक्षिणहस्तेन संगृह्य वामहस्ते निधाय दिग्बन्धनार्थं तत्करणे कृत्वा पञ्चशाखीविधाय तद्येऽयाबीजं परितश्चक्रोणमादिप्य ऊर्ध्वं सव्यहस्तमध्यमेनाङ्गुष्ठाद्य मध्येनाभिमन्त्र्य ध्यानम् ।

रक्तं त्रिनेत्रं त्रिशिरं त्रिपादं
त्रिबाहुमारक्तसजभूषणाढ्यम् ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy


𑌰𑌕𑍍𑌤𑌾𑌂𑌬𑌰𑌂 𑌹𑌸𑍍𑌤𑌵𑌿𑌭𑍂𑌷𑌿𑌤𑌾𑌙𑍍𑌗𑌂 ।
𑌧𑍍𑌯𑌾𑌯𑍇𑌤𑍍 𑌰𑌕𑍍𑌷𑌾𑌶𑌿𑌵𑌰𑌾𑌜𑌭𑌾𑌵𑌮𑍍 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌨𑍈𑌜𑌤𑍇 𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌂𑌶𑌂 𑌕𑌿𑌞𑍍𑌚𑌿𑌤𑍍 𑌹𑌸𑍍𑌤 𑌪𑌰𑌿𑌹𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌉𑌦𑍍𑌧𑍃𑌤𑌾𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌿𑌨𑌾 𑌶𑍇𑌷𑌯𑍇 𑌹𑌸𑍍𑌤 𑌸𑍇𑌵𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌕𑌾𑌯𑌾𑌨𑍍𑌤𑍇𑌨 𑌤𑌤𑍍𑌹𑌸𑍍𑌤 𑌉𑌦𑍍𑌧𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌉𑌭𑌯𑌪𑌾𑌰𑍍𑌶𑍍𑌵𑌜𑌾𑌨𑍍𑌵𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌶𑌰𑌂𑌶𑌾𑌦𑌿𑌸𑌂𑌧𑍍𑌯𑌾𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌵𑌰𑍍𑌣𑌚𑌶𑌵𑌲𑍋𑌕𑍍𑌯𑌾𑌙𑍍𑌗𑌭𑌕𑍍𑌤𑍍𑌯𑍇𑌣 𑌦𑍇𑌵𑌾 𑌧𑌾𑌰𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌾𑌤𑍍 𑌬𑌾𑌹𑍁𑌕𑌮𑍍𑌬𑍁𑌰𑌤𑍍𑌨𑌬𑌾𑌹𑍁𑌮𑍂𑌲𑌪𑍃𑌷𑍍𑌠𑌸𑍍𑌥𑌿𑌵𑌾𑌶𑍍𑌵𑌯𑍋𑌃 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌦𑌶𑌾𑌷𑍍𑌟𑌤𑍍𑌰𑌿𑌵𑌙𑍍𑌗𑌰𑌵𑌾𑌸𑌾𑌨𑍍𑌭𑌕𑍍𑌤𑍍𑌯𑍇𑌣 𑌦𑍇𑌵𑌾 𑌧𑌾𑌰𑌯𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌕𑌷𑍍𑌠𑍍𑌯𑍇𑌣 𑌕𑌾𑌰𑌪𑍂𑌕𑍍𑌷𑌾𑌤𑍍𑌯 𑌤𑌜𑍍𑌜𑌲𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌵𑌿𑌵𑍇𑌤𑍍 𑌇𑌤𑌿 𑌹𑌸𑍍𑌤𑌧𑌾𑌰𑌣𑌮𑍍 ।

𑌵𑍈𑌦𑌿𑌕𑌸𑌨𑍍𑌧𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌵𑌾𑌸𑍍𑌯 𑌗𑌾𑌯𑌤𑍍𑌰𑍀𑌜𑌪𑌾𑌵𑌸𑌾𑌨𑌾𑌦𑌿𑌕𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌯𑌾𑌤𑍍 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 । 𑌸𑍍𑌮𑍃𑌤𑍌 –

𑌵𑍈𑌦𑌿𑌕𑌞𑍍𑌚 𑌪𑌰𑌾 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌾𑌦𑍍𑌵𑍈𑌦𑌿𑌕𑌮𑌾𑌚𑌰𑍇𑌤𑍍 ।
𑌦𑍀𑌕𑍍𑌷𑌾𑌸𑌂𑌸𑍍𑌕𑌾𑌰𑌹𑍀𑌨𑌸𑍍𑌯 𑌶𑌾𑌕𑍍𑌤𑌵𑍈𑌦𑌿𑌕𑌮𑍁𑌚𑍍𑌯𑌤𑍇 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌸𑍍𑌮𑍃𑌤𑌮𑍍 ।

## 𑌅𑌥 𑌕𑌰𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌃 ॥

𑌪𑍍𑌰𑌣𑌵𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌸𑌾𑌦𑌬𑍀𑌜𑌞𑍍𑌚 𑌵𑌿𑌸𑌰𑍍𑌗𑌾𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌸𑌂𑌯𑍁𑌤𑌮𑍍 ।

𑌹𑌾𑌂 𑌫𑌟𑍍 𑌇𑌤𑌿 𑌵𑌾𑌮𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌕𑌰𑌤𑌲𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌕𑌰𑌦𑍍𑌵𑌯𑌾𑌗𑍍𑌰𑌮𑌧𑍍𑌯𑌪𑌾𑌰𑍍𑌶𑍍𑌵𑌯𑍋𑌃 𑌶𑌿𑌰𑍋𑌜𑌨𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌸𑌬𑍀𑌜𑌂 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌯𑍇 𑌵𑍌𑌷𑌟𑍍 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌾𑌪𑍍𑌲𑌾𑌵𑍍𑌯 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌾𑌤𑍍 𑌵𑌾𑌮𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌯𑍋𑌰𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌸𑌨𑌶𑌿𑌵𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑍀 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌅𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌾𑌦𑌿𑌕𑌨𑌿𑌷𑍍𑌠𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌶𑌰𑌂𑌶𑌾𑌦𑌿𑌸𑌂𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌾𑌙𑍍𑌗𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌾𑌤𑍍 𑌪𑌦𑌾𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌕𑌨𑌿𑌷𑍍𑌠𑌿𑌕𑌾𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌯𑌾𑌦𑍇𑌹𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌕𑌨𑌿𑌷𑍍𑌠𑌾𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌪𑌰𑍍𑌯𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌅𑌧𑍍𑌵𑌪𑌤𑌿𑌭𑌿𑌰𑍍𑌵𑌰𑍍𑌣𑌾𑌙𑍍𑌗𑌭𑌿𑌃 𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌸𑌾𑌧𑍇𑌨 𑌕𑌨𑌿𑌷𑍍𑌠𑌿𑌕𑌾𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌅𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌮𑌧𑍍𑌯𑌮𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌕𑌨𑌿𑌷𑍍𑌠𑌾𑌦𑍍𑌯𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌸𑌬𑍀𑌜𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣 𑌹𑍃𑌦𑌯𑌾𑌦𑍍𑌯𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌪𑌰𑍍𑌯𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌕𑌵𑌚𑍇𑌨 𑌅𑌵𑌕𑍁𑌣𑍍𑌠𑍍𑌯 𑌶𑌕𑍍𑌤𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌵𑍌𑌷𑌡𑌨𑍍𑌤𑍇𑌨 𑌅𑌮𑍃𑌤𑍀𑌂 𑌕𑍁𑌰𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 । 𑌇𑌤𑌿 𑌕𑌰𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌃 ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



## ௧௦ 𑌅𑌥 𑌅𑌙𑍍𑌗𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌃 ॥

𑌹𑍃𑌦𑌯𑍇 𑌅𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌾𑌨𑌾𑌮𑌿𑌕𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌸𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । 𑌅𑌨𑌾𑌮𑌿𑌕𑌾𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑍇𑌨 𑌓𑌂 𑌶𑌿𑌵𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌾𑌙𑍍𑌗𑍁𑌲𑍀𑌭𑌿𑌃 𑌮𑍁𑌷𑍍𑌟𑌿𑌂 𑌬𑌦𑍍𑌧𑍍𑌵𑌾 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑍇𑌨 𑌮𑍂𑌰𑍍𑌧𑍍𑌨𑌿 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌦𑌿𑌜𑌾𑌨𑍁𑌪𑌰𑍍𑌯𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌅𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌤𑌰𑍍𑌜𑌨𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌕𑌨𑌿𑌷𑍍𑌠𑌾𑌨𑍍𑌤𑌾𑌙𑍍𑌗𑍁𑌲𑍀𑌭𑌿𑌃 𑌤𑌤𑍍𑌪𑍁𑌰𑍁𑌷𑌾𑌦𑌿𑌸𑌦𑍍𑌯𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌹𑍃𑌦𑌯𑍇 𑌅𑌨𑌾𑌮𑌿𑌕𑌾𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌯𑍋𑌗𑍇𑌨 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌯𑌾𑌦𑍇𑌹𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌤𑌰𑍍𑌜𑌨𑍀𑌮𑌧𑍍𑌯𑌮𑌾𑌨𑌾𑌮𑌿𑌕𑌾𑌭𑌿𑌃 𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮 𑌇𑌤𑌿 𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑌤𑍍𑌰𑌯𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌹𑍃𑌦𑌯𑍇 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌸𑌾𑌦𑍇𑌨 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌾𑌙𑍍𑌗𑍁𑌲𑍀𑌭𑌿𑌰𑍍𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌪𑍁𑌨𑌰𑍍𑌹𑍃𑌦𑌯𑌾𑌦𑍍𑌯𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌪𑌰𑍍𑌯𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌕𑌨𑌿𑌷𑍍𑌠𑌾𑌦𑍍𑌯𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌅𑌙𑍍𑌗𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌤𑌤𑍍𑌤𑌤𑍍𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑍇𑌷𑍁 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌛𑍋𑌟𑌿𑌕𑌾𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌤𑌾𑌲𑌤𑍍𑌰𑌯𑌾𑌦𑌿𑌦𑌿𑌗𑍍𑌬𑌨𑍍𑌧𑌨𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌕𑌵𑌚𑍇𑌨𑌾𑌵𑌕𑍁𑌣𑍍𑌠𑍍𑌯 𑌵𑍌𑌷𑌡𑌨𑍍𑌤𑌮𑍂𑌲𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌊𑌰𑍍𑌧𑍍𑌵𑌾𑌙𑍍𑌗𑍁𑌲𑌿𑌂 𑌕𑌾𑌰𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌙𑍍𑌗𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌃 ।

## 𑌅𑌥 𑌶𑌿𑌵𑌸𑌨𑍍𑌧𑍍𑌯𑌾𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 ॥

𑌸𑌂𑌹𑌿𑌤𑌯𑌾 𑌗𑌾𑌯𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯𑌾 𑌵𑌾 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌣𑌾𑌨𑌾𑌯𑌮𑍍𑌯 𑌹𑍌𑌂 𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮 𑌇𑌤𑌿 𑌅𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌾𑌨𑌾𑌮𑌿𑌕𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑌯𑍋𑌰𑍍𑌦𑍍𑌵𑌯𑍋𑌰𑍍𑌮𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌨𑌮𑍋𑌽𑌨𑍍𑌤𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨 𑌜𑌲𑌂 𑌨𑌿𑌰𑍀𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌤𑍇𑌨𑍈𑌵 𑌸𑌨𑍍𑌤𑌾𑌡𑍍𑌯 𑌵𑍌𑌷𑌡𑌨𑍍𑌤𑌕𑌵𑌚𑍇𑌨𑌾𑌭𑍍𑌯𑍁𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌵𑍌𑌷𑌡𑌨𑍍𑌤𑌹𑍃𑌦𑌯𑍇𑌨 𑌬𑌿𑌨𑍍𑌦𑍁𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑌸𑌾𑌧𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌅𑌙𑍍𑌕𑍁𑌶𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌯𑌾𑌽𑌽𑌕𑍃𑌷𑍍𑌯 𑌤𑍋𑌯𑍋𑌪𑌰𑌿 𑌮𑍂𑌲𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌾𑌙𑍍𑌗𑍈𑌰𑍍𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌦𑌿𑌗𑍍𑌬𑌨𑍍𑌧𑌨𑌂 𑌨𑌮𑍋𑌽𑌨𑍍𑌤𑌕𑌵𑌚𑍇𑌨𑌾𑌵𑌕𑍁𑌣𑍍𑌠𑌨𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌯𑍇 𑌵𑍌𑌷𑌡𑌿𑌤𑌿 𑌧𑍇𑌨𑍁𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌯𑌾 𑌅𑌮𑍃𑌤𑍀𑌕𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌮𑌹𑌾𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌰𑍍𑌶𑍍𑌯 𑌶𑌿𑌵𑌤𑍀𑌰𑍍𑌥𑌂 𑌵𑌿𑌭𑌾𑌵𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌸𑍂𑌕𑍍𑌷𑍍𑌮𑍇—

𑌪𑍍𑌰𑌭𑌾𑌤𑍇 𑌚𑍈𑌵 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌾𑌣𑍀 𑌮𑌧𑍍𑌯𑌾𑌹𑍍𑌨𑍇 𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑍁𑌰𑍂𑌪𑌿𑌣𑍀 ।
𑌖𑍍𑌯𑌾𑌤𑌾 𑌸𑌾𑌯𑌂 𑌤𑍁 𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌣𑍀 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌰𑍂𑌪𑌾 𑌵𑌰𑌦𑌾𑌯𑌿𑌕𑍇 ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy


## 𑌅𑌥 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌤𑌸𑍍𑌸𑌨𑍍𑌧𑍍𑌯𑌾 ॥

𑌰𑌕𑍍𑌤𑌵𑌰𑍍𑌣𑌾𑌮𑍍𑌬𑌰𑌾𑌂 𑌰𑌕𑍍𑌤𑌾𑌂 𑌜𑌟𑌾𑌯𑌜𑍍𑌞𑍋𑌪𑌵𑍀𑌤𑌿𑌨𑍀𑌮𑍍 ।
𑌹𑌂𑌸𑌪𑌦𑍍𑌮𑌾𑌸𑌨𑌾𑌂 𑌬𑌾𑌲𑌾𑌂 𑌚𑌤𑍁𑌰𑍍𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌚𑌤𑍁𑌰𑍍𑌭𑍁𑌜𑌾𑌮𑍍 ॥
𑌸𑍍𑌰𑍁𑌵𑌾𑌕𑍍𑌷𑌮𑌾𑌲𑌿𑌨𑍀𑌂 𑌦𑌕𑍍𑌷𑍇 𑌵𑌾𑌮𑍇 𑌤𑍁 𑌦𑌣𑍍𑌡𑌕𑌮𑌣𑍍𑌡𑌲𑍁𑌮𑍍 ।
𑌬𑍍𑌰𑌾𑌹𑍍𑌮𑍀𑌮𑍃𑌗𑍍𑌵𑍇𑌦𑌗𑌾𑌂 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌯𑍇𑌤𑍍 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌤𑌸𑍍𑌤𑌾𑌰𑌕𑌦𑍇𑌵𑌤𑌾𑌮𑍍 ॥

## 𑌅𑌥 𑌮𑌾𑌧𑍍𑌯𑌾𑌹𑍍𑌨𑌿𑌕𑍀 ॥

𑌶𑍁𑌕𑍍𑌲𑌾𑌮𑍍𑌬𑌰𑌧𑌰𑌾𑌂 𑌶𑍁𑌕𑍍𑌲𑌾𑌂 𑌵𑌨𑌮𑌾𑌲𑍋𑌪𑌵𑍀𑌤𑌿𑌨𑍀𑌮𑍍 ।
𑌤𑌾𑌰𑍍𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯𑌵𑌾𑌹𑌨𑌾𑌸𑍀𑌨𑌾𑌂 𑌮𑌾𑌰𑍍𑌤𑌣𑍍𑌡𑌨𑌵𑌯𑍌𑌵𑌨𑌾𑌮𑍍 ॥
𑌶𑌂𑌖𑌚𑌕𑍍𑌰𑌧𑌰𑌾𑌂 𑌵𑌾𑌮𑍇 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑌚 𑌗𑌦𑌾𑌧𑌰𑌾𑌮𑍍 ।
𑌧𑍍𑌯𑌾𑌯𑍇𑌨𑍍𑌮𑌾𑌧𑍍𑌯𑌨𑍍𑌦𑌿𑌨𑍇 𑌦𑍇𑌵𑍀𑌂 𑌵𑍈𑌷𑍍𑌣𑌵𑍀𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌭𑍂𑌷𑌣𑌾𑌮𑍍

## 𑌅𑌥 𑌸𑌾𑌯𑌂𑌸𑌨𑍍𑌧𑍍𑌯𑌾 ॥

𑌨𑍀𑌲𑍋𑌤𑍍𑌪𑌲𑌦𑌲𑌶𑍍𑌯𑌾𑌮𑌾𑌂 𑌕𑌿𑌞𑍍𑌚𑌿𑌤𑍍𑌸𑍍𑌮𑌿𑌤𑌯𑍌𑌵𑌨𑌾𑌮𑍍 ।
𑌚𑌤𑍁𑌰𑍍𑌭𑍁𑌜𑌾𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌣𑍇𑌤𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌚 𑌜𑌟𑌾𑌮𑌕𑍁𑌟𑌮𑌣𑍍𑌡𑌿𑌤𑌾𑌮𑍍 ॥
𑌤𑍍𑌰𑌿𑌶𑍂𑌲𑌮𑌾𑌲𑌾𑌕𑍍𑌷𑌧𑌰𑌾𑌂 𑌦𑌕𑍍𑌷𑍇 𑌵𑌾𑌮𑍇 𑌸𑌾𑌭𑌯𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌕𑌾𑌮𑍍 ।
𑌰𑍌𑌦𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌯𑍇𑌦𑍍𑌵𑍃𑌷𑌾𑌰𑍂𑌢𑌾𑌂 𑌸𑌾𑌯𑌙𑍍𑌕𑌾𑌲𑍇 𑌸𑍁𑌸𑌂𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑌾𑌮𑍍 ॥

## 𑌅𑌥 𑌤𑍁𑌰𑍀𑌯𑌕𑌾𑌲𑍇 ॥

𑌶𑍍𑌯𑌾𑌮𑌾𑌰𑍂𑌪𑌵𑌰𑍀𑌂 𑌦𑍇𑌵𑍀𑌂 𑌹𑍃𑌦𑌿 𑌶𑍁𑌕𑍍𑌲𑍇𑌨 𑌸𑌂𑌹𑌿𑌤𑌾𑌮𑍍 ।
𑌰𑌕𑍍𑌤𑌪𑌾𑌦𑌸𑌮𑌾𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌾𑌂 𑌸𑌿𑌂𑌹𑌵𑌾𑌹𑌨𑌸𑌂𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑌾𑌮𑍍 ॥
𑌶𑍂𑌲𑌪𑌾𑌶𑌗𑌦𑌾𑌪𑌦𑍍𑌮𑌖𑍇𑌟𑌕𑌾𑌂 𑌬𑌾𑌣𑌚𑌾𑌪𑌕𑌾𑌮𑍍 ।
𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑌸𑌾𑌭𑌯𑌾𑌨𑍍𑌦𑍇𑌵𑍀𑌂 𑌕𑌰𑌣𑍍𑌡𑌮𑌕𑍁𑌟𑌾𑌙𑍍𑌕𑌿𑌤𑌾𑌮𑍍 ॥
𑌮𑌦𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑌾𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌕𑍋𑌣𑌸𑍍𑌥𑌾𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌕𑌾𑌮𑌾𑌂 𑌪𑌦𑍍𑌮𑌾𑌸𑌿𑌨𑍀𑌮𑍍 ।
𑌚𑌿𑌤𑍍𑌰𑌾𑌮𑍍𑌬𑌰𑌧𑌰𑌾𑌂 𑌚𑌿𑌤𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌚𑌿𑌤𑍍𑌰𑌯𑌜𑍍𑌞𑍋𑌪𑌵𑍀𑌤𑌿𑌨𑍀𑌮𑍍 ॥

𑌯𑍋𑌗𑌜𑍇 — 𑌦𑍀𑌕𑍍𑌷𑌾𑌸𑌂𑌸𑍍𑌕𑌾𑌰𑌶𑌾𑌨𑍍𑌤𑍍𑌯𑌰𑍍𑌥𑌂 𑌹𑍍𑌯𑌵𑌿𑌶𑍇𑌷𑌕𑌯𑌾𑌤𑍋 𑌮𑌾𑌰𑍍𑌗𑌃 । 𑌕𑌾𑌰𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌤𑍁𑌰𑍀𑌯𑌕𑍀𑌂 𑌸𑌨𑍍𑌧𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌨𑌿𑌶𑌿 𑌯𑌾𑌮𑌾𑌯𑍁𑌗𑍍𑌮𑌕𑍇 ॥ 𑌇𑌤𑍍𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌮𑍍 ॥

## 𑌮𑌾𑌰𑍍𑌜𑌨𑌮𑍍 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌯𑌥𑌾𑌧𑌿𑌕𑌾𑌰𑌂 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾, 𑌤𑌤𑍍𑌪𑍍𑌰𑌮𑌾𑌣𑌮𑌧𑍍𑌯𑌸𑍍𑌥𑌃 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌕𑌰𑍇𑌣 𑌧𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌵𑌾𑌮𑌕𑌰𑍇 𑌜𑌲𑌂 𑌸𑌙𑍍𑌗𑍃𑌹𑍍𑌯, 𑌸𑌂𑌹𑌿𑌤𑌯𑌾 𑌸𑌮𑍍𑌪𑍍𑌰𑌦𑌿𑌶𑍍𑌯, 𑌕𑍂𑌰𑍍𑌚𑍇𑌨 𑌮𑍂𑌰𑍍𑌧𑍍𑌨𑍍𑌯𑌾 𑌵𑍌𑌷𑌡𑌨𑍍𑌤𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌸𑌮𑍍𑌪𑍍𑌰𑌮𑍁𑌖𑍋𑌦𑍍𑌗𑌮𑍇𑌣 𑌶𑌿𑌰𑌸𑌿 𑌨𑌿𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍍𑌯 𑌪𑌾𑌨

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



संहिताभिमन्त्रितं वारि कुम्भादिके वामपाणौ निधाय, दक्षिणहस्तेन तदधोमुखितं जलं मूर्ध्नि संहितया वौषडन्तया निक्षिपेत् ॥

## अघमर्षः ॥

शेषजलं सव्यकरे निधाय धर्मरूपं शान्तं मूलेन वामनासिकया पूरकेण संगृह्य, तज्जलं कुम्भकेन कज्जमध्यं पापरूपं ध्यात्वा, दक्षिणनासिकया रेचकेण मूलास्त्रमन्त्राभ्यां दक्षिणहस्ते गृहीतं विहाय, प्रसारितदृग्वीक्षणेन दक्षपादाङ्गुष्ठोपरि मूलेन निक्षिपेत् । आचम्य सकलीकृत्य, पुनः जलं कवचेन संवेष्ट्य, सूर्यं ध्यायेत् ।

रक्तवर्णं त्रिनेत्रञ्च प्रसन्नवदनान्वितम् ।
पङ्कजं युग्महस्तेन प्रभामण्डलमण्डितम् ॥
ध्यायेच्च वरदं देवं ग्रहदेवाधिनायकम् ॥

इति ध्यात्वा (1)सूर्यगायत्रीमन्त्रेण स्वाहान्तेनार्घ्यत्रयं दद्यात् । सिद्धान्ते –

राक्षसास्सूर्यमार्गं निरुन्धन्ति सन्ध्यके । तेषां संहारणार्थाय चास्त्रेणार्घ्यं विनिक्षिपेत् ॥

अनन्तरं मण्डलमध्ये सदाशिवरूपं विचिन्तयेत् ।

ध्यानम् – धवलमय दधानं सर्पशूलमेव पाशं
परशुमपि बाणाङ्कुशं वज्रधाराम् ।
वरदाभयहस्तं पञ्चवक्त्रं त्रिणेत्रं
फणिशशिजलमौलिं देवदेवं नमामि ॥

---

(1) अश्वध्वजाय विद्महे पद्महस्ताय धीमहि । तन्नः सूर्यः प्रचोदयात् इति गायत्र्या ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌤𑌥𑌾𑌮𑍇 𑌶𑌾𑌮𑍍𑌭𑌵𑍀𑌂 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌮𑍍-
𑌰𑌕𑍍𑌤𑌾𑌂 𑌦𑌯𑌾𑌨𑌾𑌂 𑌨𑌯𑌨𑍇 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌶𑌂𑌭𑍀𑌂
𑌪𑍂𑌰𑍍𑌣𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌸𑌾𑌰𑍍𑌦𑍍𑌰𑌕𑍇𑌶𑌮𑍌𑌲𑌿𑌮𑍍 ।
𑌵𑌾𑌮𑍇 𑌕𑌰𑌾𑌮𑍍𑌬𑍁𑌜𑌿𑌤𑌸𑌵𑍍𑌯𑌪𑌦𑍍𑌮𑌾𑌂
𑌪𑌦𑍍𑌮𑌾𑌸𑌨𑌾𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍋𑌤𑍍𑌰𑌵𑌿𑌭𑍂𑌷𑌣𑌾𑌢𑍍𑌯𑌾𑌮𑍍 ॥
𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌤𑌦𑍍𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑌗𑌾𑌯𑌤𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌮𑍍-
𑌤𑌪𑍍𑌤𑌕𑌾𑌞𑍍𑌚𑌨𑌵𑌰𑍍𑌣𑌾𑌭𑌾𑌂 𑌗𑌾𑌯𑌤𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌵𑌿𑌲𑍋𑌚𑌨𑌾𑌮𑍍 ।
𑌵𑌰𑌾𑌭𑌯𑌾𑌕𑍍𑌷𑌮𑌾𑌲𑌾𑌞𑍍𑌚 𑌕𑍁𑌣𑍍𑌡𑌿𑌕𑌾𑌬𑍍𑌜𑌾𑌨𑌿 𑌤𑌦𑍍𑌧𑌰𑌾𑌮𑍍 ॥
𑌇𑌤𑌿 𑌶𑌿𑌵𑌗𑌾𑌯𑌤𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾, 𑌶𑌿𑌵𑌗𑌾𑌯𑌤𑍍𑌰𑍀𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣𑌾
𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌤𑍍𑌰𑌯𑌂 𑌨𑌿𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍇𑌤𑍍 । 𑌪𑌦𑍍𑌮𑌜𑍍𑌞𑌾𑌨𑍇-
𑌦𑍇𑌹𑌤𑍍𑌰𑌯𑌂 𑌶𑌿𑌵𑌸𑍍𑌯𑍈𑌵 𑌕𑍍𑌰𑌿𑌯𑌾𑌭𑌾𑌵𑌨𑌸𑌂𑌸𑍍𑌕𑍃𑌤𑌮𑍍 ।
𑌕𑍍𑌰𑌿𑌯𑌾𑌰𑍍𑌥𑌂 𑌚𑍇𑌤𑍍 𑌕𑍃𑌤𑌿𑌦𑍇𑌵𑍍𑌯𑌃 𑌸𑍍𑌨𑌾𑌨𑌵𑍇𑌦𑌨𑌵𑍋𑌦𑌯𑍇 ॥
𑌯𑍋 𑌹𑍍𑌯𑌨𑍍𑌯𑌾𑌨𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍇 𑌗𑌾𑌯𑌤𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌰𑍍𑌚𑌿𑌣𑍀𑌮𑍍 ।
𑌪𑌚𑍍𑌯𑌤𑍇 𑌮𑌹𑌾𑌘𑍋𑌰𑍇 𑌨𑌰𑌕𑍇 𑌹𑍍𑌯𑍇𑌕𑌵𑌿𑌂𑌶𑌤𑌿 ॥
𑌇𑌤𑍍𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌮𑍍 । 𑌦𑌶𑌸𑌂𑌖𑍍𑌯𑌯𑌾 𑌶𑌿𑌵𑌗𑌾𑌯𑌤𑍍𑌰𑍀𑌜𑌪𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌾𑌙𑍍𑌗𑍈𑌃 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌸𑌹𑌿𑌤𑌂 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌾𑌵𑌰𑌣𑌦𑍇𑌵𑌤𑌾𑌸𑍍𑌸𑌨𑍍𑌤𑌰𑍍𑌪𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

## 𑌅𑌥 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌤𑌰𑍍𑌪𑌣𑌮𑍍 ।

𑌦𑍇𑌵𑌤𑍀𑌰𑍍𑌥𑍇𑌨 𑌵𑌾𑌮𑌦𑍇𑌵𑌾𑌯 𑌸𑌰𑍍𑌵𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌦𑍇𑌵𑍇𑌭𑍍𑌯𑌃 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 ।

𑌅𑌥 𑌸𑌦𑌰𑍍𑌭𑌾𑌵𑍀𑌤𑍀 𑌋𑌷𑌿𑌤𑍀𑌰𑍍𑌥𑍇𑌨 𑌓𑌂 𑌹𑍂𑌂 𑌅𑌘𑍋𑌰𑌾𑌯 𑌸𑌰𑍍𑌵𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌦𑍇𑌵𑍇𑌭𑍍𑌯 𑌋𑌷𑌿𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃 ।

𑌅𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌪𑌰𑍍𑌵𑌾𑌙𑍍𑌗𑍁𑌲𑌿𑌭𑌿𑌃 𑌤𑌤𑍍𑌪𑍁𑌰𑍁𑌷𑌾𑌯 𑌸𑌰𑍍𑌵𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌮𑌨𑍁𑌷𑍍𑌯𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌵𑍌𑌷𑌟𑍍 । 𑌕𑌨𑌿𑌷𑍍𑌠𑌿𑌕𑌾𑌮𑍂𑌲𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌮𑍍 𑌓𑌂 𑌹𑍌𑌂 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌾𑌯 𑌸𑌰𑍍𑌵𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌭𑍂𑌤𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌹𑍁𑌂𑌫𑌟𑍍 । 𑌮𑌣𑌿𑌬𑌨𑍍𑌧𑍇 𑌤𑌿𑌲𑌂 𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯, 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌚𑍀𑌨𑌾𑌵𑍀𑌤𑍀 𑌪𑍍𑌰𑌦𑍇𑌶𑌾𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇𑌨 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑌦𑍍𑌯𑍋𑌜𑌾𑌤𑌾𑌯 𑌸𑌰𑍍𑌵𑍇𑌭𑍍𑌯𑌃 𑌪𑌿𑌤𑍃𑌭𑍍𑌯𑌃 𑌸𑍍𑌵𑌧𑌾, 𑌸𑌰𑍍𑌵𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌮𑌾𑌤𑍃𑌭𑍍𑌯𑌃 𑌸𑍍𑌵𑌧𑌾 𑌸𑌰𑍍𑌵𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌜𑍍𑌞𑌾𑌤𑌿𑌭𑍍𑌯𑌃 𑌸𑍍𑌵𑌧𑌾 𑌸𑌰𑍍𑌵𑍇𑌭𑍍𑌯 𑌆𑌚𑌾𑌰𑍍𑌯𑍇𑌭𑍍𑌯𑌃 𑌸𑍍𑌵𑌧𑌾 𑌇𑌤𑌿 𑌤𑌰𑍍𑌪𑌣𑌂 𑌕𑍁𑌰𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌬𑍃𑌹𑌜𑍍𑌜𑍍𑌞𑌾𑌨𑍇—

𑌪𑍍𑌰𑌸𑌾𑌰𑌿𑌤𑌾𑌞𑍍𑌜𑌲𑌿𑌰𑍍𑌦𑍇𑌹𑌵𑌾𑌨𑍍 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌂 𑌤𑌥𑌾 𑌵𑌾𑌮𑌹𑌸𑍍𑌤𑌕𑌮𑍍 ।
𑌅𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑍌 𑌚 𑌪𑍍𑌰𑌦𑍇𑌶𑌿𑌨𑍍𑌯𑍌 𑌸𑌂𑌹𑌿𑌤𑌾𑌨𑌾𑌮𑌕𑌨𑌿𑌷𑍍𑌠𑌿𑌕𑌾 ॥
𑌤𑌰𑍍𑌜𑌨𑍍𑌯𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌯𑍋𑌰𑍍𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌚𑍈𑌤𑌨𑍍𑌯𑌕𑌂 𑌦𑍀𑌯𑌤𑍇 ॥
𑌇𑌤𑍍𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌮𑍍 ।

## 𑌅𑌨𑍁𑌷𑍍𑌠𑌾𑌨𑍋𑌪𑌸𑌂𑌹𑌾𑌰𑌃 ।

𑌅𑌥𑌾𑌚𑌮𑍍𑌯 𑌸𑌕𑌲𑍀𑌕𑍃𑌤𑍍𑌯, 𑌹𑍃𑌤𑍍𑌪𑌦𑍍𑌮𑍇 𑌦𑍇𑌵𑌂 𑌯𑌥𑌾𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑍇 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑍍𑌯, 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌯𑍋𑌪𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌶𑌙𑍍𑌖𑍋𑌦𑌕𑍇𑌨𑌾𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯, 𑌕𑌾𑌰𑍍𑌯𑍋𑌕𑍍𑌤𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣𑍋𑌪𑌵𑌿𑌶𑍍𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌣𑌾𑌯𑌾𑌮𑌂 𑌸𑌕𑌲𑍀𑌕𑌰𑌣𑌂 𑌚 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌮𑍂𑌲𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌜𑌪𑌂 𑌶𑌤𑌮𑌷𑍍𑌟𑍋𑌤𑍍𑌤𑌰𑌂 𑌦𑌶𑌵𑌾𑌰𑌂 𑌵𑌾 𑌕𑍁𑌰𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 ।

𑌯𑍋𑌗𑌜𑍇—

𑌊𑌰𑍍𑌧𑍍𑌵𑍇 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌤𑌰𑍍𑌜𑌪𑌃 𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌤𑌃 𑌮𑌧𑍍𑌯𑌾𑌹𑍍𑌨𑍇 𑌹𑍃𑌦𑌯𑍇 𑌤𑌥𑌾 ।
𑌨𑌾𑌭𑍌 𑌸𑌾𑌯𑌂 𑌜𑌪𑌶𑍍𑌚𑍈𑌵 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌨𑌂 𑌮𑌨𑌸𑌾 𑌭𑌵𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌜𑌪𑌾𑌨𑍍𑌤𑍇 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯, 𑌪𑍁𑌷𑍍𑌪𑍇𑌣 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌾𑌙𑍍𑌗𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑌣𑌂 𑌚 𑌸𑌂𑌹𑌿𑌤𑌾 𑌶𑍇𑌷𑌵𑌾𑌰𑌂 𑌭𑌵𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌇𑌤𑍍𑌯𑌘𑍋𑌰𑌶𑌿𑌵𑌾𑌚𑌾𑌰𑍍𑌯𑌵𑌿𑌰𑌚𑌿𑌤𑌵𑌰𑌾𑌹𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑌪𑍂𑌜𑌾𑌵𑌿𑌧𑍌 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌭𑌾𑌗𑌪𑍍𑌰𑌸𑍍𑌤𑌾𑌵𑌃 ॥

---

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌶𑌿𑌵𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌨𑌮𑌃 ॥

𑌶𑍍𑌰𑍀 𑌅𑌘𑍋𑌰𑌶𑌿𑌵𑌾𑌚𑌾𑌰𑍍𑌯𑌵𑌿𑌰𑌚𑌿𑌤𑌃

# ॥ 𑌶𑍍𑌰𑍀 𑌪𑌰𑌾𑌰𑍍𑌥𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑌪𑍂𑌜𑌾𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 ॥

(𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑌭𑌾𑌗𑌃)

𑌪𑍍𑌰𑌣𑌮𑍍𑌯 𑌶𑌿𑌰𑌸𑍀𑌶𑌾𑌨𑌂 𑌪𑌶𑍂𑌨𑌾𑌂 𑌪𑌾𑌶𑌨𑌾𑌶𑌨𑌮𑍍 ।
𑌪𑌦𑍍𑌧𑌤𑌿𑌃 𑌕𑍍𑌰𑌿𑌯𑌤𑍇 𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑌪𑍂𑌜𑌾𑌯𑌾𑌸𑍍𑌸𑌾𑌰𑌦𑌾 𑌶𑍁𑌭𑌾 ॥

𑌅𑌥 𑌕𑍃𑌤𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑌾𑌹𑍍𑌨𑌿𑌕 𑌆𑌚𑌾𑌰𑍍𑌯𑌸𑍍𑌸𑍂𑌰𑍍𑌯𑍋𑌦𑌯𑌾𑌤𑍍𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌂 𑌸𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌦𑌤𑍍𑌰𑌣𑌾𑌭𑌿𑌕𑌾𑌕𑌾𑌲 𑌸𑌵 𑌦𑍇𑌵𑌾𑌲𑌯𑌂 𑌗𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌦𑍍𑌵𑌾𑌰𑌦𑍇𑌶𑍇 𑌪𑌾𑌦𑌪𑍍𑌰𑌕𑍍𑌷𑌾𑌲𑌨𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌅𑌨𑍍𑌤𑌃𑌪𑍍𑌰𑌵𑌿𑌶𑍍𑌯𑌾𑌲𑌯𑌮𑌾𑌵𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌦𑍍𑌵𑌾𑌰𑌪𑌾𑌲𑌾𑌨𑍍 𑌪𑍍𑌰𑌣𑌮𑍍𑌯, 𑌸𑍍𑌨𑌪𑌨𑌮𑌣𑍍𑌡𑌪𑌮𑍁𑌪𑌗𑌮𑍍𑌯 𑌵𑍃𑌷𑌭𑌾𑌗𑍍𑌰𑍇 𑌦𑍇𑌵𑌦𑍇𑌵𑌂 𑌨𑌮𑌸𑍍𑌕𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌮𑍂𑌲𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌪𑍁𑌷𑍍𑌪𑌾𑌞𑍍𑌜𑌲𑌿𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯, 𑌪𑍁𑌣𑍍𑌯𑌾𑌹𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑍇 𑌉𑌦𑌙𑍍𑌮𑍁𑌖𑌃 𑌕𑌮𑍍𑌬𑌲𑍋𑌪𑌰𑌿 𑌰𑍁𑌚𑌿𑌰𑌾𑌸𑌨𑍇 𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌤𑌾𑌲𑌤𑍍𑌰𑌯𑌾𑌦𑌿𑌕𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌸𑌾𑌮𑌾𑌨𑍍𑌯𑌾𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌕𑌂 𑌸𑌾𑌧𑌯𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾, 𑌤𑌦𑌮𑍍𑌭𑌸𑌾 𑌆𑌤𑍍𑌮𑌾𑌨𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌕𑌰𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌂 𑌕𑍁𑌰𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 ।

## 𑌕𑌰𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌃 ॥

𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌵𑌤𑍍 𑌕𑌰𑌸𑌂𑌶𑍋𑌧𑌨𑌾𑌪𑍍𑌲𑌾𑌵𑌨𑌾𑌦𑌿 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾, 𑌸𑍃𑌷𑍍𑌟𑌿𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣 𑌅𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌾𑌦𑌿𑌕𑌨𑌿𑌷𑍍𑌠𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑌿𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣 𑌮𑌧𑍍𑌯𑌮𑌾𑌦𑌿𑌤𑌰𑍍𑌜𑌨𑍍𑌯𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌸𑌂𑌹𑌾𑌰𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣 𑌕𑌨𑌿𑌷𑍍𑌠𑌾𑌦𑍍𑌯𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌯𑌾𑌦𑍇𑌹𑌂 𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑌞𑍍𑌚 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌮𑍂𑌲𑌶𑌿𑌵𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌪𑌰𑍍𑌵𑌣𑌿 𑌪𑌰𑍍𑌵𑌣𑌿 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌕𑌨𑌿𑌷𑍍𑌠𑌾𑌦𑍍𑌯𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌷𑌡𑌙𑍍𑌗𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌾𑌞𑍍𑌜𑌲𑌿𑌂 𑌕𑍁𑌰𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 ॥

## 𑌅𑌥 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌣𑌾𑌯𑌾𑌮𑌃 ॥

𑌰𑍇𑌚𑌕𑌪𑍂𑌰𑌕𑌕𑍁𑌮𑍍𑌭𑌕𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣 𑌇𑌡𑌾𑌪𑌿𑌙𑍍𑌗𑌲𑌾𑌸𑍁𑌷𑍁𑌮𑍍𑌨𑌾 𑌨𑌾𑌡𑍀𑌤𑍍𑌰𑌯𑍇 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌣𑌾𑌪𑌾𑌨𑌯𑍋𑌸𑍍𑌸𑌂𑌯𑍋𑌗𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌿𑌨𑌾 𑌪𑌰𑌿𑌕𑌲𑍍𑌪𑍍𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌣𑌾𑌯𑌾𑌮𑌤𑍍𑌰𑌯𑌂 𑌕𑍁𑌰𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 ॥

In Public domain, Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌤𑌦𑍍𑌯𑌥𑌾— 𑌵𑌿𑌧𑌿𑌵𑌦𑌾𑌚𑌮𑍍𑌯 (1) 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌨𑌾𑌸𑌿𑌕𑌾𑌂 𑌨𑌿𑌰𑍁𑌧𑍍𑌯, 𑌵𑌾𑌮𑌨𑌾𑌸𑌿𑌕𑌯𑌾𑌽𑌨𑍍𑌤𑌰𑍍𑌗𑌤𑌪𑍍𑌰𑌾𑌣𑌵𑌾𑌯𑍁𑌂 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌰𑌹𑌿𑌤𑌂 𑌰𑍇𑌚𑌕𑍇𑌣 𑌬𑌹𑌿𑌰𑍍𑌮𑍁𑌕𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾, 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌨𑌾𑌸𑌿𑌕𑌯𑌾 𑌪𑍂𑌰𑌕𑍇𑌣𑌾𑌕𑌾𑌰𑌬𑍀𑌜𑍇𑌨 𑌸𑍋𑌮𑌰𑍂𑌪𑌿𑌣𑌂 𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑍁𑌦𑍈𑌵𑌤𑍍𑌯𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌯𑌸𑌂𑌖𑍍𑌯𑌾𑌭𑌿𑌰𑍍𑌮𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌭𑌿𑌃 𑌪𑍂𑌰𑌕𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾, 𑌪𑍁𑌨𑌰𑍍𑌨𑌾𑌸𑌿𑌕𑌾𑌦𑍍𑌵𑌯𑌂 𑌨𑌿𑌰𑍁𑌧𑍍𑌯 𑌮𑌕𑌾𑌰𑌬𑍀𑌜𑍇𑌨 𑌸𑍂𑌰𑍍𑌯𑌰𑍂𑌪𑌿𑌣𑌂 𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑌦𑍈𑌵𑌤𑍍𑌯𑌂 𑌷𑍋𑌡𑌶𑌮𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌭𑌿𑌃 𑌕𑍁𑌮𑍍𑌭𑌕𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾, 𑌵𑌾𑌮𑌨𑌾𑌸𑌿𑌕𑌯𑌾 𑌪𑍍𑌰𑌥𑌮𑌸𑍍𑌵𑌰𑍇𑌣 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌦𑍈𑌵𑌤𑍍𑌯𑌮𑌗𑍍𑌨𑌿𑌰𑍂𑌪𑌿𑌣𑌂 𑌵𑌾𑌯𑍁𑌸𑌂𑌖𑍍𑌯𑌯𑌾 𑌰𑍇𑌚𑌕𑌂 𑌕𑍁𑌰𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 । 𑌏𑌵𑌂 𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣 𑌯𑌥𑍋𑌕𑍍𑌤𑌦𑍈𑌵𑌤𑍋𑌦𑌿𑌤𑌮𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌭𑌿𑌃 𑌪𑍂𑌰𑌕𑌕𑍁𑌮𑍍𑌭𑌕𑌰𑍇𑌚𑌕𑌾𑌨𑌿 𑌕𑍁𑌰𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 ।

𑌇𑌤𑌿 (2) 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌣𑌾𑌯𑌾𑌮𑌃 ॥

## 𑌭𑍂𑌤𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌿𑌃 ॥

𑌪𑌾𑌦𑌾𑌦𑌿𑌜𑌾𑌨𑍁𑌪𑌰𑍍𑌯𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌨𑌿𑌵𑍃𑌤𑍍𑌤𑌿𑌕𑌲𑌾𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑌂 𑌪𑍃𑌥𑌿𑌵𑍀𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌂 𑌹𑍇𑌮𑌾𑌭𑌂 𑌚𑌤𑍁𑌰𑌶𑍍𑌰𑌮𑌣𑍍𑌡𑌲𑌂 𑌶𑌬𑍍𑌦𑌾𑌦𑌿𑌗𑍁𑌣𑌪𑌞𑍍𑌚𑌕𑍇𑌨 𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌸𑌦𑍍𑌯𑍋𑌜𑌾𑌤𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑍍𑌯𑌧𑌿𑌦𑍈𑌵𑌤𑌂 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌣𑌾 𑌕𑌾𑌰𑌣𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑍇𑌣 𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌇𑌤𑌿 𑌸𑌞𑍍𑌚𑌿𑌨𑍍𑌤𑍍𑌯, 𑌹𑍃𑌦𑌯𑌾𑌦𑌿𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣 𑌹𑍍𑌲𑌾𑌮𑌿𑌤𑌿 𑌬𑍀𑌜𑌂 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌮𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌭𑌿𑌃 𑌹𑍃𑌦𑌯𑍋𑌪𑌰𑌿 𑌹𑍃𑌦𑌯𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌨𑌮𑍋𑌨𑍍𑌤𑍇𑌨 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑍍𑌯, 𑌪𑍃𑌥𑌿𑌵𑍀𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌂 𑌶𑍋𑌧𑌯𑌾𑌮𑍀𑌤𑌿 𑌪𑍃𑌥𑌿𑌵𑍀𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌶𑍋𑌧𑌨𑌮𑍍 ।

𑌅𑌥 𑌜𑌾𑌨𑍍𑌵𑌾𑌦𑌿𑌨𑌾𑌭𑌿𑌪𑌰𑍍𑌯𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌤𑌿𑌷𑍍𑌠𑌾𑌕𑌲𑌾𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑌂 𑌅𑌪𑍍𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌂 𑌶𑍍𑌵𑍇𑌤𑌾𑌭𑌂 𑌅𑌰𑍍𑌧𑌚𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌮𑌣𑍍𑌡𑌲𑌂 𑌶𑌬𑍍𑌦𑌾𑌦𑌿𑌗𑍁𑌣𑌚𑌤𑍁𑌷𑍍𑌟𑌯𑍋𑌪𑍇𑌤𑌂 𑌵𑌾𑌮𑌦𑍇𑌵𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑍍𑌯𑌧𑌿𑌦𑍈𑌵𑌤𑌂 𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑍁𑌨𑌾 𑌕𑌾𑌰𑌣𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑍇𑌣 𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌚𑌤𑍁𑌰𑍍𑌮𑌾𑌤𑍍𑌰𑌯𑌾 𑌹𑍍𑌵𑍀𑌮𑌿𑌤𑌿 𑌬𑍀𑌜𑌂 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾𑌨𑍍𑌤𑍇𑌨 𑌶𑌿𑌰𑍋𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌶𑌿𑌰𑌸𑌿 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑍍𑌯, 𑌅𑌪𑍍𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌂 𑌶𑍋𑌧𑌯𑌾𑌮𑍀𑌤𑌿 𑌅𑌪𑍍𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌶𑍋𑌧𑌨𑌮𑍍 ।

---

(1) 𑌅𑌨𑌾𑌮𑌿𑌕𑌾𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌮𑍍 ।

(2) 𑌸𑌂𑌹𑌿𑌤𑌾𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌣𑌾𑌯𑌾𑌮𑌤𑍍𑌰𑌯𑌂 𑌕𑍁𑌰𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 । 𑌕𑌾𑌰𑌣𑌾𑌗𑌮𑍋𑌕𑍍𑌤𑌪𑍍𑌰𑌾𑌣𑌾𑌯𑌾𑌮𑌵𑌿𑌧𑌿𑌮𑌨𑍁𑌸𑍃𑌤𑍍𑌯𑍈𑌵𑌂 𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌤𑌃 ।

𑌅𑌥 𑌨𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌹𑍃𑌦𑌯𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌯𑌾𑌕𑌲𑌾𑌮𑌣𑍍𑌡𑌲𑌂 𑌅𑌗𑍍𑌨𑌿𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌂 𑌰𑌕𑍍𑌤𑌾𑌭𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌕𑍋𑌣𑌮𑌣𑍍𑌡𑌲𑌂 𑌅𑌘𑍋𑌰𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑍍𑌯𑌧𑌿𑌦𑍈𑌵𑌤𑌂 𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌕𑌾𑌰𑌣𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑍇𑌣 𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌶𑌬𑍍𑌦𑌾𑌦𑌿𑌗𑍁𑌣𑌤𑍍𑌰𑌯𑌾𑌨𑍍𑌵𑌿𑌤𑌂 𑌹𑍁𑌮𑌿𑌤𑌿 𑌬𑍀𑌜𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌮𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌵𑌷𑌡𑌨𑍇𑌨 𑌶𑌿𑌖𑌾𑌤𑍍𑌮𑌨𑌂 𑌶𑌿𑌖𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑍍𑌯, 𑌅𑌗𑍍𑌨𑌿𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌂 𑌶𑍋𑌷𑌯𑌾𑌮𑍀𑌤𑍍𑌯𑌗𑍍𑌨𑌿𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌂 𑌶𑍋𑌷𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌅𑌥 𑌹𑍃𑌦𑌯𑌾𑌦𑌿𑌭𑍍𑌰𑍂𑌮𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌶𑌾𑌨𑍍𑌤𑌿𑌕𑌲𑌾𑌮𑌣𑍍𑌡𑌲𑌂 𑌵𑌾𑌯𑍁𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌂 𑌕𑍃𑌷𑍍𑌣𑌾𑌭𑌂 𑌷𑌟𑍍𑌕𑍋𑌣𑌮𑌣𑍍𑌡𑌲𑌂 𑌤𑌤𑍍𑌪𑍁𑌰𑍁𑌷𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑍍𑌯𑌧𑌿𑌦𑍈𑌵𑌤𑌂 𑌈𑌶𑍍𑌵𑌰𑍇𑌣 𑌕𑌾𑌰𑌣𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑍇𑌣 𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌶𑌬𑍍𑌦𑌸𑍍𑌪𑌰𑍍𑌶𑌯𑍁𑌤𑌂 𑍐 𑌹𑍈𑌮𑌿𑌤𑌿 𑌬𑍀𑌜𑌂 𑌮𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌦𑍍𑌵𑌯𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌹𑍁𑌮𑌿𑌤𑍍𑌯𑌨𑍇𑌨 𑌵𑌰𑍍𑌮𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑍇 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑍍𑌯, 𑌵𑌾𑌯𑍁𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌂 𑌶𑍋𑌷𑌯𑌾𑌮𑍀𑌤𑌿 𑌵𑌾𑌯𑍁𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌂 𑌶𑍋𑌷𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌅𑌥 𑌭𑍍𑌰𑍍𑌵𑌾𑌦𑌿𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌰𑌨𑍍𑌧𑍍𑌰𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌶𑌾𑌨𑍍𑌤𑍍𑌯𑌤𑍀𑌤𑌕𑌲𑌾𑌮𑌣𑍍𑌡𑌲𑌂 𑌆𑌕𑌾𑌶𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌂 𑌧𑍂𑌮𑍍𑌰𑌾𑌭𑌂 𑌵𑍃𑌤𑍍𑌤𑌮𑌣𑍍𑌡𑌲𑌂 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑍍𑌯𑌧𑌿𑌦𑍈𑌵𑌤𑌂 𑌸𑌦𑌾𑌶𑌿𑌵𑍇𑌨 𑌕𑌾𑌰𑌣𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑍇𑌣 𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌶𑌬𑍍𑌦𑍈𑌕𑌗𑍁𑌣𑌾𑌨𑍍𑌵𑌿𑌤𑌂 𑍐 𑌹𑍌𑌮𑌿𑌤𑌿 𑌬𑍀𑌜𑌂 𑌏𑌕𑌮𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑌾𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌵𑍌𑌷𑌟𑍍𑌫𑌡𑌨𑍇𑌨 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑍍𑌯 𑌆𑌕𑌾𑌶𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌂 𑌶𑍋𑌷𑌯𑌾𑌮𑍀𑌤𑌿 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌮𑌹𑌾𑌭𑍂𑌤𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌿𑌃 ॥

𑌪𑍁𑌨𑌃 (1) 𑌪𑌾𑌶𑍁𑌪𑌤𑍇𑌨 𑌜𑌾𑌨𑍁𑌨𑌾𑌭𑌿𑌹𑍃𑌦𑌯𑌗𑌲𑌮𑍂𑌰𑍍𑌧𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌭𑍂𑌤𑌵𑍇𑌦𑌾𑌗𑍍𑌨𑌿𑌦𑍍𑌵𑍍𑌯𑍇𑌕𑌸𑌂𑌖𑍍𑌯𑌯𑌾 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑍇𑌷𑍍𑌵𑍇𑌕𑍈𑌕𑌸𑌂𑌖𑍍𑌯𑌯𑌾 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌬𑍀𑌜𑍈𑌰𑍍𑌵𑌿𑌲𑌿𑌖𑍍𑌯 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨 𑌸𑌂𑌹𑌾𑌰𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌯𑌾 𑌉𑌦𑌰𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌵𑌾𑌮𑌮𑌧𑍍𑌯𑌮𑌾𑌰𑍍𑌗𑌗𑌤𑌪𑍍𑌰𑌾𑌣𑌵𑌾𑌯𑍁𑌂 𑌪𑍂𑌰𑌕𑍇𑌣 𑌸𑌂𑌗𑍃𑌹𑍍𑌯 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌾𑌤𑍍𑌮𑌨𑌃 (𑌪𑌞𑍍𑌚𑌾𑌤𑍍𑌮𑌾𑌨𑍋 𑌨𑌾𑌮 𑌭𑍂𑌤𑌾𑌤𑍍𑌮𑌾 𑌅𑌨𑍍𑌤𑌰𑌾𑌤𑍍𑌮𑌾 𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾𑌤𑍍𑌮𑌾 𑌜𑍀𑌵𑌾𑌤𑍍𑌮𑌾 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌤𑍍𑌮𑌾 𑌚) 𑌕𑍁𑌮𑍍𑌭𑌕𑍇𑌨𑍈𑌕𑍀𑌕𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌰𑍇𑌚𑌕𑍇𑌨 𑌆𑌦𑌿𑌶𑌕𑍍𑌤𑍌 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

---

(1) 𑍐 𑌶𑍍𑌲𑍀𑌂 𑌪𑌶𑍁 𑌹𑍁𑌂𑌫𑌟𑍍 𑌪𑌾𑌶𑍁𑌪𑌤𑌾𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



अथ वह्निबीजेन (रं वह्निबीजं) पापात्मानं कालाग्निना संहृतेन प्रज्वाल्य, रेचकेन आकाशस्थितामृतेन वं बीजेन तत्सहस्रसिक्ता भूबीजेन (लं इत्यनेन) पञ्चकेण कारणादृश्यमयं पिण्डं एवं ध्यात्वा तन्मध्ये संहृतेन वं बीजेन जीवात्मानं विन्यस्य व्योमबीजेन (हं इत्यनेन) पूरकादित्रयं कृत्वा, सृष्टिस्थितिसंहारतिरोभावानुग्रहकर्तृब्रह्मविष्णुरुद्रमहेश्वरसदाशिवाख्यं ब्रह्माण्डषडध्व (1) न्यासं तत्तत्स्थानेषु संयोज्य दिव्यं शरीरं भावयेत् । इति शोषणादिपिण्डीकरणविधिः ।

## अथ अङ्ग(2)न्यासः ॥

हृदये शिवासनाय नमः, शिवमूर्तये नमः, शिवाय नमः इति शिवासनशिवमूर्तिशिवमन्त्रान् विन्यस्य, मूर्धवक्त्रहृदयगुह्यपादेषु ईशानतत्पुरुषाघोरवामदेवसद्योजातान् हृदयगुह्यपादमूर्धवक्त्रेषु अघोरवामदेवसद्योजातेशानतत्पुरुषान् पादगुह्यहृदयवक्त्रमूर्धसु सद्योजातवामदेवाघोरतत्पुरुषेशानमन्त्रांश्च विन्यस्य, पुनरपि विद्यादेहनेत्रमूलशिवमन्त्रान् विन्यस्य हृदयशिरश्शिखाकवचास्त्रस्थानेषु यथोक्तमन्त्रान् विन्यस्य हः फडन्तास्त्रेण तालत्रयादिछोटिकाङ्गुलीमन्त्रैः प्रदर्श्य संधारणं विदध्यात् ।

अथ दण्डह्रीं मुण्डह्रीं पक्षह्रीं च वक्ष्यमाणावाहनप्रकारेणोक्तवत् कृत्वा हौमित्यादिबीजैस्सह शान्त्यतीतादिकलान्यासञ्च कुर्यात् ।

---

(1) षडध्वन्यासः शिवलिङ्गप्रतिष्ठाविधौ वर्तते ।
(2) अत्र करशाखाव्यापकमिति केचित् ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



## அந்தர்மாத்ருகாந்யாஸ: ॥

மூலாதாரே சதுர்தளே ஓம் ஹ்ராம் வம் ஶம் ஷம் ஸம் சதுர்தளபத்மநிவாஸிநே ஸித்திலக்ஷ்மீவல்லபாஸமேதாய கணபதயே ஹம்ஸஸ்ஸோஹம் ஹம்ஸஸ்ஸ்வாஹா ।

ஸ்வாதிஷ்டாநே ஷட்தளே ஓம் பம் பம் மம் யம் ரம் லம் ஷட்தளபத்மநிவாஸிநே ஸாவித்ரீகாயத்ரீஸமேதாய ப்ரஹ்மணே ஹம்ஸஸ்ஸோஹம் ஹம்ஸஸ்ஸ்வாஹா ।

மணிபூரே தஶதளே ஓம் டம் டம் ணம் தம் தம் தம் தம் நம் பம் பம் தஶதளபத்மநிவாஸிநே யராலக்ஷ்மீஸமேதாய விஷ்ணவே ஹம்ஸஸ்ஸோஹம் ஹம்ஸஸ்ஸ்வாஹா ।

அநாஹதஸ்ய த்வாதஶதளே ஓம் கம் கம் கம் கம் ஙம் சம் சம் ஜம் ஜம் ஞம் டம் டம் த்வாதஶதளபத்மநிவாஸிநே கௌர்யம்பிகாஸமேதாய ருத்ராய ஹம்ஸஸ்ஸோஹம் ஹம்ஸஸ்ஸ்வாஹா ।

விஶுத்தௌ ஷோடஶதளே அம் ஆம் இம் ஈம் உம் ஊம் ருʼம் ரூʼம் லுʼம் லூʼம் ஏம் ஐம் ஓம் ஔம் அம் அ: ஷோடஶதளபத்மநிவாஸிநே உந்மநாவாஹ்வாஷிநீஸமேதாய மஹேஶ்வராய ஹம்ஸஸ்ஸோஹம் ஹம்ஸஸ்ஸ்வாஹா ।

ஆஜ்ஞாயாம் த்விதளே ஓம் ஹம் க்ஷம் த்விதளபத்மநிவாஸிநே ப்ரஹ்மரந்த்ராஜ்ஞம் மநோந்மநீயமுஶக்திஸமேதாய ஸதாஶிவாய ஹம்ஸஸ்ஸோஹம் ஹம்ஸஸ்ஸ்வாஹா ।

ஆதஶாகே ஓம் ஹம் ஸஹஸ்ரதளபத்மஸ்திதாய நாநாவர்ணாய மோக்ஷஶக்திஸமேதாய ஹம்ஸகுரவே ஹம்ஸஸ்ஸோஹம் ஹம்ஸஸ்ஸ்வாஹா ।

காரணே —

விஶ்வஸ்ம்ருதிமூலஜ்ஞாநம் ஸ்ருஷ்டிஸ்திதிலயாத்மகம் ।
அநவர்ணவியோத்ஸ்வ க்ரமேண வஶீக்ருத: ।

இத்யந்தர்மாத்ருகாந்யாஸ: ॥

In Public domain, Digitization Muthulakshmi Research Academy

## अथ वर्णन्यासः ॥

[illegible] ललाटे नेत्रे च कर्णयोश्च [illegible]योः ।
नासायामोष्ठयुग्मे च दन्तपङ्क्तिद्वयोरपि ॥
जिह्वायां [illegible]रन्ध्रे च स्वरान् षोडश विन्यसेत् ।
कवर्गं दक्षिणे हस्ते चवर्गं वामहस्तके ॥
टवर्गं दक्षिणे पादे तवर्गं वामपादके ।
पकारं दक्षिणे पार्श्वे फकारं वामपार्श्वके ॥
बकारं हृदये न्यस्य भकारमुदरे न्यसेत् ।
नाभेरूर्ध्वं मकारञ्च यकारं [illegible]देशके ॥
रकारं बीजमध्ये तु लकारं मूलदेशके ।
गुदस्याधो वकारञ्च शकारं दक्षिणस्तने ॥
वामस्तने षकारञ्च सकारं नाभिदेशके ।
हकारं गलदेशे तु [illegible] न्यसेत् ॥
क्षकारं ब्रह्मरन्ध्रे च [illegible] विन्यसेत् ।
आरोहाद्यवरोहाच्चाक्षरन्यासमाचरेत् ॥

(1) यस्यावसरोऽस्ति दीक्षाभङ्गश्च न भवति स तत्त्वतत्त्वेश्वरमूर्तिमूर्तीश्वरश्रीकण्ठन्यासादिकमपि कुर्यात् ॥

इति वर्णन्यासः ॥

## अथ षट्त्रिंशत्तत्त्वन्यासः ॥

यथा क्रियाक्रमद्योतिकायां सकलीकरणप्रकारे ॐ हां ईशानस्सर्वविद्यानां शशिन्यै नमः ऊर्ध्ववक्त्रे, ॐ हां ईश्वरस्सर्वभूतानां अङ्गदायै नमः पूर्ववक्त्रे, ॐ हां ब्रह्माधिपतिर्ब्रह्मणोऽधिपतिर्ब्रह्मा इष्टायै नमः दक्षिणवक्त्रे, ॐ हां शिवो मे अस्तु मरीच्यै नमः उत्तरवक्त्रे, ॐ हां सदाशिवोम् ज्वालिन्यै नमः पश्चिमवक्त्रे, एवमीशानकलापञ्चकम् ।

(1) श्रीकण्ठन्यासादिविधिश्च ज्ञानप्रतिष्ठादौ विद्यते ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑍐 𑌹𑍌𑌂 𑌅𑌵𑍍𑌯𑌕𑍍𑌤𑌕𑌲𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌊𑌰𑍍𑌧𑍍𑌵𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇, 𑍐 𑌹𑍌𑌂 𑌤𑌤𑍍𑌪𑍁𑌰𑍁𑌷𑌾𑌯 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌮𑌹𑍇 𑌶𑌾𑌨𑍍𑌤𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇, 𑍐 𑌹𑍌𑌂 𑌮𑌹𑌾𑌦𑍇𑌵𑌾𑌯 𑌧𑍀𑌮𑌹𑌿 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌯𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇, 𑍐 𑌹𑍌𑌂 𑌤𑌨𑍍𑌨𑍋 𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌤𑌿𑌷𑍍𑌠𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇, 𑍐 𑌹𑍌𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌚𑍋𑌦𑌯𑌾𑌨𑍍𑌨𑌿𑌵𑍃𑌤𑍍𑌤𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇 । 𑌇𑌤𑌿 𑌤𑌤𑍍𑌪𑍁𑌰𑍁𑌷𑌕𑌲𑌾𑌶𑍍𑌚𑌤𑌸𑍍𑌰𑌃 ।

𑍐 𑌹𑍂𑌂 𑌅𑌘𑍋𑌰𑍇𑌭𑍍𑌯𑌸𑍍𑌤𑌮𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌹𑍃𑌦𑌯𑍇, 𑍐 𑌅𑌥 𑌘𑍋𑌰𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌮𑍋𑌹𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌗𑍍𑌰𑍀𑌵𑌾𑌯𑌾𑌮𑍍, 𑍐 𑌹𑍂𑌂 𑌅𑌘𑍋𑌰 (1) 𑌰𑌕𑍍𑌷𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌾𑌂𑌸𑍇, 𑍐 𑌹𑍂𑌂 𑌘𑍋𑌰𑌤𑌰𑍇𑌭𑍍𑌯𑌃 𑌨𑌿𑌦𑍍𑌰𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌵𑌾𑌮𑌾𑌂𑌸𑍇 𑍐 𑌹𑍂𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑍇𑌭𑍍𑌯𑌸𑍍𑌸𑌰𑍍𑌵𑌮𑍃𑌤𑍍𑌯𑌵𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌨𑌾𑌭𑍌 । 𑍐 𑌹𑍂𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌮𑌾𑌯𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌜𑌠𑌰𑍇 । 𑍐 𑌹𑍂𑌂 𑌨𑌮𑌸𑍍𑌤𑍇 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍁 𑌭𑌯𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌪𑍃𑌷𑍍𑌠𑍇 । 𑍐 𑌹𑍂𑌂 𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑌰𑍂𑌪𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 (2) 𑌜𑌰𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌉𑌰𑌸𑌿 । 𑌇𑌤𑌿 𑌬𑌹𑍁𑌰𑍂𑌪𑌕𑌲𑌾𑌷𑍍𑌟𑌕𑌮𑍍 ।

𑍐 𑌹𑌿𑌂 𑌵𑌾𑌮𑌦𑍇𑌵𑌾𑌯 𑌨𑌮𑍋 (3) 𑌜𑌰𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌗𑍁𑌹𑍍𑌯𑍇 𑍐 𑌹𑌿𑌂 𑌜𑍍𑌯𑍇𑌷𑍍𑌠𑌾𑌯 𑌨𑌮𑍋 𑌰𑌕𑍍𑌷𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌲𑌿𑌙𑍍𑌗𑍇 । 𑍐 𑌹𑌿𑌂 𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑍋 𑌰𑌤𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍋𑌰𑍌 । 𑍐 𑌹𑌿𑌂 𑌕𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌪𑌾𑌲𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌵𑌾𑌮𑍋𑌰𑍌 𑍐 𑌹𑌿𑌂 𑌕𑌲 (4) 𑌵𑌾𑌮𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌜𑌾𑌨𑍁𑌨𑌿 । 𑍐 𑌹𑌿𑌂 𑌵𑌿𑌕𑌰𑌣𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌸𑍍𑌸𑌂𑌯 (5) 𑌮𑌿𑌨𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌵𑌾𑌮𑌜𑌾𑌨𑍁𑌨𑌿 । 𑍐 𑌹𑌿𑌂 𑌬𑌲𑌕𑍍𑌰𑌿𑌯𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌜𑌂𑌘𑌾𑌯𑌾𑌮𑍍 । 𑍐 𑌹𑌿𑌂 𑌵𑌿𑌕𑌰𑌣𑌾𑌯 𑌨𑌮𑍋 𑌬𑍁𑌦𑍍𑌧𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑍋 𑌵𑌾𑌮𑌜𑌂𑌘𑌾𑌯𑌾𑌮𑍍 । 𑍐 𑌹𑌿𑌂 𑌬𑌲(𑌕𑌾𑌰𑍍𑌯𑍈)𑌕𑌾𑌰𑍍𑌯𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌸𑍍𑌫𑌿𑌚𑌿 । 𑍐 𑌹𑌿𑌂

---

(1) 𑌰𑌕𑍍𑌷𑌾𑌨𑌿𑌦𑍍𑌰𑌯𑍋𑌃𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑍇 𑌕𑍍𑌷𑍁𑌧𑌾𑌨𑌿𑌦𑍍𑌰𑍇 𑌶𑌕𑍍𑌤𑍀 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌯𑍇𑌤𑍇 𑌵𑌾𑌮𑌾𑌗𑌮𑍇 ।

(2) 𑌤𑌾𑌰𑍇𑌤𑌿 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌰𑍍𑌚𑌨𑌾𑌚𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌿𑌕𑌾 ।

(3) 𑌰𑌜𑍇𑌤𑌿 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌰𑍍𑌚𑌨𑌚𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌿𑌕𑌾 ।

(4) 𑌕𑌾𑌮𑍇𑌤𑌿 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌰𑍍𑌚𑌨𑌾𑌚𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌿𑌕𑌾 ।

(5) 𑌸𑌂𑌯𑌮𑍇𑌤𑌿 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌰𑍍𑌚𑌨𑌾𑌚𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌿𑌕𑌾 ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



प्रमथनाय नमो धात्र्यै नमः वामस्फिचि । ओं हिं स
र्वभूतदमनाय नमो (1) ब्रामिण्यै नमः कट्याम्
ओं हिं मनो मोहिन्यै नमः दक्षिणपार्श्वे । ओं
हिं उन्मनाय नमो भयायै नमः वामपार्श्वे ।

इति वामदेवकलास्त्रयोदश ।

ओं हं सद्योजातं प्रपद्यामि सिद्ध्यै नमः दक्षिणपादे ओं हं सद्योजाताय वै नमः ऋद्ध्यै नमः वामपादे । ओं हं भवे द्युत्यै नमः दक्षिणपाणौ । ओं हं अभवे लक्ष्म्यै नमः वामपाणौ । ओं हं अनादिभवे मेधायै नमः नासायाम् । ओं हं भवस्व मां कान्त्यै नमः शिरसि । ओं हं भवस्वधायै नमः दक्षिणबाहौ । ओं हं उद्भवाय नमो धृत्यै नमः वामबाहौ । इति सद्योजातकलाष्टकम् ।

ईशानस्य कलाः पञ्च चत्वारः पुरुषस्य तु ।
अघोरस्याष्टसंख्या च वामदेवे त्रयोदश ॥
सद्योजाते वसवश्चैव अष्टत्रिंशत्कलाः स्मृताः ॥

इत्यष्टत्रिंशत्कलान्यासः ॥

## अथ (2) शिवहस्तभावना ॥

अथ शिवहस्तभावनार्थं मूलेन गन्धपुष्पाक्षतान् वामाङ्गुष्ठेन दक्षिणकरतलेऽवपूयित्वा निरीक्षणाद्यस्त्रीकरणान्तं कृत्वा पद्मासनमूर्तिं हृद्यस्य मूलेन ब्रह्माङ्गं विन्यस्य ज्योतीरूपं ध्यात्वा शिवमन्त्रेण शिरसि निक्षिप्य हस्तद्वयं प्रसादेन दिव्यदृष्ट्यावलोक्य शिवहस्तं भावयेत् ॥

इति शिवहस्तभावना ॥

## अथ अन्तर्यागः ॥

अर्घ्योदकं मूलेन शिवतीर्थं विधायाद्भुतीकृत्य मूलेनाऽऽत्मानं संप्रोक्ष्य पुष्पग्रहणादि

---

(1) ब्राह्मण्यै इति शिवार्चनाचन्द्रिका ।
(2) इयं भावना दीक्षायामेवेति केचित् ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



तैलेन सोमसूर्याग्निमण्डलं विलिख्य हृदयेन सूर्यमण्डले [illegible] पञ्चासनादिपञ्चावरणपूजाक्रमेण संपूज्य नाभावग्निमण्डले शिवमन्त्रेण हवनं विधाय [illegible] सोममण्डले [illegible] ज्योतीरूपं विलिख्य (1) अहिंसाद्यष्टपुष्पैः संपूज्य हस्ताभ्यां पुष्पं संगृह्य शिवोऽहमिति भावयन् शिरसि निक्षिप्य मूलमन्त्रं यथाशक्ति जपेत् ।

## अथ क्षेत्रपालानुज्ञा ॥

ततो गुरुः [illegible] पुण्याहं विधाय भूमिं संप्रोक्ष्य अनुज्ञार्थं क्षेत्रपालसन्निधिमागत्य अर्घ्यपूजां विधाय सामान्यार्घ्यं प्रकल्पयेत् ॥

पूर्वमेव पूजातः (2) समाचम्य सकलीकृत्य सामान्यार्घ्यपात्रमन्त्रेण संशोध्य हृदयेन [illegible] तथा सर्वमन्त्राभिमन्त्र्य रक्षावकुण्ठनामृतीकरणानि विधाय सामान्यार्घ्यं विदध्यात् ॥

अथ सामान्यार्घ्यजलेन अस्त्रमन्त्रेण संप्रोक्ष्य अग्निदक्षिणपार्श्वे ओं हां वीरगणपतये नमः । वामपार्श्वे ओं हां शक्तिगणपतये नमः । मध्ये ओं हां महालक्ष्म्यै नमः । अग्निदक्षिणे ओं हां नवशक्तिभ्यो नमः । अग्निवामे ओं हां अष्टशक्तिभ्यो नमः । अग्निदक्षिणे ओं हां [illegible] नमः । अग्नेरुत्तरे ओं हां [illegible] नमः । इति संपूजयेत् ॥

---

(1) अहिंसेन्द्रियनिग्रहक्षमाज्ञानध्यानतपः सत्यभावाः । इत्यहिंसाद्यष्टपुष्पाणि ।

(2) [illegible] ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌅𑌥 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌵𑌿𑌧𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑌾𑌨𑍍𑌤𑌸𑍍𑌥𑌾𑌯 𑌬𑌿𑌲𑍍𑌵𑌂 𑌅𑌧𑌸𑍍𑌤𑌾𑌦𑍍𑌯𑌜𑍇𑌤𑍍 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌆𑌭𑌰𑌣𑌾𑌦𑌿𑌗𑌨𑍍𑌧𑌪𑍁𑌷𑍍𑌪𑌨𑌿𑌰𑍍𑌮𑌾𑌲𑍍𑌯𑌂 𑌵𑌿𑌸𑍃𑌜𑍍𑌯 𑌓𑌂 𑌕𑍍𑌷𑌂 𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨 𑌬𑌿𑌲𑍍𑌵𑌶𑌾𑌖𑌾𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌆𑌧𑌾𑌰𑌶𑌕𑍍𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌾𑌧𑌾𑌰𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌅𑌨𑌨𑍍𑌤𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌧𑌰𑍍𑌮𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌜𑍍𑌞𑌾𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌵𑍈𑌰𑌾𑌗𑍍𑌯𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌐𑌶𑍍𑌵𑌰𑍍𑌯𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌪𑌦𑍍𑌮𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌷𑌡𑌾𑌸𑌨𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌓𑌂 𑌕𑍍𑌷𑌂 𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌾𑌸𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌓𑌂 𑌕𑍍𑌷𑌂 𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 । 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌮𑍍 ।

𑌨𑌗𑍍𑌨𑌂 𑌚𑍈𑌵 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑌞𑍍𑌚 𑌸𑌰𑍍𑌪𑌾𑌭𑌰𑌣𑌭𑍂𑌷𑌿𑌤𑌮𑍍 ।
𑌰𑌕𑍍𑌤𑌵𑌰𑍍𑌣𑌸𑌮𑌾𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌶𑌿𑌰𑍋𑌮𑌾𑌲𑌾𑌵𑌿𑌭𑍂𑌷𑌿𑌤𑌮𑍍 ॥
𑌖𑌡𑍍𑌗𑌶𑍂𑌲𑌕𑌪𑌾𑌲𑌞𑍍𑌚 𑌡𑌮𑌰𑍁𑌂 𑌦𑌧𑌤𑌂 𑌕𑌰𑍈𑌃 ।
𑌬𑌿𑌭𑍍𑌰𑌾𑌣𑌂 𑌶𑍍𑌵𑌾𑌨𑌕𑌾𑌰𑍂𑌢𑌂 𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌮𑌹𑌂 𑌭𑌜𑍇 ॥

𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍂𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍈𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍌𑌂 𑌕𑍍𑌷𑌂 𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌾𑌵𑌾𑌹𑍍𑌯 । 𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌨𑌾𑌦𑌿𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌃 𑌮𑍂𑌲𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌪𑌾𑌦𑍍𑌯𑌾𑌦𑍍𑌯𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌭𑌿𑌰𑌭𑌿𑌷𑌿𑌚𑍍𑌯 𑌅𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌸𑌹𑌿𑌤𑌷𑌡𑌙𑍍𑌗𑌂 𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌮𑍂𑌲𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍇𑌤𑍍 । 𑌤𑌦𑍍𑌯𑌥𑌾—

𑌓𑌂 𑌹𑍋𑌂 𑌕𑍍𑌷𑌂 𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌮𑍂𑌰𑍍𑌧𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃
𑌓𑌂 𑌹𑍇𑌂 𑌕𑍍𑌷𑌂 𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌤𑌤𑍍𑌪𑍁𑌰𑍁𑌷𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃
𑌓𑌂 𑌹𑍁𑌂 𑌕𑍍𑌷𑌂 𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌅𑌘𑍋𑌰𑌹𑍃𑌦𑌯𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃
𑌓𑌂 𑌹𑌿𑌂 𑌕𑍍𑌷𑌂 𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌵𑌾𑌮𑌦𑍇𑌵𑌗𑍁𑌹𑍍𑌯𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃
𑌓𑌂 𑌹𑌂 𑌕𑍍𑌷𑌂 𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌸𑌦𑍍𑌯𑍋𑌜𑌾𑌤𑌪𑌾𑌦𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃
𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌕𑍍𑌷𑌂 𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌹𑍃𑌦𑌯𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃
𑌓𑌂 𑌹𑍀𑌂 𑌕𑍍𑌷𑌂 𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌶𑌿𑌰𑌸𑍇 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌓𑌂 𑌹𑍂𑌂 𑌕𑍍𑌷𑌂 𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌶𑌿𑌖𑌾𑌯𑍈 𑌵𑌷𑌟𑍍
𑌓𑌂 𑌹𑍈𑌂 𑌕𑍍𑌷𑌂 𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌕𑌵𑌚𑌾𑌯 𑌹𑍁𑌮𑍍
𑌓𑌂 𑌹𑍌𑌂 𑌕𑍍𑌷𑌂 𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑌤𑍍𑌰𑌯𑌾𑌯 𑌵𑍌𑌷𑌟𑍍
𑌓𑌂 𑌹𑌃 𑌕𑍍𑌷𑌂 𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌫𑌟𑍍

𑌅𑌥 𑌨𑍈𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯𑌵𑌿𑌜𑍍𑌞𑌾𑌪𑌨𑌾𑌰𑍍𑌥𑌂 𑌪𑍁𑌷𑍍𑌪𑌾𑌦𑍍𑌯 𑌦𑌧𑍍𑌯𑌨𑍍𑌨𑌂 𑌮𑌾𑌷𑌂 𑌵𑌾 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯 𑌧𑍂𑌪𑌦𑍀𑌪𑌾𑌵𑌸𑌾𑌨𑌾𑌨𑌿 𑌦𑌤𑍍𑌵𑌾

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



प्रार्थयेत् । स्वामिन् सर्वजनान् सम्पूर्ण रक्षितार्थं क्षेत्रपालक । शिवपूजाविधानार्थं सूत्रादण्णं प्रदेहि मे ॥ इति प्रार्थ्य निरोधावश्यं दत्वा नमस्कार सूत्रं पूर्वस्य कक्ष्यसूत्रया सूत्रादण्णं गृह्णीयात् ॥

## शयनारोहणपूजा ॥

ततश्शयनारोहणावसरे शिवशक्तिनिद्रार्थं नायकं आरवाश्वं पार्श्वमणिकाभिः पीतवाद्यादिकं वापयित्वा आरपूजां विदध्यात् । ओं हां गं गणपतये नमः इति दक्षिणे । ओं हां सरस्वत्यै नमः इत्युत्तरे । ओं हां महालक्ष्म्यै नमः इति मध्ये । ओं हां गङ्गायै नमः इति दक्षिणपार्श्वे । ओं हां यमुनायै नमः इति वामपार्श्वे । ओं हां नर्मदायै नमः इति मध्ये । ओं हां कन्यावयोषिण्यै नमः, ओं हां विभवे नमः इत्यपूर्वे । ओं हां ताम्रभद्रायै नमः, ओं हां चन्द्रहासायै नमः इत्यादयः । इति आरपूजां विधाय ।

वेदाङ्गवेद्याभवविश्वमूर्ते<br>
विभो विरूपाक्ष विशेषवेद्य ।<br>
विश्वेश्वराशेष विशेषमूर्ते<br>
कवाटमुद्घाटय कामकाम ॥

इति कवाटोद्घाटनं कारयेत् । अथ विघ्नत्रयं निवार्य अन्तःप्रविश्य वेद्यादिकेनास्त्रेण शय्यावृतितिरोधानपटं संप्रोक्ष्य पर्णादर्भाक्षतापूर्वं शय्योपरि निक्षिप्य, तेनास्त्रेण मूर्तिं संप्रोक्ष्य निर्माल्यं विसृज्य पादप्रक्षालनाचमनीयार्घ्यादिकं दत्वा, स्नानार्थं मूर्तिं तैलेनाभ्यङ्ग्य दत्तेन संप्रोक्ष्य, नववस्त्रगन्धमाल्यादिभिरलङ्कृत्य मूर्तिं ब्रह्माङ्गमन्त्रैः संपूज्य छत्राणि चामराणि निवेद्य धूपदीपाद्यं दत्वा मूर्तिं दत्वा शक्तिं विनाऽवलं शिबिकायामारोप्य, सर्ववाद्यघोषसमन्वित

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

𑌨𑍈𑌶𑍍𑌚 𑌸𑌾𑌯𑌂 𑌚 𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑌸𑌨𑍍𑌨𑌿𑌧𑌿𑌰𑍍𑌭𑌵𑌤𑍍𑌯 𑌤𑌦𑍍𑌦𑍃𑌷𑍍𑌟𑌿𑌂 𑌚 𑌪𑌾𑌷𑍍𑌵𑍇𑌣𑍋𑌦𑍍𑌭𑌵𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌯𑌾 𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑌂 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑍍𑌯 𑌯𑌥𑌾𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑍇 𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌚 𑌸𑌂𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌪𑍂𑌜𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌚 𑌸𑍍𑌵𑌨𑌨𑍍𑌤𑌰𑍇 𑌕𑍁𑌰𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 𑌵𑌸𑌿 𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌸𑍍𑌨𑌾𑌨𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌿𑌮𑌾𑌚𑌰𑍇𑌤𑍍 ।

## 𑌅𑌥 𑌉𑌷𑌃𑌕𑌾𑌲𑌪𑍂𑌜𑌾, 𑌸𑍍𑌨𑌾𑌨𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌿𑌃 ॥

𑌅𑌵𑍇𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯𑍋𑌦𑌕𑍇𑌨 𑌹𑌸𑍍𑌤𑍌 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯, 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌤𑌾𑌲𑌮𑌾𑌤𑍍𑌰𑌮𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌪𑌤𑌾𑌕𑌾𑌕𑍍𑌷𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑌾𑌦𑌪𑍀𑌠𑍇𑌨 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌹𑌸𑍍𑌤𑌪𑍀𑌠𑍇𑌨𑍍𑌯𑌾 𑌕𑍁𑌶𑌨𑌾𑌡𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌵𑌾 𑌸𑍍𑌨𑌾𑌨𑌂 𑌕𑌰𑍍𑌤𑍁𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌦𑍍𑌵𑌿𑌭𑍁𑌜𑌾𑌂 𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑌯𑍁𑌗𑍍𑌮𑌾𑌢𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌕𑌣𑍍𑌠𑌕𑍂𑌟𑌾𑌨𑍍𑌵𑌿𑌤𑌾𑌮𑍍 ।
𑌵𑌰𑌾𑌭𑌯𑌕𑌰𑌾𑌂 𑌨𑍌𑌮𑌿 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌾𑌭𑌰𑌣𑌭𑍂𑌷𑌿𑌤𑌾𑌮𑍍 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌹𑍃𑌦𑌯𑍇𑌨 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯𑌾𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌸𑌮𑍁𑌤𑍍𑌥𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌨𑍈𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌭𑍍𑌯 𑌉𑌦𑍍𑌧𑌰𑍇𑌤𑍍 ॥ 𑌏𑌵𑌂 𑌸𑍍𑌥𑌲𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌿𑌃 ।

## 𑌅𑌥𑌾𑌤𑍍𑌮𑌾𑌰𑍍𑌥𑌪𑍂𑌜𑌾 ॥

𑌶𑌙𑍍𑌖𑌪𑌾𑌦𑍍𑌯𑌾𑌦𑍍𑌯𑌾𑌚𑌮𑌨𑍀𑌯𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌣𑌿 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌨𑍀𑌵𑌾𑌸𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌣𑌿 𑌚 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌹𑍃𑌦𑌯𑍇𑌨 𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌯𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌮𑍍𑌯𑌾 𑌶𑌙𑍍𑌖𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑍇 𑌚 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨 𑌜𑌲𑌮𑌾𑌪𑍂𑌰𑍍𑌯 𑌹𑍃𑌤𑍍𑌕𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌶𑌿𑌵𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌨𑍀𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑍋𑌕𑍍𑌤𑌦𑍍𑌰𑌵𑍍𑌯𑌾𑌣𑍍𑌯𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯 𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑌪𑌦𑍍𑌮𑍇 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌶𑍍𑌯 𑌶𑌙𑍍𑌖𑌾𑌦𑌕𑌸𑍍𑌯 (1) 𑌨𑌿𑌰𑍀𑌕𑍍𑌷𑌣𑌾𑌦𑌿𑌪𑌞𑍍𑌚𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑍀𑌰𑍍𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨𑌾𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 𑌏𑌕𑌾𑌦𑌶𑌵𑌾𑌰𑌂 𑌶𑌿𑌵𑌬𑍀𑌜𑌮𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯 (2) 𑌧𑍇𑌨𑍍𑌵𑌾𑌦𑌿𑌪𑌞𑍍𑌚𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌰𑍍𑌶𑍍𑌯 𑌪𑍁𑌷𑍍𑌪𑌵𑍀𑌥𑍀𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌤𑌜𑍍𑌜𑌲𑍇𑌨 𑌪𑍂𑌜𑌾𑌦𑍍𑌰𑌵𑍍𑌯𑌾𑌣𑌿 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

## 𑌪𑌾𑌦𑍍𑌯𑌾𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌾𑌚𑌮𑌨𑍀𑌯𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 ॥

𑌤𑍍𑌰𑌿𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑌮𑌾𑌵𑌿𑌶𑍍𑌯 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌆𑌤𑍍𑌮𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌯𑌾𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃, 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑌿𑌵𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵

---

(1) 𑌨𑌿𑌰𑍀𑌕𑍍𑌷𑌣 𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑌣 𑌤𑌾𑌡𑌨𑌾𑌭𑍍𑌯𑍁𑌕𑍍𑌷𑌣 𑌅𑌵𑌕𑍁𑌣𑍍𑌠𑌨𑌾𑌖𑍍𑌯𑌪𑌞𑍍𑌚𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌿𑌃 ॥

(2) 𑌧𑍇𑌨𑍁𑌪𑌦𑍍𑌮𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑌾𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌮𑌹𑌾𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌃 ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



कोशाय नमः इति कोशं सम्पूज्य तस्य त्रिवा-
रसहितानि त्रीणि वाद्यानि विन्यस्य, वाद्येषु ओं
हां [illegible]वाद्याय नमः । ओं हां विजयवाद्याय नमः ।
ओं हां भैरववाद्याय नमः । इति वाद्यानि सम्पूज्य
[illegible]
[illegible] ॥ इति
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] इति मन्त्रेण [illegible]
[illegible] ‘‘ईशानः सर्वविद्यानामीश्वरः सर्वभूता-
नां ब्रह्माधिपतिर्ब्रह्मणोऽधिपतिर्ब्रह्मा
शिवो मे अस्तु सदाशिवोम्’’ ॥ इति मन्त्रेण कुङ्कु-
मं समर्प्य ‘‘नाके सुपर्णमुप यत्पतन्तं हृदा
वेनन्तो अभ्यचक्षत त्वा । हिरण्यपक्षं वरुणस्य
दूतं यमस्य योनौ शकुनं भुरण्युम्’’ इति
मन्त्रेण उशीरं निक्षिप्य ‘‘गन्धद्वारां दुराधर्षां
नित्यपुष्टां करीषिणीम् । ईश्वरीं सर्वभूतानां
तामिहोपह्वये श्रियम्’’ इति गन्धं समर्प्य ‘‘ओं तत्पु-
रुषाय विद्महे वाग्विशुद्धाय धीमहि । तन्नः शिवः प्र-
चोदयात्’’ इति शिवगायत्र्या धूपं समर्प्य
‘‘कितवासो यद्रिरिपुर्न दीवि यद्वा घा सत्यमुत यन्न
विद्म । सर्वा ता विष्य शिथिरेव देवाथा ते स्याम
वरुण प्रियासः ॥’’ इति [illegible] निक्षिप्य ‘‘अध्य-
वोचदधिवक्ता प्रथमो दैव्यो भिषक् । अहींश्च
सर्वाञ्जम्भयन्सर्वाश्च यातुधान्यः ॥’’ इति मन्त्रे-
ण जलेन सिक्त्वा ‘‘शं नो देवीरभिष्टय आपो भ-
वन्तु पीतये । शं योरभिस्रवन्तु नः ॥’’ इति मन्त्रेण
वाद्यमभिमन्त्रयेत् ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌆𑌪𑌮𑌨𑍀𑌯 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑍇 “𑌯𑌾 𑌤𑍇 𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰 𑌶𑌿𑌵𑌾 𑌤𑌨𑍂𑌰𑌘𑍋𑌰𑌾 𑌪𑌾𑌪𑌕𑌾𑌶𑌿𑌨𑍀 । 𑌤𑌯𑌾 𑌨𑌸𑍍𑌤𑌨𑍁𑌵𑌾 𑌶𑌨𑍍𑌤𑌮𑌯𑌾 𑌗𑌿𑌰𑌿𑌶𑌨𑍍𑌤𑌾𑌭𑌿𑌚𑌾𑌕𑌶𑍀𑌹𑌿 ॥” 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 [illegible] 𑌨𑌿𑌧𑌾𑌯 “𑌅𑌪𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌣𑌯𑌤𑌿 । 𑌶𑍍𑌰𑌦𑍍𑌧𑌾 𑌵𑌾 𑌆𑌪𑌃 । 𑌶𑍍𑌰𑌦𑍍𑌧𑌾𑌮𑍇𑌵𑌾𑌰𑌭𑍍𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌣𑍀𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌚𑌰𑌤𑌿 । 𑌅𑌪𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌣𑌯𑌤𑌿 । 𑌯𑌜𑍍𑌞𑍋 𑌵𑌾 𑌆𑌪𑌃 । 𑌯𑌜𑍍𑌞𑌮𑍇𑌵𑌾𑌰𑌭𑍍𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌣𑍀𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌚𑌰𑌤𑌿 । 𑌅𑌪𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌣𑌯𑌤𑌿 । 𑌵𑌜𑍍𑌰𑍋 𑌵𑌾 𑌆𑌪𑌃 । 𑌵𑌜𑍍𑌰𑌮𑍇𑌵 𑌭𑍍𑌰𑌾𑌤𑍃𑌵𑍍𑌯𑍇𑌭𑍍𑌯𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌹𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌣𑍀𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌚𑌰𑌤𑌿 । 𑌅𑌪𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌣𑌯𑌤𑌿 । 𑌆𑌪𑍋 𑌵𑍈 𑌰𑌕𑍍𑌷𑍋𑌘𑍍𑌨𑍀𑌃 । 𑌰𑌕𑍍𑌷𑌸𑌾𑌮𑌪𑌹𑌤𑍍𑌯𑍈 । 𑌅𑌪𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌣𑌯𑌤𑌿 । 𑌆𑌪𑍋 𑌵𑍈 𑌦𑍇𑌵𑌾𑌨𑌾𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌿𑌯𑌂 𑌧𑌾𑌮 । 𑌦𑍇𑌵𑌾𑌨𑌾𑌮𑍇𑌵 𑌪𑍍𑌰𑌿𑌯𑌂 𑌧𑌾𑌮 𑌪𑍍𑌰𑌣𑍀𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌚𑌰𑌤𑌿 । 𑌅𑌪𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌣𑌯𑌤𑌿 । 𑌆𑌪𑍋 𑌵𑍈 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌾 𑌦𑍇𑌵𑌤𑌾𑌃 । 𑌦𑍇𑌵𑌤𑌾 𑌏𑌵𑌾𑌰𑌭𑍍𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌣𑍀𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌚𑌰𑌤𑌿 । 𑌅𑌪𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌣𑌯𑌤𑌿 । 𑌆𑌪𑍋 𑌵𑍈 𑌶𑌾𑌨𑍍𑌤𑌾𑌃 । 𑌶𑌾𑌨𑍍𑌤𑌾𑌭𑌿𑌰𑍇𑌵𑌾𑌸𑍍𑌯 𑌶𑍁𑌚𑌂 𑌶𑌮𑌯𑌤𑌿 । 𑌦𑍇𑌵𑍋 𑌵𑌃 𑌸𑌵𑌿𑌤𑍋𑌤𑍍𑌪𑍁𑌨𑌾𑌤𑍍𑌵𑌚𑍍𑌛𑌿𑌦𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌪𑌵𑌿𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌵𑌸𑍋𑌃 𑌸𑍂𑌰𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌰𑌶𑍍𑌮𑌿𑌭𑌿𑌃 ॥” 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 [illegible] “𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯𑌮𑍍𑌬𑌕𑌂 𑌯𑌜𑌾𑌮𑌹𑍇 𑌸𑍁𑌗𑌨𑍍𑌧𑌿𑌂 𑌪𑍁𑌷𑍍𑌟𑌿𑌵𑌰𑍍𑌧𑌨𑌮𑍍 । 𑌉𑌰𑍍𑌵𑌾𑌰𑍁𑌕𑌮𑌿𑌵 𑌬𑌨𑍍𑌧𑌨𑌾𑌨𑍍𑌮𑍃𑌤𑍍𑌯𑍋𑌰𑍍𑌮𑍁𑌕𑍍𑌷𑍀𑌯 𑌮𑌾𑌮𑍃𑌤𑌾𑌤𑍍 ॥” 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 [illegible] 𑌨𑌿𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍍𑌯 ॥ [illegible]𑌮𑌿𑌤𑌿 𑌜𑌾𑌤𑌿𑌂 𑌨𑌿𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍍𑌯 “𑌸𑌦𑍍𑌯𑍋𑌜𑌾𑌤𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌪𑌦𑍍𑌯𑌾𑌮𑌿 𑌸𑌦𑍍𑌯𑍋𑌜𑌾𑌤𑌾𑌯 𑌵𑍈 𑌨𑌮𑍋 𑌨𑌮𑌃 । 𑌭𑌵𑍇 𑌭𑌵𑍇 𑌨𑌾𑌤𑌿𑌭𑌵𑍇 𑌭𑌵𑌸𑍍𑌵 𑌮𑌾𑌮𑍍 । 𑌭𑌵𑍋𑌦𑍍𑌭𑌵𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ॥” 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 [illegible] “𑌇𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌂 𑌵𑌿𑌶𑍍𑌵𑌾 𑌅𑌵𑍀𑌵𑍃𑌧𑌨𑍍𑌤𑍍𑌸𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌵𑍍𑌯𑌚𑌸𑌂 𑌗𑌿𑌰𑌃 । 𑌰𑌥𑍀𑌤𑌮𑌂 𑌰𑌥𑍀𑌨𑌾𑌂 𑌵𑌾𑌜𑌾𑌨𑌾𑌂 𑌸𑌤𑍍𑌪𑌤𑌿𑌂 𑌪𑌤𑌿𑌮𑍍 । 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 [illegible] “𑌨𑌮𑍋 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍁 𑌨𑍀𑌲𑌗𑍍𑌰𑍀𑌵𑌾𑌯 𑌸𑌹𑌸𑍍𑌰𑌾𑌕𑍍𑌷𑌾𑌯 𑌮𑍀𑌢𑍁𑌷𑍇 । 𑌅𑌥𑍋 𑌯𑍇 𑌅𑌸𑍍𑌯 𑌸𑌤𑍍𑌵𑌾𑌨𑍋𑌽𑌹𑌂 𑌤𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋𑌽𑌕𑌰𑌂 𑌨𑌮𑌃” 𑌇𑌤𑌿 [illegible] “𑌯𑍋 𑌵𑍇𑌦𑌾𑌦𑍌 𑌸𑍍𑌵𑌰𑌃 𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌤𑍋 𑌵𑍇𑌦𑌾𑌨𑍍𑌤𑍇 𑌚 𑌪𑍍𑌰𑌤𑌿𑌷𑍍𑌠𑌿𑌤𑌃 । 𑌤𑌸𑍍𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌕𑍃𑌤𑌿𑌲𑍀𑌨𑌸𑍍𑌯 𑌯𑌃 𑌪𑌰𑌸𑍍𑌸 𑌮𑌹𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌃 ॥” 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣𑌾𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

[illegible] 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑍇 “[illegible] । 𑌯𑌾𑌸𑍍𑌤𑍇 𑌸𑌹𑌸𑍍𑌰𑌮𑌿𑌷𑌵𑌃 𑌪𑌰𑌾𑌤𑌾 [illegible]

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌭𑌵 ॥" 𑌇𑌤𑌿 𑌕𑌲𑍍𑌪𑌵𑌲𑍍𑌲𑌿𑌯𑌾𑌯 "𑌯𑌾𑌸𑌾𑌂 𑌦𑍇𑌵𑌾 𑌦𑌿𑌵𑌿 𑌕𑍃𑌣𑍍𑌵𑌨𑍍𑌤𑌿 𑌭𑌕𑍍𑌷𑌂 𑌯𑌾 𑌅𑌨𑍍𑌤𑌰𑌿𑌕𑍍𑌷𑍇 𑌬𑌹𑍁𑌧𑌾 𑌭𑌵𑌨𑍍𑌤𑌿 । 𑌯𑌾𑌃 𑌪𑍃𑌥𑌿𑌵𑍀𑌂 𑌪𑌯𑌸𑍋𑌨𑍍𑌦𑌨𑍍𑌤𑌿 𑌶𑍁𑌕𑍍𑌰𑌾𑌸𑍍𑌤𑌾 𑌨 𑌆𑌪𑌶𑍍𑌶𑌂 𑌸𑍍𑌯𑍋𑌨𑌾 𑌭𑌵𑌨𑍍𑌤𑍁 । 𑌇𑌤𑌿 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌸𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌜𑌲𑌶𑌰𑌾𑌵𑌦𑍍𑌰𑍋𑌣𑍍𑌯𑌾𑌂, "𑌸𑌾𑌵𑌿𑌤𑍍𑌰𑍀" 𑌇𑌤𑌿 𑌤𑌿𑌲𑌂 𑌨𑌿𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍍𑌯 "𑌶𑍍𑌰𑍋𑌤𑌸𑍍𑌯 𑌪𑌕𑍍𑌷𑌂 𑌨𑌕𑍍𑌷𑌤𑍍𑌰𑌾𑌶𑌚𑍀𑌭𑌿𑌃 । 𑌕𑍍𑌰𑌸𑌨𑍍𑌤𑍀 𑌨𑌾𑌮𑌭𑌿𑌰𑌾𑌰𑌂 𑌦𑌦𑌾𑌤𑌾 । 𑌕𑌾𑌲𑍇𑌨 𑌹𑍋𑌤𑌾 𑌨𑌿𑌷𑍍𑌕𑍃𑌤𑌾 𑌶𑌚𑍀𑌭𑌿𑌃 । 𑌯𑌸𑍍𑌮𑌿𑌨𑍍 𑌦𑍇𑌵𑍇 𑌯𑍋𑌨𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌹𑍃𑌦𑌯𑍇 𑌅𑌨𑍍𑌤𑌃 ।" 𑌇𑌤𑌿 𑌕𑍍𑌷𑍀𑌰𑌂 "𑌵𑍃𑌤𑍍𑌰𑌘𑍍𑌨𑌾𑌯 𑌪𑍂𑌷𑍍𑌣𑍇 𑌤𑌵𑌸𑍇 𑌜𑍀𑌰𑍍𑌣𑌾𑌯 𑌤𑌵𑍍𑌯𑌸𑍇 । 𑌵𑌾𑌜𑍇𑌵𑌾𑌜𑍇𑌶𑍍𑌵𑌤𑍍𑌸𑍍𑌯𑌾𑌪𑍇 ॥" 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌕𑌾𑌶𑍍𑌮𑌰𑍍𑌯𑌂 "𑌸𑌹𑌸𑍍𑌰𑌸𑌾𑌵𑌪𑌰𑌾𑌣𑌾𑌂" 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌯𑌵𑌂 "𑌤𑍍𑌵𑌂 𑌯𑌵𑌾𑌸𑌿 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌣𑌾 𑌪𑌕𑍍𑌵𑌾𑌨𑍍𑌤𑌸𑍍𑌥𑌾𑌶𑍍𑌵𑌾𑌸𑍇 𑌯𑌜𑌮𑌾𑌨𑍋 𑌹𑌵𑌿𑌰𑍍𑌭𑌿𑌃 । 𑌅𑌸𑍍𑌮𑌿𑌨𑍍 𑌪𑍂𑌜𑌨𑍀𑌯𑍋 𑌭𑌵𑌸𑍍𑌸𑍁𑌯𑌮𑌃 𑌪𑍍𑌰𑍋𑌷𑍀𑌃 ॥" 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌸𑌿𑌦𑍍𑌧𑌾𑌰𑍍𑌥𑌂 "𑌸𑌦𑍍𑌯𑍋𑌜𑌾𑌤𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌪𑌦𑍍𑌯𑌾𑌮𑌿 𑌸𑌦𑍍𑌯𑍋𑌜𑌾𑌤𑌾𑌯 𑌵𑍈 𑌨𑌮𑌃" 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌤𑌣𑍍𑌡𑍁𑌲𑌂 "𑌮𑍂𑌰𑌾𑌣𑌿 𑌤𑍇 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌸𑌾𑌦𑍍𑌯𑌾𑌨𑌿 । 𑌸𑍋𑌮𑌸𑍍𑌤𑍋𑌤𑍍𑌰𑌾𑌜𑌾𑌯𑌤𑍇 𑌨𑌾𑌭𑌿𑌪𑌾𑌤𑌾𑌂 । 𑌉𑌗𑍍𑌰𑌾𑌪𑌶𑍀𑌯𑍋 𑌪𑌶𑌿𑌪𑌤𑍇 𑌕𑍍𑌷𑌤𑌂 । 𑌜𑌯𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌨𑌨𑍍𑌦𑌨𑍍𑌤𑍁 𑌦𑍇𑌵𑌾𑌃" 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌸𑌰𑍍𑌷𑌪𑌂 "𑌉𑌦𑍍𑌦𑍀𑌪𑍍𑌯𑌸𑍍𑌵 𑌜𑌾𑌤𑌵𑍇𑌦𑍋𑌽𑌪𑌘𑍍𑌨𑌂 𑌨𑌿𑌰𑍃𑌤𑌿𑌂 𑌮𑌮 । 𑌪𑌶𑍂𑌂𑌶𑍍𑌚 𑌮𑌹𑍍𑌯𑌮𑌾𑌵𑌹 𑌜𑍀𑌵𑌨𑌂 𑌚 𑌦𑌿𑌶𑍋 𑌦𑌿𑌶" 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌮𑌧𑍂𑌕𑌾 "𑌅𑌮𑍃𑌤𑌪𑌸𑍍𑌵𑌤𑍀" 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣𑌾𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯 𑌦𑌰𑍍𑌭𑍇𑌣 𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑍋𑌦𑌕𑍇𑌨 । 𑌅𑌸𑍍𑌯 𑌉𑌕𑍍𑌤𑌦𑍍𑌰𑌵𑍍𑌯𑌾𑌣𑌾𑌮𑌭𑌾𑌵𑍇 𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑍋𑌦𑌕𑍇𑌨 𑌗𑌨𑍍𑌧𑌂 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑍍𑌯 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍈𑌰𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

**𑌸𑌂𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍍𑌤𑌪𑌾𑌦𑍍𑌯𑌾𑌚𑌮𑌨𑍀𑌯𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 ॥**

𑌵𑌿𑌶𑍇𑌷𑌾𑌭𑌾𑌵𑍇 𑌪𑌾𑌦𑍍𑌯𑌾𑌚𑌮𑌨𑍀𑌯𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌣𑌿 𑌸𑌾𑌧𑌯𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌤𑍇𑌷𑍁 𑌉𑌕𑍍𑌤𑌦𑍍𑌰𑌵𑍍𑌯𑌾𑌣𑌿 𑌨𑌿𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍍𑌯 𑌅𑌭𑌾𑌵𑍇 𑌪𑌾𑌦𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌕𑌂 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌾𑌙𑍍𑌗𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌮𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 𑌅𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯 𑌪𑌾𑌦𑍍𑌯𑌜𑌲𑌂 𑌹𑍃𑌦𑌯𑍇𑌨𑌾𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌣𑌵𑍇𑌨 𑌅𑌵𑌗𑍁𑌣𑍍𑌠𑌨𑌮𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯 𑌆𑌚𑌮𑌨𑍀𑌯𑌜𑌲𑌂 𑌦𑌶𑌬𑍀𑌜𑍈𑌃 𑌅𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌷𑌡𑌙𑍍𑌗𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌪𑌞𑍍𑌚𑌕𑌦𑍍𑌰𑌵𑍍𑌯𑌾𑌃 𑌪𑍃𑌥𑌕𑍍𑌪𑍃𑌥𑌕𑍍, 𑌅𑌪𑍂𑌪𑌕𑍀𑌪𑍇𑌣 𑌦𑌦𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 ।

𑌇𑌤𑌿 𑌦𑍍𑌰𑌵𑍍𑌯𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌿𑌃 ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



## 𑌅𑌥 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌗𑌵𑍍𑌯𑌮𑍍 ॥

𑌶𑌿𑌵𑌾𑌗𑍍𑌰𑍇 𑌗𑍋𑌮𑌯𑍋𑌪𑌲𑌿𑌪𑍍𑌤𑍇 𑌭𑍂𑌤𑌲𑍇 𑌦𑍍𑌰𑍋𑌣𑌪𑍍𑌰𑌮𑌾𑌣𑌂 𑌤𑌣𑍍𑌡𑍁𑌲𑌂 𑌪𑌰𑌿𑌸𑍍𑌤𑍀𑌰𑍍𑌯 𑌤𑌦𑍁𑌪𑌰𑌿(1) 𑌨𑌵𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑌂 𑌵𑌿𑌲𑌿𑌖𑍍𑌯 𑌲𑌾𑌜𑌦𑌰𑍍𑌭𑌾𑌕𑍍𑌷𑌤𑌾𑌦𑍀𑌨𑍍 𑌪𑌰𑌿𑌸𑍍𑌤𑍀𑌰𑍍𑌯 𑌨𑌵𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌣𑌿 𑌨𑌿𑌦𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 । 𑌮𑌧𑍍𑌯𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑌿𑌵𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑌂 𑌸𑌮𑍍𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯, 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌪𑍍𑌰𑌤𑌿𑌷𑍍𑌠𑌾𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌪𑍂𑌜𑌯𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾, 𑌤𑌤𑍍𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑍇 ‘‘𑌆𑌪𑍍𑌯𑌾𑌯𑌸𑍍𑌵 𑌸𑌮𑍇𑌤𑍁 𑌤𑍇 𑌵𑌿𑌶𑍍𑌵𑌤𑌃 𑌸𑍋𑌮𑌵𑍃𑌷𑍍𑌣𑌿𑌯𑌮𑍍 । 𑌭𑌵𑌾 𑌵𑌾𑌜𑌸𑍍𑌯 𑌸𑌙𑍍𑌗𑌥𑍇’’ 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌪𑌯𑍋 𑌨𑌿𑌧𑌾𑌯 ‘‘𑌈𑌶𑌾𑌨𑌸𑍍𑌸𑌰𑍍𑌵 + 𑌸𑌦𑌾𑌶𑌿𑌵𑍋𑌮𑍍’’ 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌸𑌮𑍍𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯, 𑌅𑌨𑍇𑌨𑍈𑌵 𑌸𑌕𑍃𑌦𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌏𑌵𑌂 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑌦𑌾𑌶𑌿𑌵𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑌮𑍍 । 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌶𑌾𑌨𑍍𑌤𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌮𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 ‘‘𑌦𑌧𑌿𑌕𑍍𑌰𑌾𑌵𑍍𑌣𑍋 𑌅𑌕𑌾𑌰𑌿𑌷𑌂 𑌜𑌿𑌷𑍍𑌣𑍋𑌰𑌶𑍍𑌵𑌸𑍍𑌯 𑌵𑌾𑌜𑌿𑌨𑌃 । 𑌸𑍁𑌰𑌭𑌿 𑌨𑍋 𑌮𑍁𑌖𑌾 𑌕𑌰𑌤𑍍 𑌪𑍍𑌰𑌣 𑌆𑌯𑍂𑌂𑌷𑌿 𑌤𑌾𑌰𑌿𑌷𑌤𑍍 ॥’’ 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌤𑌤𑍍𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑍇 𑌦𑌧𑌿 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 ‘‘𑌤𑌤𑍍𑌪𑍁𑌰𑍁𑌷𑌾𑌯 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌮𑌹𑍇 + 𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌚𑍋𑌦𑌯𑌾𑌤𑍍’’ 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌦𑍍𑌵𑌿𑌸𑍍𑌸𑌮𑍍𑌯𑌗𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌯𑌾𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑌮𑍍 । 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌤𑍇𑌜𑍋𑌵𑌤𑍍𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌮𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯, 𑌤𑌤𑍍𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑍇 ‘‘𑌶𑍁𑌕𑍍𑌰𑌮𑌸𑌿 𑌜𑍍𑌯𑍋𑌤𑌿𑌰𑌸𑌿 𑌤𑍇𑌜𑍋𑌽𑌸𑌿 𑌦𑍇𑌵𑍋 𑌵𑌸𑍍𑌸𑌵𑌿𑌤𑌾 𑌉𑌤𑍍𑌪𑍁𑌨𑌾𑌤𑍍𑌵𑌚𑍍𑌛𑌿𑌦𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌪𑌵𑌿𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌵𑌸𑍋𑌸𑍍𑌸𑍂𑌰𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌰𑌶𑍍𑌮𑌿𑌭𑌿𑌃 ।’’ 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌘𑍃𑌤𑌂 𑌨𑌿𑌧𑌾𑌯 ‘‘𑌅𑌘𑍋𑌰𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋𑌽𑌥 𑌘𑍋𑌰𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌘𑍋𑌰𑌘𑍋𑌰𑌤𑌰𑍇𑌭𑍍𑌯𑌃 𑌸𑌰𑍍𑌵𑍇𑌭𑍍𑌯𑌸𑍍𑌸𑌰𑍍𑌵𑌶𑌰𑍍𑌵𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌸𑍍𑌤𑍇 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍁 𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑌰𑍂𑌪𑍇𑌭𑍍𑌯𑌃 ।’’ 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌸𑍍𑌸𑌮𑍍𑌯𑌗𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

---

(1) 𑌉𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌹𑌿 𑌕𑌾𑌰𑌣𑍇 — 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌕𑍍𑌸𑍂𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌯𑌾𑌮𑍍𑌯𑌸𑍂𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌸𑍍𑌯𑌾𑌦𑍁𑌦𑌕𑍍𑌸𑍂𑌤𑍍𑌰𑌕𑌮𑍇𑌵 𑌚 । 𑌸𑍂𑌤𑍍𑌰𑌾𑌤𑍍𑌸𑍂𑌤𑍍𑌰𑌾𑌨𑍍𑌤𑌰𑌾𑌲𑌂 𑌨𑌵𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑌞𑍍𑌚 𑌕𑌲𑍍𑌪𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑍇 𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌪𑍁𑌰𑍁𑌷𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑌂 । 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌰𑌤𑍍𑌨𑍋𑌦𑌕𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌮𑌾𑌹𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌤𑌤𑍍𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑍇 "𑌤𑌤𑍍𑌸𑌵𑌿𑌤𑍁𑌰𑍍𑌵𑌰𑍇𑌣𑍍𑌯𑌂 𑌭𑌰𑍍𑌗𑍋 𑌦𑍇𑌵𑌸𑍍𑌯 𑌧𑍀𑌮𑌹𑌿 । 𑌧𑌿𑌯𑍋 𑌯𑍋 𑌨𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌚𑍋𑌦𑌯𑌾𑌤𑍍" 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌗𑍋𑌮𑍂𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌨𑌿𑌧𑌾𑌯 "𑌵𑌾𑌮𑌦𑍇𑌵𑌾𑌯 𑌨𑌮𑍋 𑌜𑍍𑌯𑍇𑌷𑍍𑌠𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌶𑍍𑌰𑍇𑌷𑍍𑌠𑌾𑌯 𑌨𑌮𑍋 𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌕𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌕𑌲𑌵𑌿𑌕𑌰𑌣𑌾𑌯 𑌨𑌮𑍋 𑌬𑌲𑌵𑌿𑌕𑌰𑌣𑌾𑌯 𑌨𑌮𑍋 𑌬𑌲𑌾𑌯 𑌨𑌮𑍋 𑌬𑌲𑌪𑍍𑌰𑌮𑌥𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌸𑍍𑌸𑌰𑍍𑌵𑌭𑍂𑌤𑌦𑌮𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑍋 𑌮𑌨𑍋𑌨𑍍𑌮𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌚𑌤𑍁𑌰𑍍𑌧𑌾 𑌸𑌮𑍍𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯𑌾𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌕𑌾𑌲𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑌂 । 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌅𑌮𑍃𑌤𑌾𑌤𑍍𑌮𑌕𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌮𑌾𑌹𑍃𑌤𑍍𑌯, 𑌤𑌤𑍍𑌰 𑌗𑍋𑌮𑌯𑌂 "𑌗𑌨𑍍𑌧𑌦𑍍𑌵𑌾𑌰𑌾𑌂 + 𑌹𑍍𑌵𑌯𑍇 𑌶𑍍𑌰𑌿𑌯𑌮𑍍" 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 "𑌸𑌦𑍍𑌯𑍋𑌜𑌾𑌤𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌪𑌦𑍍𑌯𑌾𑌮𑌿 + 𑌭𑌵𑍋𑌦𑍍𑌭𑌵𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃" 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌧𑌾 𑌸𑌮𑍍𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯𑌾𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌐𑌶𑌾𑌨𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌕𑍃𑌤𑌿𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑌂 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌅𑌵𑍍𑌯𑌕𑍍𑌤𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌮𑌾𑌹𑍃𑌤𑍍𑌯, 𑌤𑌤𑍍𑌰 𑌕𑍁𑌶𑍋𑌦𑌕𑌮𑍍 । "𑌦𑍇𑌵𑌸𑍍𑌯 𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌸𑌵𑌿𑌤𑍁𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌸𑌵𑍇 𑌅𑌶𑍍𑌵𑌿𑌨𑍋𑌰𑍍𑌬𑌾𑌹𑍁𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌪𑍂𑌷𑍍𑌣𑍋 𑌹𑌸𑍍𑌤𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌮𑍍" 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯, 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨 𑌷𑍋𑌢𑌾 𑌅𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌗𑍋𑌮𑌯𑌾𑌦𑍀𑌨𑌿 𑌸𑌂𑌹𑌾𑌰𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣 𑌅𑌨𑍍𑌤𑍇 𑌕𑍁𑌶𑍋𑌦𑌕𑌞𑍍𑌚 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌤𑌦𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌮𑌤𑍍𑌕𑌾𑌰𑌣𑍇—

---

𑌧𑍍𑌰𑍁𑌵𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌕𑌾𑌰𑌣𑍇 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌾𑌦𑌿𑌸𑌦𑍍𑌯𑌾𑌨𑍍𑌤𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌣𑌵𑌿𑌷𑌯𑍇 𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣 𑌪𑌞𑍍𑌚 𑌚𑌤𑍁𑌸𑍍𑌸𑌪𑍍𑌤𑌾𑌷𑍍𑌟𑌨𑌵𑌸𑌙𑍍𑌖𑍍𑌯𑌾 𑌵𑌿𑌧𑍀𑌯𑌤𑍇 । 𑌕𑍂𑌰𑍍𑌮𑍇𑌯𑌮𑍇𑌨𑌜𑍀𑌤𑌪𑌾𑌯𑌵𑍍𑌯𑌧𑍀𑌕𑍍𑌷𑍁 𑌵𑌿𑌷𑌰𑌜𑌨𑍍𑌯𑌾𑌮𑌲𑌕𑌾𑌨𑌾𑌂 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌕𑌵𑌚𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌃 𑌵𑍍𑌯𑌾𑌹𑍃𑌤𑌿𑌹𑍃𑌦𑌯𑌶𑌿𑌰𑍋𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍈𑌃 𑌷𑌟𑍍𑌸𑌪𑍍𑌤𑌾𑌷𑍍𑌟𑌸𑌙𑍍𑌖𑍍𑌯𑌾𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌣𑌞𑍍𑌚 𑌵𑌿𑌹𑌿𑌤𑌂 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿 𑌤𑌤𑍍𑌰 𑌸𑌮𑌵𑌗𑌨𑍍𑌤𑌵𑍍𑌯𑌮𑍍 ।

𑌗𑍋𑌮𑌯𑌂 𑌗𑍋𑌜𑌲𑍇 𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍍𑌯 𑌗𑍋𑌜𑌲𑌂 𑌘𑍃𑌤𑌕𑍇 𑌚 ।
𑌘𑍃𑌤𑌂 𑌦𑌧𑍍𑌨𑌿 𑌤𑍁 𑌸𑌂𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍍𑌯 𑌦𑌧𑌿 𑌕𑍍𑌷𑍀𑌰𑍇 𑌚 𑌨𑌿𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌇𑌤𑌿 । 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌸𑌂𑌸𑍍𑌕𑌾𑌰𑌂 𑌸𑌂𑌹𑌿𑌤𑌯𑌾𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯, 𑌮𑌥𑌨𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾, 𑌸𑌂𑌰𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯𑌾𑌵𑌗𑍁𑌣𑍍𑌠𑍍𑌯𑌾𑌮𑍃𑌤𑍀𑌕𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌯𑌶𑍍𑌚𑌿𑌤𑍍𑌤𑌵𑌿𑌷𑌯𑍇 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨𑌾𑌷𑍍𑌟𑍋𑌤𑍍𑌤𑌰𑌶𑌤𑌮𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

## 𑌅𑌥 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌾𑌮𑍃𑌤𑌮𑍍 ॥

𑌤𑌤𑍍𑌰𑌾𑌗𑍍𑌰𑍇 𑌶𑌾𑌲𑌿𑌭𑌿𑌃 𑌸𑍍𑌥𑌣𑍍𑌡𑌿𑌲𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌕𑌲𑍍𑌪𑍍𑌯, 𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌨𑌵𑌪𑌦𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌕𑍂𑌰𑍍𑌚𑌾𑌦𑌿 (1) 𑌪𑌦𑌾𑌰𑍍𑌥𑌾𑌨𑌿 𑌨𑍍𑌯𑌸𑍇𑌤𑍍 । 𑌮𑌧𑍍𑌯𑌪𑌦𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌪𑍃𑌥𑌿𑌵𑍀𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌪𑌦𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌅𑌪𑍍𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃, 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌪𑌦𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌤𑍇𑌜𑌸𑍍𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃, 𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑌪𑌦𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑍍𑌯𑍋𑌮𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃, 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑌪𑌦𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑌾𑌯𑍁𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯, 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌣𑌿 𑌤𑌨𑍍𑌤𑍁𑌨𑌾 𑌸𑌂𑌵𑍇𑌷𑍍𑌟𑍍𑌯, 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌪𑍍𑌰𑌕𑍍𑌷𑌾𑌲𑍍𑌯 𑌹𑍃𑌦𑌯𑍇𑌨 𑌪𑍂𑌜𑌯𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌣𑌿 𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑍇𑌷𑍁 𑌨𑌿𑌧𑌾𑌯, 𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂

---

𑌪𑍃𑌥𑌿𑌵𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌮𑌕𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌗𑌵𑍍𑌯𑌵𑌿𑌧𑌾𑌨𑍇 𑌯𑌥𑌾𑌵𑌶𑍍𑌯𑌂 𑌤𑌦𑍍𑌵𑌿𑌭𑌾𑌵𑍍𑌯𑌤𑍇 । 𑌤𑌤𑍍𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑌭𑌾𑌗𑍇 𑌶𑌾𑌲𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌭𑌿𑌰𑍍𑌹𑌸𑍍𑌤𑌮𑌾𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌚𑌤𑍁𑌰𑌶𑍍𑌰𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌅𑌜𑌿𑌤𑍇 – 𑌵𑍇𑌦𑌾𑌶𑍍𑌰𑌮𑌧𑍍𑌯𑌪𑍍𑌰𑌵𑌿𑌭𑌕𑍍𑌤𑍍𑌯𑌾 𑌕𑍃𑌤𑌾𑌸𑍍𑌸𑌰𑍍𑌵𑌾𑌃 𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑌾𑌨𑌿 𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌸𑌂𑌵𑍀𑌥𑌿𑌷𑍁 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌕𑍇𑌷𑍁 । 𑌤𑌤𑍍𑌰𑌾𑌦𑍍𑌯𑌵𑍀𑌥𑌿𑌮𑍇𑌵𑌾𑌹𑌾𑌯 𑌦𑍍𑌵𑌿𑌤𑍀𑌯𑌪𑌙𑍍𑌕𑍍𑌤𑍌 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑍍𑌯 𑌪𑌞𑍍𑌚 𑌪𑌦𑌮𑍇𑌵 𑌪𑍋𑌤𑍍𑌤𑌰𑌨𑌦𑌸𑌙𑍍𑌖𑍍𑌯𑌾𑌃 ॥ 𑌮𑌧𑍍𑌯𑌮𑍋𑌤𑍍𑌤𑌰𑌸𑍍𑌯 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑌯𑌾𑌮𑍍𑌯𑌦𑍇𑌶𑍇 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑍁𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑌪𑌦𑌂 𑌸𑌮𑍍𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯, 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌣𑌿 𑌗𑌣𑌪𑌤𑌿𑌷𑌣𑍍𑌮𑍁𑌖𑌨𑌨𑍍𑌦𑌿𑌮𑌹𑌾𑌕𑌾𑌲𑌾𑌨𑍍 𑌸𑌮𑍍𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯, 𑌵𑌿𑌧𑌿𑌨𑌾 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌣𑌿 𑌪𑍂𑌜𑌯𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑌾𑌦𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌹𑌸𑍍𑌤𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌨𑌾𑌭𑍇𑌶𑍍𑌚𑌾𑌰𑌣𑍇𑌨 𑌨𑌾𑌸𑌾𑌗𑍍𑌰𑍇 𑌉𑌦𑍍𑌧𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌮𑍂𑌲𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌇𑌤𑌿 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌗𑌵𑍍𑌯𑌮𑍍 ॥

(1) 𑌕𑍂𑌰𑍍𑌚𑌾𑌦𑌿 𑌪𑌦𑌾𑌰𑍍𑌥𑍇𑌷𑍁 𑌰𑌤𑍍𑌨𑌂 𑌪𑌞𑍍𑌚 𑌪𑍂𑌤𑌗𑌨𑍍𑌧𑌸𑍌𑌵𑌰𑍍𑌣𑌕𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌨𑌂 𑌹𑍃𑌦𑌯𑌶𑌿𑌰𑌶𑍍𑌶𑌿𑌖𑌾𑌕𑌵𑌚𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍈𑌃 𑌵𑌿𑌹𑌿𑌤𑌂 𑌕𑌾𑌰𑌣𑌾𑌗𑌮𑍇 ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy


𑌗𑌨𑍍𑌧𑌚𑌕𑍍𑌰𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃, 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌰𑌸𑌚𑌕𑍍𑌰𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃, 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌰𑍂𑌪𑌚𑌕𑍍𑌰𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃, 𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑌬𑍍𑌦𑌚𑌕𑍍𑌰𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃, 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑍍𑌪𑌰𑍍𑌶𑌚𑌕𑍍𑌰𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌣𑌿 𑌸𑌮𑍍𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯, 𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌪𑌯𑌃, 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑍇 𑌦𑌧𑌿, 𑌯𑌾𑌮𑍍𑌯𑍇 𑌮𑌧𑍁, 𑌸𑌰𑍍𑌪𑌿𑌰𑍍𑌵𑌰𑍁𑌣𑍇, 𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑍇 𑌇𑌕𑍍𑌷𑍁𑌸𑌾𑌰𑌂 𑌨𑌾𑌰𑌿𑌕𑍇𑌲𑌸𑌲𑌿𑌲𑌂𑌵𑌾 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑍇 𑌶𑌰𑍍𑌕𑌰𑌾𑌂 𑌗𑍁𑌡𑌂𑌵𑌾 𑌸𑌂𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍈𑌸𑍍𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯, 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌵𑌤𑍍 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌾𑌙𑍍𑌗𑍇𑌨𑌾𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌾𑌦𑌿𑌚𑌤𑍁𑌰𑍍𑌦𑌿𑌕𑍍𑌷𑍁 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑌦𑍍𑌰𑌵𑍍𑌯𑌾𑌣𑌿 𑌮𑌧𑍍𑌯𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑍇 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑍍𑌯 𑌆𑌵𑌾𑌹𑍍𑌯, 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌰𑍍𑌶𑍍𑌯 𑌧𑍂𑌪𑌦𑍀𑌪𑌾𑌦𑍍𑌯𑍈𑌰𑍍𑌨𑍈𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯𑌾𑌦𑍀𑌨𑌿 𑌦𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨𑌾𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯, 𑌦𑌿𑌗𑍍𑌬𑌨𑍍𑌧𑌨𑌾𑌵𑌗𑍁𑌣𑍍𑌠𑌨𑍇 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌾𑌙𑍍𑌗𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌮𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌇𑌤𑌿 (1) 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌾𑌮𑍃𑌤𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 ॥

## 𑌅𑌥 𑌸𑍍𑌨𑌪𑌨𑌪𑍂𑌜𑌾 ॥

𑌤𑌤𑍍𑌰𑌾𑌗𑍍𑌨𑌿𑌹𑍋𑌮𑍇 𑌦𑍍𑌰𑍋𑌣𑌤𑍍𑌰𑌯𑌵𑍍𑌰𑍀𑌹𑌿𑌤𑌣𑍍𑌡𑍁𑌲𑌤𑌿𑌲𑌾𑌦𑌿𑌧𑌾𑌨𑍍𑌯𑍋𑌪𑌰𑌿 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌤𑌾𑌲𑌮𑌾𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌚𑌤𑍁𑌰𑌶𑍍𑌰𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾, 𑌤𑌦𑍁𑌪𑌰𑌿 𑌪𑌦𑍍𑌮𑌮𑌾𑌲𑌿𑌖𑍍𑌯 𑌪𑌦𑍍𑌮𑌾𑌸𑌨𑌮𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 𑌨𑌵𑌕𑍁𑌮𑍍𑌭𑌾𑌨𑍍 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌨𑍀𑌞 𑌸𑍂𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣𑌾𑌵𑍇𑌷𑍍𑌟𑍍𑌯 𑌹𑍃𑌦𑌯𑍇𑌨 𑌪𑍍𑌰𑌕𑍍𑌷𑌾𑌲𑍍𑌯𑌾𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌧𑍂𑌪𑌯𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌉𑌦𑌕𑍇𑌨𑌾𑌪𑍂𑌰𑍍𑌯 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌗𑌨𑍍𑌧𑌦𑍍𑌰𑌵𑍍𑌯𑌾𑌨𑍍𑌤𑌕𑍂𑌰𑍍𑌚𑌪𑌲𑍍𑌲𑌵𑌨𑌾𑌰𑌿𑌕𑍇𑌲𑌫𑌲𑌕𑍂𑌰𑍍𑌚𑌸𑍂𑌤𑍍𑌰𑌾𑌦𑌿𑌭𑌿𑌃 𑌗𑌨𑍍𑌧𑌾𑌕𑍍𑌷𑌤𑌪𑍁𑌷𑍍𑌪𑌾𑌦𑍍𑌯𑍈𑌶𑍍𑌚𑌾𑌲𑌙𑍍𑌕𑍃𑌤𑍍𑌯, 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌪𑌦𑍍𑌮𑍋𑌪𑌰𑌿 𑌸𑌂𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌆𑌧𑌾𑌰𑌶𑌕𑍍𑌤𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌶𑌿𑌵𑌾𑌸𑌨𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌿𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌆𑌵𑌾𑌹𑍍𑌯 𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌨𑌾𑌦𑌿𑌪𑌞𑍍𑌚𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌰𑍍𑌶𑍍𑌯 𑌪𑌰𑍍𑌯𑌨𑍍𑌤𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌮𑌨𑍋𑌨𑍍𑌮𑌨𑍀𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌆𑌵𑌾𑌹𑍍𑌯 𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌨𑌾𑌦𑌿 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑌦𑍍𑌯𑍋𑌨𑌿𑌰𑍋𑌧𑌾𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌂 𑌦𑌰𑍍𑌶𑌯𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌵𑌦𑌷𑍍𑌟𑌦𑌿𑌕𑍍𑌷𑍁 𑌕𑌲𑌶𑌾𑌦𑌿𑌶𑌿𑌵𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌾𑌣𑍌 𑌆𑌵𑌾𑌹𑍍𑌯𑌾𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌪𑌾𑌦𑍍𑌯𑌂 𑌨𑍈𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯𑌂 𑌧𑍂𑌪𑌂 𑌦𑍀𑌪𑌂 𑌚𑌾𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌂 𑌚 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌶𑌾𑌨𑍍𑌤𑌿𑌕𑌾𑌦𑌿𑌕𑌰𑍍𑌮𑌾𑌰𑍍𑌥𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌸𑍍𑌨𑌪𑌨𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 ॥

---

(1) 𑌸𑌂𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌾𑌸𑌂𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌪𑌞𑍍𑌚𑌾𑌮𑍃𑌤𑌵𑌿𑌧𑌾𑌨𑌂 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌰𑍍𑌚𑌨𑌚𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌿𑌕𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌯𑌤𑍇 ।

In Public domain, Digitization Muthulakshmi Research Academy

## 𑌉𑌷𑌃𑌕𑌾𑌲𑌪𑍂𑌜𑌾 ॥

𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑌕𑌾𑌰𑌣𑍇 𑌪𑌾𑌦𑍁𑌕𑌾𑌰𑌾𑌧𑌨𑌵𑌿𑌧𑌿𑌪𑌟𑌲𑍇 –
𑌉𑌷𑌃𑌕𑌾𑌲𑍇 𑌪𑍍𑌰𑌕𑍁𑌰𑍍𑌵𑍀𑌤 𑌮𑍂𑌲𑌲𑌿𑌙𑍍𑌗𑌾𑌭𑌿𑌷𑍇𑌚𑌨𑌮𑍍 ।
𑌨𑍈𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯𑌂 𑌮𑍁𑌦𑍍𑌗𑌾𑌨𑍍𑌨𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌂 𑌪𑍂𑌜𑌾𑌂 𑌭𑌾𑌸𑍍𑌕𑌰𑍋𑌦𑌯𑌮𑍍 ॥
𑌏𑌵𑌂 𑌨𑌿𑌶𑍍𑌚𑌿𑌤𑍍𑌯 𑌪𑍂𑌜𑌾 𑌚 𑌉𑌷𑌃𑌕𑌾𑌲𑍇 𑌪𑍍𑌰𑌶𑌸𑍍𑌯𑌤𑍇 ।

𑌇𑌤𑌿 𑌵𑌚𑌨𑌾𑌤𑍍 𑌉𑌷𑌃𑌕𑌾𑌲𑌪𑍂𑌜𑌾𑌯𑌾𑌃 𑌕𑌰𑍍𑌤𑌵𑍍𑌯𑌤𑌾𑌽𑌵𑌗𑌮𑍍𑌯𑌤𑍇 । 𑌤𑌦𑍍𑌯𑌥𑌾 – 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑍋𑌕𑍍𑌤𑌪𑌞𑍍𑌚𑌗𑌵𑍍𑌯𑌪𑌞𑍍𑌚𑌾𑌮𑍃𑌤𑌾𑌦𑌿𑌭𑌿𑌃 𑌸𑍍𑌨𑌪𑌨𑌜𑌲𑍇𑌨 𑌚 𑌮𑍂𑌲𑌲𑌿𑌙𑍍𑌗𑌮𑌭𑌿𑌷𑌿𑌚𑍍𑌯 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑌨𑌾𑌦𑍍𑌯𑍁𑌪𑌚𑌾𑌰𑌾𑌨𑍍 𑌕𑍁𑌰𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 । 𑌤𑌥𑍈𑌵 𑌦𑍇𑌵𑍍𑌯𑌾 𑌅𑌪𑌿 𑌕𑍁𑌰𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 ।

𑌇𑌤𑍍𑌯𑍁𑌷𑌃𑌕𑌾𑌲𑌪𑍂𑌜𑌾𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 ॥

---

## 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌮𑌜𑍍𑌜𑌨𑌮𑍍 ॥

𑌕𑌾𑌰𑍍𑌯𑌮𑌸𑍍𑌯 𑌪𑍂𑌜𑌾𑌨𑍍𑌤𑍇 𑌆𑌰𑍁𑌹𑍍𑌯 𑌶𑌿𑌬𑌿𑌕𑌾𑌂 𑌶𑌿𑌵𑍇 ।
𑌨𑍃𑌤𑍍𑌤𑌗𑍀𑌤𑌾𑌦𑌿𑌵𑌾𑌦𑍍𑌯𑍈𑌶𑍍𑌚 𑌗𑌚𑍍𑌛𑍇𑌤𑍍𑌤𑍁 𑌶𑌯𑌨𑌾𑌲𑌯𑌮𑍍 ॥
𑌗𑌙𑍍𑌗𑌾 𑌮𑌨𑍋𑌨𑍍𑌮𑌨𑍀𑌂 𑌦𑍃𑌷𑍍𑌟𑍍𑌵𑌾 𑌶𑍀𑌘𑍍𑌰𑌂 𑌤𑌸𑍍𑌯𑌾 𑌅𑌨𑌿𑌰𑍍𑌗𑌤𑌾 ।
𑌕𑌾𑌰𑍍𑌯𑌾𑌮𑍇 𑌤𑍁 𑌕𑌰𑍍𑌤𑌵𑍍𑌯𑌃 𑌪𑍂𑌜𑌾𑌨𑍍𑌤𑍇 𑌶𑌙𑍍𑌕𑌰𑌸𑍍𑌯 𑌚 ॥
𑌜𑌟𑌾𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑌾𑌽𑌪𑌿 𑌗𑌙𑍍𑌗𑌾𑌯𑌾𑌸𑍍𑌸𑌰𑍍𑌵𑌤𑍀𑌰𑍍𑌥𑍇𑌨 𑌸𑌙𑍍𑌗𑌮𑌃 ।
𑌤𑌦𑌾 𑌸𑍍𑌵𑌰𑍍𑌗𑍇𑌨 𑌗𑌙𑍍𑌗𑌾𑌯𑌾𑌃 𑌪𑌾𑌵𑌨𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌤𑍀𑌰𑍍𑌥𑌕𑌮𑍍 ॥
𑌤𑌸𑍍𑌮𑌾𑌤𑍍𑌪𑍍𑌰𑌭𑌾𑌤𑍇 𑌪𑍍𑌰𑌯𑌤𑍋 𑌦𑍍𑌵𑌿𑌜𑌸𑍍𑌤𑍁
𑌨𑌾𑌨𑌾𑌵𑌿𑌧𑍈𑌰𑍍𑌵𑌾𑌦𑍍𑌯𑌨𑌿𑌨𑌾𑌦𑌜𑌾𑌲𑍈𑌃 ।
𑌹𑍍𑌰𑌿𑌯𑌾𑌤𑍍𑌤𑍁 𑌸𑌰𑍍𑌵𑍋𑌪𑌚𑌾𑌰𑌕𑍈𑌶𑍍𑌚
𑌨𑌦𑍍𑌯𑌾𑌸𑍍𑌤𑍁 𑌗𑌙𑍍𑌗𑌾𑌜𑌲𑌪𑍂𑌰𑍍𑌣𑌕𑍁𑌮𑍍𑌭𑌮𑍍 ॥
𑌸𑍍𑌵𑌰𑍍𑌣𑌕𑍁𑌮𑍍𑌭𑍇𑌽𑌥𑌵𑌾 𑌤𑌾𑌮𑍍𑌰𑍇 𑌰𑌾𑌜𑌤𑍇𑌨 𑌘𑌟𑍇𑌨 𑌵𑌾 ।
𑌆𑌪𑍋 𑌵𑌾 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌘𑌟𑍇 𑌗𑌙𑍍𑌗𑌾𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌵𑍇𑌶𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥
𑌪𑍂𑌤𑌵𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍈𑌰𑍍𑌨𑌾𑌭𑌿𑌕𑍋𑌦𑍍𑌭𑌵𑌕𑌰𑍍𑌪𑍂𑌰𑌾𑌦𑌿𑌭𑌿𑌰𑍍𑌵𑍃𑌤𑌮𑍍 ।
𑌵𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌮𑌾𑌲𑍍𑌯𑌾𑌕𑍍𑌷𑌤𑍈𑌃 𑌪𑍁𑌷𑍍𑌪𑍈𑌰𑌲𑌙𑍍𑌕𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌵𑌿𑌶𑍇𑌷𑌤𑌃 ॥
𑌗𑌜𑌮𑌸𑍍𑌤𑌕 𑌆𑌰𑍋𑌪𑍍𑌯 𑌪𑌰𑌿𑌵𑌾𑌰𑌕𑌮𑍂𑌰𑍍𑌧𑍍𑌨𑌿 𑌵𑌾 ।
𑌛𑌤𑍍𑌰𑌚𑌾𑌮𑌰𑌸𑌂𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌵𑌾𑌦𑍍𑌯𑌘𑍋𑌷𑌸𑌮𑌨𑍍𑌵𑌿𑌤𑌮𑍍 ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



யாம் ப்ரதக்ஷிணம் க்ருத்வா விப்ரேப்யஸ்து விஸர்ஜயேத் ॥
நதீதீரே ஶிவக்ஷேத்ரே ஸர்வகாமப்ரஸித்திதா ॥

பீடம் ச தர்ப்பணம் வ்ருஷபம் தர்ஶநம்
ஸ்நாநம் வ்ருத்தம் தேஹம் ஸாரம் ஸ்நாநம் ச ।
ஸாயந்தநம் நித்யம் விதிவத் ப்ரயாதே
க்ராமஸ்ய ராஜ்ஞோ ஹவேத் ஸர்வஸித்தி: ॥

ரவௌ ஶுக்லாதிவிஶிஷ்டே ஸர்வபாபவிநாஶநம் ஹவேத் ।
உத்தரேண நதீதோயம் தோயேந ஸ்நாத்வா ப்ரயாணே ॥

(1) இத்யுக்தவாத் உஷ:காலஸ்நாநம் நத்யாம் ஸ்நாத்வா ஶிவம் ஸம்பூஜ்ய க்ருத்வா நத்யாதிஷு தீர்த்தேஷு ஸ்நாத்வா பஞ்ச ஸர்வவிதாநேந ஶிவபூஜாம் க்ருத்வா ஶிவாலயே வா க்ஷேத்ரே வா ப்ரதக்ஷிணம் க்ருத்வா விப்ரேப்யோ தத்வா ஸ்நாநவிதிம் விஷ்ணுத் ।

**அத (2) பஞ்சபஞ்சோஷஸ்யபர்வகாலஸ்நாநவிதி: ॥**

உத்தரகாலேண யதா ஸ்நாநவிதி: பதே
ப்ராத:காலே யதோக்தம் தேவம் பூஜயேத்தத: ।

---

(1) இமே ஶ்லோகா: தத்ர தத்ர ஶிவாகமேஷு ஶ்ருதேஷு ஸ்திதா: தத்ர தத்ர ஸ்ம்ருதா: ॥

(2) ஷட்காலநிர்ணயவசநம் ।

ஸாஸ்ரப்ரமாணயாமம் பஞ்சவர்ஷம் ஸந்த்யாதிநாடிகா ।
உஷ:கால இதி ப்ரோக்த: பஞ்சபஞ்சோஷஸ்ஸு தத:பரம் ॥
ஸந்த்யாதயோ ஸாயம் ப்ராஹ்ண ஸாயம் ஸந்த்யா ஸப்த நாடிகா: ।
பஞ்சபஞ்சோஷஸீதி ப்ரோக்த: உபஸந்த்யாதிகாலக: ॥
உபஸந்த்யாத்ஸாயம் யாமோ தத்ய ஹ உச்யதே ।
ஸாயந்ஸந்த்யா பஞ்சம் த்ரிபாதேந த்ரிநாடிகா ॥
ப்ரதோஷ இதி விக்யாதஸ்ஸாயம்காலதஸ்ஸ்ருண ।
ப்ரதோஷாந்தம் ஸமாரப்ய த்ரிபாதேந த்ரிநாடிகா ॥
ஸாயந்காலமிதி ப்ரோக்த அர்தயாமஸ்ததஶ்ஶ்ருண ।
ஸாயாஹ்நாந்தம் ஸமாரப்ய த்ரிபாதேந த்ரிநாடிகா ।
அர்தயாம இதி ப்ரோக்த இதி ஷட்காலநிர்ணய: ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌈𑌶𑍍𑌵𑌰𑌾𑌦𑌿𑌦𑍇𑌵𑌾𑌨𑌾𑌂 𑌪𑍂𑌜𑌨𑍀𑌯𑌂 𑌯𑌥𑌾 𑌭𑌵𑍇𑌤𑍍 ॥
𑌪𑌰𑌿𑌵𑌾𑌰𑌾𑌦𑍍𑌯𑌦𑍇𑌵𑌾𑌨𑌾𑌮𑌧𑌿𑌷𑍍𑌠𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾𑌪𑍍𑌯𑌮𑌕𑍍𑌷𑌰𑌤𑌮𑍍 ।
𑌅𑌷𑍍𑌟𑌮𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌚 𑌵𑌿𑌶𑍇𑌷𑍇𑌣 𑌪𑍂𑌜𑌾𑌕𑌲𑍍𑌪𑌂 𑌸𑌮𑌾𑌚𑌰𑍇𑌤𑍍 ॥
𑌪𑍁𑌷𑍍𑌪𑌂 𑌗𑌨𑍍𑌧𑌂 𑌚 𑌨𑍈𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯𑌂 𑌅𑌷𑍍𑌟𑌭𑍈𑌰𑌵𑌸𑍍𑌯 𑌤𑌤𑍍𑌪𑌰𑌮𑍍 ।
𑌈𑌶𑌾𑌨𑌾𑌂 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯𑌾𑌥 𑌕𑌨𑍍𑌯𑌷𑌾𑌞𑍍𑌚 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥
𑌪𑌶𑍍𑌚𑌾𑌨𑍍𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯 𑌗𑍌𑌰𑍍𑌯𑌾𑌶𑍍𑌚 𑌉𑌪𑌚𑌾𑌰𑌾𑌨𑍍𑌯𑌥𑍋𑌕𑍍𑌤𑌵𑌤𑍍 ।
𑌯𑌤𑍍𑌰𑌪𑌤𑍀𑌵𑌾𑌦𑌿𑌕𑌷𑍍𑌟𑌕𑍍𑌵𑌾 𑌭𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯𑌕𑍍𑌵𑌾 𑌤𑌤𑌃𑌪𑌰𑌮𑍍 ॥
𑌹𑌸𑍍𑌤𑌾𑌶𑌨𑌂 𑌸𑌹𑌸𑍍𑌰𑌪𑌞𑍍𑌚𑍍𑌯 𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌸𑌵𑌤𑌤𑌃𑌪𑌰𑌮𑍍 ।
𑌚𑌣𑍍𑌡𑍇𑌶𑌯𑌜𑌨𑌂 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌾𑌤𑍍 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌤𑌃𑌕𑌾𑌲𑍇 𑌵𑌿𑌧𑍀𑌯𑌤𑍇 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌵𑌿𑌧𑍃𑌤𑍇 । 𑌤𑌤𑍍𑌰𑌾𑌦𑍌 𑌸𑍌𑌰𑌪𑍂𑌜𑌾 । 𑌇𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌾𑌗𑍍𑌨𑌿𑌦𑌿𑌶𑍋𑌰𑍍𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌐𑌶𑌾𑌨𑍇 𑌵𑌾 𑌸𑍂𑌰𑍍𑌯𑌮𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌸𑍂𑌰𑍍𑌯𑌾𑌰𑍍𑌥𑍇 (1) 𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑌾𑌭𑌿𑌮𑍁𑌖𑌃 𑌓𑌂 𑌰𑌃 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌫𑌡𑌿𑌤𑌿 𑌹𑌸𑍍𑌤𑌤𑌲𑌪𑍃𑌷𑍍𑌠𑍇 𑌸𑌂𑌶𑍋𑌧𑍍𑌯, 𑌸𑍌𑌷𑌬𑌞𑍍𑌜𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑍇𑌣𑌾𑌽𑌽𑌪𑍍𑌲𑌾𑌵𑍍𑌯 𑌤𑌰𑍍𑌜𑌨𑍀𑌭𑍍𑌯𑌾𑌮𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌯𑍋𑌃 𑌓𑌂 𑌖𑌂 𑌹𑍃𑌦𑌯𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃, 𑌕𑌨𑌿𑌷𑍍𑌠𑌿𑌕𑌾𑌨𑌾𑌮𑌿𑌕𑌾𑌮𑌧𑍍𑌯𑌮𑌾𑌸𑍍𑌵𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌓𑌂 𑌖𑌂 𑌖𑌖𑍋𑌲𑍍𑌕𑌾𑌯 𑌶𑌿𑌰𑌸𑍇 𑌨𑌮𑌃, 𑌓𑌂 𑌖𑌂 𑌭𑍂𑌰𑍍𑌭𑍁𑌵𑌸𑍍𑌸𑍁𑌵𑌰𑍋𑌮𑍍 𑌜𑍍𑌵𑌾𑌲𑌿𑌨𑍀𑌶𑌿𑌖𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃, 𑌓𑌂 𑌖𑌂 𑌹𑍁𑌂 𑌕𑌵𑌚𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । 𑌹𑌸𑍍𑌤𑌤𑌲𑌯𑍋𑌰𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌓𑌂 𑌭𑌾𑌂 𑌭𑌾𑌨𑍁𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌨𑌮𑌃 । 𑌤𑌰𑍍𑌜𑌨𑍍𑌯𑍋𑌰𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌓𑌂 𑌰𑌃 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌫𑌟𑍍 । 𑌇𑌤𑌿 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯, 𑌕𑌵𑌚𑍇𑌨𑌾𑌵𑌕𑍁𑌣𑍍𑌠𑍍𑌯 𑌪𑍁𑌨𑌃 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑍍𑌯 𑌸𑍌𑌷𑌬𑌞𑍍𑌜𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌸𑍂𑌰𑍍𑌯𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌵𑌿𑌰𑌚𑌿𑌤𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌹𑌸𑍍𑌤𑌃 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌾𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌾𑌨𑌾𑌮𑌿𑌕𑌾𑌗𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌹𑍃𑌦𑌿 𑌹𑍃𑌦𑌯𑌂 𑌮𑍂𑌰𑍍𑌧𑍍𑌨𑌿 𑌶𑌿𑌰𑍋𑌽𑌙𑍍𑌗𑌂 𑌶𑌿𑌖𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌶𑌿𑌖𑌾𑌙𑍍𑌗𑌂 𑌤𑌰𑍍𑌜𑌨𑍀𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌕𑌵𑌚𑌂 𑌮𑌧𑍍𑌯𑌮𑌾𑌤𑌰𑍍𑌜𑌨𑍀𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌹𑌸𑍍𑌤𑌤𑌲𑌯𑍋𑌰𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌞𑍍𑌚 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌦𑌶𑌦𑌿𑌕𑍍𑌷𑍁 𑌛𑍋𑌟𑌿𑌕𑌯𑌾𑌽𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌦𑌿𑌗𑍍𑌬𑌨𑍍𑌧𑌨𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌆𑌤𑍍𑌮𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑍍𑌯𑌾 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌾𑌙𑍍𑌗𑍇𑌷𑍁 𑌅𑌙𑍍𑌗𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯, 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌂 𑌸𑍂𑌰𑍍𑌯𑌰𑍂𑌪𑌂 𑌭𑌾𑌵𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌪𑍍𑌰𑌣𑌵𑍇𑌨𑌾𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌂 𑌸𑌂𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌆𑌸𑌨𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌆𑌸𑌨𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌵𑌾𑌮𑌪𑌾𑌰𑍍𑌶𑍍𑌵𑌯𑍋𑌃 𑌓𑌂 𑌖𑌂 𑌦𑌣𑍍𑌡𑌿𑌨𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌓𑌂

---

(1) 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌾𑌸𑍍𑌯 𑌇𑌤𑌿 𑌕𑍍𑌰𑌿𑌯𑌾𑌕𑍍𑌰𑌮𑌦𑍍𑌯𑍋𑌤𑌿𑌕𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌪𑌠𑍍𑌯𑌤𑍇

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌅𑌂 𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃, 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑍇𑌶𑌾𑌨𑍇 𑍐 𑌅𑌂 𑌗𑌣𑌪𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃, 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑌾𑌗𑍍𑌨𑍇𑌯𑍍𑌯𑌾𑌂 𑍐 𑌅𑌂 𑌗𑍁𑌰𑍁𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯, 𑌆𑌸𑌨𑍇 𑍐 𑌅𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌭𑍂𑌤𑌾𑌸𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯, (1) 𑌆𑌗𑍍𑌨𑍇𑌯𑌾𑌦𑌿𑌚𑌤𑍁𑌷𑍍𑌕𑍋𑌣𑍇𑌷𑍁 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌮𑌲𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑌾𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌆𑌰𑌾𑌧𑍍𑌯𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌪𑌰𑌮𑌸𑍁𑌖𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌸𑌿𑌤𑌰𑌕𑍍𑌤𑌪𑍀𑌤𑌹𑌰𑌿𑌤𑌸𑌿𑌂𑌹𑌰𑍂𑌪𑌾𑌣𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾, 𑌤𑌦𑍁𑌪𑌰𑌿 𑍐 𑌅𑌂 𑌪𑌦𑍍𑌮𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌶𑍍𑌵𑍇𑌤𑌪𑌦𑍍𑌮𑌮𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 𑌪𑌦𑍍𑌮𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌰𑍍𑌶𑍍𑌯, 𑌤𑌸𑍍𑌯 𑌦𑌲𑍇𑌷𑍁 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌾𑌦𑌿𑌦𑌿𑌕𑍍𑌷𑍁 𑍐 𑌰𑌾𑌂 𑌦𑍀𑌪𑍍𑌤𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑍐 𑌰𑍀𑌂 𑌸𑍂𑌕𑍍𑌷𑍍𑌮𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑍐 𑌰𑍁𑌂 𑌜𑌯𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑍐 𑌰𑍂𑌂 𑌭𑌦𑍍𑌰𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑍐 𑌰𑍇𑌂 𑌵𑌿𑌭𑍂𑌤𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑍐 𑌰𑍈𑌂 𑌵𑌿𑌮𑌲𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑍐 𑌰𑍋𑌂 𑌅𑌮𑍋𑌘𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑍐 𑌰𑍌𑌂 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌯𑍁𑌤𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃, 𑌕𑌰𑍍𑌣𑌿𑌕𑌾𑌯𑌾𑌮𑍀𑌶𑌾𑌨𑍇 𑍐 𑌰𑌃 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌤𑍋𑌮𑍁𑌖𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯, 𑌵𑌿𑌸𑍍𑌫𑌾𑌰𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌰𑍍𑌶𑍍𑌯, 𑍐 𑌅𑌂 𑌅𑌰𑍍𑌕𑌾𑌸𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌰𑍍𑌕𑌾𑌸𑌨𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑍐 𑌵𑌂 𑌵𑌷𑌟𑍍𑌕𑌾𑌯 𑌸𑍂𑌰𑍍𑌯𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌾𑌸𑌨𑍋𑌪𑌰𑌿 𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌿𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯, 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌹𑌾𑌨𑍍𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑍇 𑌦𑌤𑍍𑌵𑌾, 𑌪𑌰𑍍𑌷𑍇𑌰𑌞𑍍𑌜𑍀𑌮𑌾𑌵𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌿𑌂, 𑌢𑌾𑌟𑌾𑌕𑍃𑌷𑍍𑌟𑌸𑍍𑌵𑌰𑌦𑌰𑍍𑌣𑌬𑌿𑌨𑍍𑌦𑍁𑌮𑌞𑍍𑌜𑍌 𑌵𑌿𑌵𑌿𑌚𑍍𑌯, 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌸𑌃 𑌶𑌿𑌵𑌸𑍂𑌰𑍍𑌯𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨𑌾𑌽𑌽𑌵𑌾𑌹𑌿𑌨𑍀𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌯𑌾 𑌆𑌵𑌾𑌹𑍍𑌯, 𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌨𑌾𑌦𑌿𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌰𑍍𑌶𑍍𑌯 𑌧𑍂𑌪𑌦𑍀𑌪𑌾𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌾𑌣𑌿 𑌦𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌯𑍇𑌤𑍍 --

𑌆𑌦𑌿𑌤𑍍𑌯𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌕𑌰𑍍𑌤𑌾𑌰𑌂 𑌕𑌲𑌾𑌦𑍍𑌵𑌾𑌦𑌶𑌸𑌂𑌯𑍁𑌤𑌮𑍍 ।
𑌪𑌦𑍍𑌮𑌹𑌸𑍍𑌤𑌦𑍍𑌵𑌯𑌂 𑌵𑌨𑍍𑌦𑍇 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌲𑍋𑌕𑍈𑌕𑌸𑌾𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌮𑍍 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾, 𑌅𑌶𑍍𑌵𑌧𑍍𑌵𑌜𑌾𑌯 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌮𑌹𑍇 𑌪𑌦𑍍𑌮𑌹𑌸𑍍𑌤𑌾𑌯 𑌧𑍀𑌮𑌹𑌿 𑌤𑌨𑍍𑌨𑌃 𑌸𑍂𑌰𑍍𑌯𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌚𑍋𑌦𑌯𑌾𑌤𑍍 । 𑌇𑌤𑌿 𑌸𑍂𑌰𑍍𑌯𑌗𑌾𑌯𑌤𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯𑌾𑌙𑍍𑌗𑌾𑌨𑌿 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌪𑌾𑌦𑍍𑌯𑌾𑌚𑌮𑌨𑌾𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌾𑌣𑌿 𑌦𑌤𑍍𑌵𑌾

(1) 𑌮𑌾𑌤𑍃𑌕𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌸𑌹𑌸𑍍𑌰𑌾𑌵𑌰𑌣𑍇 𑌨𑍈𑌰𑍃𑌤𑌾𑌦𑍀𑌶𑌾𑌨𑍍𑌤𑌮𑌿𑌤𑌿 𑌵𑌰𑍍𑌤𑌤𑍇 ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

பிம்பம் ஜகன்மோஹினீஷட்ச பாலவைஷ்ணவாதி ஸகலதேவ்யா
பவாந்மோஹினீஷட்யாகஜதஸ்ய மத்யே மோஹினீஸ்ய பக்ஷவி
ஷ்ணுயோர்மத்யே ப்ரதமம், தத்பார்ஶ்வயோ: உஷாம்
ப்ரத்யுஷாம் ஸம்பூஜ்ய ப்ரதமாவரணே கஜானநீ ஸம்பூ
ஜயேத் । ததா ஹி ஆக்னேயாதிஷு கோணேஷு ஹ்ருதயாதீநி
ஹ்ருதயாதிஷு கோணேஷு ப்ரதாய—

ஸௌம்யாநி ரக்தவர்ணாநி வராபயகராணி ச ।
ஸம்ஸ்திதானி சிஹ்னாநி ஸந்நோபஸ்தாநி பாவயேத் ॥

இதி த்யாத்வா பூஜயேத் । தேவஸ்யாக்ரே நேத்ரம்
பூர்வாதிகோணேஷு—

வித்யுத்த்வஜநிபம் பாஸ்வத்ஸம்ஹாரகராமிநம் ।

இதி த்யாத்வாஸ்த்ரம் ஸம்பூஜ்ய ப்ரதமம் ப்ரதாய த்விதீ
யாவரணே பூர்வாதிக்ரமேண—

பூர்வே ஓம் ஸாம் ஸோமாய நம: ।
தக்ஷிணே ஓம் பாம் புதாய நம: ।
பஶ்சிமே ஓம் ப்ரும் ப்ருஹஸ்பதயே நம: ।
உத்தரே ஓம் ஶும் ஶுக்ராய நம: ।
ஆக்னேய்யாம் ஓம் அம் அங்காரகாய நம: ।
நைர்ருத்யே ஓம் ஶம் ஶனைஶ்சராய நம: ।
வாயவ்யாம் ஓம் ரம் ராஹவே நம: ।

ஐஶானே ஓம் கம் கேதவே நம: இத்யஷ்டக்ரஹான்
ஸம்பூஜ்ய, த்ருதீயாவரணே தஶதிக்பாலான் பூஜ
யேத் । ததா ஹி ।

பூர்வே ஓம் ஹ்ராம் இந்த்ராய நம: ।
தக்ஷிணே ஓம் ஹ்ராம் யமாய நம: ।
பஶ்சிமே ஓம் ஹ்ராம் வருணாய நம: ।
உத்தரே ஓம் ஹ்ராம் ஸோமாய நம: ।
ஆக்னேய்யாம் ஓம் ஹ்ராம் அக்னயே நம: ।
நைர்ருத்யாம் ஓம் ஹ்ராம் நிர்ருதயே நம: ।
வாயவ்யாம் ஓம் ஹ்ராம் வாயவே நம: ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



ஐஶாந்யாம் ஓம் ஹாம் ஈஶாநாய நம: ।
ஊர்த்வே ஓம் ஹாம் ப்ரஹ்மணே நம: ।
அத: ஓம் ஹாம் விஷ்ணவே நம: ।
இதி த்ருதீயாவரணம் ஸம்பூஜ்ய ।
நைவேத்யப்ரதீபாவர்யாணி தத்த்வா,
தண்ட்யாமேத்யஸ்யஶாகோ விஶமஶர்வவதர்ஸ்ஸிம்ஹ
வாஹாஸநஸ்தோ தீப்தாமேத்யஸ்ஸித்ஜாமெயௌரர்ணஶணிர்வி
ஶ்ரீவத்ஸோஹ்ஸாத்வசக்தி: । ஸ்வாஜ்ஞஸ்வாஜ்ஞாப்ரஹஸ்தப்ரசண்ட
வர்ண்யத: ஶ்வேதவஸ்த்ராயிரத்மஶ்வேதாப்ஜாம் ஸஹிஹஸ்த
ஸ்ரீஹநயநயாம்ஶஸ்ஸஹஸ்ரஸமயேவாசவதாஞ்: ॥
இதி ஸ்துத்வா, நமஸ்க்ருத்ய, ஸ்வாஹாந்தேந வஷட்கிநா பராத்ர்யாவர்த்யம் தத்த்வா, ஸூர்யமூர்திம் ஶூந்யேந ஹ்ருதயே ந்யஸேத் । அநந்தரம் தத்ராதௌ ஓம் சம் தேஜஶ்சண்டாஸநாய நம: ஓம் சம் தேஜஶ்சண்டமூர்தயே நம: இதி ஸம்பூஜ்ய த்யாயேத் ।

வர்ணம் ரக்தம் கராலாஸ்யம் ஶ்வேதாப்ஜயகரத்வயம் ।
தம்ஷ்ட்ராகராலதீப்தாஸ்யம் ஜடிலம் ரக்தவாஸஸம் ॥

இதி விபாவ்ய ஓம் சம் தேஜஶ்சண்டாய நம: இதி ஸம்பூஜ்ய நிர்மால்யம் நிவேத்ய விஸ்ருஜேத் ।
இதி ஸூர்யபூஜா ॥

---

## அத கணேஶபூஜாவிதி: ॥

அத கணேஶ்வராலயம் கத்வா அக்ரண்டவே ஸௌம்யாஸ்ய உபவிஶ்ய ப்ராணாயாமம் விதாய ஸகலீக்ருத்ய வ்யாபகம் விந்யஸேத் । தத்யதா—
ஓம் காம் ஸர்வேஶ்வராய நம: இதி ஶிரஸி ।
ஓம் கீம் கஜமுகாய நம: இதி முகே ।
ஓம் கூம் விக்நஹந்த்ரே நம: இதி நேத்ரே ।
ஓம் கைம் ஶ்ரீகண்டாய நம: இதி கண்டே ।
ஓம் கௌம் ஸ்கந்தப்ரியாய நம: இதி அம்ஸயோ: ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

ॐ गः पाशाङ्कुशहस्ताय नमः इति हस्तयोः ।
ॐ गां गणनाथाय नमः इति हृदये ।
ॐ गीं [illegible]माधराय नमः इति उदरे ।
ॐ गूं हेरम्बाय नमः इति कट्याम् ।
ॐ गैं आखुवाहनाय नमः इति ऊर्वोः ।
ॐ गौं विघ्नेश्वराय नमः इति जान्वोः ।
ॐ गः गणेश्वराय नमः इति पादयोः ।
इत्येवं विन्यस्य, पुनः ।

ॐ गणानां त्वा गणपतिं हवामहे गों गं ईशानमूर्ध्नाय नमः शिरसि ।

ॐ कविं कवीनां गें तत्पुरुषवक्त्राय नमः वक्त्रे ।
ॐ उपमश्रवस्तमं गुं अघोरहृदयाय नमः हृदये ।

ॐ ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत गिं वामदेवगुह्याय नमः इति गुह्ये ।

ॐ आनश्शृण्वन्नूतिभिस्सीद सादनं गं सद्योजातपादाय नमः इति पादयोः ।

ॐ गां हृदयाय नमः ।
ॐ गीं शिरसे स्वाहा ।
ॐ गूं शिखायै वषट् ।
ॐ गैं कवचाय हुम् ।
ॐ गौं नेत्रत्रयाय वौषट् ।

ॐ गः अस्त्राय फट् इत्येवं पञ्चब्रह्मषडङ्गानि विन्यसेत् । इति व्यापकन्यासः ।

अथार्घ्यपाद्याचमनीयपात्राणि [illegible] [illegible] पुण्याहादिस्पन्दनाङ्गं विधाय आर मन्त्रेण संप्रोक्ष्य आरभ्य [illegible] दक्षिणे ॐ गं गणपतये नमः उत्तरे ॐ सं सरस्वत्यै नमः मध्ये ॐ मं महालक्ष्म्यै नमः इति सम्पूज्य, उभयपार्श्वयोः [illegible]

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



ஸ்தாபவாஹநாந் ஸம்பூஜ்ய, விநாயகஸ்யாக்ரே மஹாமூஷிக மப்யர்ச்ய நைவேத்யாந்த்யாவரணம் விதாய ஸம்பூஜ்ய,

நைர்ருத்யாம் ஓம் ஹாம் வாஸ்துதேவாய நம: ।
வாருண்யாம் ஓம் ஹாம் ஸரஸ்வத்யை நம: ।
வாயவ்யாம் ஓம் ஹாம் மஹாலக்ஷ்ம்யை நம: ।
ஸோமதிஶி ஓம் ஹாம் ஸம்ருத்த்யை நம: ।
ஈஶாந்யாம் ஓம் ஹாம் விஜயாய நம: ।

இதி ஸம்பூஜ்ய, பீடமத்யே ஆதாரஶக்த்யாதி பத்மாஸநாந்தம் பூஜயேத் । ததாஹி

ஓம் ஹாம் ஆதாரஶக்தயே நம: இத்யாதாரஶக்திம் ஸம்பூஜ்ய, ஓம் ஹாம் அநந்தாஸநாய நம இதி ஸம்பூஜ்ய, ஆஸநஸ்யாக்நேயநைர்ருதவாயவ்யேஶாநதிக்ஷு ஓம் ஹாம் தர்மாய நம:, ஓம் ஹாம் ஜ்ஞாநாய நம:, ஓம் ஹாம் வைராக்யாய நம:, ஓம் ஹாம் ஐஶ்வர்யாய நம:, இத்யப்யர்ச்ய, ஓம் ஹாம் கந்தாய நம:, ஓம் ஹாம் பீஜாய நம:, ஓம் ஹாம் அங்குராய நம:, ஓம் ஹாம் நாலாய நம:, ஓம் ஹாம் கண்டகேப்யோ நம:, ஓம் ஹாம் பத்ரேப்யோ நம:, ஓம் ஹாம் கேஸரேப்யோ நம:, ஓம் ஹாம் கர்ணிகாப்யோ நம: ஓம் ஹாம் பத்மாய நம:, இத்யப்யர்ச்சயேத் ।

தத: பூர்வவத் கணேஶவ்யாபகம் கணேஶஸ்ய தத்தத்ஸ்தாநேஷு விந்யஸேத் । தத: ஓம் ஹாம் கணபத்யாஸநாய நம:, ஓம் ஹாம் கணபதிமூர்த்தயே நம:, ஓம் ஹாம் வித்யாதேஹாய நம:, ஓம் ஹாம் நேத்ராப்யாம் நம: இத்யப்யர்ச்ய ஓம் ஹாம் கம் கணபதயே நம: இதி மூலேந ஆவாஹ்ய "வக்ரதுண்டாய வித்மஹே ஹஸ்திவக்த்ராய தீமஹி । தந்நோ தந்தீ ப்ரசோதயாத்" இதி கணபதிகாயத்ரீம் விந்யஸ்ய, பாஶாங்குஶ[illegible] தஶபுஜம் த்யாயேத் ।

கஜாநநம் த்ரிணேத்ரஞ்ச [illegible] ।
[illegible] ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾𑌵𑌾𑌹𑍍𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌰𑍍𑌥𑍍𑌯𑌾𑌜𑍍𑌞𑌾𑌦𑍀𑌶𑌾𑌨𑌕𑍋𑌣𑍇 𑌦𑍍𑌵𑌾𑌰𑍇 𑌤𑌤𑍍𑌕𑍋𑌣𑍇 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌶𑍍𑌯 𑌵𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌦𑌿𑌭𑌿𑌰𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌵𑌤𑍍 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌤𑌤𑌃 𑌗𑌣𑍇𑌶𑌸𑍍𑌯 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑍐 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌸𑌿𑌦𑍍𑌧𑌿𑌲𑌕𑍍𑌷𑍍𑌮𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃, 𑌵𑌾𑌮𑍇 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌬𑍁𑌦𑍍𑌧𑍍𑌯𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

---

## 𑌅𑌥 𑌗𑌣𑍇𑌶𑌾𑌵𑌰𑌣𑌪𑍂𑌜𑌾 ॥

𑍐 𑌗𑍌𑌂 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌮𑍂𑌰𑍍𑌧𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃, 𑍐 𑌗𑍇𑌂 𑌤𑌤𑍍𑌪𑍁𑌰𑍁𑌷𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃, 𑍐 𑌗𑍂𑌂 𑌅𑌘𑍋𑌰𑌹𑍃𑌦𑌯𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃, 𑍐 𑌗𑌿𑌂 𑌵𑌾𑌮𑌦𑍇𑌵𑌗𑍁𑌹𑍍𑌯𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃, 𑍐 𑌗𑌂 𑌸𑌦𑍍𑌯𑍋𑌜𑌾𑌤𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌪𑍍𑌰𑌥𑌮𑌾𑌵𑌰𑌣𑍇 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑌂 𑌤𑌥𑌾 ।

𑍐 𑌗𑌾𑌂 𑌹𑍃𑌦𑌯𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑍐 𑌗𑍀𑌂 𑌶𑌿𑌰𑌸𑍇 𑌨𑌮𑌃 ।
𑍐 𑌗𑍂𑌂 𑌶𑌿𑌖𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 ।
𑍐 𑌗𑍈𑌂 𑌕𑌵𑌚𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑍐 𑌗𑍌𑌂 𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑌤𑍍𑌰𑌯𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑍐 𑌗𑌃 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌙𑍍𑌗𑌾𑌨𑌿 𑌚 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯,

𑌦𑍍𑌵𑌿𑌤𑍀𑌯𑌾𑌵𑌰𑌣𑍇 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌮𑌹𑌾𑌗𑌣𑌪𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌗𑌜𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌮𑌹𑍋𑌦𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑌆𑌗𑍍𑌨𑍇𑌯𑍍𑌯𑌾𑌂 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌏𑌕𑌦𑌨𑍍𑌤𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑌨𑍈𑌰𑍃𑌤𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌮𑌹𑌾𑌕𑌾𑌯𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑌵𑌾𑌯𑌵𑍍𑌯𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑍇𑌶𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑌐𑌶𑌾𑌨𑍍𑌯𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌗𑌣𑌾𑌧𑌿𑌪𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।

𑌇𑌤𑌿 𑌗𑌣𑍇𑌶𑌾𑌷𑍍𑌟𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑍀𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌤𑌦𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌮𑌦𑍇𑌵𑍍𑌯𑌾𑌗𑌮𑍇 — 𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌂 𑌮𑌹𑌾𑌗𑌣𑌪𑌂 𑌗𑌜𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌮𑌹𑍋𑌦𑌰𑌮𑍍 । 𑌏𑌕𑌦𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌮𑌹𑌾𑌕𑌾𑌯𑌂 𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑍇𑌶𑌂 𑌚 𑌗𑌣𑌾𑌧𑌿𑌪𑌮𑍍 ॥ 𑌇𑌤𑌿 ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌤𑍃𑌤𑍀𑌯𑌾𑌵𑌰𑌣𑍇 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑍇 𑌓𑌂 𑌬𑌾𑌲𑌗𑌣𑌪𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 ॥ 𑌓𑌂 𑌭𑌕𑍍𑌤𑌗𑌣𑌪𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃। 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑌓𑌂 𑌵𑍀𑌰𑌗𑌣𑌪𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 ॥ 𑌓𑌂 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌗𑌣𑌪𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 । 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑍇 𑌓𑌂 𑌸𑌿𑌦𑍍𑌧𑌿𑌗𑌣𑌪𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌓𑌂 𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑌗𑌣𑌪𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 । 𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑍇 𑌓𑌂 𑌉𑌚𑍍𑌛𑌿𑌷𑍍𑌟𑌗𑌣𑌪𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 ॥ 𑌓𑌂 𑌰𑌕𑍍𑌤𑌗𑌣𑌪𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 । 𑌆𑌗𑍍𑌨𑍇𑌯𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌓𑌂 𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍍𑌰𑌗𑌣𑌪𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌓𑌂 𑌹𑍇𑌰𑌮𑍍𑌬𑌗𑌣𑌪𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 । 𑌨𑍈𑌰𑍃𑌤𑍍𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌲𑌕𑍍𑌷𑍍𑌮𑍀𑌗𑌣𑌪𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌓𑌂 𑌵𑌿𑌜𑌯𑌗𑌣𑌪𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 । 𑌵𑌾𑌯𑌵𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌓𑌂 𑌨𑍃𑌤𑍍𑌤𑌗𑌣𑌪𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌓𑌂 𑌊𑌰𑍍𑌧𑍍𑌵𑌗𑌣𑌪𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 । 𑌈𑌶𑌾𑌨𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌓𑌂 𑌮𑌹𑌾𑌗𑌣𑌪𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌓𑌂 𑌹𑌰𑌿𑌦𑍍𑌰𑌾𑌗𑌣𑌪𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 ।

𑌇𑌤𑌿 𑌷𑍋𑌡𑌶𑌗𑌣𑌪𑌤𑍀𑌨𑍍 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

---

𑌤𑌦𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌮𑌤𑌿𑌵𑌿𑌦𑍍𑌯𑌾𑌤𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇 –

“𑌬𑌾𑌲𑍋 𑌭𑌕𑍍𑌤𑌶𑍍𑌚 𑌵𑍀𑌰𑌶𑍍𑌚 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌶𑍍𑌚 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌸𑌿𑌦𑍍𑌧𑌿𑌦𑌃 ।
𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑍋𑌚𑍍𑌛𑌿𑌷𑍍𑌟𑌰𑌕𑍍𑌤𑌾𑌶𑍍𑌚 𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍍𑌰𑍋 𑌹𑍇𑌰𑌮𑍍𑌬 𑌏𑌵 𑌚 ।
𑌲𑌕𑍍𑌷𑍍𑌮𑍀𑌵𑌿𑌜𑌯𑌨𑍃𑌤𑍍𑌤𑌾𑌖𑍍𑌯𑌾𑌃 𑌊𑌰𑍍𑌧𑍍𑌵𑌶𑍍𑌚 𑌮𑌹𑌾𑌗𑌣𑌾𑌹𑍍𑌵𑌯𑌾 ।
𑌹𑌰𑌿𑌦𑍍𑌰𑌾 𑌷𑍋𑌡𑌶𑍋 𑌜𑍍𑌞𑍇𑌯𑌃 𑌤𑍃𑌤𑍀𑌯𑌾𑌵𑌰𑌣𑍇 𑌯𑌜𑍇𑌤𑍍 𑌇𑌤𑌿।

𑌚𑌤𑍁𑌰𑍍𑌥𑌾𑌵𑌰𑌣𑍇 – 𑌆𑌗𑍍𑌨𑍇𑌯𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌸𑌨𑌤𑍍𑌕𑍁𑌮𑌾𑌰𑍇 𑌓𑌂 𑌸𑌰𑌸𑍍𑌵𑌤𑍀𑌸𑌮𑍇𑌤𑌾𑌯 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌣𑍇 𑌨𑌮𑌃 । 𑌨𑍈𑌰𑍃𑌤𑍍𑌯𑍇 𑌸𑌨𑌨𑍍𑌦𑌨𑌕𑍁𑌮𑌾𑌰𑍇 𑌓𑌂 𑌲𑌕𑍍𑌷𑍍𑌮𑍀𑌸𑌮𑍇𑌤𑌾𑌯 𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑌵𑍇 𑌨𑌮𑌃 । 𑌵𑌾𑌯𑌵𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌸𑌨𑌕𑌕𑍁𑌮𑌾𑌰𑍇 𑌓𑌂 𑌭𑌵𑌾𑌨𑍀𑌸𑌮𑍇𑌤𑌾𑌯 𑌮𑌹𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃। 𑌈𑌶𑌾𑌨𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌸𑌨𑌾𑌤𑌨𑌕𑍁𑌮𑌾𑌰𑍇 𑌓𑌂 𑌰𑌤𑍍𑌯𑌾 𑌸𑌮𑍇𑌤𑌾𑌯 𑌕𑌾𑌮𑌦𑍇𑌵𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । 𑌇𑌤𑌿 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌪𑌞𑍍𑌚𑌮𑌾𑌵𑌰𑌣𑍇 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑍇 𑌇𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃। 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑌯𑌮𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃। 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑍇 𑌵𑌰𑍁𑌣𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃। 𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑍇 𑌕𑍁𑌬𑍇𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । 𑌆𑌗𑍍𑌨𑍇𑌯𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌅𑌗𑍍𑌨𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 । 𑌨𑍈𑌰𑍃𑌤𑍍𑌯𑍇 𑌨𑌿𑌰𑍃𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 । 𑌵𑌾𑌯𑌵𑍍𑌯𑍇 𑌵𑌾𑌯𑌵𑍇 𑌨𑌮𑌃 । 𑌈𑌶𑌾𑌨𑍍𑌯𑍇 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । 𑌊𑌰𑍍𑌧𑍍𑌵𑍇 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌣𑍇 𑌨𑌮𑌃 । 𑌅𑌧𑌃 𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑌵𑍇 𑌨𑌮𑌃 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌦𑌶𑌲𑍋𑌕𑌪𑌾𑌲𑌾𑌨𑍍 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌾𑌵𑌰𑌣𑌾𑌰𑍍𑌚𑌨𑌮𑍍 ॥

---

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



ததஃ நாலிகேராதி நாநாவிதாந் மோதகாபூபாதி நைவேத்யம் நிவேத்ய தூபதீபார்க்யாணி தத்வா ததோ த்வாரபாலமூஷிகாதீநாம் அஷ்டதிக்தேவதாநாம் ச பலிம் நிக்ஷிபேத், ததஸ்தந்மஹாபலிபீடே ஸர்வவிக்நகணாரூபாய நமஃ । இத்யுச்சார்ய ‘‘ஓம் ஸர்வவிக்நகணேப்யஃ ஸ்வாஹா இதி பலிம் தத்வா அக்நௌ நிர்மால்யம் ப்ரக்ஷிப்ய ஸர்வோபசாராந் குர்யாத் ॥

இதி ஶ்ரீபரார்த்தநித்யபூஜாவிதௌ
கணேஶபூஜாவிதிஸ்ஸமாப்தஃ ॥

---

அத ஶிவபூஜாவிதௌ த்வாரபூஜாப்ரகாரஃ। அத தேவத்வாரமார்கமத்ய தக்ஷிணவாமபார்ஶ்வஸ்திதகணபதிம் ஸ்நாநாத்யுபசாரைஸ்ஸம்பூஜ்ய அர்க்யோதகேந த்வாரம் அஸ்த்ரேண ஸம்ப்ரோக்ஷ்ய தக்ஷிணோத்தரமத்யேஷு பார்ஶ்வாணி விந்யஸ்ய ஊர்த்வே தக்ஷிணே ஓம் கணபதயே நமஃ । உத்தரே ஓம் ஸரஸ்வத்யை நமஃ மத்யே ஓம் மஹாலக்ஷ்ம்யை நமஃ இத்யுச்சார்ய த்வாரதக்ஷிணபார்ஶ்வே ஓம் ஹாம் நந்திநே நமஃ தத்தக்ஷிணே ஓம் ஹ்ரீம் கங்காயை நமஃ த்வாரோத்தரபார்ஶ்வே ஓம் ஹாம் மஹாகாலாய நமஃ தத்வாமே ஓம் ஹ்ரீம் யமுநாயை நமஃ த்வாரோர்த்வஶிலாயாம் ஓம் ஹாம் வதஜ்ஞாய நமஃ த்வாராதஶ்ஶிலாயாம் ஓம் ஹாம் ஹர்வக்த்ராய நமஃ தக்ஷிணஸ்தம்பே ஓம் ஹாம் உக்ராய நமஃ வாமஸ்தம்பே ஓம் ஹாம் காமியாநாய நமஃ தக்ஷிணகவாடே ஓம் ஹாம் விஜயாய நமஃ உத்தரகவாடே ஓம் ஹாம் ஸர்பபாஹவே நமஃ வடிகாயாம் ஓம் ஹாம் ஸ்கந்தாய நமஃ தக்ஷிணகவாடபக்ஷே ஓம் ஹாம் ஸபூர்ணாய நமஃ உத்தரகவாடபக்ஷே ஓம் ஹாம் வஜ்ராய நமஃ ஸர்வஶிரே நவஶக்திப்யோ நமஃ ॥

1 அதரே ஓம் ஹாம் அஸ்த்ராய நமஃ । தக்ஷிணத்வாரபித்திபார்ஶ்வே ஓம் ஹாம் அஸ்த்ரத்வாராய விக்நாஸநாய நமஃ ஓம் ஹாம் விக்நேஶமூர்த்தயே நமஃ ॥ த்யாநம்

---

1 க்ருகாஶே இதி பாடஃ

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



1 𑌸𑍍𑌵𑌰𑍍𑌣𑌕𑌿𑌰𑌣𑌾𑌭𑌂 𑌚𑌾𑌰𑍁𑌪𑍀𑌠𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌣𑍇𑌤𑍍𑌰𑌂
𑌜𑌟𑌿𑌲𑌮𑌕𑍁𑌟𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌨𑌾𑌗𑌚𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌾𑌵𑌤𑌂𑌸𑌂 । 𑌵𑌿𑌕𑌸𑌿𑌤𑌕𑌰𑌪𑌦𑍍𑌮𑌂
𑌶𑍂𑌲𑌂 𑌵𑌿𑌶𑌾𑌲𑌂 𑌦𑌧𑌾𑌨𑌂 𑌜𑌯𑌶𑌶𑌿𑌹𑌰𑌣𑍀𑌶𑌂 𑌶𑌮𑍍𑌭𑍁𑌰𑍂𑌪𑌂
𑌭𑌜𑌾𑌮𑌿 ॥ 𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌶𑌮𑍍𑌭𑌵𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌸
𑌮𑍍𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌅𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑌹𑌿𑌤𑍍𑌤𑍀𑌵𑌾𑌦𑍍𑌯𑍈𑌃 𑌸𑌮𑍍𑌪𑍍𑌰𑌵𑌾𑌰
𑌵𑌾𑌰𑌾𑌯 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌶𑌮𑍍𑌭𑍍𑌵𑌾𑌸𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌶𑌮𑍍𑌭𑍁
𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 ॥ 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌂

2 𑌅𑌨𑌨𑍍𑌤𑌨𑌾𑌗𑌹𑌾𑌰𑌂 𑌪𑍀𑌠𑌂 𑌜𑌟𑌾𑌭𑌾𑌰𑌂 𑌵𑌿𑌕𑌸𑌿𑌤
𑌕𑌰𑌪𑌦𑍍𑌮𑌂 𑌪𑌸𑍍𑌤𑍁𑌤𑍍𑌰𑌾𑌹𑌸𑍍𑌤𑌮𑍍 ॥ 𑌕𑌟𑌿𑌤𑌟𑌧𑍃𑌤𑌵𑌾𑌸𑌂
𑌕𑌿𑌙𑍍𑌕𑌿𑌣𑍀 𑌨𑌾𑌗𑌭𑍂𑌷𑍍𑌯𑌂 𑌶𑌾𑌨𑍍𑌤𑌰𑌨𑌾𑌰𑌸𑍇𑌵𑍍𑌯𑌂 𑌶𑌮𑍍𑌭𑍁𑌰𑍂
𑌪𑌂 𑌭𑌜𑌾𑌮𑌿 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌶𑌮𑍍𑌭𑌵𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯𑌾
𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌂 𑌦𑌦𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍

𑌅𑌗𑍍𑌰𑍇 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌵𑍃𑌷𑌭𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌾𑌸𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌵𑍃𑌷𑌭𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 ॥ 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌂

---

1 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌕𑌾𑌰𑌣𑍇 𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑌾𑌰𑍍𑌚𑌨𑌾𑌵𑌿𑌧𑌿𑌪𑌟𑌲𑍇
𑌰𑌕𑍍𑌤𑌵𑌰𑍍𑌣𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌚 𑌨𑌾𑌗𑌯𑌜𑍍𑌞𑍋𑌪𑌵𑍀𑌤𑌕𑌂 ।
𑌪𑍀𑌠𑌰𑍂𑌪𑌂 𑌸𑌦𑌂𑌷𑍍𑌟𑍍𑌰𑌂 𑌚 𑌚𑌤𑍁𑌷𑍍𑌪𑌾𑌦𑌂 𑌚𑌤𑍁𑌷𑍍𑌕𑌕𑌂 ॥
𑌵𑌿𑌶𑍍𑌵𑌾𑌵𑌿𑌷𑍍𑌟𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌦𑍍𑌯𑌂 𑌪𑌮𑍍𑌪𑌾𑌯𑌾𑌯𑌸𑌂𑌯𑍁𑌤𑌂 ।
𑌸𑌰𑍍𑌵𑌾𑌭𑌰𑌣𑌭𑍂𑌷𑌿𑌤𑌦𑍇𑌵𑌂 𑌶𑌮𑍍𑌭𑍁𑌨𑌾𑌂 𑌰𑍂𑌪𑌮𑍁𑌚𑍍𑌯𑌤𑍇 ।

2 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌕𑌾𑌰𑌣𑍇 𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑌾𑌰𑍍𑌚𑌨𑌾𑌵𑌿𑌧𑌿𑌪𑌟𑌲𑍇 𑌶𑌮𑍍𑌭𑍁
𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌮𑍍
𑌕𑍃𑌷𑍍𑌣𑌵𑌰𑍍𑌣𑌂 𑌚𑌤𑍁𑌰𑍍𑌬𑌾𑌹𑍁𑌂 𑌸𑌕𑌾𑌸𑍍𑌯𑌂 𑌪𑍀𑌠𑌰𑍂𑌪𑌕𑌮𑍍 ।
𑌦𑌂𑌷𑍍𑌟𑍍𑌰𑌾𑌕𑌰𑌾𑌳𑌵𑌦𑌨𑌂 𑌪𑌮𑍍𑌪𑍍𑌰𑍇𑌕𑌵𑌾𑌪𑌕𑌮𑍍 ॥
𑌕𑌿𑌙𑍍𑌕𑌿𑌣𑍀𑌜𑌾𑌲𑌭𑍂𑌷𑍍𑌯𑌂 𑌪𑌮𑍍𑌪𑍍𑌰𑍇𑌕𑌸𑍍𑌤𑌵𑌾𑌣𑌿𑌕𑌮𑍍 ।
𑌕𑌾𑌨𑍍𑌤𑌜𑌾𑌲𑌾𑌕𑍃𑌤𑌾𑌸𑍍𑌯𑌂 𑌚 𑌶𑌮𑍍𑌭𑍂𑌨𑌾𑌂 𑌤𑌤𑍍 𑌪𑍀𑌠𑌰𑍂𑌪𑌕𑌮𑍍 ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

1 𑌰𑌜𑌤𑌨𑌿𑌭𑌶𑌰𑍀𑌰𑌂 𑌵𑍇𑌦𑌪𑌾𑌦𑌂 [illegible] 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌣𑍇𑌤𑍍𑌰𑌂 । [illegible] 𑌹𑌰𑌿𑌹𑌰[illegible] 𑌵𑍃𑌷𑍇𑌶𑌂 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑍃𑌷𑌭𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 𑌅𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 [illegible] 𑌵𑍃𑌷𑌭𑌃 । [illegible] । 𑌵𑍃𑌷𑌭𑍇𑌣 𑌯𑌜𑌾𑌮𑌹𑍇 । 𑌵𑍃𑌷𑌭𑍇𑌣 𑌯𑌜𑌮𑌾𑌨𑌾𑌃 । 𑌅𑌕𑍍𑌰𑍂𑌰𑍇𑌣𑍈𑌵 𑌸𑌰𑍍𑌪𑌿𑌷𑌾 [illegible] 𑌇𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑍇𑌣 । [illegible] 𑌜𑌯𑌾𑌮𑌸𑌿 𑌯𑌸𑍍𑌯𑌾𑌯𑌮𑍃𑌷𑌭𑍋 𑌹𑌵𑌿𑌃 ॥ 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣𑌾𑌵𑌾𑌹𑍍𑌯 𑌤𑍀𑌕𑍍𑌷𑍍𑌣𑌶𑍃𑌙𑍍𑌗𑌾𑌯 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌮𑌹𑍇 𑌵𑍇𑌦𑌪𑌾𑌦𑌾𑌯 𑌧𑍀𑌮𑌹𑌿 । 𑌤𑌨𑍍𑌨𑍋 𑌵𑍃𑌷𑌭𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌚𑍋𑌦𑌯𑌾𑌤𑍍 𑌇𑌤𑌿 𑌗𑌾𑌯𑌤𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌅𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌸𑌰𑍍𑌵𑍇𑌭𑍍𑌯[illegible] 𑌨𑍈𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 [illegible] 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌹𑍁𑌂 𑌫𑌟𑍍 𑌇𑌤𑌿 [illegible] 𑌵𑌿𑌸𑍃𑌜𑍍𑌯 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌪𑌾𑌦𑌾𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑍇𑌨 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌵𑌾𑌰𑌂 [illegible] 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌪𑌾𑌦[illegible] 𑌸𑌦𑍍𑌯𑍋𑌜𑌾𑌤𑍇𑌨[illegible] 𑌪𑍍𑌰𑌵𑌿𑌶𑍇𑌤𑍍 । [illegible] 𑌦𑍇𑌵𑌾𑌃 [illegible] 2 [illegible] । [illegible] 3 [illegible] ॥

---

1 𑌕𑍍𑌰𑌿𑌯𑌾𑌕𑍍𑌰𑌮𑌦𑍍𑌯𑍋𑌤𑌿𑌕𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌸𑍍𑌤𑌾𑌰𑍇𑌣[illegible] [illegible] 𑌪𑍍𑌰𑌕𑌰𑌣𑍇 𑌵𑍃𑌷𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌮𑍍 —

𑌵𑍃𑌷𑍋 𑌵𑍃𑌷𑌾𑌕𑍃𑌤𑌿𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯𑌕𑍍𑌷𑍋 𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑍈𑌕𑌗𑌤𑌮𑌾𑌨𑌸𑌃 ।
𑌸𑌾𑌕𑍍𑌷𑌾𑌦𑍍𑌧𑌰𑍍𑌮𑌸𑍍𑌵𑌰𑍂𑌪𑌶𑍍𑌚 𑌶𑌙𑍍𑌖𑌸𑍍𑌫𑌟𑌿𑌕𑌸𑌨𑍍𑌨𑌿𑌭𑌃 ।
[illegible] 𑌵𑌿𑌜𑍍𑌞𑍇𑌯𑌸𑍍𑌤𑍀𑌕𑍍𑌷𑍍𑌣𑌶𑍃𑌙𑍍𑌗𑍋 𑌮𑌹𑌾𑌬𑌲𑌃 ॥

2 𑌪𑍍𑌰𑌕𑍃𑌤𑌿𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌾 𑌇𑌤𑌿 𑌪𑌾𑌠𑍋 𑌵𑌰𑍍𑌤𑌤𑍇 ।

3 𑌵𑌿𑌕𑍃𑌤𑌿𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌾 𑌇𑌤𑌿 𑌪𑌾𑌠𑍋 𑌵𑌰𑍍𑌤𑌤𑍇 ॥

𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌕𑌾𑌰𑌣𑌾𑌗𑌮𑌸𑍍𑌯 𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑌾𑌰𑍍𑌚𑌨𑌵𑌿𑌧𑌿[illegible] 𑌵𑌿𑌷𑌯𑌮𑌨𑍁𑌸𑍃𑌤𑍍𑌯 [illegible] ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



अथ पुष्पपुटं हृदयेन उत्थाप्य ओं गां गणपतये नमः ध्यानम् —

नीलवाजिमुखाम्भोजं वस्त्राभरणभूषणम् ।
[illegible] भजे [illegible] ॥

इति ध्यात्वा आवाह्य तथा गणपं प्रविश्य मन्त्रेणाभ्यर्च्य अथ नैऋतादीशानान्तं गणावरणं पूजयेत् । नैऋते तं ब्रह्माणं पीतवर्णं चतुराननम् । [illegible] । [illegible] । अक्षसूत्रं [illegible] ॥ इति मन्त्रेण ओं गां [illegible] ब्रह्मणे नमः इति संपूज्य [illegible] इति मन्त्रेण गणपतिमभ्यर्च्य वायव्ये पूर्णा देवीं सरस्वतीं [illegible] । [illegible] सरस्वतीयजतामहे ॥ इति मन्त्रेण सरस्वतीमभ्यर्च्य उत्तरे हिरण्यवर्णां हरिणीं सुवर्णरजतस्रजाम् । चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह इत्यादिलक्ष्मीसूक्तेन लक्ष्मीमभ्यर्च्य, [illegible] देवीं [illegible] देवाः । तां विश्वरूपाः पशवो वदन्ति । सा नो [illegible] ॥ इति मन्त्रेण [illegible] (ईशाने) "[illegible]" इति मन्त्रेण सदाशिव [illegible]

श्री [illegible] । [illegible] पूजयेत् ॥ इत्येवं [illegible] पूजयेत् ॥

अथाभिषेकपात्रमन्त्रेण [illegible] मन्त्रेण जलमापूर्य [illegible] "इमं मे गङ्गे यमुने सर

In Public domain, Digitization Muthulakshmi Research Academy

𑌷𑍍𑌟𑍁𑌤𑌿" 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌾𑌦𑍃𑌚𑌷𑍍𑌟𑍁𑌣𑌸𑍍𑌯𑍈𑌤𑍇𑌨 𑌨𑌵𑌤𑍀𑌰𑍍𑌥𑌾𑌨𑌨𑍍𑌯𑌾 𑌵𑌾𑌹𑍍𑌯𑌯𑌦𑍍𑌵𑍀𑌵𑍌 𑌦𑌕𑌾𑌵𑌗𑍁𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌷𑌡𑌙𑍍𑌗𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍈𑌰𑍇𑌕𑌵𑌾𑌰𑌂 𑌜𑌪𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌦𑌿𑌗𑍍𑌬𑌨𑍍𑌧𑌨𑌾𑌮𑍃𑌤𑍀𑌕𑌰𑌣𑍇 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨𑌾𑌭𑌿𑌷𑍇𑌕𑍋𑌦𑌕𑍇𑌨 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑍍𑌯 𑌲𑌿𑌙𑍍𑌗𑌮𑌸𑍍𑌤𑌕𑍋𑌪𑌰𑌿 ,,𑌯𑍋 𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑍋 𑌅𑌗𑍍𑌨𑍌 𑌯𑍋 𑌅𑌪𑍍𑌸𑍁 𑌯 𑌓𑌷𑌧𑍀𑌷𑍁 𑌯𑍋 𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑍋 𑌵𑌿𑌶𑍍𑌵𑌾 𑌭𑍁𑌵𑌨𑌾 𑌵𑌿𑌵𑍇𑌶 𑌤𑌸𑍍𑌮𑍈 𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑍋 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍁 । 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑌮𑌧𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌅𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌤𑌰𑍍𑌜𑌨𑍀𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌨𑌿𑌰𑍍𑌮𑌾𑌲𑍍𑌯𑌂 𑌸𑌂𑌹𑍃𑌤𑍍𑌯 ,,𑌨𑌮𑍋 𑌵𑌃 𑌕𑌿𑌰𑌿𑌕𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌦𑍇𑌵𑌾𑌨𑌾𑌂 𑌹𑍃𑌦𑌯𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑍋 𑌵𑌿𑌕𑍍𑌷𑍀𑌣𑌕𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑍋 𑌵𑌿𑌚𑌿𑌨𑍍𑌵𑌤𑍍𑌕𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮 𑌆𑌨𑌿𑌰𑍍𑌹𑌤𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮 𑌆𑌮𑍀𑌵𑌤𑍍𑌕𑍇𑌭𑍍𑌯𑌃 । 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌐𑌶𑌾𑌨𑌦𑍇𑌶𑍇 𑌸𑌂𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌪𑍁𑌷𑍍𑌪𑌂 𑌯𑌜𑌨𑌸𑍍𑌥𑌲𑌯𑍋𑌰𑌨𑍍𑌤𑍍𑌯𑍋𑌜𑍍𑌯𑌾𑌂 । 𑌯𑌾𑌶𑍍𑌚 𑌤𑍇 𑌹𑌸𑍍𑌤 𑌇𑌷𑌵𑌃 𑌪𑌰𑌾 𑌤𑌾 𑌭𑌗𑌵𑍋 𑌵𑌪 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣𑌾𑌪𑌸𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣𑌾𑌪𑌸𑍃𑌤𑍍𑌯𑌾𑌮𑍍𑌭𑌸𑌾 𑌲𑌿𑌙𑍍𑌗𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌵𑌰𑍍𑌷𑍍𑌮𑌕𑌂 𑌶𑌿𑌰𑌸𑌿 𑌸𑌂𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌓𑌂 𑌶𑍍𑌲𑍀𑌂 𑌪𑌶𑍁𑌂 𑌹𑍁𑌂𑌫𑌟𑍍 𑌪𑌾𑌶𑍁𑌪𑌤𑌾𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌲𑌿𑌙𑍍𑌗𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌕𑍍𑌷𑌾𑌲𑍍𑌯 𑌵𑍌𑌷𑌡𑌨𑍍𑌤𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨 𑌕𑌲𑌶𑌿𑌕𑌯𑌾 𑌲𑌿𑌙𑍍𑌗𑌪𑍀𑌠𑌂 𑌸𑌂𑌶𑍋𑌧𑌯𑍇𑌤𑍍 𑌇𑌤𑌿 𑌲𑌿𑌙𑍍𑌗𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌿𑌃 ॥

## 𑌅𑌥 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌿𑌃 ॥

1 𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌨𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌸𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । 𑌹𑍃𑌦𑌿 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑌿𑌵𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌾𑌦𑍀𑌹𑌰𑌿𑌶𑍇𑌶𑌾𑌨𑌾𑌨𑍍𑌤𑌿𑌮𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯𑌕𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨 𑌵𑌰𑍍𑌷𑌂𑌨𑌿𑌯𑌾𑌯𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌶𑍌𑌚𑌨𑌿𑌵𑍃𑌤𑍍𑌤𑍍𑌯𑌰𑍍𑌥𑌂 𑌨𑌾𑌦𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌇𑌤𑌿 𑌬𑍀𑌜𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌾𑌨𑍍𑌤𑌗𑌤𑌂 𑌮𑌾𑌯𑌾𑌰𑌾𑌶𑌿𑌮𑌸𑍍𑌤𑌕𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌕𑌣𑍍𑌠𑍇𑌨𑍋𑌦𑍍𑌵𑌾𑌯 𑌶𑌿𑌵𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌉𑌚𑍍𑌚𑌾𑌰𑍍𑌯 𑌜𑌪𑌨𑍁 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌷𑌡𑌙𑍍𑌗𑍈𑌰𑍇𑌕𑌵𑌾𑌰𑌮𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌯𑍇𑌤𑍍। 𑌤𑌦𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌕𑌾𑌰𑌣𑍇 –

---

1 𑌮𑌾𑌦𑍃𑌕𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑍌 𑌸𑍍𑌥𑌣𑍍𑌡𑌿𑌲𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌿𑌶𑍍𑌚𑍇𑌤𑍍𑌤𑌿𑌵𑌦𑌤𑍍𑌯𑍇 ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



து தாவோஷ்வஸஞாராநுத்ராவேஶுர்விதாம் மதா: ॥
தஸோஷவஸிஹாராயூம் நாதாஞோவ்ராணம் ஸ்ருதம் ॥
இதி ரு ஶ்வி: ॥

அத வஞாஸநாவூநே சூயாரஶக்திவூஜா –

தத சூயாரஶிராயாம் ஓம் ஹ்ரீம் சூயாரஶக்தயே நம:
ய்யாநம் – அத: கூஶீயாஸீநாம் க்ஷீரோதவஸவிரு
ஹாம் ஜௌஜௌ ஸீஜாதாராகாராம் வரதா ரேயஹ்ஷாம் ॥
வாமாதூரயராம் ஶக்திம் க்ரியாஶாயாராவிணீம் ॥
அதவா –

சந்த்ரவணாம் வரதாம் த்ரிணேத்ராம்
கோடீரஹாராம் தயதிம் வராஹயே ।
வாமாதுஜௌ தக்ஷிணவாரவாணோ்யா
ராயாரஶக்திம் ரவிவந்த்ரஜௌஷிகாம் ॥

இதி வா ய்யாக்வா வீம்ஸ்யாயோஹாமெ ரய்ய சூயா
ரஶக்திம் வூஜயேத் ॥

**சண்டாஸநவூஜா ॥**

ஐஶாநராயாம் வூவூரிவதாதிகூடவூவெ
ஓம் ஹாம் சண்டாய நம:॥ தக்ஷிணே ஓம் ஹாம் வாஸுகயே
நம: । வஶ்சிமே ஓம் ஹாம் தக்ஷகாய நம: । உத்தரே ஓம் ஹாம்
காகோடகாய நம:। இதி ஸர்வ்பூஜ்ய ஆக்நேய்யாம் ஓம் ஹாம்
வத்மாய நம: । நைருதே ஓம் ஹாம் மஹாவத்மாய நம: ।
வாயவ்யாம் ஓம் ஹாம் ஶங்வாலாய நம: । ஈஶாந்யாம் ஓம்
ஹாம் குளிகாய நம: । இதி ஸர்வ்பூஜ்ய ஓம் ஹாம் சண்டா
ஸநாய நம: இதிஸர்வ்பூஜயேத் ॥

**ஸிம்ஹாஸநவூஜா ॥**

அத வீம்வூவூவஜிகாதிஸந்தகணாஞ்ஞம் ஸிம்ஹாஸ
நம் விஹாவ்ய –

ஆக்நேய்யாம் ஓம் ஹாம் யர்மாய நம: । நைருதே
ஓம் ஹாம் ஜ்ஞாநாய நம: । வாயவ்யாம் ஓம் ஹாம் வைரா

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy


ग्याय नमः । ऐशान्यां ॐ हां ऐश्वर्यरूपाय नमः । इति सम्पूज्य पूर्वे ॐ हां अधर्माय नमः । दक्षिणे ॐ हां अज्ञानाय नमः । पश्चिमे ॐ हां अवैराग्याय नमः । उत्तरे ॐ हां अनैश्वर्याय नमः । इति सम्पूजयेत् । ऊर्ध्वगुणावृत्तौ दक्षिणे ॐ हां राजसाय नमः । उत्तरे ॐ हां तामसाय नमः । मध्ये ॐ हां सात्त्विकाय नमः । इति विमलासनं सम्पूजयेत् ॥

## योगासनपूजा ॥

अथ तदूर्ध्वे योगासनं पूजयेत् तद्यथा –

आग्नेय्यां ॐ हां कृतयुगाय नमः । नैरृते ॐ हां त्रेतायुगाय नमः । वायव्यां ॐ हां द्वापरयुगाय नमः । ऐशान्यां ॐ हां कलियुगाय नमः । इति सम्पूज्य ऊर्ध्वानुगुणिकाद्यपूर्ववृत्ति काणं ईशानपूर्वयोर्मध्ये ॐ हां अव्यक्ताय नमः । दक्षिणाग्नेययोर्मध्ये ॐ हां नियतये नमः । निरृतिवारुणयोर्मध्ये ॐ हां कालाय नमः । वायव्यसोमयोर्मध्ये ॐ हां कलायै नमः । मध्ये ॐ हां केशवाय नमः । इति सम्पूज्य नैरृते 1 ॐ हां अधश्छदनाय नमः ऐशान्ये ॐ हां ऊर्ध्वच्छदनाय नमः । इति सम्पूज्य ॐ हां योगासनाय नमः । इति सम्पूजयेत् ॥

## अथ पद्मासनपूजा ॥

ऊर्ध्वपीठोपरि विकसितपद्मासनं विभाव्य पीठामध्यादारभ्य पूर्वे ॐ हां कन्दाय नमः । आग्नेय्यां ॐ हां बीजाय नमः । दक्षिणे ॐ हां अङ्कुराय नमः । नैरृते ॐ हां नालाय नमः । पश्चिमे ॐ हां कण्टकेभ्यो नमः । वायव्यां ॐ हां दलेभ्यो नमः । उत्तरे ॐ हां केसरेभ्यो

1 नैरृते इति शिवार्चनाचन्द्रिका ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy


நம꞉ ஐஶாந்யாம் ஓம் ஹாம் கர்ணிகாயை நம꞉ இத்யஷ்டதிக்ஷு ஸம்பூஜயேத்। மத்யே ஓம் ஹாம் பத்மாஸநாய நம꞉ ததீயாஷ்டதலேஷு ஓம் ஹ்ரீம் வாமாயை நம꞉ ஓம் ஹ்ரீம் ஜ்யேஷ்டாயை நம꞉ ஓம் ஹ்ரீம் ரௌத்ர்யை நம꞉ ஓம் ஹ்ரீம் காள்யை நம꞉ ஓம் ஹ்ரீம் கலவிகரிண்யை நம꞉ ஓம் ஹ்ரீம் பலவிகரிண்யை நம꞉ ஓம் ஹ்ரீம் பலப்ரமதிந்யை நம꞉ ஓம் ஹ்ரீம் ஸர்வபூததமந்யை நம꞉ இதி ஸம்பூஜயேத்। கர்ணிகாமத்யே ஓம் ஹ்ரீம் மநோந்மந்யை நம꞉ இதி நவஶக்தீஸ்ஸம்பூஜ்ய நமஸ்காரமுத்ராம் ப்ரதர்ஶ்ய வஹ்நிகாஷ்டமுக்தகேஸராத்மத்யே ஈஶாநாந்தம் வ்ருத்தத்ரயம் விலிக்ய தத்வ்ருத்தஸ்ய தக்ஷிணபார்ஶ்வே ஓம் ஹாம் ஆத்மதத்வாய நம꞉ ஆத்மதத்வாதிபதயே ஓம் ஹாம் ப்ரஹ்மணே நம꞉ தத்வ்ருத்தஸ்ய உத்தரபார்ஶ்வே ஓம் ஹாம் வித்யாதத்வாய நம꞉ வித்யாதத்வாதிபதயே ஓம் ஹாம் விஷ்ணவே நம꞉ தத்வ்ருத்தஸ்ய மத்யே ஓம் ஹாம் ஶிவதத்வாய நம꞉ ஶிவதத்வாதிபதயே ஓம் ஹாம் ருத்ராய நம꞉॥

## 1 விஶேஷாஸநபூஜா ॥

கர்ணிகாமத்யே பத்மத்ரயம் விலிக்ய ப்ரதமபத்மே தக்ஷிணாவ்ருத்தே ஓம் ஹாம் ஸ்ருஷ்டிபத்மாய நம꞉। ஸ்ருஷ்டிபத்மாதிபதயே ஓம் ஹாம் ப்ரஹ்மணே நம꞉ இதி ப்ரஹ்மஸ்தாநே ஸம்பூஜ்ய।

த்விதீயபத்மே கேஸராவ்ருத்தே ஓம் ஹாம் ஸ்திதிபத்மாய நம꞉ ஸ்திதிபத்மாதிபதயே ஓம் ஹாம் விஷ்ணவே நம꞉ இதி விஷ்ணுஸ்தாநே ஸம்பூஜ்ய।

---

(1 ஆத்மதத்வம் ந்யஸேத் ஸவ்யே வித்யாதத்வம் து வாமகே। மத்யே ஶிவதத்வம் து ஸம்பூஜயேத் ஸம்வித꞉। ஏவம் ப்ரத்யாஸநம் ப்ரோக்தம் தவைவாத்ய விஶேஷாஸநம்। பத்மத்ரயமத்யே து ஸம்பூஜயேதிதி காரணாகமே நித்யார்ச்சநாவிதிபடலே விவ்ருதே।)

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



तृतीयमण्डले कुण्डाकारवृत्ते ओं हां वह्निमण्डलाय नमः वह्निमण्डलाधिपतये ओं हां रुद्राय नमः इति ।[1] रुद्रहोमे संपूजयेत् ।

तथा चोक्तं कारणे ।

पूजांशांस्तु त्रिया कृत्वा रुद्रांशकमध्यस्थिते ।
मध्यांशे ईश्वरः पूज्यो हृद्धोमे सदाशिवः ॥

वह्निं सोमं रविं पूज्य शिवशक्ती सुवासनम् ।
पूजयेत् रुद्रहोमोर्ध्वे तद्बाह्यं पञ्चसंख्यया ॥

विघ्नेशं पूज्य पञ्चकृत्वाय (कारणम्) ।
सव्यायोविष्णुहोमे च पद्मयोगासनं भवेत् ॥
सिंहासनानन्तरं तु ब्रह्महोमे सुपूजयेत् ।

महेशांशे ईश्वरं पूज्य हृद्धोमे सदाशिवम् ॥

---

1 रुद्रहोमे संपूजयेत् इत्यस्यानन्तरं पुस्तकान्तरस्थमिदं वाक्यं मातृकायां विद्यते । सुष्ठु वेदसंशोध्य सुधियो विभावयन्तु । (तन्मण्डलस्थितज्योतिषि रुद्रहोमपद्मोर्ध्वे [illegible] सदाशिवमण्डलं विभाव्य, दिवि शिरोरक्षिण [illegible] । योऽनिमतम्य पदसंस्थितसूक्ष्मं स्थापितसदाशिवमेनानन्तस्वरूपम् ॥ इति ध्यात्वा ओं हां सदाशिवमण्डलाय नमः सदाशिवमण्डलाधिपतये शक्तये नमः ध्यानं (“महदपि महतो महीयसो मातृकाशिवरूपेवे सह [illegible] । महदपि महतो [illegible] [illegible] नमामि ॥) इति ध्यात्वा)

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌦𑍍 𑌦𑌣𑍍𑌡𑌜𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿 𑌵𑌿𑌨𑌾𑌶𑌂 𑌮𑌣𑍍𑌡𑌮𑌾𑌚𑌰𑍇𑌤𑍍 ॥ 𑌇𑌤𑍍𑌯𑍇𑌵𑌂 𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣𑌾𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌪𑌾𑌦𑍍𑌯𑌂 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌮𑌲𑌾𑌸𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌸𑌮𑌸𑍍𑌤𑌂 𑌵𑌿𑌮𑌲𑌾𑌸𑌨𑌂 𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌤𑌤𑌸𑍍𑌤𑌨𑍍𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌮𑌣𑍍𑌡𑌲𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌮𑌣𑍍𑌡𑌲𑌾𑌧𑌿𑌪𑌤𑌯𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌈𑌶𑍍𑌵𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥ 𑌇𑌤𑌿 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌾𑌸𑌨𑌪𑍂𑌜𑌨𑌂 ॥

## 𑌆𑌵𑌾𑌹𑌨𑌂 ।

𑌤𑌦𑍁𑌪𑌰𑌿 𑌸𑌦𑌾𑌶𑌿𑌵𑌹𑍃𑌦𑌯𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌸𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌸𑌨𑌂 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌹𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑌿𑌵𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌶𑌿𑌵𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌿𑌂 𑌤𑍇𑌜𑍋𑌰𑍂𑌪𑌾𑌂 𑌦𑌣𑍍𑌡𑌾𑌕𑌾𑌰𑌾𑌂 𑌵𑍍𑌯𑌕𑍍𑌤𑌾𑌵𑌯𑌵𑌾𑌂 𑌶𑌿𑌵𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾𑌤𑍍𑌮𑌕 𑌪𑌰𑌬𑌿𑌨𑍍𑌦𑍍𑌵𑌾𑌦𑌿𑌵𑍍𑌯𑌾𑌪𑍍𑌤𑌿𑌕𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌭𑌾𑌵𑍍𑌯 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌹𑍋𑌂 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌮𑍂𑌰𑍍𑌧𑍍𑌨𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌹𑍇𑌂 𑌤𑌤𑍍𑌪𑍁𑌰𑍁𑌷𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌹𑍁𑌂 𑌅𑌘𑍋𑌰𑌹𑍃𑌦𑌯𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌹𑌿𑌂 𑌵𑌾𑌮𑌦𑍇𑌵𑌗𑍁𑌹𑍍𑌯𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌹𑌂 𑌸𑌦𑍍𑌯𑍋𑌜𑌾𑌤𑌪𑌾𑌦𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌾𑌦𑌿 𑌕𑌨𑌿𑌷𑍍𑌠𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌬𑍀𑌜𑍈𑌸𑍍𑌸𑌮𑌮𑍀𑌶𑌾𑌨𑌾𑌦𑌿𑌸𑌦𑍍𑌯𑍋𑌜𑌾𑌤𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌦𑌣𑍍𑌡𑌾𑌙𑍍𑌗𑍀𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯, 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌮𑍂𑌰𑍍𑌧𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑍍𑌯𑍂𑌰𑍍𑌧𑍍𑌵𑌮𑍂𑌰𑍍𑌧𑍍𑌨𑌿 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌤𑌤𑍍𑌪𑍁𑌰𑍁𑌷𑌮𑍂𑌰𑍍𑌧𑍍𑌨𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌮𑍂𑌰𑍍𑌧𑍍𑌨𑌿 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌅𑌘𑍋𑌰𑌮𑍂𑌰𑍍𑌧𑍍𑌨𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌮𑍂𑌰𑍍𑌧𑍍𑌨𑌿 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑌾𑌮𑌦𑍇𑌵𑌮𑍂𑌰𑍍𑌧𑍍𑌨𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑌮𑍂𑌰𑍍𑌧𑍍𑌨𑌿 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑌦𑍍𑌯𑍋𑌜𑌾𑌤𑌮𑍂𑌰𑍍𑌧𑍍𑌨𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑌮𑍂𑌰𑍍𑌧𑍍𑌨𑌿 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌣𑍍𑌡𑌾𑌙𑍍𑌗𑍀𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌾𑌦𑌿 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌤𑌤𑌃 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑍍𑌯𑍂𑌰𑍍𑌧𑍍𑌵𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌤𑌤𑍍𑌪𑍁𑌰𑍁𑌷𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌅𑌘𑍋𑌰𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑌾𑌮𑌦𑍇𑌵𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑌦𑍍𑌯𑍋𑌜𑌾𑌤𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮 𑌇𑌤𑌿 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇 𑌏𑌵𑌂 𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌦𑌣𑍍𑌡𑌾𑌙𑍍𑌗𑍀𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌷𑌟𑍍𑌤𑍍𑌰𑌿𑌂𑌶𑌤𑍍𑌕𑌲𑌾𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌂 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌵𑌦𑍍𑌵𑌿𑌦𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 । 𑌤𑌤𑌃 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌕𑌣𑍍𑌠𑌾𑌦𑌿𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌂 𑌵𑌿𑌦𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 । 𑌤𑌤𑌃 ।

In Public domain, Digitization Muthulakshmi Research Academy

𑌕𑍍𑌷𑌿𑌤𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌰𑍂𑌪𑌿𑌣𑌾 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌙𑍍 𑌊𑌰𑍍𑌧𑍍𑌵𑌸𑌿𑌂𑌹𑌾𑌸𑌨𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑌮𑍍 ।
𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌸𑍍𑌫𑌟𑌿𑌕𑌸𑌙𑍍𑌕𑌾𑌶𑌂 𑌦𑍍𑌵𑌾𑌤𑍍𑌰𑌿𑌂𑌶𑌲𑍍𑌲𑌕𑍍𑌷𑌣𑌾𑌨𑍍𑌵𑌿𑌤𑌮𑍍 ॥
𑌪𑌦𑍍𑌮𑌾𑌸𑌨𑌸𑍍𑌥𑌂 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌾𑌸𑍍𑌯𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌤𑌿𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌲𑍋𑌚𑌨𑌮𑍍 ।
𑌦𑍃𑌕𑍍𑌕𑍍𑌰𑌿𑌯𑍇𑌚𑍍𑌛𑌾𑌵𑌿𑌶𑌾𑌲𑌾𑌕𑍍𑌷𑌂 𑌜𑍍𑌞𑌾𑌨𑌚𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌕𑌲𑌾𑌨𑍍𑌵𑌿𑌤𑌮𑍍 ॥
𑌧𑌵𑌲𑍇𑌶𑌾𑌨𑌵𑌦𑌨𑌂 𑌪𑍀𑌤𑌂 𑌤𑌤𑍍𑌪𑍁𑌰𑍁𑌷𑌾𑌨𑌨𑌮𑍍 ॥
𑌕𑍃𑌷𑍍𑌣𑌾𑌘𑍋𑌰𑌂 𑌵𑌾𑌮𑌦𑍇𑌵𑌂 𑌰𑌕𑍍𑌤𑌾𑌘𑍋𑌰𑍋𑌤𑍍𑌤𑌰𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌕𑌮𑍍 ।
𑌸𑌾𑌶𑍍𑌵𑍇𑌤𑌵𑌶𑍍𑌵𑍀𑌰𑌾 1𑌸𑍍𑌯𑌾𑌬𑍍𑌜𑌂 𑌸𑌦𑍍𑌯𑍋𑌜𑌾𑌤𑌂 𑌸𑌾𑌰𑍍𑌧𑌤𑍁
𑌨𑌾𑌗𑍋𑌪𑌵𑍀𑌤𑌿𑌨𑌂 𑌶𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌜𑌟𑌾𑌮𑌣𑍍𑌡𑌲𑌮𑌣𑍍𑌡𑌿𑌤𑌂। [𑌕𑌂।
𑌶𑌕𑍍𑌤𑍍𑌯𑌾𑌸𑍀𑌨𑌂 𑌷𑌡𑌧𑍍𑌵𑌜𑍍𑌞𑌂 𑌵𑌰𑌵𑍍𑌯𑌗𑍍𑌰𑌕𑌰𑌾𑌮𑍍𑌬𑍁𑌜𑌂 ।
𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑌧𑌾𑌯𑌵𑌾𑌶𑍇𑌷𑍁𑌃 𑌪𑌰𑌶𑍁𑌂 𑌬𑍀𑌜𑌪𑍂𑌰𑌕𑌂 ।
𑌨𑌾𑌗𑌾𑌕𑍍𑌷𑌸𑍂𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌨𑍀𑌲𑌾𑌬𑍍𑌜𑌂 𑌬𑌿𑌭𑍍𑌰𑌾𑌣𑌂 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌭𑌿𑌃
𑌯𑌥𑌾 ।
[𑌕𑌰𑍈𑌃 ।
𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑌪𑌰𑌶𑍁𑌂 𑌵𑌜𑍍𑌰𑌂 𑌶𑍂𑌲𑌂 𑌖𑌡𑍍𑌗𑌂 𑌚 𑌪𑌾𑌵𑌕𑌂।
𑌵𑌾𑌮𑌭𑌾𑌗𑍇 𑌽𑌭𑌯𑌂 𑌘𑌣𑍍𑌟𑌾𑌂 𑌨𑌾𑌗𑌂 𑌪𑌾𑌶𑌂 𑌤𑌥𑌾𑌙𑍍𑌕𑍁𑌶𑌂 ।
𑌸𑍁𑌮𑍁𑌖𑌾 ।

𑌪𑌦𑍍𑌮𑌪𑍀𑌠𑌯𑌨𑌾𑌰𑍍𑌪𑌣 𑌪𑌦𑍍𑌮𑌾𑌸𑌨𑌂 𑌨𑍍𑌯𑌕𑍍𑌷𑌵𑌾𑌯𑌕𑌂 । 𑌕𑌾𑌰𑍍𑌣𑌿𑌕𑌾𑌸𑍍𑌥𑌰𑌾𑌯𑌾𑌞𑍍 𑌪𑌰𑌞𑍍𑌜𑌾𑌹𑌯𑍇𑌦𑍇𑌵 𑌚 ॥ 𑌹𑍃𑌦𑌯𑍇 𑌹𑍃𑌤𑍍𑌸𑌪𑍍𑌤𑌾𑌨𑌿 𑌬𑌿𑌭𑍍𑌰𑌾𑌣𑌂 𑌪𑌰𑌮𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌂। 𑌸𑌞𑍍𑌜𑍍𑌞𑍍𑌯𑌸𑌂𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑌂 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌸𑍍𑌥𑌂 𑌵𑌿𑌜𑍍𑌞𑌯𑌂 𑌹𑍃𑌣𑌂 ॥ 𑌵𑌿𑌜𑍍𑌞𑌾𑌪𑌯𑍇𑌦𑍍 𑌪𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑌾𑌵𑌨𑍇 𑌵𑌿𑌜𑍍𑌞𑌤𑌾𑌂 𑌤𑍍𑌯𑌜𑍇𑌤𑍍 । 𑌇𑌤𑌿 𑌸𑌂𑌚𑌿𑌨𑍍𑌤𑍍𑌯 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌹𑍌𑌂 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌯𑌾𑌦𑍇𑌹𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌯𑌾𑌦𑍇𑌹𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌓𑌂 𑌹𑍌𑌂 𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑌤𑍍𑌰𑌯𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑌤𑍍𑌰𑌯𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌆𑌵𑌾𑌹𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌕𑌾𑌰𑌣𑍇—

𑌆𑌵𑌾𑌹𑌨𑌾𑌦𑍌 2𑌯𑍋𑌗𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑍇 𑌸𑌿𑌂𑌹𑌾𑌸𑌨𑌂 𑌭𑌵𑍇𑌤𑍍।
𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌨𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌤𑌥𑌾 3𑌪𑌦𑍍𑌮𑌂 𑌵𑌿𑌮𑌲𑌾𑌖𑍍𑌯𑌂 𑌤𑍁 𑌭𑍋𑌜𑌨𑍇 ।
𑌸𑍍𑌨𑌾𑌨𑌸𑌂𑌸𑍍𑌕𑌾𑌰𑌨𑍈𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯𑍇 𑌹𑍍𑌯𑌨𑌨𑍍𑌤𑌾𑌸𑌨 𑌮𑍁𑌚𑍍𑌯𑌤𑍇 ॥
𑌇𑌤𑍍𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌰𑍀𑌤𑍍𑌯𑌾 𑌯𑍋𑌗𑌾𑌸𑌨𑌂 𑌆𑌵𑌾𑌹𑌨𑌾𑌰𑍍𑌥𑌂 𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

---

1 𑌦𑍃𑌶𑍍𑌯𑌕𑌮𑌿𑌤𑌿 𑌪𑌾𑌠𑌃 ॥
2 𑌪𑌦𑍍𑌮𑌮𑌿𑌤𑌿 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌰𑍍𑌚𑌨𑌚𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌿𑌕𑌾 ।
3 𑌵𑌿𑌮𑌲𑌮𑌿𑌤𑌿 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌰𑍍𑌚𑌨𑌚𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌿𑌕𑌾 ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



ஸ்ரீ உத்காதிகெ_

ஸ்வயம்பு ஜெவிகாநாஞ்ச நாவாஹநவிதிக்ருதः ।
அந்யேஷாமெவ லிங்காநாமாவாஹநவிதிஸ்ம்ருதः ॥ இதி
விதாநாத் அந்யலிங்கெஷ்வாவாஹநம் ஸஹ்ருதயஜஸங்கல்பாத்
ஸ்ராவொ உத்யெஸ்ஸக்கொடியெ அாதஸாதஸ்யாசெ வ்யாஸா
ஸெந ப்ரஹ்மவிஷ்ணு ஸாத்ர உஷெஸ்வர ஸதாஸிவ உத்திம்
ஸஞ்சிந்த்ய கும்பகெநைகீக்ருத்ய ரெசகெண ஸஷுமா
ஷொவரி ஸதாஸிவ, ஸம்யொஜ்ய கொடிவத்ருகாஸம்
தத்கஸம் யாத்வா ஹ்ருத்ஸஉநஉஜிஉநீய லிந்து
ஸ்ருவம் ஸஞ்சிந்த்ய வுசாஉராவு ரெசகெண திவ்ய
ஷுஷ்ட்யாவமொக்ய தத்ஸமநம் ஹ்ருதயாதிருவஉருயா
உமெந நஉஜம் லிஙஉஸ்கொவரி ஒரஸாநஸஉவி
த்யாநாதித்யாதி ஸதெயாஜாதம் பூவத்ரீக்ருத்ஞஉவாஹ்ய
ஸ்தாவநாதி திரஸநாதம் விதாய ஹ்ருதயாத்யாஸ்யாகெ
ஸம்பூஜயெத் । தத்உஸ்த நமொவः கிரிகெஹ்யோ
தெவாநாம் ஹ்ருதயெஹ்யோ நமோ விக்ஷிணகெஹ்யோ
நமோ விநிகெஹ்யோ நஉ ஆநிர்ஹதெஹ்யோ நஉ ஆநீவ
தெஹ்ய:" இதி உத்ரெண ஸ்தாவநம் அஸிந்து உஹத்யணுவெ
ஞரிகெ ஹவா அயி । நீலக்ரீவா ஸ்ஸிதிகண்டாஸ்ஸர்வா அயः கூ
உவராः ॥ இதி உத்ரெண ஸந்நிதாவநம் யா தெ ருத்ர
ஸிவா தநுஸ்ஸிவா விஸ்வாஹ பெஷஜீ । ஸிவா ருத்ரஸ்ய பெ
ஷஜீ தயா நோ ம்ருட ஜீவஸெ இதி உத்ரெண ஸந்நிரோத
நம் । அஸ்யுவொவ தயிவக்கா வ்யயஉொ தெவெஹ்யா விஷக் ।
அஹீம்ஸ்ச ஸவாந்து ஜம்பயந்து ஸவாஸ்ச யாதுயாந்ய: இதி
உத்ரெணாவகுணநம் த்ர்யம்பகம் யஜாஉஹெ ஸுகந்திம் பு
ஷ்டிவர்தநம் । உர்வாருகமிவ பந்தநாந்ம்ருத்யோர்முக்ஷீய
உாம்ருதாத் ॥ இதி உத்ரெண வரீகரணம் । ஹ்ருணு யய
நஸஉஹயொரா த்ருயொ ஜஸ்யாம் । யாஸ்தெ ஹஸ்தஉஷவः
வரா தா ஹஉவொ வவ ॥ இதி உத்ரெண திக்பந்தநம் விதாய

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

स्थापितोऽसि जगन्नाथ यावत् पूजावसानकम् ।
तावत् त्वं प्रीतिभावेन बिम्बेऽस्मिन् सन्निधिं कुरु ॥

इति प्रार्थ्य स्थापनार्घ्यं दत्वा षडङ्गैः सम्पूज्य ॐ तत्पुरुषाय विद्महे वाग्विशुद्धाय धीमहि । तन्नः शिवः प्रचोदयात् । इति शिवगायत्र्या मन्त्रेण पाद्यादित्रयं दद्यात् । पञ्चवक्त्रेषु ईशानादिपञ्चमन्त्रैः धेनु[illegible]मुद्राः प्रदर्श्य मध्ये षडङ्गेषु [illegible]मुद्राः प्रदर्श्य पाद्यार्घ्य[illegible] दत्वा [illegible] जपेत् । इत्यावाहनविधिः ।

## अथ अभिषेकविधिः ॥

अथ अभिषेकार्थं सिंहासनं सम्पूज्य [illegible] विन्यस्य देवं प्रार्थयेत् ।

देव देव जगन्नाथ [illegible] ।
[illegible] ॥

इति प्रार्थ्य स्नपनाभिषेक[illegible] ॐ हां [illegible] नमः ॐ हां [illegible] नमः ॐ हां [illegible] नमः इति सम्पूज्य स्नपनाभि[illegible] दृष्ट्वाऽभिषेचयेत् । तथा चोक्तं [illegible] संहितायां — [illegible] काले पूजनं [illegible] । तत्र [illegible] काले यजनं निष्फलं भवेत् । [illegible] ॥ [illegible] । [illegible] ॥ एवं क्रमेण [illegible]

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



[illegible]

[illegible]

[illegible]

1 [illegible]

In Public domain, Digitization Muthulakshmi Research Academy

ததஃ காமயோர்ஹ்ருத்வஸ்த்ரமஸ்த்ரவாஷ்டமாத்யாபவீடேதஸா யஞ்ச பட்டகாட்டகாண்டமஹாரதாநிஶ்ச விஷ்ணு விதிவத்வம் கரணம் குர்யாத் தது‌க்தம் । ஸ்ரீமத்காரணே

(பஞ்சபாத்ரே பீதபத்ரம் து த்ர்யம்பகே ரக்தபத்ரகம் ।
ஸாயாஹ்நே த்விதபத்ரஞ்ச குர்யாத் து ஸமுசஃ ॥)
(அர்த்தே ஶுக்லபத்ரஞ்ச யாமயேத் ஸாமாந்யகம் )
(லிங்கோத்தமம் ச தத்ப்ரதாநம் ஸகலம் பத்ரவேஷ்டிதம் ।
த்விதீயம் ஹஸ்திநேயுக்தம் த்ருதீயம் பாஷ்பஶோபிதம் ।
சதுர்தம் புஷ்பவிஸ்தாரம் பத்ரைர்நைவேத்யயேத் ॥) இதி ।

அத ப்ரதமே பாத்ரம் ஸம்பூஜ்ய பீடே ப்ரதா நம் தந்த்ரேணாப்யர்ச்ய ஶக்த்யாதிநிவேத்ய பூர்வ தீபாத்யர்ச்யாணி தத்யாத் ।

## ஆவரணபூஜா ॥

அதாவரண பூஜாம் குர்யாத் । பீடே பத்மாஸநஸ்தஸ்ய நமஸ்காரமுத்ராம் ப்ரதர்ஶயேத் । ததாசோக்தம் ஸ்ரீமதஜிதே । லிங்கபீடம் ததோமத்யே பஞ்சாவ்ருத்யா ச பூஜயேத் ஸுதீஃ । [1] ஈஶாநம் மஸ்தகே பூர்வே து புருஷவக்த்ரகம் ॥ அகோரம் தக்ஷிணே வக்த்ரே வாமகம் ததோத்தரே । பஶ்சிமே ஸத்யவக்த்ரஞ்ச பூஜயேத் பக்திஸம்யுதஃ ॥ ஆக்நேய்யாம் ஹ்ருதயம் பூஜ்யம் ஶிரஃ பூஜ்யஞ்ச நைருதே ॥ வாயவ்யாஞ்ச ஶிகாம் பூஜ்யம் ஐஶே வர்ம ச பூஜயேத் । நேத்ரஸ்தாநம் ந்யஸேந்மத்யே ததீஶாநாஸ்த்ரமஸ்தகே ॥ நமோந்தம் ஹ்ருதயம் ந்யஸ்ய ஸ்வாஹாவஷட் ததா ச ஹும் । வௌஷட் ச ஹும்பட்சேதி மஸ்தகாத்யேஷு து பூஜயேத் ॥ இத்யேவம் ப்ரதமம் பூஜ்யம் த்விதீயம் விக்நேஶாதி । வித்யேஶாந் தஶதிக்ஷ்வேவ ஹ்ருதயாதிப்ரயோகேணேதி । கணேஶாந் கணதேஶே து பூஜயேதாவ்ருதித்ரயம் ॥ அதஃபத்ராஞ்ச லோகாபாந் சதுர்த்யா

1 ஈஶாநம் மஸ்தகே ஶீர்ஷம் இதி பாடபேதம் ।

In Public domain- Digitization Muthulakshmi Research Academy


𑌵𑌾𑌰𑌣𑍇 𑌸𑌮𑍍𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌕𑍍𑌷𑌯𑌾𑌦𑌿 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌯𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌸𑌂𑌹𑌾𑌰𑌕𑌾𑌰𑌣𑍇 𑌸𑌮𑍍𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌇𑌤𑍍𑌯𑍇𑌵𑌂 𑌸𑌕𑌲𑌂 𑌚 𑌨𑌿𑌷𑍍𑌕𑌲𑌂 𑌤𑌥𑍈𑌵 𑌚 ।
𑌸𑌦𑌾𑌶𑌿𑌵𑌮𑌹𑍇𑌶𑍌 𑌚 𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑌂 𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑍁𑌂 𑌵𑌿𑌧𑍀𑌶𑍍𑌵𑌰𑌾𑌨𑍍 ।
𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍, 𑌸𑌕𑌲𑌾𑌨𑍍𑌯𑌤𑍍𑌰 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌾𑌦𑌿 𑌚 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌕𑌮𑍍 ।
𑌪𑌞𑍍𑌚𑌕𑌂 𑌹𑍃𑌦𑌯𑌂 𑌪𑌞𑍍𑌚 𑌵𑌿𑌂𑌶𑌤𑌿𑌃 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌦𑍇𑌹𑌕𑌮𑍍 ।
𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌦𑍍𑌦𑍇𑌵𑌦𑍇𑌵𑍇𑌶𑌯𑍋𑌃 𑌸𑌕𑌲𑌂 𑌤𑌥𑌾 𑌸𑍍𑌮𑍃𑌤𑌮𑍍 ॥

𑌇𑌤𑌿 । 𑌏𑌵𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑍂𑌜𑌾𑌵𑌸𑌾𑌨𑍇 𑌕𑌲𑌶𑍇 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑍋𑌂 1 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑍇𑌂 𑌤𑌤𑍍𑌪𑍁𑌰𑍁𑌷𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑍁𑌂 𑌅𑌘𑍋𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । 𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌿𑌂 𑌵𑌾𑌮𑌦𑍇𑌵𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌂 𑌸𑌦𑍍𑌯𑍋𑌜𑌾𑌤𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 ।

𑌈𑌶𑌾𑌨𑍇 𑌓𑌂 𑌉𑌮𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑍇 𑌓𑌂 𑌗𑍌𑌰𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑌓𑌂 𑌗𑌙𑍍𑌗𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑍇 𑌓𑌂 𑌗𑌣𑌾𑌧𑍍𑌯𑌕𑍍𑌷𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑍇 𑌓𑌂 𑌅𑌮𑍍𑌬𑌿𑌕𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑌇𑌤𑍍𑌯𑍇𑌵𑌂 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌶𑌕𑍍𑌤𑍀𑌰𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌤𑌦𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌸𑌂𑌹𑌿𑌤𑌾𑌯𑌾𑌮𑍍 –

𑌉𑌮𑌾𑌂 𑌗𑍌𑌰𑍀𑌂 𑌚 𑌗𑌙𑍍𑌗𑌾𑌂 𑌚 𑌗𑌣𑌾𑌧𑍍𑌯𑌕𑍍𑌷𑌾𑌮𑍍𑌬𑌿𑌕𑍇 𑌤𑌥𑌾 ।
𑌇𑌤𑍍𑌯𑍇𑌵𑌂 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌶𑌕𑍍𑌤𑍀𑌶𑍍𑌚 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌾𑌦𑌿𑌷𑍁 𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌇𑌤𑌿 । 𑌅𑌥 𑌅𑌗𑍍𑌨𑍌 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌹𑍃𑌦𑌯𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 2 𑌨𑍈𑌰𑍃𑌤𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑍀𑌂 𑌶𑌿𑌰𑌸𑍇 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 । 𑌵𑌾𑌯𑌵𑍍𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑍂𑌂 𑌶𑌿𑌖𑌾𑌯𑍈 𑌵𑌷𑌟𑍍 । 𑌈𑌶𑌾𑌨𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑍈𑌂 𑌕𑌵𑌚𑌾𑌯 𑌹𑍁𑌂 ॥ 𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑍌𑌂 𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑌤𑍍𑌰𑌯𑌾𑌯 𑌵𑍌𑌷𑌟𑍍 । 𑌤𑌤 𑌈𑌶𑌾𑌨𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌃 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌫𑌟𑍍 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 ।

---

1. 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌾𑌦𑍀𑌤𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌕𑍍𑌰𑌮𑌃 𑌉𑌕𑍍𑌤𑌃 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌰𑍍𑌚𑌨𑌾𑌚𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌿𑌕𑌾𑌯𑌾𑌮𑍍 ।

2 𑌈𑌶𑌾𑌨𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑍀𑌂 𑌶𑌿𑌰𑌸𑍇 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 । 𑌨𑍈𑌰𑍃𑌤𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑍂𑌂 𑌶𑌿𑌖𑌾𑌯𑍈 𑌵𑌷𑌟𑍍 । 𑌵𑌾𑌯𑌵𑍍𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑍈𑌂 𑌕𑌵𑌚𑌾𑌯 𑌹𑍁𑌮𑍍 । 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿 𑌕𑍍𑌰𑌿𑌯𑌾𑌕𑍍𑌰𑌮𑌦𑍍𑌯𑍋𑌤𑌿𑌕𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌦𑍃𑌶𑍍𑌯𑌤𑍇 ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

மஹேஶ்வராஸநே ஓம் ஹாம் வித்யாதேஹாய நம:। ப்ராச்யாம் ஓம் வாமிந்யை நம:। நைர்ருதே ஓம் ஜ்யேஷ்டிந்யை நம:। வாயவ்யே ஓம் க்ரியாயை நம:। ஸௌம்யாந்யே ஓம் 1 வாமாக்ஷ்யை நம:। ஐஶ்யே ஓம் பத்மிந்யை நம:। ஸௌம்யாந்யே ஓம் 2 ஹம்ஸிந்யை நம:। வித்யாதேஹே ஓம் வாமாக்ஷ்யை நம:। இதி ஸர்வஶக்திஸம்புஜயேத்। ததாசோக்தம் ஶ்ரீமத்ஸுப்ரபேதே।

வாமிநீ ஜ்ஞாநதேஹஸ்தா ।
ஜ்யேஷ்டிநீ நிஷ்கலேஶ்வரே
க்ரியா ஜ்ஞாநதேஹஸ்தா ।
வாமாக்ஷீ மஹதேஶ்வரே ॥
பத்மிநீ மஹதே தேஹே
ஹம்ஸிநீ மஹேஶ்வரே ॥
வித்யாதேஹஸ்தா வாமாக்ஷீ ।
ஸம்புஜயேத் ஸர்வஶக்திகா: ॥

இதி। த்விதீயாவரணே பீடோர்த்வ பத்மகோணஸ்தபத்ரேஷு தத்த்வதளேஷு ஓம் ஹாம் அநந்தாய நம:। ஓம் ஹாம் ஸூக்ஷ்மாய நம:। ஓம் ஹாம் ஶிவோத்தமாய நம:। ஓம் ஹாம் ஏகநேத்ராய நம:। ஓம் ஹாம் ஏகருத்ராய நம:। ஓம் ஹாம் த்ரிமூர்த்தயே நம:। ஓம் ஹாம் ஶ்ரீகண்டாய நம:। ஓம் ஹாம் ஶிகண்டிநே நம:। இத்யஷ்ட வித்யேஶ்வராந் ஸம்பூஜ்ய தத் பஶ்சாத் ப்ரத்யக்ஷமர்ச்சயேத்।

ஓம் ஹாம் ஹ்ருதயாய நம:। ஓம் ஹாம் ஸ்வாஹாயை நம:। ஓம் ஹாம் ஸ்வதாயை நம:। ஓம் ஹாம் க்ஷமாயை நம:। ஓம் ஹாம் புஷ்ட்யை நம:। ஓம் ஹாம் ஶ்ரியை நம:। ஓம் ஹாம் கீர்த்த்யை நம:। ஓம் ஹாம் மேதாயை நம:। இதி। தது க்தம் –

---

1 ஸம்விநீதி ஶிவார்ச்சநாசந்த்ரிகா ॥
2 ஹம்ஸிநீதி ஶிவார்ச்சநாசந்த்ரிகாயாம் ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



துஷ்டிம் ஸ்வாஹாம் ஸ்வதாஞ்சைவ
க்ஷாந்திம் புஷ்டிம் ததைவ ச ।
ஶ்ரியம் கீர்திஞ்ச மேதாஞ்ச
ஶக்தீநாமஷ்டகம் பூஜயேத் ॥

இதி । ததஃ கோணதேஶே ॥

இந்த்ரேஶாநயோர்மத்யே ஓம் ஹாம் நந்திநே நமஃ । இந்த்ராக்ந்யோர்மத்யே ஓம் ஹாம் மஹாகாலாய நமஃ । யமாக்ந்யோர்மத்யே ஓம் ஹாம் ப்ருங்கிணே நமஃ । யமநிர்ருத்யோர்மத்யே ஓம் ஹாம் கணபதயே நமஃ । நிர்ருதிவருணயோர்மத்யே ஓம் ஹாம் வ்ருஷபாய நமஃ । வாயுவருணயோர்மத்யே ஓம் ஹாம் ஸ்கந்தாய நமஃ । வாயுஸோமயோர்மத்யே ஓம் ஹ்ரீம் தேவ்யை நமஃ । ஈஶாநஸோமயோர்மத்யே ஓம் ஹாம் சண்டேஶ்வராய நமஃ । இதி பூர்வாதிசதுர்திக்ஷு ஸந்திஷு ஸம்பூஜ்ய, ததஃ ।

ஓம் ஹாம் அம்பாயை நமஃ । ஓம் ஹாம் வஹ்நிந்யை நமஃ । ஓம் ஹாம் ஹ்ராதிந்யை நமஃ । ஓம் ஹாம் ப்ருங்கிண்யை நமஃ । ஓம் ஹாம் பத்ராயை நமஃ । ஓம் ஹாம் தேவயாந்யை நமஃ । ஓம் ஹாம் உமாயை நமஃ । ஓம் ஹாம் ரூபிண்யை நமஃ । இத்யஷ்டஶக்தீஸ்ஸம்பூஜயேத் ॥ ததுக்தம் –

அம்பா வஹ்நிநீ சைவ
ஹ்ராதிநீ ப்ருங்கிணீ ததா ।
பத்ரா ச தேவயாநீ சோ
மா ரூபிண்யஷ்டஶக்தயஃ ॥ இதி ।

அத சதுர்த்தாவரணே । அதஃ பங்க்திகாமாவ்ருத்ய பூர்வே ஓம் ஹாம் லம் இந்த்ராய நமஃ । ஆக்நேயே ஓம் ஹாம் ரம் அக்நயே நமஃ । யாம்யே ஓம் ஹாம் டம் யமாய நமஃ । நைர்ருதே ஓம் ஹாம் க்ஷம் நிர்ருதயே நமஃ । பஶ்சிமே ஓம் ஹாம் வம் வருணாய நமஃ । அநிலே ஓம் ஹாம் யம் வாயவே நமஃ । ஸௌம்யே ஓம் ஹாம் ஸம் ஸோமாய நமஃ । ஈஶா

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌨𑍈𑌋𑌤𑍍𑌯𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑌂 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃। 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌤𑌃 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌬𑍍𑌰𑌂 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌣𑍇 𑌨𑌮𑌃 । 𑌨𑌿𑌰𑍍𑌋𑌤𑌿𑌵𑌾𑌰𑍁𑌣𑌤𑌃 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑌂 𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑌵𑍇 𑌨𑌮𑌃 । 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌾𑌵𑌰𑌣𑌮𑍍 ।

𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑌕𑍍𑌤𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃। 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃। 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌕𑌾𑌲𑌕𑌣𑍍𑌠𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃। 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌦𑌾𑌹𑌿𑌨𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃। 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌮𑍋𑌹𑌿𑌨𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃। 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌘𑍋𑌰𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃। 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑌂𑌹𑌾𑌰𑌿𑌣𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌹𑌰𑍍𑌷𑌿𑌣𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑌾𑌵𑌿𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃। 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑍍𑌰𑌿𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃। 𑌇𑌤𑌿 𑌤𑌤𑍍𑌤𑌤𑍍𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑍇𑌷𑍁 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌤𑌦𑍁𑌕𑍍𑌤𑌮𑍍 ॥

𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌃 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 𑌕𑌾𑌲𑌕𑌣𑍍𑌠𑍀
𑌦𑌾𑌹𑌿𑌨𑍀 𑌮𑍋𑌹𑌿𑌨𑍀 𑌤𑌥𑌾 ।
𑌘𑍋𑌰𑌾 𑌸𑌂𑌹𑌾𑌰𑌿𑌣𑍀 𑌹𑌰𑍍𑌷𑌿-
𑌣𑍀 𑌸𑌾𑌵𑌿𑌤𑍍𑌰𑍀 𑌶𑍍𑌰𑌿𑌯𑌸𑍍𑌸𑍍𑌮𑍃𑌤𑌾𑌃 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌦𑍍𑌵𑌿𑌤𑍀𑌯𑌾𑌵𑌰𑌣𑌮𑍍। 𑌅𑌥 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑌜𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃। 𑌅𑌗𑍍𑌨𑍌 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃। 𑌯𑌾𑌮𑍍𑌯𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌦𑌣𑍍𑌡𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । 𑌨𑍈𑌋𑌤𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌖𑌡𑍍𑌗𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃। 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌪𑌾𑌶𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃। 𑌵𑌾𑌯𑌵𑍍𑌯𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌅𑌙𑍍𑌕𑍁𑌶𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃। 𑌸𑍌𑌮𑍍𑌯𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌗𑌦𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃। 𑌐𑌶𑌾𑌨𑍍𑌯𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌶𑍂𑌲𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃। 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌤𑌃 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌪𑌦𑍍𑌮𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । 𑌨𑌿𑌰𑍍𑌋𑌤𑌿𑌵𑌾𑌰𑍁𑌣𑌤𑌃 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌚𑌕𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । 𑌇𑌤𑌿 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌦𑍍𑌦𑌶𑌾𑌯𑍁𑌧𑌾𑌨𑍍 ॥

𑍐 𑌹𑌾𑌂 1 𑌵𑌿𑌲𑌾𑌸𑌿𑌨𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌰𑍂𑌪𑌿𑌣𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃। 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌪𑌾𑌶𑌿𑌣𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃। 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌰𑌜𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌨𑌿𑌶𑍁𑌮𑍍𑌭𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑍁𑌮𑍍𑌭𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃। 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑌤𑌿𑌰𑌾𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃। 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌾𑌨𑌨𑍍𑌦𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑍇𑌶𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑍐 𑌹𑌾𑌂

---

1 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌪𑍂𑌰𑍍𑌣𑌾𑌵𑌸𑍍𑌥𑌿𑌕𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍂𑌯𑌮𑌾𑌣𑌶𑌕𑍍𑌤𑍀𑌨𑌾𑌂 𑌸𑌤𑌾𑌨𑌿 𑌨𑌾𑌮𑌾𑌨𑌿 𑌕𑌨𑍍𑌯𑌾𑌦𑍃𑌶𑍍𑌯𑌨𑍍𑌤𑍇 ॥

ஹ०ஸ8ாெயை நம:। இதி வஞ்சுஶக்திகமெண உஶாயாய ஶக்திஸ०வஞ்ஜயெத் ॥ ததுக்த० ।

> விஶாவீ ரூவிணீ சைவ
> யாமிநீ விமலீ ததா ।
> நிமலீ உமலீ சைவ
> மதிரூஹீ ஸாமாலிநீ ॥
> ஸாத்யுஶீ ஹ०ஸமாஷீ ச
> ஹ்யாயாயாநாஞ்ச ஶக்தய: ॥ இதி

இதி வஞ்ஜமாzவரண० । ததாசொக்த० காரணெ

> ஜுஹூாஜூகாநா० வ்யூஶம० வரஸ்தாத்
> விஜெஷ்டூாணாஞ்ச ஶணெஷ்வூாணா० ।
> த்ரிவூ ூமகாநாஞ்ச உஶாயாயாநா
> மீஶஸ்ய வஞ்சாவரண० க்ரமெண ॥

அத ப்ருஹ்மஹாஸெ அய: வழிகாமாவ்ருத்ய வஞ்சுஶாஶீஶாஞ்ஞ० தக்வயஜந० காயுாத் । யதா

ஓ० ஹா० ப்ரக்ருதிதக்வாய நம:। ஓ० ஹா० ஶுணதக்வாய நம:। ஓ० ஹா० பூஜிதக்வாய நம:। ஓ० ஹா० அஹங்காரதக்வாய நம:। ஓ० ஹா० சித்ததக்வாய நம:। ஓ० ஹா० ஶ்ரோத்ரதக்வாய நம:। ஓ० ஹா० க்வக்தக்வாய நம:। ஓ० ஹா० சக்ஷுஸ்தக்வாய நம:। ஓ० ஹா० ஜிஹ்வாதக்வாய நம: । ஓ० ஹா० க்ராணதக்வாய நம:। ஓ० ஹா० வாக்தக்வாய நம:। ஓ० ஹா० வாஉதக்வாய நம:। ஓ० ஹா० வாணிதக்வாய நம:। ஓ० ஹா० வாயுதக்வாய நம: ।ஓ० ஹா० உவஸ்தக்வாய நம:। ஓ० ஹா० ஶப்ததக்வாய நம: । ஓ० ஹா० ஸ்வஶுதத்வாய நம: । ஓ० ஹா० ரூவதத்வாய நம: । ஓ० ஹா० ரஸதத்வாய நம:। ஓ० ஹா० ஶஙுதத்வாய நம:। ஓ० ஹா० ஆகாஶதத்வாய நம:। ஓ० ஹா० வாயுதத்வாய நம: । ஓ० ஹா० அஙிதத்வாய நம: । ஓ० ஹா० ஜலதத்வாய நம:। ஓ० ஹா० வ்ருயிவீதத்வாய நம:। இத்ஹ்யவஞ்ச்ய ஓ० ஹா० க்ருத்ததத்வாய நம: ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

𑌆𑌤𑍍𑌮𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾𑌧𑌿𑌪𑌤𑌯𑍇 𑌸𑍃𑌷𑍍𑌟𑌿𑌰𑍂𑌪𑌾𑌯 𑌸𑌰𑌸𑍍𑌵𑌤𑍀 𑌸𑌮𑍇𑌤𑌾𑌯 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌣𑍇 𑌨𑌮𑌃 । 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌜𑌜𑍍𑌞𑌾𑌨𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌥𑌮𑌂 𑌪𑍁𑌰𑌸𑍍𑌤𑌾𑌤𑍍 𑌵𑌿𑌸𑍀𑌮𑌤𑌸𑍍𑌸𑍁𑌰𑍁𑌚𑍋 𑌵𑍇𑌨 𑌆𑌵𑌃 । 𑌸 𑌬𑍁𑌧𑍍𑌨𑌿𑌯𑌾 𑌉𑌪𑌮𑌾 𑌅𑌸𑍍𑌯 𑌵𑌿𑌷𑍍𑌠𑌾𑌃 𑌸𑌤𑌶𑍍𑌚 𑌯𑍋𑌨𑌿𑌮𑌸𑌤𑌶𑍍𑌚 𑌵𑌿𑌵𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌤𑍈𑌤𑍍𑌤𑌿𑌰𑍀𑌯𑌶𑍍𑌰𑍁𑌤𑍍𑌯𑌾 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌂 ।

𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌾𑌣𑌞𑍍𑌚 𑌚𑌤𑍁𑌰𑍍𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌂
𑌚𑌤𑍁𑌰𑍍𑌬𑌾𑌹𑍁𑌂 𑌜𑌟𑌾𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 ।
𑌕𑌮𑌣𑍍𑌡𑌲𑍍𑌵𑌕𑍍𑌷𑌸𑌮𑌾𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂
𑌵𑌰𑌾𑌭𑌯𑌕𑌰𑌂 𑌶𑍁𑌭𑌮𑍍 ॥ 𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 ।

1𑌹𑌂𑌸𑌾𑌰𑍂𑌢𑌾𑌯 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌮𑌹𑍇 𑌕𑍂𑌰𑍍𑌚𑌹𑌸𑍍𑌤𑌾𑌯 𑌧𑍀𑌮𑌹𑌿 । 𑌤𑌨𑍍𑌨𑍋 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌾 𑌪𑍍𑌰𑌚𑍋𑌦𑌯𑌾𑌤𑍍 ॥ 𑌇𑌤𑌿 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌗𑌾𑌯𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯𑌾𑌽𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌤𑌤𑌃 𑌕𑌣𑍍𑌠𑌦𑍇𑌶𑌾𑌦𑍂𑌰𑍍𑌧𑍍𑌵𑌪𑌟𑍍𑌟𑌿𑌕𑌾𑌯𑌾 𑌅𑌧𑌃𑌪𑌰𑍍𑌯𑌙𑍍𑌕𑌂 𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑍁𑌭𑌾𑌗𑍇 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌵𑌦𑌾𑌵𑍃𑌤𑍍𑌯 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌮𑌾𑌯𑌾 𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃। 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌕𑌾𑌲𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃। 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌨𑌿𑌯𑌤𑌿𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃। 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌕𑌲𑌾𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌯𑌾𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌰𑌾𑌗𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃। 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌪𑍁𑌰𑍁𑌷𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃। 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 । 𑍐 𑌹𑌿𑌂 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌯𑌾𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃। 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌯𑌾𑌤𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾𑌧𑌿𑌪𑌤𑌯𑍇 𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑌿𑌰𑍂𑌪𑌾𑌯 𑌲𑌕𑍍𑌷𑍍𑌮𑍀𑌸𑌮𑍇𑌤𑌾𑌯 𑍐 𑌹𑌿𑌂 𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑌵𑍇 𑌨𑌮𑌃 । 𑌇𑌤𑌿 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 । "𑌇𑌦𑌂 𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑍁𑌰𑍍𑌵𑌿𑌚𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇 𑌤𑍍𑌰𑍇𑌧𑌾 𑌨𑌿𑌦𑌧𑍇 𑌪𑌦𑌂 । 𑌸𑌮𑍂𑌢𑌮𑌸𑍍𑌯 𑌪𑌾𑌂𑌸𑍁𑌰𑍇" 𑌇𑌤𑌿 𑌤𑍈𑌤𑍍𑌤𑌿𑌰𑍀𑌯𑌶𑍍𑌰𑍁𑌤𑍍𑌯𑌾 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌂 ॥

𑌨𑍀𑌲𑌾𑌞𑍍𑌜𑌨𑌾𑌭𑌂 𑌸𑍁𑌮𑍁𑌖𑌾𑌰𑌵𑌿𑌨𑍍𑌦𑌂
𑌪𑍀𑌤𑌾𑌮𑍍𑌬𑌰𑌾𑌭𑍀𑌤𑌿 𑌕𑌰𑍋𑌰𑍁𑌹𑌸𑍍𑌤𑌮𑍍 ।
𑌸𑌶𑌙𑍍𑌖𑌚𑌕𑍍𑌰𑌂 𑌸𑌕𑌿𑌰𑍀𑌟𑌮𑍌𑌲𑌿𑌂
𑌨𑌮𑌾𑌮𑌿 𑌶𑌾𑌰𑍍𑌙𑍍𑌗𑌂 𑌪𑌰𑌵𑌾𑌸𑍁𑌦𑍇𑌵𑌮𑍍 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 । " 𑌨𑌾𑌰𑌾𑌯𑌣𑌾𑌯 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌮𑌹𑍇 𑌵𑌾𑌸𑍁𑌦𑍇𑌵𑌾𑌯 𑌧𑍀𑌮𑌹𑌿 । 𑌤𑌨𑍍𑌨𑍋 𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑍁𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌚𑍋𑌦𑌯𑌾𑌤𑍍 ॥ 𑌇𑌤𑌿 𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑍁𑌗𑌾

---

1 𑌚𑌤𑍁𑌰𑍍𑌮𑍁𑌖𑌾𑌯 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌮𑌹𑍇 𑌹𑌿𑌰𑌣𑍍𑌯𑌗𑌰𑍍𑌭𑌾𑌯 𑌧𑍀𑌮𑌹𑌿 𑌇𑌤𑌿 𑌕𑍇𑌚𑌿𑌤𑍍 ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy


யத்ரீம் விந்யஸ்ய ஊர்த்வபூர்வதக்ஷிணோத்தரபஶ்சிமே வக்த்ரேஷு வக்த்ரஶாஸாவ்யாப்ய ।

ஓம் ஹாம் ஶிவதத்த்வாய நம:। ஓம் ஹாம் ஶக்திதத்த்வாய நம:। ஓம் ஹாம் ஸாதாக்யதத்த்வாய நம:। ஓம் ஹாம் ஈஶ்வரதத்த்வாய நம:। ஓம் ஹாம் ஶுத்தவித்யாதத்த்வாய நம:। இத்யப்யர்ச்ய ஓம் ஹாம் ஹ்ரூம் ஶிவதத்த்வாய நம:। ஶிவதத்த்வாதிபதயே ஸம்ஹாரரூபாய மௌலீஸ்தாய ஓம் ஹாம் ருத்ரேஶ்வராய நம:। இதி ஸம்பூஜ்ய "யோ ருத்ரோ அக்னௌ யோ அப்ஸு ய ஓஷதீஷு யோ ருத்ரோ விஶ்வா புவனா விவேஶ தஸ்மை ருத்ராய நமோ அஸ்து" இதி மந்த்ரேணாபிமந்த்ர்ய த்யாநம் ।

(நவநயநமனோஜ்ஞம் நாகயஜ்ஞோபவீதம்
ரஸகரவரதஸ்தம் காமகண்டாக்நிகேஶம் ।
அபய வரத ஶூலம் வஹ்நிமாலே ச வாமே
த்ரிநயனமித ரூபம் ருத்ரதேவம் நமாமி ॥)

இதி த்யாத்வா । தத்புருஷாய வித்மஹே மஹாதேவாய தீமஹி । தந்நோ ருத்ர: ப்ரசோதயாத் ॥ இதி காயத்ரீம் ஜபித்வா மந்த்ரயேத் । இதி தத்த்வத்ரயார்ச்சனா ।

அத ஊர்த்வே மஹேஶ்வராதி பஞ்சவிம்ஶக தேஹம் பூஜயேத் ॥

ஓம் ஹாம் அஹங்காரதத்த்வாய நம:। ஓம் ஹாம் மநஸ்தத்த்வாய நம:। ஓம் ஹாம் புத்திதத்த்வாய நம:। ஓம் ஹாம் குணதத்த்வாய நம:। ஓம் ஹாம் ரஸதத்த்வாய நம:। ஓம் ஹாம் ரூபதத்த்வாய நம:। ஓம் ஹாம் ஸ்பர்ஶதத்த்வாய நம:। இத்யப்யர்ச்ய திரோபாவரூபாய மஹேஶ்வரீஸ்தாய ஓம் ஹாம் மஹேஶ்வராய நம:। "யோ வேதாதௌ ஸ்வர: ப்ரோக்தோ வேதாந்தே ச ப்ரதிஷ்டித: । தஸ்ய ப்ரக்ருதிலீநஸ்ய ய: பர: ஸ மஹேஶ்வர:" இதி மந்த்ரேணாபிமந்த்ர்ய த்யாயேத் ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

चतुरास्यं चतुर्हस्तं
[illegible] ।
खड्गं [illegible] पाश-
माङ्कुशं 1 घण्टीवकौ ॥
वराभयकरं [illegible]
यज्ञसूत्रमलङ्कृतम् ।
रक्ताभं पादुकापादं
जटामकुटमण्डितम् ॥ इति ध्यात्वा

2 गायत्रीमभिमन्त्रयेत् । [illegible]
[illegible] महेश्वरांशकम् । पूजयेन्मन्त्र-
योगेन सर्वसिद्धिकरं शुभम् ॥ इति । ततस्सदाशिव-
भावे ॐ हां स्थूलतत्त्वाय नमः । ॐ हां सूक्ष्मत-
त्त्वाय नमः ॐ हां कारणतत्त्वाय नमः । इत्यभ्यर्च्य [illegible]
[illegible]वाय मनोन्मनीसहिताय ॐ हां सदाशि-
वाय नमः । " ईशानस्सर्वविद्यानामीश्वरस्सर्वभूता-
नां ब्रह्माधिपतिर्ब्रह्मणोऽधिपतिर्ब्रह्मा शिवो
मे अस्तु सदाशिवोम् । इति मन्त्रेणाभिमन्त्र्य ध्यानम् ।

शरदभ्रनिभाकारं
पञ्चवक्त्रसमन्वितम् ।
दशबाहुसमायुक्त-
[illegible] शुभम् ॥
शिवाद्यं विश्वसाक्ष्यं
सर्वाभरणभूषितम् ॥
जटामकुटसंयुक्तं
[illegible]समन्वितम् ॥
[illegible]समायुक्त-
मभयं दक्षिणे धृतम् ॥

---

1 घण्टा इति पठितव्यम् ।
2 ॐ तन्महेशायेति ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



ஸவாஶம் வரதம் வர்ணம்
உஹநஞாக்ஷம் தயா ॥
வாஉஹஸ்த யுதம் தெவம்
தந்வயெ ஜ்யோதிரூபகம் ॥

இதி த்யாத்வா நிரஞ்ஜநாய வித்மஹெ நிராபாஸாய தீமஹி தந்நோऽநந்தஸூக்ஷ்ம: ப்ரசோதயாத் இதி காயத்ர்யா 1 ऽர்சயெத் ।

ஶ்ரீபலிஜயெ –

ஹொமார்தம் தக்ஷிணே ச
பாரார்தம் உத்தரகம் ॥
பலிஜயெத் ஸகலம் ஶ்ரீ
பலிநாதோऽபராபத: ॥ இதி

நைவேத்யார்தம் விபாஸந ஹ்ருத்ய த்ரயாதிகோணே வ்யஞ்ஜநைஸ்ஸாயஷ்டம் ஹவிஸ்ஸாயீம் ஸம்ஸ்தாப்ய கலெஷ்ண வர்ணாம் தாபயெத் । தஷக்தம் காரணே ।

தஸாரா ராக்ஷஸா சைவ
பிஶாசா ப்ரஹ்மராக்ஷஸா: ।
வர்ணாநிஷ்ட ஸாநேத்ரெண
கச்சந்தி உபரதஸ்யா ॥

ஆரெ விவெஶநஸ்ய ஹவிஸ்தாம்பலெ நிவேத்ய பச்சாதெவஸந்நியௌ ஹவிஷ்யாஸிகாஸ்த்ரேணாஹ்ருத்ய ஷஞ்ஶாஜீவியாயஹவிஸ்யெ ஸமைந வாஷம் விந்யஸ்ய யெனாதிஸஹாஸ்த்ரா: ப்ரதஶ்ய கவசேநாவ்ருதீக்ருத்ய ஹம்ஹ: ஸ்வாஹா இதி ஸம்ப்ரோக்ஷ்ய பரிஷிச்ய க்ஷிவொஶநம் வியாய ப்ராணாய ஸ்வாஹா இத்யாதிச கணஸக்தம் ச ஜபித்வா ஸ்வஹஸ்தப்ராதக்ஷிணேந ஶளீஹஸ்தேநாஸம் உத்ஜிதி ஶாவயித்வா தௌளீஹஸ்தேநாஸம் ஶிவஹஸ்தேந ஸம்

1. இதம் தத்வாபஷ்டநாம் வஹாவரணபஷ்ஜாயா: ப்ராதெவ வா கலைதுவ வா கர்யஷ்டாத் ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

𑌭𑍋𑌜𑍍𑌯𑌸𑌮𑌾𑌪𑍍𑌤𑍇 𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑌾𑌪𑍋𑌶𑌨𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌮𑌿𑌨𑌃 𑌅𑌨𑍍𑌯𑌦𑍇𑌶𑍇 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌕𑌰𑌾𑌸𑍍𑌯𑌪𑌾𑌦𑌪𑍍𑌰𑌕𑍍𑌷𑌾𑌲𑌨𑌾𑌰𑍍𑌥𑌂 𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑍋𑌦𑌕𑍇𑌨 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌵𑌾𑌰𑌮𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌶𑍍𑌰𑍀𑌮𑌤𑍍𑌕𑌾𑌮𑌿𑌕𑍇 ॥

𑌶𑌾𑌲𑍍𑌯𑌨𑍍𑌨𑌂 𑌮𑌧𑍍𑌯𑌪𑌕𑍍𑌷𑍇 𑌤𑍁 𑌸𑍂𑌪𑌾𑌨𑌾𑌂 𑌪𑍃𑌷𑍍𑌠𑌪𑌕𑍍𑌷𑌕𑍇 । 𑌦𑍀𑌪𑌾𑌨𑌾𑌂 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑌪𑌕𑍍𑌷𑍇 𑌧𑍂𑌪𑌾𑌨𑌾𑌂 𑌚 𑌤𑌥𑍋𑌤𑍍𑌤𑌰𑍇 ॥ 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑍇 𑌪𑌾𑌯𑌸𑌾𑌨𑌾𑌂 𑌚 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌪𑌕𑍍𑌷𑍇 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌕𑌪𑌿𑌤𑍍𑌥𑌸𑍍𑌯 𑌫𑌲𑌂 𑌸𑌾𑌰𑌂 𑌯𑌥𑌾 𑌕𑌾𑌮𑌰𑌕𑍍𑌷𑌣𑌂 ॥ 𑌤𑌥𑌾𑌪𑌰𑍇𑌤𑍍 𑌯𑌥𑌾𑌶𑌕𑍍𑌤𑌂 1 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌨𑍍𑌨𑌂 𑌚 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌆𑌚𑌮𑌨𑌾𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌪𑌾𑌦𑍍𑌯𑌾𑌨𑌿 𑌦𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌭𑌿𑌃 𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣 [illegible] 𑌦𑌤𑍍𑌵𑌾, 𑌆𑌚𑌮𑌨𑌾𑌰𑍍𑌥𑌂 [illegible] 𑌤𑌾𑌮𑍍𑌬𑍂𑌲𑌂 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯 𑌉𑌪𑌚𑌾𑌰𑌾𑌰𑍍𑌥𑌂 [illegible] 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 [illegible] 𑌵𑌿𑌸𑍃𑌜𑍍𑌯 𑌹𑌸𑍍𑌤𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌕𑍍𑌷𑌾𑌲𑍍𑌯 𑌆𑌰𑌾𑌤𑍍𑌰𑌿𑌕𑌾𑌦𑌿 𑌨𑍀𑌰𑌾𑌜𑌨 [illegible] 𑌵𑍍𑌯𑌜𑌨 [illegible] 𑌯𑌥𑌾𑌕𑍍𑌰𑌮𑌂 [illegible] 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯, 𑌅𑌨𑌨𑍍𑌤𑌰𑌂 [illegible] 𑌇𑌤𑌿 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌰𑍍𑌚𑌨𑌾𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 ॥

## 𑌅𑌥 𑌭𑍋𑌗𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌪𑍂𑌜𑌾 ॥

𑌅𑌥 [illegible] 𑌦𑌿𑌶𑌿 𑌭𑍋𑌗𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌬𑌿𑌮𑍍𑌬𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌭𑍋𑌗𑌶𑌕𑍍𑌤𑍍𑌯𑌾𑌸𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌭𑍋𑌗𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 । 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌭𑍋𑌗𑌶𑌕𑍍𑌤𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌾𑌸𑌨𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌿𑌮𑍂𑌲𑍈𑌰𑍍𑌭𑍋𑌗𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯, 𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌨𑌾𑌦𑌿𑌪𑌞𑍍𑌚𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌰𑍍𑌶𑍍𑌯 । 𑌮𑌾𑌤𑍃𑌕𑌾𑌪𑌞𑍍𑌚𑌵𑌿𑌂𑌶𑌤𑌿𑌕𑌯𑌾 𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯, 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌅𑌭𑌿𑌷𑍇𑌕𑌾𑌰𑍍𑌥𑌂 𑌅

---

1. 𑌮𑌿𑌶𑍍𑌰𑌭𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑌨𑌮𑌿𑌤𑌿 𑌪𑌾𑌠𑌭𑍇𑌦𑌃 ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌕𑍇𑌨 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 । 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌵𑌤𑍍𑌸𑌂 𑌪𑌰𑌿𑌤𑍃𑌜𑍍𑌯 𑌕𑌨𑍍𑌯𑌵𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣𑌾𑌵𑌗𑍁𑌣𑍍𑌠𑌨𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 । 𑌵𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌮𑌙𑍍𑌗𑌲𑌾𑌦𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌭𑌿𑌰𑌲𑌂𑌕𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌹𑍇𑌮𑌾𑌭𑌰𑌣𑌹𑌾𑌰𑌾𑌦𑌿𑌭𑌿𑌸𑍍𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 । 𑌪𑌦𑍍𑌮𑌾𑌸𑌨𑌂 𑌕𑌲𑍍𑌪𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥ 𑌗𑌾𑌯𑌤𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌸𑍃𑌷𑍍𑌟𑌿𑌪𑌰𑌿 𑌦𑌶𑌵𑌾𑌰𑌾𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌮𑍍 ॥

(𑌶𑍍𑌯𑌾𑌮𑌾𑌭𑌾𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌸𑌰𑌸𑌿𑌜𑌵𑌦𑌨𑌾𑌂 𑌶𑌾𑌨𑍍𑌤𑌕𑌹𑍍𑌲𑌾𑌰𑌹𑌸𑍍𑌤𑌾𑌂 𑌕𑍇𑌶𑌬𑌨𑍍𑌧𑌾𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌹𑌾𑌰𑌾𑌂 𑌸𑍍𑌤𑌨𑌭𑌰𑌨𑌮𑌿𑌤𑌾𑌂 𑌪𑍀𑌤𑌵𑌾𑌸𑌾𑌂 𑌸𑍁𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌮𑍍 । 𑌯𑍋𑌗𑌾𑌙𑍍𑌗𑍀𑌂 𑌹𑍋𑌮𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌂 𑌕𑍂𑌰𑍍𑌮𑍋𑌦𑍍𑌧𑍃𑌤𑌕𑌰𑌤𑌯𑌾𑌂 𑌵𑌾𑌮𑌹𑌸𑍍𑌤𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑌾𑌬𑍍𑌜𑌾𑌂 𑌦𑍇𑌵𑍀𑌂 𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌸𑌨𑍍𑌨𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌿𑌹𑌰𑌿𑌵𑌿𑌨𑍁𑌤𑌾𑌂 𑌦𑍇𑌵𑌦𑍇𑌵𑍀𑌂 𑌨𑌮𑌾𑌮𑌿 ॥)

𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌸𑌹𑌿𑌤𑌂 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌾𑌦𑌿 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌾𑌙𑍍𑌗𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 ॥

𑌦𑍍𑌵𑌿𑌤𑍀𑌯𑌾𑌵𑌰𑌣𑍇 –

𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑌾𑌮𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑌆𑌗𑍍𑌨𑍇𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌜𑍍𑌯𑍇𑌷𑍍𑌠𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑌯𑌾𑌮𑍍𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌰𑍌𑌦𑍍𑌰𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑌨𑍈𑌰𑍃𑌤𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌕𑌾𑌲𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌕𑌲𑌵𑌿𑌕𑌰𑌿𑌣𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑌵𑌾𑌯𑌵𑍍𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌬𑌲𑌵𑌿𑌕𑌰𑌿𑌣𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑌸𑍌𑌮𑍍𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌬𑌲𑌪𑍍𑌰𑌮𑌥𑌿𑌨𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑌐𑌶𑌾𑌨𑍍𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌭𑍂𑌤𑌦𑌮𑌨𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑌇𑌤𑌿 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌾𑌦𑌿𑌦𑌿𑌕𑍍𑌷𑍁 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 । 𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌮𑌹𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑍀𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌕𑍃𑌶𑌾𑌨𑌾𑌵𑍃𑌤𑍌 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑌚𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑌆𑌗𑍍𑌨𑍇𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑌯𑌾𑌮𑍍𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌕𑌾𑌲𑌕𑌰𑍍𑌣𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑌨𑍈𑌰𑍃𑌤𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌦𑌾𑌹𑌿𑌨𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑍋𑌷𑌿𑌣𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑌵𑌾𑌯𑌵𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌘𑍋𑌰𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑌸𑍌𑌮𑍍𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌮𑍋𑌹𑌿𑌨𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑌐𑌶𑌾𑌨𑍍𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌹𑌵𑌿𑌰𑍍𑌧𑌾𑌰𑌿𑌣𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑌇𑌤𑍀𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌾𑌦𑌿 𑌶𑌕𑍍𑌤𑍀𑌃 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑌯𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌤𑌸𑍍𑌸𑍍𑌰𑍁𑌕𑍍𑌸𑍍𑌰𑍁𑌵𑍌 𑌨𑌿𑌕𑍍𑌷𑌿

1. 𑌕𑌾𑌤𑍍𑌯𑌾𑌯𑌨𑍍𑌯𑍈 𑌚 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌮𑌹𑍇 𑌕𑌨𑍍𑌯𑌾𑌕𑍁𑌮𑌾𑌰𑍍𑌯𑍈 𑌚 𑌧𑍀𑌮𑌹𑌿 𑌤𑌨𑍍𑌨𑍋 𑌗𑍌𑌰𑍀 𑌪𑍍𑌰𑌚𑍋𑌦𑌯𑌾𑌤𑍍 𑌇𑌤𑌿 ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

ஶிவாக்³னௌ ஸமாஜ்யக்ஷீரான்னஹவ்யாத்³யம் நைவேத்³ய பர்யந்த நீவாத்³யங்காணி த³த்³யாத் ।

இதி ஹோமஶக்தி பூஜா

---

## அத² ஸமஸ்தபரிவாரார்சனா விதி⁴: ॥

தது³க்தம் ஶ்ரீமத் ஸர்வஜ்ஞோத்தரே

க³ர்பா⁴லயே ஶிவம் பூஜ்ய கௌரீம் ச ஹ்ருத்³க³ர்ப⁴ணே ।
வ்ருஷேஶ்வரஞ்சயா பூஜேத் வ்ருஷபா⁴க்³ரே து ஸம்ஸ்க்ருதம் ॥
அக்³னேஶாக்³னிதே³ஶே து த³க்ஷிணே மாத்ருகாம் யஜேத் ।
த³க்ஷிணே தே³வகோஷ்டே² ச த³க்ஷிணாமூர்த்திமர்ச்சயேத் ॥
க³ணேஶம் நைர்ருதே பூஜ்ய விஷ்ணும் கோஷ்டே² ச பஶ்சிமே ।
ஶாஸ்தாரம் வாயுதே³ஶே து ஜ்யேஷ்டா²ம் லக்ஷ்மீக³ணம் ததா² ।
கௌமாரஸ்யாக்³னிதே³ஶே து பூஜயேச்ச ததா²ந்தரம் ॥
தீ³ஶே சண்டே³ஶ்வரம் ச வாணீம் பா³லஸ்கந்த³ஸஹாம் ததா² ।
ஸௌம்யே து ந்ருத்தமூர்த்திம் ச நடேஶ்வரமேவ ச ॥
ஈஶானே க்ஷேத்ரபாலம் ச நவக்³ரஹாம்ஶ்ச ஸர்வஶ: ।
பூஜயேத் த்³விதீயாவ்ருத்யா ப்ராகாராக்ஷம் ஸமந்தத: ॥
ஸமந்தாத்³வாரே து மஹாலிங்க³ம் ஸமர்ச்சயேத் ।
ஸ்தா²னேஶ்வரதே³வாம்ஶ்ச த³க்ஷிணே ச ப்ரபூஜயேத் ॥
ஸ்வஸ்வகர்மணா ஸமீஹேஶ்வராதி³ ஸர்வதே³வானாம் ஸங்க³ர்ப⁴
பூஜாம் விதா⁴ய நைவேத்³ய பர்யந்தம் ஸ்வஸ்தனப³லிதா³னா
தி³க்³ப³லிமர்பயேத் ।

இதி ஸமஸ்தபரிவாரார்சனா விதி⁴: ॥

---

## அத² நித்யாக்³நிகார்யவிதி⁴: ॥

ஸௌம்யாக்³ன்யாம் ஈஶாநே வா ஸம்ஸ்க்ருதே வா ஸ்த²ண்டி³லம் வ்ருத்தம் வா ஸமஸ்தம் த்ரிமேக²லாஸஹிதம் விதி⁴வத் நிஷ்பாத்³ய க³ந்த⁴ம் பரிகல்ப்ய பூஜாகார்யம் உத்தர

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



[illegible]

In Public domain, Digitization Muthulakshmi Research Academy

𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌨𑌾𑌭𑍋𑌰𑌵𑌶𑌿 𑌸𑌂𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌕𑍁𑌣𑍍𑌡𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌵𑌾𑌗𑍀𑌶𑍍𑌵𑌰𑍀𑌂 𑌵𑌾𑌗𑍀𑌶𑍍𑌵𑌰𑍌 𑌯𑍌𑌵𑌨𑌾𑌰𑍂𑌢𑍌 𑌵𑌿𑌭𑌾𑌵𑍍𑌯 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌮𑍍 ॥

1 𑌶𑍍𑌯𑌾𑌮𑌾𑌂 𑌮𑍃𑌦𑍁𑌶𑌰𑍀𑌰𑌸𑍁𑌯𑍌𑌵𑌨𑌾𑌂 𑌹𑍋𑌮𑌮𑌾𑌤𑍃𑌵𑌿𑌕𑌰𑌾𑌵𑌤𑌂𑌸𑌕𑌾𑌂 । 𑌪𑌦𑍍𑌮𑌾𑌙𑍍𑌕𑌹𑍋𑌮𑌾𑌸𑌨𑌾𑌂 𑌋𑌤𑍁𑌮𑌤𑍀𑌂 𑌷𑌾𑌵𑌯𑌾𑌦𑌿 𑌵𑌰𑌮𑌾𑌗𑍍𑌨𑌿𑌮𑌾𑌤𑌰𑌮𑍍 ॥ 𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 ।

𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌵𑌾𑌗𑍀𑌶𑍍𑌵𑌰𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 । 𑌇𑌤𑌿 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 । 𑌤𑌤𑍍𑌸𑌮𑍀𑌪𑍇 𑌵𑌾𑌗𑍀𑌶𑍍𑌵𑌰𑌂 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌯𑍇𑌤𑍍 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌮𑍍 ।

𑌤𑍍𑌰𑌿𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌂 2 𑌶𑍍𑌵𑍇𑌤𑌵𑌰𑍍𑌣𑌂 𑌚𑌤𑍁𑌰𑍍𑌭𑍁𑌜𑌮𑍍 ।
𑌵𑌰𑌾𑌭𑌯𑌾𑌕𑍍𑌷𑌮𑌾𑌲𑌾𑌬𑍍𑌜𑌧𑌰𑌂 𑌵𑌾𑌗𑍀𑌶𑍍𑌵𑌰𑌂 𑌵𑌿𑌭𑍁𑌮𑍍 ॥
𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 । 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑌾𑌗𑍀𑌶𑍍𑌵𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 𑌅𑌗𑍍𑌨𑌿𑌂 𑌸𑌂𑌹𑌿𑌤𑌾𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌕𑍁𑌣𑍍𑌡𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌵𑌿𑌶𑍍𑌯 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨 𑌭𑍂𑌮𑌿𑌷𑍍𑌠𑌜𑌾𑌨𑍁𑌰𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌰𑌕𑌃 𑌊𑌰𑍍𑌧𑍍𑌵𑌬𑌾𑌹𑍁𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌅𑌗𑍍𑌨𑌿𑌂 𑌕𑍂𑌨𑌾𑌸𑌾𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌮𑌾𑌶𑍍𑌰𑍁𑌤𑍍𑌯 𑌯𑍋𑌨𑌿𑌮𑌾𑌰𑍍𑌗𑍇𑌣 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌕𑍁𑌣𑍍𑌡𑌨𑌾𑌭𑌿𑌦𑍇𑌶𑍇 𑌸𑌂𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌪𑍁𑌷𑍍𑌪𑌾𑌕𑍍𑌷𑌤𑌾𑌨𑍍 𑌨𑌿𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍍𑌯 𑌅𑌗𑍍𑌨𑍍𑌯𑍁𑌦𑍇𑌶𑍇 𑌨𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌶𑍌𑌚𑌾𑌚𑌮𑌨𑌶𑍁𑌷𑍍𑌕𑌮𑍍 𑌹𑍃𑌦𑌯𑍇𑌨 𑌜𑌲𑌬𑌿𑌨𑍍𑌦𑍁𑌂 𑌨𑌿𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍍𑌯 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌣𑌾𑌸𑌮𑌿𑌨𑍍𑌧𑌨𑍇𑌨𑌾𑌪𑍍𑌯𑌾𑌯𑍍𑌯 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌪𑍍𑌰𑌜𑍍𑌵𑌾𑌲𑍍𑌯 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨 3 𑌗𑌰𑍍𑌭𑌾𑌗𑍍𑌨𑌿𑌂 𑌨𑌾𑌮𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌗𑌰𑍍𑌭𑌸𑌂𑌰𑌕𑍍𑌷𑌾𑌯𑍈 𑌅𑌗𑍍𑌨𑌿𑌶𑌿𑌖𑌾𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇 𑌕𑌵𑌚𑍇𑌨 𑌦𑍇𑌵𑍀𑌗𑌰𑍍𑌭𑍇 𑌦𑌰𑍍𑌭𑌕𑌙𑍍𑌕𑌣𑌂 𑌬𑌦𑍍𑌧𑍍𑌵𑌾 𑌸𑌦𑍍𑌯𑍋𑌜𑌾𑌤𑍇𑌨 𑌗𑌰𑍍𑌭𑌾𑌧𑌾𑌨𑌾𑌯 [illegible] 𑌹𑍃𑌦𑌯𑍇𑌨 𑌤𑌿𑌲𑌾𑌹𑍁𑌤𑌿𑌤𑍍𑌰𑌯𑌂 𑌜𑍁𑌹𑍁𑌯𑌾𑌤𑍍 ।

---

1. 𑌕𑍍𑌰𑌿𑌯𑌾𑌕𑍍𑌰𑌮𑌦𑍍𑌯𑍋𑌤𑌿𑌕𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑌾𑌗𑍍𑌨𑌿𑌕𑌾𑌰𑍍𑌯𑌪𑍍𑌰𑌕𑌰𑌣𑍇 𑌦𑍇𑌵𑍀𑌮𑌾𑌵𑌾𑌹𑌯𑍇𑌦𑌿𑌤𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌿𑌵𑌚𑍍𑌛𑌿𑌵𑌮𑌾𑌤𑌰𑌮𑍍 । 𑌶𑍍𑌯𑌾𑌮𑌾𑌮𑍃𑌤𑍁𑌮𑌤𑍀𑌂 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌾𑌭𑌰𑌣𑌭𑍂𑌷𑌣𑌾𑌂 । 𑌪𑍍𑌰𑌸𑌨𑍍𑌨𑌵𑌦𑌨𑌾𑌂 𑌪𑌦𑍍𑌮𑌪𑌤𑍍𑌰𑌾𑌭𑌨𑌯𑌨𑌤𑍍𑌰𑌯𑌾𑌮𑍍 𑌇𑌤𑌿 𑌵𑌰𑍍𑌤𑌤𑍇 ॥

2. 𑌕𑍍𑌰𑌿𑌯𑌾𑌕𑍍𑌰𑌮𑌦𑍍𑌯𑍋𑌤𑌿𑌕𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌰𑌕𑍍𑌤𑌾𑌹𑌤𑍀𑌤𑌿 𑌵𑌰𑍍𑌤𑌤𑍇 । 𑌅𑌕𑍍𑌷𑌮𑌾𑌲𑌾𑌬𑍍𑌜𑌹𑌸𑍍𑌤𑌾𑌨𑍇 𑌪𑌾𑌶𑌶𑌕𑍍𑌤𑍀𑌤𑌿 𑌵𑌰𑍍𑌤𑌤𑍇 ।

3. 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌗𑌰𑍍𑌭𑌾𑌗𑍍𑌨𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌤𑍃𑌤𑍀𑌯𑍇 𑌮𑌾𑌸𑌿 𑌪𑍁𑌂𑌸𑌵𑌨𑌾𑌰𑍍𑌥𑌂 𑌪𑌾𑌶𑍇𑌨𑌾𑌹𑍂𑌯 𑌶𑌿𑌰𑌸𑌾 𑌆𑌹𑍁𑌤𑌿𑌦𑍍𑌵𑌯𑌂 𑌹𑍁𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌗𑌰𑍍𑌭𑍇 𑌜𑍀𑌵𑌘𑍃𑌤𑌤𑍋𑌯𑌬𑌿𑌨𑍍𑌦𑍁𑌂 𑌨𑌿𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍇𑌤𑍍 ।

𑌷𑌷𑍍𑌠𑍇 𑌮𑌾𑌸𑌿 𑌸𑍀𑌮𑌨𑍍𑌤𑍋𑌨𑍍𑌨𑌯𑌨𑌾𑌰𑍍𑌥𑌂 𑌕𑌵𑍋𑌰𑍇𑌣 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌆𑌹𑍁𑌤𑌿𑌦𑍍𑌵𑌯𑌂 𑌹𑍁𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌕𑌾𑌷𑍍𑌠𑌸𑍍𑌵𑌨𑌾𑌰𑍍𑌥𑌂 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌵𑌾𑌰𑌮𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌦𑌶𑌮𑍇 𑌮𑌾𑌸𑌿 𑌜𑌨𑌨𑌾𑌰𑍍𑌥𑌂 𑌤𑌤𑍍𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑍇𑌣 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌆𑌹𑍁𑌤𑌿𑌦𑍍𑌵𑌯𑌂 𑌕𑌵𑌚𑍇𑌨 𑌹𑍁𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌅𑌗𑍍𑌨𑌿𑌂 𑌜𑌾𑌤𑌂 𑌵𑌿𑌭𑌾𑌵𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌅𑌥 𑌨𑌾𑌳𑌶𑍌𑌚𑌨𑌾𑌰𑍍𑌥𑌂 𑌅𑌗𑍍𑌨𑌿𑌂 𑌉𑌦𑌰𑌾𑌦𑍍𑌦𑍇𑌵𑍍𑌯𑌾 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑍍𑌯 𑌦𑍇𑌵𑍀𑌗𑌰𑍍𑌭𑌸𑍍𑌥𑌂 𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌕𑍂𑌰𑍍𑌚𑌂 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌪𑌾𑌶𑌬𑌨𑍍𑌧𑌨𑌾𑌰𑍍𑌥𑌂 𑌗𑌰𑍍𑌭𑌕𑍂𑌰𑍍𑌚𑌂 𑌦𑍇𑌵𑍀𑌮𑌗𑍍𑌨𑍇𑌃 𑌬𑌹𑌿𑌃 𑌹𑍃𑌦𑌯𑍇𑌨 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌸𑍂𑌤𑌕𑌵𑌿𑌶𑍋𑌧𑌨𑌾𑌰𑍍𑌥𑌂 𑌕𑍁𑌣𑍍𑌡𑌮𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣𑌾𑌭𑍍𑌯𑍁𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌉𑌦𑌰𑍇𑌣𑌾𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌸𑌨𑍍𑌧𑌾𑌯 𑌪𑍁𑌨𑌃𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣𑌾𑌭𑍍𑌯𑍁𑌕𑍍𑌷𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌅𑌥 𑌅𑌗𑍍𑌨𑌿𑌸𑌂𑌰𑌕𑍍𑌷𑌣𑌾𑌰𑍍𑌥𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌚𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌦𑌿𑌕𑍍𑌷𑍁 𑌸𑌪𑍍𑌤𑌧𑌾𑌰𑍍𑌥𑌂 𑌅𑌗𑍍𑌨𑌿𑌦𑍇𑌵𑌤𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌪𑌰𑌿𑌸𑍍𑌤𑌰𑌣𑌂 𑌨𑌿𑌧𑌾𑌯 । 𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌦𑍇𑌵𑌤𑌾𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌵𑌿𑌷𑍍𑌟𑌰𑌂 𑌪𑌰𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑍇 𑌦𑍇𑌵𑌤𑌾𑌂 𑌪𑌰𑌿𑌧𑍀𑌨𑍍 𑌸𑌂𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌅𑌗𑍍𑌨𑍇𑌃 𑌪𑌾𑌲𑌨𑌾𑌰𑍍𑌥𑌂 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌾𑌦𑍍𑌦𑌿𑌶𑍋 𑌮𑌧𑍍𑌯𑌯𑍋𑌰𑌾𑌜𑍍𑌯𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌅𑌗𑍍𑌨𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌹𑍁𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌾𑌦𑌿𑌸𑌪𑍍𑌤𑌧𑌾𑌰𑍍𑌥𑌂 𑌪𑌰𑌿𑌧𑌿𑌦𑍇𑌵𑌾𑌨𑍍 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑍁𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑍇𑌶𑌾𑌨𑌾𑌨𑍍 𑌅𑌗𑍍𑌨𑍇𑌃 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣𑌾𑌪𑌰𑌸𑌂𑌸𑍍𑌕𑌾𑌰𑌾𑌦𑌿𑌕𑌂 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌾𑌦𑌿𑌸𑌂𑌸𑍍𑌕𑌾𑌰𑌾𑌰𑍍𑌥𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌵𑌿𑌷𑍍𑌟𑌰𑌾𑌵𑌧𑌿

| | | |
|---|---|---|
| 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑍇 | 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 | 𑌇𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । |
| 𑌆𑌗𑍍𑌨𑍇𑌯𑍇 | 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 | 𑌅𑌗𑍍𑌨𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 । |
| 𑌯𑌾𑌮𑍍𑌯𑍇 | 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 | 𑌯𑌮𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । |
| 𑌨𑍈𑌰𑍃𑌤𑍇 | 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 | 𑌨𑌿𑌰𑍃𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 । |
| 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑍇 | 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 | 𑌵𑌰𑍁𑌣𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । |

In Public domain: Digitization Muthulakshmi Research Academy

𑌵𑌾𑌯𑌵𑍍𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑌾𑌯𑌵𑍇 𑌨𑌮𑌃।
𑌸𑍌𑌮𑍍𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑍋𑌮𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃।
𑌐𑌶𑌾𑌨𑍍𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃।
𑌇𑌤𑌿 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯।

𑌈𑌶𑌾𑌨𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌣𑍇 𑌨𑌮𑌃। 𑌨𑌿𑌰𑍃𑌤𑌿𑌵𑌾𑌰𑍁𑌤𑌃 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑌵𑍇 𑌨𑌮𑌃। 𑌇𑌤𑌿 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯। 𑌅𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌵𑌿𑌧𑌿𑌨𑌾 𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌯𑍇𑌤𑍍 𑌬𑌾𑌹𑍍𑌯𑌕𑌂 𑌪𑌾𑌲𑌯𑌿𑌷𑍍𑌯𑍇 𑌇𑌤𑌿 𑌸𑌂𑌶𑍍𑌰𑌾𑌵𑍍𑌯 𑌅𑌗𑍍𑌨𑌿𑌂 𑌪𑌰𑌿𑌷𑌿𑌚𑍍𑌯 𑌬𑌾𑌹𑍍𑌯𑌾𑌗𑍍𑌨𑌿𑌂 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌯𑍇𑌤𑍍। 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌮𑍍।

𑌬𑌾𑌹𑍍𑌯𑌾𑌗𑍍𑌨𑌿𑌰𑍂𑌪𑌂 𑌤𑌪𑍍𑌤𑌕𑌨𑌕𑌵𑌰𑍍𑌣𑌂 𑌷𑌣𑍍𑌣𑍇𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌚𑌤𑍁𑌷𑍍𑌪𑌾𑌦𑌂 𑌸𑌪𑍍𑌤𑌜𑌿𑌹𑍍𑌵𑌕𑌂। 𑌕𑌰𑍇 𑌸𑍍𑌰𑍁𑌵𑌾𑌜𑍍𑌯𑌂 𑌵𑍍𑌯𑌜𑌨𑌂 𑌚 𑌪𑌰𑍍𑌣𑌾𑌂 𑌶𑌕𑍍𑌤𑍍𑌯𑌕𑍍𑌷𑌮𑌾𑌲𑍇 𑌵𑌰𑌦𑌾𑌭𑌯𑌂 𑌬𑌿𑌭𑍍𑌰𑌤𑌮𑍍। 𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾। 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌬𑌾𑌹𑍍𑌯𑌾𑌗𑍍𑌨𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃। 𑌇𑌤𑌿 𑌬𑌾𑌹𑍍𑌯𑌾𑌗𑍍𑌨𑌿𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌅𑌥 𑌸𑍍𑌰𑍁𑌕𑍍𑌸𑍍𑌰𑍁𑌵𑍌 𑌊𑌰𑍍𑌧𑍍𑌵𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌯𑍋𑌰𑍍𑌧𑍍𑌵𑍌 𑌸𑌂𑌗𑍃𑌹𑍍𑌯 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌦𑌿𑌶𑌿 𑌧𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌅𑌧𑍋𑌮𑍁𑌖𑍌 𑌸𑍍𑌰𑍁𑌕𑍍𑌸𑍍𑌰𑍁𑌵𑍌 𑌸𑌂𑌸𑍍𑌪𑍃𑌶𑍍𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌤𑍍𑌯𑍇𑌕𑌂 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑍁𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌨𑍍 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌅𑌗𑍍𑌨𑍌 𑌪𑌰𑌿𑌤𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌦𑌰𑍍𑌭𑌾𑌗𑍍𑌰𑌮𑌧𑍍𑌯𑌮𑍂𑌲𑍈𑌃 𑌪𑌰𑌿𑌮𑍃𑌜𑍍𑌯 𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑌤𑌤𑍍𑌤𑌦𑍍𑌧𑌸𑍍𑌤𑍇𑌨 𑌤𑌤𑍍𑌤𑌦𑍍𑌦𑍇𑌵𑌤𑌾 𑌪𑍍𑌰𑌣𑍇𑌨𑌾𑌭𑌿𑌪𑌾𑌦𑍍𑌯 𑌸𑌵𑍍𑌯𑌹𑌸𑍍𑌤𑍇 𑌕𑍁𑌶𑌾𑌵𑌰𑌿 𑌸𑌂𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌤𑌯𑍋𑌰𑍍𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌶𑌿𑌵𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌕𑌵𑌚𑍇𑌨 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌤𑌨𑍍𑌤𑍁𑌨𑌾 𑌸𑌂𑌵𑍇𑌷𑍍𑌟𑍍𑌯, 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌮𑍍 ॥

1. 𑌉𑌦𑍍𑌭𑌾𑌸𑌿𑌤𑌨𑌾𑌭𑍍𑌯𑌂𑌶𑍁𑌮𑌦𑍍𑌹𑍃𑌤𑍍𑌪𑌦𑍍𑌮𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌬𑌾𑌹𑍁𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌣𑍇𑌤𑍍𑌰𑌂
𑌚𑌰𑌣𑌯𑍁𑌗𑍍𑌮𑌵𑌿𑌶𑌿𑌷𑍍𑌟𑌂 𑌶𑌾𑌶𑍍𑌵𑌤𑌂 𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑍁𑌰𑍂𑌪𑌮𑍍 ।
𑌕𑌰𑌕𑌮𑌲𑌵𑌿𑌶𑌾𑌲𑌾𑌕𑍍𑌷𑌂 𑌨𑌾𑌗𑌪𑌤𑍍𑌰𑍇 𑌸𑍍𑌰𑍁𑌗𑍍𑌰𑍂𑌪𑌾𑌗𑍍𑌰𑍇
𑌸𑌕𑌲𑌤𑌨𑍁𑌯𑌾𑌜𑍍𑌞𑌂 𑌸𑍍𑌰𑍁𑌕𑍍𑌸𑍍𑌰𑍁𑌵𑌾𑌵𑍍𑌯𑌂 𑌭𑌜𑍇𑌽𑌹𑌮𑍍 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾। 𑌆𑌜𑍍𑌯𑌸𑍍𑌥𑌾𑌲𑍀𑌂 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌗𑍍𑌰𑍇 𑌊𑌰𑍍𑌧𑍍𑌵𑌪𑌤𑍍𑌤𑍇 𑌕𑍁𑌶𑍋𑌪𑌰𑌿 𑌸𑌂𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌆𑌜𑍍𑌯𑌤𑌾𑌪𑌨𑌯𑍁 𑌪𑌨𑌯𑍁𑌪𑌹𑌸𑍍𑌤𑍇𑌨𑌾𑌗𑍍𑌨𑌿𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾। 𑌨𑌾𑌭𑌿𑌸𑍀𑌮𑍇 𑌕𑍁𑌣𑍍𑌡𑍇𑌦𑍍𑌰𑍌 𑌆𑌜𑍍𑌯𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌿𑌕𑌰𑌣𑌾𑌯 𑌦𑌰𑍍𑌭𑌾𑌗𑍍𑌰𑌦𑍍𑌵𑌯𑌂 𑌪𑍂𑌜𑌾𑌜𑍍𑌯𑍇 𑌪𑌰𑌿𑌤𑌾

1 𑌉𑌦𑍍𑌗𑌤𑌿𑌪𑌤𑌿𑌷𑍍𑌠𑌵𑌿𑌧𑍍𑌯𑌾 ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

In Public domain, Digitization Muthulakshmi Research Academy

ஓம் ஹாம் ஸோமாக்நிப்யாம் ஸ்வாஹா இத்யக்நிமயோர்நேத்ரே ஹுத்வா । ஸாமக்ர்யாதாஜ்யமாதாய ஓம் ஹாம் அக்நயே ஸ்விஷ்டக்ருதே ஸ்வாஹா இத்யக்நிவக்த்ரே ச ஸ்வாஹேதி ஹுத்வா ஸ்ருஜ்யஶேஷமந்யாஜ்யேந ஸம்யோஜயேத் இதி ஶாஸ்த்ரக்ருஷ்ண பக்ஷே ஸ்ருஜ்யஶோயநக்ஷ்யாயுர்யாத் ।

புநஸ்ஸம்ஹிதாமந்த்ரேணாபிமந்த்ர்ய திக்பந்தநாவகுண்டநே விதாய ஸாரமந்த்ரேணாஸ்த்ரீக்ருத்ய கவசேநாபிமந்த்ர்ய ஹ்ருதயமந்த்ரேண ப்ருதக்விந்யஸ்ய ஸந்த்யாஜ்யபாகம் விதத்யாத் ॥

தத ஓம் ஹாம் ஸத்யோஜாதாய ஸ்வாஹா ஓம் ஹீம் வாமதேவாய ஸ்வாஹா । ஓம் ஹூம் அகோராய ஸ்வாஹா । ஓம் ஹைம் தத்புருஷாய ஸ்வாஹா । ஓம் ஹௌம் ஈஶாநாய ஸ்வாஹா । இதி மந்த்ரை: ஏகைகாஹுதிம் ஹுத்வா அக்நிமுகே ப்ரவாராஹுதிம் ஹுத்வா ஓம் ஹாம் ஹீம் ஸத்யோஜாத வாமதேவாப்யாம் ஸ்வாஹா । ஓம் ஹீம் ஹூம் வாமதேவாகோராப்யாம் ஸ்வாஹா । ஓம் ஹூம் ஹைம் அகோரதத்புருஷாப்யாம் ஸ்வாஹா ! ஓம் ஹைம் ஹௌம் தத்புருஷேஶாநாப்யாம் ஸ்வாஹா । இத்யாஹுதிபி: மந்த்ரஸம்யோகம் விதத்யாத் ।

அத தத்ரைவ மந்த்ரைகீகரணார்த்தம் ஸத்யாதீஶாநாந்தம் ஏகாஹுதிமாக்நேயாதி வாயவ்யாந்தம் நைர்ருதாதீஶாநாந்தம் ஸ்வாஹேதி பூர்ணேநாஜ்யாஹுதிம் ஹுத்வா இதி மந்த்ரைகீகரணம் ॥

அத நாடீகரணார்த்தம் அக்நீஶாநேநாப்யுக்ஷ்ய அஸ்த்ரேண த்ர்யாஹுதீர்ஹுத்வா ஓம் ஹாம் ஶிவாக்நிஸ்த்வம் ஹுதாஶந இதி நாமக்ருத்வா ஹ்ருதயேநாக்நிமாத்ருபித்ருப்யோ நம இதி நமோந்தம் ஸம்பூஜ்ய பூர்ணம் நைர்ருத்யாம் உபாஸ்ய ஜிஹ்வாகல்பநார்த்தம் வஹ்நேர்மத்யே பூர்வதக்ஷிண பஶ்சிமோத்தரேஶாநநைர்ருதமத்யே தேவேஷு ஹிரண்யாதி பஹுரூபாந்தமாஹுதிம் ஜுஹுயாத் । தத்யதா–

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑍇 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌹𑌿𑌰𑌣𑍍𑌯𑌾𑌯𑍈 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 ।
𑌨𑍈𑌰𑍃𑌤𑍍𑌯𑍇 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌕𑌨𑌕𑌾𑌯𑍈 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 ।
𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑍇 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌰𑌕𑍍𑌤𑌾𑌯𑍈 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 ।
𑌯𑌾𑌮𑍍𑌯𑍇 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌕𑍃𑌷𑍍𑌣𑌾𑌯𑍈 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 ।
𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑍇 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌸𑍁𑌪𑍍𑌰𑌭𑌾𑌯𑍈 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 ।
𑌅𑌗𑍍𑌨𑍌 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌅𑌤𑌿𑌰𑌕𑍍𑌤𑌾𑌯𑍈 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 ।
𑌐𑌶𑍇 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌬𑌹𑍁𑌰𑍂𑌪𑌾𑌯𑍈 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 ।

𑌇𑌤𑌿 𑌜𑌿𑌹𑍍𑌵𑌾𑌕𑌲𑍍𑌪𑌨𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 । 𑌅𑌨𑌨𑍍𑌤𑌰𑌂 𑌜𑌿𑌹𑍍𑌵𑌾𑌸𑌨𑍍𑌧𑌾𑌨𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌜𑌿𑌹𑍍𑌵𑌾𑌨𑌾𑌮𑍇𑌕𑍀𑌕𑌰𑌣𑌂 𑌭𑌾𑌵𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌤𑌦𑍍𑌯𑌥𑌾,

𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌹𑌿𑌰𑌣𑍍𑌯𑌾𑌕𑌨𑌕𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 ।
𑍐 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍂𑌂 𑌕𑌨𑌕𑌾𑌰𑌕𑍍𑌤𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 ।
𑍐 𑌹𑍍𑌰𑍂𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍈𑌂 𑌰𑌕𑍍𑌤𑌾𑌕𑍃𑌷𑍍𑌣𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 ।
𑍐 𑌹𑍍𑌰𑍈𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍌𑌂 𑌕𑍃𑌷𑍍𑌣𑌾𑌸𑍁𑌪𑍍𑌰𑌭𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 ।
𑍐 𑌹𑍍𑌰𑍌𑌂 𑌹𑍍𑌰𑌂 𑌸𑍁𑌪𑍍𑌰𑌭𑌾𑌤𑌿𑌰𑌕𑍍𑌤𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 ।
𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌂 𑌹𑍍𑌰𑌃 𑌅𑌤𑌿𑌰𑌕𑍍𑌤𑌾𑌬𑌹𑍁𑌰𑍂𑌪𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 ।

𑌇𑌤𑌿 𑌜𑌿𑌹𑍍𑌵𑌾𑌨𑍁𑌸𑌨𑍍𑌧𑌾𑌨𑌂 ; 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍂𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍈𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍌𑌂 𑌹𑍍𑌰𑌂 𑌹𑍍𑌰𑌃 𑌹𑌿𑌰𑌣𑍍𑌯𑌾𑌕𑌨𑌕𑌾𑌰𑌕𑍍𑌤𑌾𑌕𑍃𑌷𑍍𑌣𑌾𑌸𑍁𑌪𑍍𑌰𑌭𑌾𑌤𑌿𑌰𑌕𑍍𑌤𑌾𑌬𑌹𑍁𑌰𑍂𑌪𑌾𑌭𑍍𑌯𑌸𑍍𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 𑌇𑌤𑌿 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑍋𑌤𑍍𑌤𑌰𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌾𑌗𑍍𑌨𑍀𑌶𑌾𑌨 1 𑌜𑌿𑌹𑍍𑌵𑌾𑌃 𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌕𑌨𑌕𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌜𑍁𑌹𑍋𑌤𑌿 𑌇𑌤𑌿 𑌜𑌿𑌹𑍍𑌵𑍈𑌕𑍀𑌕𑌰𑌣𑌮𑍍 ।

𑌅𑌥 𑌯𑌜𑍁𑌶𑍍𑌶𑌾𑌖𑌸𑍍𑌯 𑌪𑌾𑌰𑍍𑌵𑌣𑌾𑌦𑌿 𑌵𑌿𑌵𑌾𑌹𑌾𑌨𑍍𑌤 𑌕𑌰𑍍𑌮 𑌸𑌂𑌸𑍍𑌕𑌾𑌰𑍋𑌕𑍍𑌤𑌵𑌤𑍍 𑌤𑌤𑍍𑌤𑌤𑍍𑌕𑌰𑍍𑌮𑌾𑌯𑌤𑍍𑌤𑌂 𑌷𑌡𑍍𑌜𑌿𑌹𑍍𑌵𑍇𑌷𑍁 𑌪𑍍𑌰𑌤𑍍𑌯𑍇𑌕𑌂 𑌦𑍍𑌰𑌵𑍍𑌯𑌾𑌹𑍁𑌤𑍀𑌰𑍍𑌹𑍁𑌤𑍍𑌵𑌾 [illegible] 𑌯𑌥𑌾𑌵𑌿𑌶𑌿𑌷𑍍𑌟𑌾𑌸𑍍𑌯𑌂 [illegible] 𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌜𑌿𑌹𑍍𑌵𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌵𑍌𑌷𑌡𑌨𑍍𑌤 [illegible]

1. 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌕𑌾𑌰𑌣𑍇 166 𑌤𑌮𑍇 𑌪𑍃𑌷𑍍𑌠𑍇 - 𑌹𑌿𑌰𑌣𑍍𑌯𑌾 𑌵𑌾𑌰𑍁𑌣𑍇 𑌜𑌿𑌹𑍍𑌵𑌾 𑌕𑌨𑌕𑌾 𑌨𑍈𑌰𑍃𑌤𑍍𑌯𑍇 𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑌾 । 𑌰𑌕𑍍𑌤𑌾 𑌚𑍋𑌤𑍍𑌤𑌰𑌜𑌿𑌹𑍍𑌵𑌾 𑌸𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 𑌕𑍃𑌷𑍍𑌣𑌾 𑌯𑌾𑌮𑍍𑌯𑌦𑌿𑌶𑌿 𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑌾 । 𑌸𑍁𑌪𑍍𑌰𑌭𑌾 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌜𑌿𑌹𑍍𑌵𑌾 𑌸𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 𑌅𑌤𑌿𑌰𑌕𑍍𑌤𑌾𑌨𑌲𑍇 𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑌾 । 𑌬𑌹𑍁𑌰𑍂𑌪𑍈𑌶𑌜𑌿𑌹𑍍𑌵𑌾 𑌸𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 𑌜𑌿𑌹𑍍𑌵𑌾𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌕𑍀𑌰𑍍𑌤𑌿𑌤𑌮𑍍 । 𑌇𑌤𑌿 𑌪𑌠𑍍𑌯𑌤𑍇 ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

ஸு ாக்ஃஸ்ரு ாவெள ஊப்வுரயொ8ாவெள க்ருத்வாயமொக்ஷு வக வருணாவாஹாதிம் ஹாத்வா ஸ்ருக்ஷு8ாஜ்யம் யவவ்ரு8ா ணயாரயா கஹ்ருள க்ஷிவெக ।

---

## இதி வருணாவாஹாதிஃ ॥

கயொாவவிஶ்ய கஹ்ரிம் வரிஷிச்ய 8ருணைந ஶிவாக்ஷிம் ஸாஹிதா8ஜெந்ரணாஹ்யச்ய வஶாமெஶ்யாநு ஷொாஸஶா ஜூாமாநு ஷ்லாரஸம்வ்யாஹிஜாஹாயாக । வாநராஸந8 ஹ்யச்ய க்ருவாஹ்ய வருவ8ாதுாஃ வ்ருதஶ்ய கஙவ்ரா ஶந வௌஜொாவநயந ஸ8ாவதந விவாஹாஞ கஉ ஸம்ஸ்காராயம் ஸவ்தாஹாதீஃ வ்ரயக வ்ரயக ஸதீ்யாதீ ஶாஞ8ஜெந்ர ஹாத்வா வ்ரஸாக்ரிம் யாயெக ।

விஜூஜாஹம் த்ரிணெத்ரம் வ ஜடா8காடமணிதம்
ஹண்ட்யக்ஷள ஸவ்யவாஶ்வுதா வா8தாஸ்ருவதா8ரள ॥
வ்ருஷாஸநஸ8ாரபம் ஶாக்யஜொவவீதிநழ ।
வ்யாஹ்ரவ8ா ப்ரம் தெவம் நித்யாக்ரிம் வ்ரஸாரவகழ ॥

இதியாத்வா க்ருவாரணம் ஸம்வூஜ்ய வாதுரவெ்யராவா ணாதி தகவத்ருயாஹாதிம் ஹாத்வா கஹ்ரிம் வரிஷிச்ய 8ரு ணைந க்ருஜ்யாதிதுவெ்யஸ்லாயம் ஷொாஸஶஸம்வ்யாஹி ஹாகா வ்ராயஶ்சித்தாயம் கஜெ்ணத்ரண திஸ்ர க்ருஜ்யாஹாதீ ஹாத்வா வ்யாஹ்ருத்யா ஹாத்வா ஸ8ாதாஹாதீஜெஹ8 யிகாவஸாஜ்யா ராதுஹ்ய க்ருதிதெ்யஜ்யா விஶ்வெஜ்ய தெவெஹ்யஃ இதி வருணாஹாதி8ஜெ்ண வருணா ஹாதிம் க்ருகாவரியிஷ்ணுதெவதா கஹ்யவ்ய க்ருவாரஸ8 யாதிவரியீநு ஸஜ்ஜ்ருஹ்ய கஹ்ருள க்ஷிவ்ய இந்த்ராதீநுஸம்வூ ஜ்ய தெஜெ்யா பலிம் தகா கஞபாலிபாஹிபாயீ த கா தெவதா உ ஆாஸ்ய கஹ்ரிம்வரிஷிச்ய வரிஸ்தரணம்ஸஜ்ஜ

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



[illegible] 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌹𑍋𑌮𑌕𑌾𑌰𑍍𑌯𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯
[illegible]
[illegible] 𑌹𑍁𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌉𑌪𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌅𑌗𑍍𑌨𑍇𑌃
𑌨𑌮𑌸𑍍𑌕𑌾𑌰𑌾𑌨𑍍 [illegible] 𑌪𑌵𑌿𑌤𑍍𑌰𑌾𑌣𑌿
[illegible] 𑌰𑌕𑍍𑌷𑌾𑌂 𑌸𑌂𑌗𑍃𑌹𑍍𑌯 𑌰𑌕𑍍𑌷𑌾 [illegible]
[illegible]
[illegible] 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 [illegible]
[illegible] 𑌰𑌕𑍍𑌷𑌾𑌂 𑌧𑌾𑌰𑌯𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 [illegible]
[illegible] । [illegible] 𑌧𑌾𑌰𑌯𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 [illegible]
[illegible] 𑌰𑌕𑍍𑌷𑌾𑌂 𑌧𑌾𑌰𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌇𑌤𑌿 ॥

𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑌹𑍋𑌮𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌰𑍍𑌣𑌃 ॥

---

## 𑌅𑌥 1 𑌸𑌂𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍍𑌤𑌃 𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑌹𑍋𑌮𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 ॥

[illegible] 𑌵𑌾
[illegible] । 
[illegible] 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑌵𑌾 [illegible] 𑌯𑍋𑌨𑌿𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾
[illegible] 𑌤𑌸𑍍𑌯 [illegible]
[illegible]
[illegible] 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 [illegible]

---

1 𑌅𑌤𑍍𑌰 [illegible] 𑌵𑌿𑌸𑍍𑌤𑌰𑌤𑌃 𑌕𑍃𑌤𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑌹𑍋𑌮𑌵𑌿𑌧𑍇 [illegible] 𑌇𑌤𑌿 𑌸𑌂𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍍𑌤 [illegible] । [illegible] 𑌸𑌂𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍍𑌤 [illegible] 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿 [illegible] ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



ஶிரோதித: ப்ராகக்ராம் யாம்யத உதகக்ராம் தக்ஷிண
திஶோ ரேகா உத்ருத்ய தத்ர தக்ஷிணே ஓம் ஹாம் யமாய
நம: । உத்தரே ஓம் ஹாம் ஸோமாய நம: । மத்யே ஓம் ஹாம்
ப்ரஹ்மணே நம: । இத்யப்யர்ச்ய । ஸாக்ஷாந்யாக்னிஸமீபேந
ஈஶாந்யாமாக்ஷ வ்ருக்ஷமக்னிம் விஹாய நிரீக்ஷணாதி க்ருத்வா
கார்ணம் பரிஹ்ருத்ய அக்னிம் ஸம்ஹிதாமந்த்ரேண ப்ரதிஷ்டா
ப்ய தேநாப்யர்ச்ய ப்ரோக்ஷணீபாத்ரமாஜ்யஸ்தாலீஞ்ச
பர்ஹிஷம் ஸம்ஸ்தாப்ய ப்ரோக்ஷண்யாம் ப்ரணவேந ஜலமா
பூர்ய வர்ஷம் நிதாய தக்ஷிணோத்தரேண ததுத்தரதோ ஸகல
த்ரவ்யாணி ப்ரோக்ஷ்ய அக்னிம் தக்ஷிணோ: பரிஸ்தீர்ய உபரி
தேவதாஸு ஓம் ஹாம் ப்ரஹ்மணே நம: । ஓம் ஹாம் விஷ்ண
வே நம: । ஓம் ஹாம் ருத்ராய நம: । ஓம் ஹாம் மஹேஶ்வ
ராய நம: । இதி ஸம்பூஜ்ய ப்ராகாத்யஷ்டதிக்ஷு ஓம்
ஹாம் இந்த்ராய நம: । ஓம் ஹாம் அக்னயே நம: । ஓம் ஹாம்
யமாய நம: । ஓம் ஹாம் நிர்ருதயே நம: । ஓம் ஹாம் வரு
ணாய நம: । ஓம் ஹாம் வாயவே நம: । ஓம் ஹாம் ஸோமாய
நம: । ஓம் ஹாம் ஈஶாநாய நம இதி திக்பாலாந் ஸம்
பூஜ்ய அக்னிம் பயோக்னிகரணேந க்ரவ்யாதாம்ஶம் நிர்ருதி
தேஶே நிக்ஷிப்ய பரிஷிச்ய ப்ரஜ்வாலாக்னிம் த்யாயேத் த்யாநம் ॥

ஸப்தார்சிஷம் ச ஜம் ப்ரபம் த்ர்யக்ஷம் விஜ்ஞாநவக்ஷகம் ।
ஶிவாக்னிரூபஹாரபம் பரஶக்திகரம் பஜே ॥ இதி ॥

ஸ்ருவஸம்ஸ்காரசுத்தேருத்யப்ய ஸ்ருஜ்யாஸ்தாலீமந்த்ரேணஸம்
ஶோத்ய ஸ்ருஜ்யமாபூர்ய ப்ரதாப்ய தீர்யாஹிமந்த்ரேணாக்ஷ
நாஹௌ உபவிஷ்டே ஸ்ருவேணாஜ்யம் க்ரு
ஹீத்வா ஓம் ஹாம் ஹ்ருதயாய ஸ்வாஹேதி ஷோடஶஸங்க்யயா
ஹுத்வா அக்னயே ஸ்வாஹேதி ஷோடஶ ஸங்க்யயா
ஹுத்வா அக்ன ஆயாஹி வீதயே க்ருணாநோ ஹவ்யதாத
யே । நிஹோதா ஸத்ஸி பர்ஹிஷி ॥ தயா ப்ரணவேந
ஸ்வாஹாந்தம் பஞ்ச இத்யாதி ஹுத்வா உபரிதேவதாதேவா
நாம் ஹவிர்நிவேத்ய । அஷ்டதிக்ஷு இந்த்ராதீநாம் பலிம் தத்வா

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌪𑍂𑌰𑍍𑌣𑌾𑌜𑍍𑌯𑍇𑌨 𑌵𑍍𑌯𑌾𑌹𑍃𑌤𑌿𑌂 𑌹𑍁𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌾𑌗𑍍𑌨𑍀 𑌸𑌂𑌹𑌾𑌰𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑍃𑌷𑍍𑌟𑌯𑍇 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑍇𑌤𑌿 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌣𑌃 𑌪𑌰𑌿𑌷𑌿𑌚𑍍𑌯 𑌪𑌰𑌿𑌷𑍍𑌤𑌰𑌣𑍇𑌨 𑌸𑌂𑌹𑌾𑌰𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌸𑍃𑌷𑍍𑌟𑌿𑌕𑍍𑌰𑌮𑌾𑌸𑍍𑌯 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑍋𑌷𑍍𑌣𑍍𑌯𑌾𑌦𑌾𑌯 𑌦𑍇𑌵𑌸𑍍𑌯 𑌶𑌰𑍀𑌰𑍇 𑌨𑍍𑌯𑌸𑍇𑌤𑍍 ।

𑌇𑌤𑍍𑌯𑌗𑍍𑌨𑌿𑌕𑌾𑌰𑍍𑌯𑌵𑌿𑌧𑌿𑌸𑍍𑌸𑌂𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍍𑌤𑌃 ।

MADRAS SANSKRIT COLLEGE
No.........

## 𑌅𑌥 𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑍋𑌤𑍍𑌸𑌵𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 ॥

𑌤𑌤 𑌆𑌚𑌾𑌰𑍍𑌯𑌃 𑌪𑌰𑌿𑌜𑌨𑍈𑌸𑍍𑌸𑌾𑌰𑍍𑌧𑌂 𑌬𑌲𑌿𑌦𑌾𑌨𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌸𑌨𑍍𑌨𑌿𑌧𑌾𑌨𑌮𑍁𑌪𑌗𑌮𑍍𑌯 𑌸𑌾𑌨𑍍𑌤𑍍𑌯𑌾𑌵𑍇𑌷𑍍𑌟𑌿𑌤𑌾𑌗𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌆𑌸𑌨𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌗𑌾𑌯𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯𑌾𑌵𑌾𑌹𑍍𑌯 𑌶𑌕𑍍𑌤𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿 𑌕𑌲𑌾𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌵𑍇𑌦𑌹𑌸𑍍𑌤𑌤𑍍𑌰𑌿𑌣𑍇𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌚 𑌜𑌟𑌾𑌶𑍇𑌖𑌰𑌮𑌣𑍍𑌡𑌿𑌤𑌮𑍍 ।
𑌵𑌰𑌂 𑌶𑍂𑌲𑌂 𑌕𑌰𑍇 𑌵𑌾𑌮𑍇 𑌸𑌵𑍍𑌯𑍇 𑌪𑌰𑌶𑍍𑌵𑌧𑍀𑌤𑌿𑌕𑍌 ॥
𑌸𑌰𑍍𑌵𑌾𑌭𑌰𑌣𑌸𑌂𑌪𑍂𑌰𑍍𑌣𑌂 𑌵𑍍𑌯𑌾𑌘𑍍𑌰𑌚𑌰𑍍𑌮𑍋𑌤𑍍𑌤𑌰𑍀𑌯𑌕𑌮𑍍 ।
𑌵𑌾𑌮𑍇 𑌹𑍍𑌯𑍂𑌰𑍍𑌧𑍍𑌵𑌂 𑌶𑌿𑌵𑍇𑌨𑌾𑌙𑍍𑌕𑌂 𑌕𑌰𑍍𑌣𑌶𑍇𑌖𑌰𑌮𑌾𑌨𑍍𑌵𑌿𑌤𑌾𑌮𑍍 ।
𑌸𑌵𑍍𑌯𑌾𑌵𑌯𑌵𑌦𑍇𑌵𑍀𑌂 𑌚 𑌹𑍃𑌦𑍀𑌶𑌾𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑌾𑌮𑍍 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾𑌽𑌽𑌵𑌾𑌹𑌨𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌨𑌾𑌦𑌿𑌪𑌞𑍍𑌚𑍋𑌪𑌚𑌾𑌰𑍈𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌤𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌅𑌨𑍇𑌕𑌹𑌵𑍀𑌂𑌷𑌿 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌅𑌭𑌿𑌷𑍇𑌕𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌵𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌯𑌜𑍍𑌞𑍋𑌪𑌵𑍀𑌤𑌾𑌭𑌰𑌣𑌾𑌦𑌿𑌭𑌿𑌸𑍍𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌦𑍇𑌵𑌂 𑌰𑌙𑍍𑌗𑍋𑌪𑌰𑌿 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌦𑍀𑌪𑌂 𑌸𑌂𑌬𑌧𑍍𑌯 𑌦𑍇𑌵𑌦𑍇𑌵𑍍𑌯𑍌 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌨𑍈𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯𑌪𑌾𑌨𑍀𑌯𑌾𑌦𑍀𑌨𑌿 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌣𑍍𑌯𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 𑌅𑌷𑍍𑌟𑌦𑌿𑌕𑍍𑌪𑌾𑌲𑌾𑌦𑍍𑌯𑌾𑌵𑌰𑌣𑌪𑌰𑌿𑌜𑌨𑍈𑌶𑍍𑌚 𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍

𑌆𑌚𑌾𑌰𑍍𑌯𑍋𑌽𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌵𑌤𑍍 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌸𑌂𑌗𑍃𑌹𑍍𑌯 𑌹𑌵𑌿𑌸𑍍𑌸𑌹𑌿𑌤𑌪𑌰𑌿𑌵𑌾𑌰𑌕𑍇𑌣 𑌸𑌹 𑌬𑌲𑌿𑌂 𑌗𑍃𑌹𑍀𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌬𑌹𑌿𑌰𑍍𑌗𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌯𑌾𑌗𑌶𑌾𑌲𑌾𑌯𑌾𑌃 -

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

𑌸𑌵𑌿𑌦𑍍𑌵𑌜𑍍𑌜𑌨𑌵𑌾𑌚𑌕𑍇𑌭𑍍𑌯𑌃 𑌯𑌥𑌂 𑌆𑌰𑌭𑍍𑌯𑌾𑌯𑌶𑍍𑌰𑌯𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍋𑌤𑍍𑌤𑌰𑌯𑍋𑌃𑌶𑍇𑌷𑌂 𑌉𑌦𑌕𑌂 𑌵𑌿𑌸𑍃𑌜𑍍𑌯 𑌤𑌯𑍋𑌃 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑍇 𑌵𑌰𑍍𑌷𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌸𑌂𑌰𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯𑌾𑌵𑌕𑌾𑌶𑌂 𑌦𑍇𑌵𑌤𑌾𑌭𑍍𑌯𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌾𑌪𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥ 𑌸𑍍𑌮𑍃𑌤𑌿𑌃 —

𑌉𑌤𑍍𑌤𑌮𑌾𑌙𑍍𑌗𑌾𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌣𑌂 𑌚𑌿𑌤𑍍𑌰𑌯𑌂 𑌦𑌿𑌕𑍍𑌷𑍁 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍇𑌤𑍍 ।
𑌕𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌾𑌮𑌕𑌂 𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌗𑍃𑌹𑍀𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌵𑌾𑌰𑍁𑌣𑍀𑌃 ॥
𑌵𑍃𑌤𑍍𑌤𑌾𑌕𑌾𑌰𑌞𑍍𑌚 𑌦𑍇𑌵𑌾𑌨𑌾𑌂 𑌗𑌣𑌾𑌨𑌾𑌞𑍍𑌚 𑌦𑍇𑌵𑌤𑌾𑌃 ।
𑌭𑍂𑌤𑌾𑌨𑌾𑌂 𑌵𑌾𑌰𑍍𑌷𑌾𑌕𑌾𑌰𑌂 𑌶𑌕𑍍𑌤𑍀𑌨𑌾𑌂 𑌚𑌤𑍁𑌃𑌸𑌂𑌭𑌵𑍇𑌤𑍍 ॥
𑌮𑍁𑌨𑍀𑌨𑌾𑌂 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌨𑌿𑌰𑍍𑌣𑌯 𑌯𑌕𑍍𑌷𑌾𑌣𑌾𑌂 𑌮𑌹𑌰𑍍𑌷𑌿𑌦𑍇𑌵𑌤𑌾𑌃 ।
𑌰𑌕𑍍𑌷𑌸𑌾𑌂 𑌶𑌕𑌟𑌾𑌕𑌾𑌰𑌂 𑌵𑍈𑌶𑍍𑌵𑌾𑌵𑌂 𑌶𑌰𑍍𑌵𑌰𑍀𑌦𑍇𑌵𑌤𑌾𑌃 ॥

𑌮𑌾𑌨𑍁𑌷𑍍𑌯𑌜𑍍𑌞𑌾𑌨𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌬𑌲𑌿𑌦𑌾𑌨𑌂 𑌵𑌿𑌧𑍀𑌯𑌤𑍇 ।
𑌸𑌰𑍍𑌵𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌕𑌾𑌰𑍇𑌣 𑌬𑌲𑌿𑌂 𑌗𑍃𑌹𑍀𑌤𑍍𑌵𑌾

𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾

𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾

𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑌰𑌾𑌜𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 𑌇𑌤𑌿 𑌬𑌲𑌿𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾–
𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌦𑌣𑍍𑌡𑌿𑌨𑍇 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌮𑍁𑌣𑍍𑌡𑌿𑌨𑍇 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌈𑌶𑌵𑍃𑌷𑌭𑌾𑌗𑍍𑌰𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌵𑍃𑌷𑌭𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌤𑌤𑍍𑌪𑍃𑌷𑍍𑌠𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌸𑌂𑌵𑌰𑍍𑌤𑌭𑍂𑌤𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 ।
𑌇𑌤𑌿 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 । 𑌕𑍌𑌮𑌾𑌰𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌸𑌮𑌾𑌵𑍃𑌤𑌭𑍂𑌤𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌕𑌾𑌣𑍍𑌡𑌾𑌰𑌭𑍂𑌤𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌤𑌦𑍍𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌾𑌣𑍀𑌦𑍇𑌵𑍍𑌯𑍈 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌚𑌣𑍍𑌡𑌿𑌕𑌾𑌦𑍇𑌵𑍍𑌯𑍈 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌇𑌤𑍍𑌯𑍇𑌵𑌂 𑌬𑌲𑌿𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌤𑌤𑍍𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑌯𑍋𑌃
𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌵𑍀𑌰𑌭𑌦𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌇𑌤𑌿 𑌬𑌲𑌿𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌨𑍈𑌰𑍃𑌤𑍇

𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌦𑍇𑌵𑌦𑍇𑌹𑌭𑍂𑌤𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 ।
𑌤𑌤𑍍𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌮𑌹𑌾𑌗𑌣𑌪𑌤𑌯𑍇 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌈𑌶𑌾𑌨𑌵𑍃𑌷𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑍃𑌷𑌭𑌾𑌰𑍂𑌢𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌵𑌾𑌯𑌵𑍍𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑌿𑌂𑌹𑌾𑌰𑍂𑌢𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌤𑌤𑍍𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑍇 𑌓𑌂 𑌗𑌂 𑌗𑌣𑌾𑌰𑍂𑌢𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌤𑌸𑍍𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌚𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌜𑍍𑌯𑍇𑌷𑍍𑌠𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌗𑌜𑌾𑌰𑍂𑌢𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌤𑌦𑍍𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑌓𑌂 𑌦𑍁𑌂 𑌦𑍁𑌰𑍍𑌗𑌾𑌯𑍈 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌤𑌤𑍍𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑌪𑍍𑌤𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌨𑍈𑌰𑍃𑌤𑍍𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌜𑍍𑌞𑌾𑌰𑍂𑌢𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌇𑌤𑍍𑌯𑍇𑌵𑌂 𑌬𑌲𑌿𑌂 𑌦𑌦𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 ॥

𑌅𑌥 𑌦𑍍𑌵𑌿𑌤𑍀𑌯𑌾𑌵𑍃𑌤𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌦𑍍𑌵𑌾𑌰𑌸𑍍𑌯 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍋𑌤𑍍𑌤𑌰𑌯𑍋𑌃 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌕𑍃𑌶𑍋𑌦𑌰𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 । 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌶𑍋𑌦𑌰𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 । 𑌦𑍍𑌵𑌿𑌤𑍀𑌯𑌵𑍃𑌷𑌭𑌾𑌗𑍍𑌰𑍇 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑌾𑌭𑌿𑌮𑍁𑌖𑌂 𑌤𑌦𑍍𑌵𑍃𑌷𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌲𑌂 𑌇𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 𑌇𑌤𑌿 𑌬𑌲𑌿𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌯𑌚𑍍𑌚𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰 𑌶𑍍𑌰𑍁𑌤𑌿𑌜𑍍𑌞𑌾𑌨𑌸𑌹𑌿𑌤𑌤𑌾𑌽𑌦𑍍𑌧𑌾𑌽𑌨𑍁𑌤𑍍𑌤𑌵𑌾𑌦𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿 𑌵𑌿𑌜𑍍𑌞𑌾𑌪𑌯𑍇𑌤𑍍 𑌇𑌤𑍍𑌯𑍀𑌶𑌾𑌨𑌾𑌯 𑌬𑌲𑌿𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌤𑌸𑍍𑌯 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 𑌇𑌤𑌿 𑌬𑌲𑌿𑌮𑍍𑌦𑌦𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 ॥

𑌅𑌥 𑌤𑍃𑌤𑍀𑌯𑌾𑌵𑌰𑌣𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌦𑍍𑌵𑌿𑌤𑍀𑌯𑌾𑌵𑌰𑌣𑍇 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌾𑌵𑍃𑌤𑍍 । 𑌨𑍈𑌰𑍃𑌤𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑌵𑍇 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌨𑍈𑌶𑌾𑌨𑍍𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌣𑍇 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌇𑌤𑍍𑌯𑍇𑌵𑌂 𑌬𑌲𑌿𑌂 𑌦𑌦𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 ॥

𑌤𑌤𑌃 𑌸𑌪𑍍𑌤𑌮𑌸𑍍𑌯 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑌦𑍇𑌶𑍇 𑌪𑍌𑌰𑌾𑌣𑍍𑌤𑌰𑌾𑌲𑌿𑌂𑌗𑌂 𑌨𑍀𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌅𑌗𑍍𑌨𑌿𑌦𑌿𑌕𑍇𑌨 𑌪𑍀𑌠𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌕𑍍𑌷𑌾𑌲𑍍𑌯 𑌅𑌷𑍍𑌟𑌾𑌵𑌰𑌣𑌾𑌦𑌿𑌕𑌾 𑌇𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌾𑌦𑌿 𑌦𑍇𑌵𑌤𑌾𑌸𑍍𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌤𑌦𑍍𑌵𑌹𑌿 𑌵𑌹𑍍𑌨𑌿𑌕𑍋𑌣𑍇 𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑌦𑍇𑌶𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌣𑍇 𑌨𑌮𑌃। 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑍇𑌶𑌾𑌨𑌯𑍋𑌰𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌤𑌿𑌕𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃 । 𑌈𑌶𑌾𑌨𑍇𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌯𑍋𑌰𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । 𑌇𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌾𑌗𑍍𑌨𑍍𑌯𑍋𑌰𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌅𑌶𑍍𑌵𑌿𑌨𑍀𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌨𑌮𑌃 । 𑌯𑌮𑌾𑌗𑍍𑌨𑍍𑌯𑍋𑌰𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌵𑌸𑍁𑌦𑍇𑌵𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃। 𑌯𑌮𑌨𑌿𑌰𑍃𑌤𑍍𑌯𑍋𑌰𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌪𑌿𑌤𑍃𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃 । 𑌨𑌿𑌰𑍃𑌤𑌿𑌵𑌰𑍁𑌣𑌯𑍋𑌰𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌰𑍋𑌗𑌗𑌣𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃 । 𑌵𑌰𑍁𑌣𑌵𑌾𑌯𑍍𑌵𑍋𑌰𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌮𑌰𑍁𑌦𑍍𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃 । 𑌵𑌾𑌯𑍁𑌸𑍋𑌮𑌯𑍋

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌪𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃। 𑌸𑍋𑌮𑍇𑌶𑌾𑌨𑌯𑍋𑌰𑍍𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃। 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑌯𑍇𑌤𑍍॥

𑌅𑌥 𑌪𑍀𑌠𑌬𑌾𑌹𑍍𑌯𑍇 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌚𑌿 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌪𑌿𑌶𑌾𑌚𑌗𑌣𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃। 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌯𑌕𑍍𑌷𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃। 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌰𑌕𑍍𑌷𑍋𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃। 𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌗𑌨𑍍𑌧𑌰𑍍𑌵𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃। 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑍋𑌤𑍍𑌤𑌰𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌭𑍂𑌤𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃। 𑌇𑌤𑌿 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌤𑌦𑍍𑌬𑌹𑌿 𑌦𑍍𑌵𑌾𑌰𑌾𑌷𑍍𑌟𑌕𑍇 𑌅𑌷𑍍𑌟𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑍀𑌸𑍍𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍॥

𑌤𑌤𑌃 𑌕𑍁𑌣𑍍𑌡𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇- 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌅𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾। 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌦𑌲𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌆𑌮𑍋𑌦𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾। 𑌯𑌾𑌮𑍍𑌯𑌦𑌲𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌮𑍋𑌦𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾। 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑌦𑌲𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑍁𑌮𑍁𑌖𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾। 𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑌦𑌲𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌦𑍁𑌰𑍍𑌮𑍁𑌖𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾। 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌦𑌲𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑌹𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇 𑌨𑌮𑌃। 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑌯𑍇𑌤𑍍॥

𑌏𑌵𑌂 𑌦𑍇𑌵𑌦𑍇𑌵𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑍋𑌽𑌨𑍍𑌤𑍇𑌨 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 𑌇𑌤𑌿 𑌬𑌲𑌿𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌨𑌾𑌸𑌿𑌕𑍇 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌣𑌾𑌖𑍍𑌯𑌂 𑌬𑌲𑌿𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌯𑌜𑍍𑌞𑍋𑌪𑌵𑍀𑌤𑌾𑌦𑍍𑌯𑌾𑌭𑌰𑌣𑌾𑌨𑌿 𑌦𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌅𑌨𑌨𑍍𑌤𑌰𑌂 𑌪𑍀𑌠𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌿𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌤𑌸𑍍𑌮𑌿𑌨𑍍 𑌵𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌨𑌿𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍍𑌯 𑌬𑌲𑌿𑌦𑍇𑌵𑌂 𑌯𑌥𑌾𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑌂 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌶𑍍𑌯𑌾𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 𑌨𑍈𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯 𑌯𑌜𑍍𑌞𑍋𑌪𑌵𑍀𑌤𑌾𑌦𑍍𑌯𑌾𑌭𑌰𑌣𑌾𑌨𑌿 𑌦𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌸𑌰𑍍𑌵𑍋𑌪𑌚𑌾𑌰𑌾𑌂𑌶𑍍𑌚 𑌵𑌿𑌜𑍍𑌞𑌾𑌪𑌯𑍇𑌤𑍍।

## 𑌬𑌲𑌿𑌪𑍀𑌠𑌪𑍍𑌰𑌮𑌾𑌣𑌮𑍍॥

“ 𑌉𑌪𑌾𑌨𑌂 𑌪𑌾𑌦𑌨𑌾𑌮𑌾𑌙𑍍𑌗𑌂 𑌜𑌗𑌤𑍍𑌯𑌾𑌯𑌾𑌮𑌵𑍃𑌤𑍍𑌤𑌕𑌃।
𑌅𑌰𑍍𑌧𑌾𑌰𑍍𑌧𑌂 𑌭𑌦𑍍𑌰𑌤𑌾𑌰𑌂 𑌚 𑌕𑌣𑍍𑌠𑌂 𑌰𑌾𑌕𑍍𑌷𑌸𑌮𑍇𑌵 𑌚॥
𑌪𑌦𑍍𑌮𑌿𑌕𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌬𑌹𑌿𑌃𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑍍𑌯𑌾 𑌕𑍃𑌤𑌂 𑌤𑌸𑍍𑌯 𑌗𑌣𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌮𑍍।
𑌤𑌤𑍍𑌪𑌞𑍍𑌚𑌾𑌶𑌦𑍍𑌭𑌿𑌃𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑍍𑌯𑌾 𑌕𑍃𑌤𑌂 𑌶𑌤𑌾𑌰𑍍𑌧𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌮𑌾𑌣𑍋𑌦𑌿𑌤𑌮𑍍॥”
𑌇𑌤𑌿॥

“ 𑌅𑌰𑍍𑌘𑌮𑌣𑍍𑌡𑌲𑌂 1 𑌪𑌙𑍍𑌕𑍍𑌤𑌿 𑌨𑌾𑌸𑌾𑌵𑌿 2 𑌨𑌯𑌨𑌦𑌶𑌕𑌣𑍍𑌠𑌦𑌶

1 𑌜𑍋𑌷𑍀 𑌇𑌤𑌿 𑌪𑌾𑌠𑌭𑍇𑌦𑌃॥ 2 𑌨𑌾𑌸𑌾 𑌇𑌤𑌿 𑌪𑌤𑌿𑌤𑌪𑍍𑌯𑌾𑌮𑍍॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



[illegible] । [illegible]
[illegible] 𑌭𑍂𑌤𑌬𑌲𑌿[illegible] ” 𑌇𑌤𑌿 ॥

𑌆𑌮𑍋𑌦𑌶𑍍𑌚 𑌪𑍍𑌰𑌮𑍋𑌦𑌶𑍍𑌚 𑌸𑍁𑌮𑍁𑌖𑍋 𑌦𑍁𑌰𑍍𑌮𑍁𑌖𑌸𑍍𑌤𑌥𑌾 ।
𑌅𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑍋 𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑌹𑌰𑍍𑌤𑌾𑌰𑌷𑍍𑌷𑌡𑍇𑌤𑍇 𑌭𑍂𑌤𑌨𑌾𑌯𑌕𑌾𑌃 ॥

### 𑌅𑌥𑌾𑌷𑍍𑌟𑌬𑌲𑌿𑌃 ॥

𑌦𑍈𑌵𑌿𑌕𑌂 𑌚𑍈𑌵 [illegible]𑌨𑌾𑌮𑌿𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌾𑌦𑍀𑌨𑌾𑌂 𑌚 𑌮𑌾𑌨𑍁𑌷𑌮𑍍 ।
𑌭𑍂𑌤𑌾𑌦𑍀𑌨𑌾𑌂 𑌸𑍍𑌵𑌯𑌂 𑌭𑍂𑌤𑌂 [illegible]𑌪𑌰𑌿𑌵𑌾𑌰𑌕𑍇 ॥
𑌪𑌶𑍂𑌨𑌾𑌂 [illegible] 𑌚𑍈𑌵 𑌯𑌕𑍍𑌷𑌾𑌦𑍀𑌨𑌾𑌂 𑌚 𑌰𑌾𑌕𑍍𑌷𑌸𑌮𑍍 ।
[illegible] ॥

### 𑌅𑌥 𑌦𑍈𑌵𑌯𑌜𑍍𑌞𑌬𑌲𑌿𑌃 ॥

𑌭𑌵𑌶𑍍𑌶𑌰𑍍𑌵𑌸𑍍𑌤𑌥𑍇𑌶𑌾𑌨𑌃 𑌪𑌶𑍁𑌪𑌤𑍍𑌯𑍁𑌗𑍍𑌰𑍌 𑌸𑍍𑌮𑍃𑌤𑍌 ।
𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑍋 𑌭𑍀𑌮𑍋 𑌮𑌹𑌾𑌦𑍇𑌵𑍋 𑌹𑍍𑌯𑌷𑍍𑌟𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌿𑌰𑌿𑌤𑌿 𑌸𑍍𑌮𑍃𑌤𑌃 ॥

### 𑌅𑌥 𑌮𑌾𑌨𑍁𑌷𑌯𑌜𑍍𑌞𑌬𑌲𑌿𑌃 ॥

𑌇𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌶𑍍𑌚𑍈𑌵 𑌵𑌹𑍍𑌨𑌿𑌶𑍍𑌚 𑌯𑌮𑌶𑍍𑌚 𑌨𑌿𑌰𑍃𑌤𑌿𑌸𑍍𑌤𑌥𑌾 ॥
𑌵𑌰𑍁𑌣𑍋 𑌵𑌾𑌯𑍁𑌸𑍋𑌮𑍇𑌶𑍌 𑌲𑍋𑌕𑍇𑌶𑌾 𑌬𑌲𑌿𑌨𑌾𑌯𑌕𑌾𑌃 ।

### 𑌅𑌥 [illegible]𑌯𑌜𑍍𑌞𑌬𑌲𑌿𑌃 ॥

𑌉𑌨𑍍𑌮𑌤𑍍𑌤𑌃 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌦𑌿𑌗𑍍𑌭𑌾𑌗𑍇 𑌚𑌤𑍁𑌰𑍍𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑍋𑌽𑌗𑍍𑌨𑌿𑌗𑍋𑌚𑌰𑍇 ।
𑌕𑍁𑌣𑍍𑌡𑍋𑌦𑌰𑍋 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑌚 𑌨𑍈𑌰𑍃𑌤𑍍𑌯𑌾𑌂 [illegible] ।
𑌵𑌾𑌰𑍁𑌣𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌸𑌿𑌂𑌹𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌶𑍍𑌚 𑌵𑌾𑌯𑌵𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌚 𑌹𑍍𑌯𑌯𑍋𑌮𑍁𑌖𑌃 ॥
𑌸𑍋𑌮𑍇 𑌚 [illegible] 𑌐𑌶𑌾𑌨𑍍𑌯𑌾𑌂 [illegible]𑌵𑌾𑌹𑌕𑌃 ।
𑌇𑌤𑍍𑌯𑌷𑍍𑌟𑌭𑍂𑌤𑌾𑌨𑌾𑌂 𑌪𑌰𑌿𑌵𑌾𑌰𑍇 𑌬𑌲𑌿𑌂 𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍇𑌤𑍍 ॥

### 𑌅𑌥𑌾[illegible]𑌯𑌜𑍍𑌞𑌬𑌲𑌿𑌃 ॥

𑌵𑍃𑌷𑌂 𑌚 [illegible] 𑌬𑍍𑌰𑌾𑌹𑍍𑌮𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌶𑌕𑍍𑌤𑍀𑌃 𑌗𑌣𑌪𑌂 𑌕𑍁𑌮𑌾𑌰𑌂 । 𑌜𑍍𑌯𑍇𑌷𑍍𑌠𑌾𑌂 𑌚 𑌦𑍁𑌰𑍍𑌗𑌾𑌂 [illegible] 𑌤𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀[illegible] 𑌬𑌲𑌿𑌪𑍀𑌠[illegible] ॥

---

1 [illegible] 𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑍇𑌶 𑌸𑍁𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌣𑍍𑌯 𑌜𑍍𑌯𑍇𑌷𑍍𑌠𑌾𑌦𑍁𑌰𑍍𑌗𑌾 𑌚𑌣𑍍𑌡𑍇𑌶𑌾𑌨𑌾𑌂 𑌪𑌰𑌿𑌵𑌾𑌰 [illegible] ॥

In Public domain, Digitization Muthulakshmi Research Academy

## 𑌅𑌥 𑌬𑌾𑌣𑌲𑌿𑌙𑍍𑌗𑌬𑌲𑌿𑌃 ॥

𑌧𑌰𑍍𑌮𑍋𑌽𑌰𑍍𑌥𑌶𑍍𑌚 𑌕𑌾𑌮𑌶𑍍𑌚 𑌮𑍋𑌕𑍍𑌷𑌶𑍍𑌚𑍈𑌵𑌾𑌭𑌿𑌵𑌰𑍍𑌧𑌨𑌃 ।
[illegible] 𑌤𑌥𑍈𑌵 𑌚 ॥

## 𑌅𑌥 𑌰𑌾𑌕𑍍𑌷𑌸𑌲𑌿𑌙𑍍𑌗𑌬𑌲𑌿𑌃 ॥

𑌯𑌕𑍍𑌷𑌰𑌾𑌕𑍍𑌷𑌸 𑌪𑍈𑌶𑌾𑌚 𑌸𑌿𑌦𑍍𑌧𑌵𑌿𑌦𑍍𑌯𑌾𑌧𑌰𑌾𑌸𑍍𑌤𑌥𑌾 ।
𑌕𑌿𑌨𑍍𑌨𑌰𑌾𑌃 𑌕𑌿𑌮𑍍𑌪𑍁𑌰𑍁𑌷𑌾𑌶𑍍𑌚 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌸𑌿𑌦𑍍𑌧𑌾𑌶𑍍𑌚 𑌕𑍀𑌰𑍍𑌤𑌿𑌤𑌾𑌃 ॥

## 𑌅𑌥 𑌦𑌿𑌵𑍍𑌯𑌲𑌿𑌙𑍍𑌗𑌬𑌲𑌿𑌃 ॥

𑌅𑌨𑌨𑍍𑌤𑍇𑌶𑌸𑍍𑌤𑌥𑌾 𑌸𑍂𑌕𑍍𑌷𑍍𑌮𑌶𑍍𑌶𑌿𑌵𑍋𑌤𑍍𑌤𑌮𑍈𑌕 𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑌕𑍌 ।
𑌏𑌕𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌿𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌿𑌶𑍍𑌚 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌕𑌣𑍍𑌠𑌶𑍍𑌚 𑌶𑌿𑌖𑌣𑍍𑌡𑌿𑌨𑌃 ॥
𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌞𑍍𑌚 𑌹𑍋𑌮𑌞𑍍𑌚 𑌪𑌰𑌿𑌵𑌾𑌰𑌾𑌰𑍍𑌚𑌨𑌂 𑌬𑌲𑌿𑌮𑍍 ।
𑌤𑍍𑌰𑌿𑌕𑌾𑌲𑍇𑌷𑍁 [illegible] 𑌵𑌰𑍍𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

## 𑌅𑌥 𑌬𑌲𑌿𑌪𑍍𑌰𑌮𑌾𑌣𑌮𑍍 ॥

𑌉𑌤𑍍𑌤𑌮𑌂 [illegible] 𑌪𑍍𑌰𑌸𑍍𑌥𑌂 𑌮𑌧𑍍𑌯𑌮𑌂 [illegible] ।
[illegible] 𑌬𑌲𑌿𑌮𑌾𑌨𑌕𑌮𑍍 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑍋𑌤𑍍𑌸𑌵𑌵𑌿𑌧𑌿𑌸𑍍𑌸𑌮𑌾𑌪𑍍𑌤𑌃 ॥

---

## 𑌅𑌥 𑌪𑌾𑌦𑍁𑌕𑌾𑌰𑌾𑌧𑌨𑌮𑍍 ॥

𑌅𑌥 𑌪𑌾𑌦𑍁𑌕𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌾𑌯 [illegible] 𑌪𑌾𑌦𑍁𑌕𑌾𑌨𑌾𑌥𑌂 [illegible] ॥

[illegible] 𑌪𑌾𑌦𑍁𑌕𑍇𑌶𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌣𑍇𑌤𑍍𑌰𑌕𑌮𑍍 ।
𑌪𑌾𑌶𑌾𑌙𑍍𑌕𑍁𑌶𑌧𑌰𑌂 𑌦𑍇𑌵𑌂 [illegible] ॥
[illegible] 𑌪𑍀𑌤𑌵𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌧𑌰𑌂 [illegible] ।
𑌪𑌾𑌦𑍁𑌕𑌾[illegible] 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌦𑍇𑌵𑌂 𑌵𑌿𑌭𑌾𑌵𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 [illegible] 𑌪𑌾𑌦𑍁𑌕𑌾𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 [illegible] 𑌨𑍈𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌧𑍂𑌪𑌦𑍀𑌪𑌾𑌵𑌸𑌾𑌨𑌿𑌕𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌿𑌤𑌾𑌂 𑌪𑌰𑌿𑌚𑌾𑌰𑌕𑌶𑌿𑌰𑌸𑌿 𑌆𑌧𑌿𑌰𑍋𑌪𑍍𑌯 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌵𑌾𑌦𑍍𑌯𑌪𑍁𑌰𑌸𑍍𑌸𑌰𑌂 𑌦𑍇𑌵𑌾𑌗𑍍𑌰𑍇 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌕𑍂𑌰𑍍𑌚𑌾𑌯𑍁𑌃 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑍇𑌷𑍍𑌵𑌪𑍍𑌸𑍁 𑌪𑍁𑌷𑍍𑌪𑍇𑌣 𑌆𑌚𑌮𑍋𑌦𑌕𑌂 𑌵𑌿𑌸𑍃𑌜𑍇𑌤𑍍 ।

𑌤𑌨𑍍𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌯𑌥𑌾 — 𑌗𑍁𑌹𑍍𑌯𑌾𑌤𑌿𑌗𑍁𑌹𑍍𑌯𑌗𑍋𑌪𑍍𑌤𑌾 𑌤𑍍𑌵𑌂 𑌗𑍃𑌹𑌾𑌣𑌾𑌸𑍍𑌮𑌤𑍍𑌕𑍃𑌤𑌂 𑌜𑌪𑌮𑍍 । 𑌸𑌿𑌦𑍍𑌧𑌿𑌰𑍍𑌭𑌵𑌤𑍁 𑌮𑍇 𑌦𑍇𑌵 𑌤𑍍𑌵𑌤𑍍𑌪𑍍𑌰𑌸𑌾𑌦𑌾𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌯𑌿 𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑍇 ।

𑌯𑌤𑍍𑌕𑌿𑌞𑍍𑌚𑌿𑌤𑍍𑌕𑍁𑌰𑍍𑌮𑌹𑍇 𑌦𑍇𑌵 𑌸𑌦𑌾 𑌸𑍁𑌕𑍃𑌤𑌦𑍁𑌷𑍍𑌕𑍃𑌤𑌮𑍍 ।
𑌤𑌨𑍍𑌮𑍇 𑌶𑌿𑌵𑌪𑌦𑌸𑍍𑌥𑌸𑍍𑌯 𑌭𑍁𑌙𑍍𑌕𑍍𑌷𑍍𑌵 𑌕𑍍𑌷𑌪𑌯 𑌶𑌙𑍍𑌕𑌰 ॥
𑌶𑌿𑌵𑍋 𑌦𑌾𑌤𑌾 𑌶𑌿𑌵𑍋 𑌭𑍋𑌕𑍍𑌤𑌾 𑌶𑌿𑌵𑌸𑍍𑌸𑌰𑍍𑌵𑌮𑌿𑌦𑌂 𑌜𑌗𑌤𑍍 ।
𑌶𑌿𑌵𑍋 𑌯𑌜𑌤𑌿 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌤𑍍𑌰 𑌯𑌶𑍍𑌶𑌿𑌵𑌸𑍍𑌸𑍋𑌽𑌹𑌮𑍇𑌵 𑌤𑍁 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌶𑌿𑌵𑌸𑍍𑌯 𑌵𑌰𑌦𑌹𑌸𑍍𑌤𑍇 𑌆𑌚𑌮𑍋𑌦𑌕𑌂 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑌯𑍇𑌤𑍍। 𑌕𑍃𑌤𑌾𑌨𑌂 𑌚 𑌜𑌪𑌂 𑌕𑌰𑍍𑌤𑍁 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌹𑌸𑍍𑌤𑍇 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑌯𑍇𑌤𑍍। 𑌉𑌕𑍍𑌤𑌞𑍍𑌚 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌦𑌤𑍍𑌤𑌾𑌰𑌣𑍇 𑌕𑌿𑌙𑍍𑌕𑌿𑌣𑍀𑌶𑍇𑌷𑍇𑌣 । 𑌅𑌙𑍍𑌗𑌮𑍇 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌂 𑌹𑌸𑍍𑌤𑌂 𑌨𑌿𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍍𑌯, 𑌪𑌤𑍍𑌰𑌾𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌜𑌲𑌮𑍍 । 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌂 𑌵𑌾𑌰𑌿 𑌗𑍃𑌹𑍀𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌤𑍁 𑌪𑌾𑌦𑍁𑌕𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌆𑌚𑌮𑍋𑌦𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌵𑍍𑌯𑌾𑌪𑌂 𑌪𑍁𑌰𑌾𑌣𑍇 𑌤𑍁 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌪𑌯𑍇𑌤𑍍। 𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌿𑌤𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌜𑌗𑌨𑍍𑌨𑌾𑌥 𑌧𑌾𑌵𑌤𑍍𑌪𑍂𑌜𑌾𑌵𑌸𑌾𑌨𑌕𑌮𑍍 । 𑌤𑌾𑌵𑌤𑍍 𑌤𑍍𑌵𑌂 𑌪𑍍𑌰𑍀𑌤𑌿𑌭𑌾𑌵𑍇𑌨 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌽𑌸𑍍𑌮𑌿𑌨𑍍 𑌸𑌨𑍍𑌨𑌿𑌧𑌿𑌭𑌵𑌤𑌿𑌤𑍍𑌯𑍇𑌣 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌰𑍍𑌥𑍍𑌯 𑌤𑌦𑍍𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑍇 𑌦𑍇𑌵𑌂 𑌕𑍍𑌷𑌤𑌸𑍍𑌵𑌸𑍍𑌤𑍍𑌯𑍇𑌷𑍁 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑍇𑌷𑍍𑌵𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌾𑌹𑍍𑌣𑍇 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑍁𑌂 𑌤𑍁 𑌮𑌧𑍍𑌯𑌾𑌹𑍍𑌨𑍇 𑌚𑌾𑌨𑌿𑌷𑍍𑌣𑍁𑌕𑌮𑍍 ।
𑌸𑌾𑌯𑌾𑌹𑍍𑌨𑍇 𑌚𑌾𑌕𑍍𑌷𑌤𑌂 𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑍁𑌂 𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑍁𑌤𑍍𑌰𑌯𑌮𑌿𑌹𑍋𑌚𑍍𑌯𑌤𑍇 ॥

𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌿𑌤𑍋𑌪𑌰𑌿 𑌪𑍂𑌜𑌿𑌤𑍇𑌨 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌪𑌾𑌶𑍁𑌪𑌤𑍇𑌨𑌾𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌸𑍍𑌯 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌚𑌤𑍁𑌰𑍍𑌮𑍁𑌖𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌣𑍇𑌤𑍍𑌰𑌞𑍍𑌚 𑌜𑌟𑌾𑌮𑌕𑍁𑌟𑌮𑌣𑍍𑌡𑌿𑌤𑌮𑍍 ।
𑌹𑌰𑌿𑌣𑍀𑌟𑌙𑍍𑌕𑌸𑌂𑌧𑌾𑌕𑍍𑌤𑌮𑌹𑍀𑌤𑌿𑌪𑌰𑌦𑌾𑌨𑌿𑌤𑌮𑍍 ॥
𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌯𑌜𑍍𑌞𑍋𑌪𑌵𑍀𑌤𑌞𑍍𑌚 𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌮𑌾𑌲𑌾𑌵𑌿𑌭𑍂𑌷𑌿𑌤𑌮𑍍 ।

𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌕𑍃𑌪𑌾𑌹𑌨𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌨𑍈𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯𑌧𑍂𑌪𑌦𑍀𑌪𑌾𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌾𑌣𑌿 𑌦𑌦𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

𑌅𑌥 𑌸𑌂𑌹𑌿𑌤𑌯𑌾𑌽𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌮𑌿𑌕𑌾𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌾𑌵𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌶𑌾𑌖𑌯𑍋𑌶𑍍𑌶𑌿𑌰𑌸𑌿 𑌵𑌾 𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌯𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌅𑌨𑍍𑌤𑌰𑌾𑌵𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑌂 𑌪𑌕𑍍𑌷 𑌪𑌾𑌤𑍇𑌽𑌭𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯𑌾𑌯𑌂 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌦𑍇𑌣𑌾𑌪𑍃𑌤𑌂 𑌪𑍃𑌷𑍍𑌠𑌸𑍍𑌥𑌸𑍍𑌯 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑍍𑌯 𑌈𑌶𑍍𑌵𑌰𑍇 𑌜𑌪𑌂 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌅𑌥 𑌸𑌪𑌰𑌿𑌵𑌾𑌰𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌤𑍍𑌰𑌯𑌂 𑌗𑍀𑌤𑌵𑌾𑌦𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌭𑌿𑌃 𑌶𑌙𑍍𑌖𑌨𑍃𑌤𑍍𑌤𑌂 𑌕𑌾𑌰𑌯𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌦𑍇𑌶𑌿𑌕𑌶𑍍𑌶𑌿𑌵𑌦𑍇𑌵𑌦𑍈𑌤𑍍𑌯 𑌵𑌿𑌧𑌿𑌵𑌤𑍍 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌨𑌮𑌸𑍍𑌕𑌾𑌰𑌸𑍍𑌤𑍋𑌤𑍍𑌰𑌜𑌪𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌾𑌨𑌿 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌶𑌿𑌵𑌦𑍇𑌵𑌂 𑌪𑌰𑌿𑌪𑍂𑌰𑍍𑌣𑌪𑍂𑌜𑍋𑌪𑌦𑍇𑌶𑌸𑍍𑌵𑌰𑍍𑌗𑌂 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯 𑌨𑌿𑌰𑍍𑌮𑌾𑌲𑍍𑌯𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌤𑌿𑌰𑌸𑍍𑌕𑌰𑌿𑌣𑍀𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌬𑌹𑌿𑌰𑍍𑌗𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌚𑌣𑍍𑌡𑌾𑌲𑌯𑌂 𑌗𑌚𑍍𑌛𑍇𑌤𑍍 ।

𑌇𑌤𑌿 𑌪𑌾𑌦𑍁𑌕𑌾𑌰𑌾𑌯𑌣 𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 ॥

---

## 𑌅𑌥 𑌚𑌣𑍍𑌡𑌪𑍂𑌜𑌾𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 ॥

𑌤𑌤𑌶𑍍𑌚𑌣𑍍𑌡𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌾𑌶𑍍𑌰𑌯𑌂 𑌗𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌦𑍇𑌵𑌸𑍍𑌯 𑌨𑌿𑌰𑍍𑌮𑌾𑌲𑍍𑌯𑌮𑌾𑌨𑍀𑌯 𑌤𑌦𑌗𑍍𑌰𑍇 𑌤𑌾𑌨𑌿 𑌸𑌂𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌚𑌣𑍍𑌡𑌬𑌿𑌮𑍍𑌬𑌂 𑌶𑌙𑍍𑌖𑍋𑌦𑌕𑍇𑌨𑌾𑌭𑌿𑌷𑌿𑌚𑍍𑌯 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌧𑍍𑌵𑌨𑌿𑌚𑌣𑍍𑌡𑌾𑌸𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌧𑍍𑌵𑌨𑌿𑌚𑌣𑍍𑌡𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 । 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌾𑌸𑌨𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑍀 𑌅𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌤𑍍𑌰𑌿𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌪𑍀𑌤𑌵𑌰𑍍𑌣𑌂 𑌚 𑌜𑌟𑌾𑌮𑌕𑍁𑌟𑌮𑌣𑍍𑌡𑌿𑌤𑌮𑍍 ।
𑌵𑌰𑌶𑍂𑌲𑌂 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌹𑌸𑍍𑌤𑍇 𑌤𑍁 𑌟𑌙𑍍𑌕𑌂 𑌹𑌸𑍍𑌤𑍇 𑌤𑍁 𑌵𑌾𑌮𑌤𑌃 ।
1 𑌲𑌮𑍍𑌬𑌿𑌤𑌂 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌂 𑌪𑌾𑌦𑌂 𑌶𑌯𑌿𑌤𑌂 𑌵𑌾𑌮𑌪𑌾𑌦𑌕𑌮𑍍 ।
𑌯𑌜𑍍𑌞𑌸𑍂𑌤𑍍𑌰𑌾𑌦𑌿𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌤𑌂 𑌚𑌣𑍍𑌡𑍇𑌶𑌂 𑌸𑌮𑌾𑌶𑍍𑌰𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌧𑍍𑌵𑌨𑌿𑌚𑌣𑍍𑌡𑌾𑌯 𑌨𑌮 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌾𑌵𑌾𑌹𑍍𑌯 𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌨𑌾𑌦𑌿𑌯𑍋𑌗𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌰𑍍𑌶𑍍𑌯 𑌨𑍈𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌭𑌿𑌰𑌭𑌿𑌷𑌿𑌚𑍍𑌯 𑌵𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌗𑌨𑍍𑌧𑌪𑍁𑌷𑍍𑌪𑌦𑍀𑌪𑌾𑌦𑌿𑌭𑌿𑌸𑍍𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌅𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌧𑍍𑌵𑌨𑌿𑌚𑌣𑍍𑌡𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌾𑌯 𑌹𑍁𑌂𑌫𑌟𑍍𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾𑌃। 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 𑌅𑌨𑍁𑌜𑍍𑌞𑌾𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑌾𑌰𑍍𑌥𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

---

(1) 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌂 𑌲𑌮𑍍𑌬𑌿𑌤𑌾𑌨𑍍𑌯𑌾𑌙𑍍𑌘𑍍𑌰𑌿𑌶𑍍𑌶𑌿𑌖𑌿𑌸𑌂𑌭𑌵𑌮𑍍 ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌤𑌦𑍍𑌯𑌥𑌾। 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌚𑌣𑍍𑌡𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌾𑌯 𑌹𑍃𑌦𑌯𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃।
𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌚𑌣𑍍𑌡𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌾𑌯 𑌶𑌿𑌰𑌸𑍇 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾।
𑌓𑌂 𑌹𑍂𑌂 𑌚𑌣𑍍𑌡𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌾𑌯 𑌶𑌿𑌖𑌾𑌯𑍈 𑌵𑌷𑌟𑍍।
𑌓𑌂 𑌹𑍈𑌂 𑌚𑌣𑍍𑌡𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌾𑌯 𑌕𑌵𑌚𑌾𑌯 𑌹𑍁𑌂।
𑌓𑌂 𑌹𑍌𑌂 𑌚𑌣𑍍𑌡𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌵𑍌𑌷𑌟𑍍।
𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌚𑌣𑍍𑌡𑌾𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌫𑌟𑍍।

𑌇𑌤𑍍𑌯𑌙𑍍𑌗𑌾𑌨𑌿 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌦𑍇𑌵𑌸𑍍𑌯𑌾𑌹𑍍𑌵𑌾𑌨𑌾𑌦𑌿 𑌨𑌿𑌰𑍍𑌮𑌾𑌲𑍍𑌯𑌤𑌾𑌮𑍍𑌬𑍂𑌲𑌾𑌦𑌿𑌕𑌂 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯 𑌧𑍂𑌪𑌦𑍀𑌪𑌾𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌾𑌣𑌿 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌸𑌰𑍍𑌵𑍋𑌪𑌚𑌾𑌰𑌾𑌨𑍍𑌤𑍁 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌰𑍍𑌥𑌯𑍇𑌤𑍍॥

𑌚𑌣𑍍𑌡𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰 𑌮𑌹𑌾𑌭𑌾𑌗 𑌶𑌿𑌵𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌪𑌰𑌾𑌯𑌣।
𑌨𑌿𑌰𑍍𑌮𑌾𑌲𑍍𑌯𑌭𑍋𑌜𑌨𑌂 𑌤𑍁𑌭𑍍𑌯𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌤𑍍𑌤𑌂 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌜𑍍𑌞𑌯𑌾॥

𑌇𑌤𑍍𑌯𑌾𑌜𑍍𑌞𑌾𑌂 𑌸𑌂𑌶𑍍𑌰𑌾𑌵𑍍𑌯 𑌚𑌣𑍍𑌡𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨𑌾𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑍁𑌨𑌃 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨 𑌹𑍃𑌦𑌯𑌾𑌯 𑌹𑍁𑌂𑌫𑌟𑍍 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑍇𑌤𑌿 𑌨𑌮𑌸𑍍𑌕𑌾𑌰𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑌰𑌾𑌙𑍍𑌮𑍁𑌖𑌾𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌵𑌿𑌸𑍃𑌜𑍍𑌯 𑌪𑍁𑌨𑌶𑍍𑌚𑌣𑍍𑌡𑌾𑌷𑍍𑌟𑌕𑌸𑍍𑌤𑍋𑌤𑍍𑌰𑌨𑌮𑌸𑍍𑌕𑌾𑌰𑌾𑌦𑌿𑌕𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨 𑌜𑌪𑌂 𑌯𑌥𑌾𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯।

𑌨𑍀𑌲𑌕𑌣𑍍𑌠𑌪𑌦𑌾𑌮𑍍𑌭𑍋𑌜 𑌪𑌰𑌿𑌸𑍍𑌫𑍁𑌰𑌿𑌤𑌮𑌾𑌨𑌸।
𑌶𑌮𑍍𑌭𑍋𑌸𑍍𑌸𑍇𑌵𑌾𑌫𑌲𑌂 𑌦𑍇𑌹𑌿 𑌚𑌣𑍍𑌡𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰 𑌨𑌮𑍋𑌽𑌸𑍍𑌤𑍁 𑌤𑍇॥

𑌇𑌤𑍍𑌯𑍇𑌵𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌵𑌾𑌰𑌂 𑌕𑌰𑌾𑌵𑌾𑌸𑍍𑌫𑍋𑌟𑍍𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌰𑍍𑌥𑌨𑌾𑌂 𑌕𑍁𑌰𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍।

𑌇𑌤𑌿 𑌚𑌣𑍍𑌡𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌪𑍂𑌜𑌾𑌵𑌿𑌧𑌿𑌸𑍍𑌸𑌮𑌾𑌪𑍍𑌤𑌃॥

---

## 𑌅𑌥 𑌷𑌡𑍍𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌪𑍂𑌜𑌾𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃॥

𑌯𑍇𑌷𑍁 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌲𑌯𑍇𑌷𑍁 𑌸𑍁𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌣𑍍𑌯𑌾𑌲𑌯𑌮𑌪𑌿 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌨𑌦𑍀𑌶𑌾𑌦𑍀𑌶𑍍𑌵𑌰𑌾𑌲𑌯𑌾𑌦𑌿𑌷𑍍𑌵𑌿𑌵 𑌪𑍃𑌥𑌗𑍇𑌵 𑌵𑌰𑍍𑌤𑌤𑍇 𑌤𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯𑌂 𑌕𑍍𑌰𑌮𑌃॥ 𑌸𑍍𑌨𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌸𑌾𑌯𑌂 𑌸𑌨𑍍𑌧𑍍𑌯𑌾𑌮𑍁𑌪𑌾𑌸𑍍𑌯 𑌉𑌪𑌵𑌿𑌶𑍍𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌣𑌾𑌯𑌾𑌮𑌾𑌦𑌿𑌭𑍂𑌤𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑍍𑌯𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌪𑍁𑌣𑍍𑌯𑌾𑌹𑌂 𑌵𑌾𑌚𑌯𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌤𑌦𑌮𑍍𑌭𑌸𑌾 𑌤𑌦𑌾𑌲𑌯𑌂 𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑌯𑍇𑌤𑍍।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



ततः स्थानशुद्ध्यादि कृत्वा पाद्याचमनीयार्घ्याणि [illegible] संपूज्य आज्ञास्त्रमूर्ति[illegible]त्य पञ्चगव्यपञ्चामृतस्नपनादिकं परिकल्पयेत् ॥

अथ द्वारस्य दक्षिणे पार्श्वे गणेशमभ्यर्च्य अस्त्रेण द्वारं संप्रोक्ष्य दक्षिणपार्श्वे ओं हां जयाय नमः । उत्तरपार्श्वे ओं हां विजयाय नमः । उपरि गणपत्यादि । मध्ये महालक्ष्मीं संपूज्य । ऊर्ध्वाधःप्रदेशे पद्मजहरावभ्यर्च्य दक्षिणोत्तरदेशयोः शङ्खनिधिं पद्मनिधिं च संपूज्य अग्रे ओं हां धर्मासनाय नमः ओं हां धर्ममूर्तये नमः ओं हां धर्माय नमः इत्यादिमन्त्रेण धर्मासनमूर्तिमूर्तिमत्स्वा पूज्य सर्वेभ्यो नैवेद्यधूपदीपार्घ्याणि दद्यात् ।

अस्त्रेण विघ्नत्रयं नीत्वा अङ्गमुक्त्वा नैरृत्यादीशानान्तं वास्तुब्रह्मगणपतिसरस्वतीमहालक्ष्मीस्संपूज्य अस्त्रेण मूर्तिं संप्रोक्ष्य निर्माल्यं गृहीत्वा तत्पार्षदमन्त्रेण चण्डाय सर्वं निवेद्य हृदयेन बिम्बं प्रक्षाल्य अनन्तासनादि पद्मासनान्तमभ्यर्च्य मध्ये सिंहासनमूर्तिमन्त्रेणावाह्य ध्यायेत्

सान्द्राकारस्तन्निहितदिव्यरसवक्षं
वज्रयन्त्रः पटवरवक्षकारमूर्तिम् ।
उद्वहयशक्तिमहावज्ञभुजहस्ता
श्यामशीलिवाहन षष्ठानन्दसौम्यम् ॥

इति ध्यात्वा मूलमन्त्रेणावाह्य स्थापनादिपञ्चशक्तिसहा मुद्राः प्रदर्श्य धूपदीपार्घ्याणि दद्यात् ॥

अथ तद्वामे गजवक्त्रं ओं ह्रीं गं गजवक्त्रासनाय नमः ओं ह्रीं गं गजवक्त्रमूर्तये नमः इत्यभ्यर्च्य ध्यायेत् । ध्यानम् ॥

पीतामत्त्वमयारिणीं स्थितमुखीं दिव्याम्बरालङ्कृताम्
वामे लम्बकरां महेन्द्रतनयां मन्दारमालाधराम् ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌦𑍇𑌵𑍇𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌵𑌿𑌨𑍁𑌤𑌪𑌾𑌦𑌕𑌾𑌂 𑌶𑌶𑌿𑌮𑍁𑌖𑍀𑌂 𑌸𑍍𑌕𑌨𑍍𑌦𑌸𑍍𑌯 𑌵𑌾𑌮𑍇𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑌾𑌂
𑌨𑌾𑌨𑌾𑌦𑌿𑌵𑍍𑌯𑌵𑌿𑌭𑍂𑌷𑌣𑌾𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌨𑌯𑌨𑌾𑌂 𑌦𑍇𑌵𑍀𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌭𑌙𑍍𑌗𑍀𑌂 𑌭𑌜𑍇 ॥
𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌗𑌂 𑌗𑌜𑌵𑌲𑍍𑌲𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣𑌾𑌽𑌽𑌵𑌾𑌹𑍍𑌯 𑌸𑍍𑌕𑌨𑍍𑌦𑌸𑍍𑌯 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌭𑌾𑌗𑍇 𑌵𑌨𑌵𑌲𑍍𑌲𑍀𑌂 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌵𑌂 𑌵𑌨𑌵𑌲𑍍𑌲𑍍𑌯𑌾𑌸𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌵𑌨𑌵𑌲𑍍𑌲𑍀𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌮𑍍 ॥

1 𑌶𑍍𑌯𑌾𑌮𑌾𑌮𑌮𑍍𑌬𑍁𑌜𑌧𑌾𑌰𑌿𑌣𑍀𑌂 𑌮𑌣𑌿𑌲𑌸𑌤𑍍𑌤𑌾𑌟𑌙𑍍𑌕𑌕𑌰𑍍𑌣𑍋𑌜𑍍𑌜𑍍𑌵𑌲𑌾𑌂
𑌸𑌵𑍍𑌯𑍇 𑌲𑌮𑍍𑌬𑌕𑌰𑌾𑌂 𑌕𑌿𑌰𑍀𑌟𑌮𑌕𑍁𑌟𑌾𑌂 𑌤𑍁𑌙𑍍𑌗𑌸𑍍𑌤𑌨𑍀𑌕𑌞𑍍𑌚𑍁𑌕𑌾𑌮𑍍 ।
𑌸𑌵𑍇𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌵𑌿𑌨𑍁𑌤𑌪𑌾𑌦𑌕𑌾𑌂 𑌶𑌰𑌵𑌣𑍋𑌦𑍍𑌭𑍂𑌤𑌸𑍍𑌯 𑌸𑌵𑍍𑌯𑍇𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑌾𑌂
𑌗𑍁𑌞𑍍𑌜𑌾𑌮𑌾𑌲𑍍𑌯𑌧𑌰𑌾𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌵𑌾𑌲𑌵𑌦𑌨𑌾𑌂 𑌵𑌲𑍍𑌲𑍀𑌶𑍍𑌵𑌰𑍀𑌂 𑌭𑌾𑌵𑌯𑍇 ॥
𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌵𑌂 𑌵𑌨𑌵𑌲𑍍𑌲𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣𑌾𑌽𑌽𑌵𑌾𑌹𑍍𑌯 𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌨𑌾𑌦𑌿𑌯𑍋𑌗𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌰𑍍𑌶𑍍𑌯 𑌅𑌭𑌿𑌷𑍇𑌕𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣 𑌤𑍈𑌲𑌾𑌦𑌿𑌦𑍍𑌰𑌵𑍍𑌯𑌾𑌣𑌿 𑌸𑍍𑌨𑌪𑌨𑌾𑌦𑍀𑌨𑍍𑌯𑌭𑌿𑌷𑌿𑌚𑍍𑌯 𑌉𑌦𑍍𑌵𑌰𑍍𑌤𑌨𑌾𑌦𑌿 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌵𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌗𑌨𑍍𑌧𑌮𑌾𑌲𑍍𑌯𑌾𑌭𑌰𑌣𑍈𑌰𑌲𑌙𑍍𑌕𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌗𑌾𑌯𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯𑌾𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 𑌮𑍂𑌲𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌮𑌾𑌤𑍃𑌕𑌾𑌦𑌿𑌕𑌲𑌾𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌮𑌧𑍍𑌯𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌦𑌿𑌪𑍍𑌰𑌾𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍍𑌯𑍇𑌨 𑌵𑌾𑌮𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌨𑍍𑌤𑌮𑍍

𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌶𑌂 𑌶𑌰𑌵𑌣𑌭𑌵𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑌂 𑌰𑌵𑌣𑌭𑌵𑌶𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍂𑌂 𑌵𑌂 𑌵𑌣𑌭𑌵𑌶𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍈𑌂 𑌣𑌂 𑌣𑌭𑌵𑌶𑌰𑌵𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍌𑌂 𑌭𑌂 𑌭𑌵𑌶𑌰𑌵𑌣𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑌃 𑌵𑌂 𑌵𑌶𑌰𑌵𑌣𑌭𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।

---

1 𑌮𑌾𑌤𑍃𑌕𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌦𑍇𑌵𑌸𑍇𑌨𑌾𑌵𑌲𑍍𑌲𑍍𑌯𑍋𑌰𑍍𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌮𑍇𑌵𑌂 𑌸𑌮𑍁𑌚𑍍𑌚𑌿𑌤𑍍𑌯 𑌵𑌰𑍍𑌤𑌤𑍇 । 𑌗𑌜𑌵𑌲𑍍𑌲𑍀𑌂 𑌵𑌨𑌵𑌲𑍍𑌲𑍀𑌂 𑌰𑌕𑍍𑌤𑌾𑌭𑌾𑌂 𑌶𑍍𑌯𑌾𑌮𑌲𑌾𑌂 𑌶𑍁𑌭𑌾𑌮𑍍 । 𑌅𑌮𑍍𑌬𑌰𑌾𑌭𑌰𑌣𑍈𑌰𑍇𑌵 𑌵𑌿𑌕𑌸𑌤𑍍 𑌪𑌦𑍍𑌮𑌪𑌾𑌣𑌿𑌕𑌾𑌮𑍍 । 𑌸𑌵𑍍𑌯𑍇 𑌅𑌮𑍍𑌬𑍋𑌦𑍍𑌵𑌰𑌾𑌮𑍇𑌵 𑌕𑌰𑌣𑍍𑌡𑌮𑌕𑍁𑌟𑌾𑌙𑍍𑌕𑌿𑌤𑌾𑌮𑍍 । 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌰𑍁𑌹𑍇𑌮𑌾𑌮𑍍𑌬𑌰𑌾𑌂 𑌦𑍇𑌵𑍀𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌾𑌭𑌰𑌣𑌶𑍋𑌭𑌿𑌤𑌾𑌮𑍍 । 𑌕𑌣𑍍𑌠𑌲𑌮𑍍𑌬𑌵𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌞𑍍𑌚 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌭𑌙𑍍𑌗𑍍𑌯𑌾𑌸𑌨𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑌾𑌮𑍍 ॥ 𑌇𑌤𑌿 ॥ 𑌪𑌾𑌠𑌵𑌾𑌕𑍍𑌯𑍇𑌨 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌮𑌾𑌵𑌶𑍍𑌯𑌕𑌮𑌿𑌤𑍍𑌯𑍇𑌵𑌮𑌨𑍍𑌯𑌥𑌾 𑌪𑌠𑌿𑌤𑌮𑍍 ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌇𑌤𑍍𑌯𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 । 𑌷𑌡𑌙𑍍𑌗𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑍇𑌷𑍁 𑌨𑌮𑍋𑌽𑌨𑍍𑌤𑌾𑌨𑍍 𑌶𑌿𑌵𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌙𑍍𑌗𑌂 𑌸𑍇𑌨𑌾𑌪𑌤𑌿𑌸𑍁𑌰𑍇𑌶𑌹𑌰𑌸𑍂𑌨𑍁𑌸𑍁𑌰𑌾𑌗𑍍𑌰𑌜𑌸𑍁𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌣𑍍𑌯𑌕𑍁𑌮𑌾𑌰𑌾𑌖𑍍𑌯𑌂 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌾𑌦𑍀𑌶𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌸𑌮𑍍𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌅𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌂 𑌦𑌦𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 । 𑌇𑌤𑌿 𑌪𑍍𑌰𑌥𑌮𑌾𑌵𑌰𑌣𑌮𑍍 । 𑌤𑌥𑌾 𑌚𑍋𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌮𑌤𑍍𑌕𑌾𑌰𑌣𑍇 ॥

"𑌸𑍇𑌨𑌾𑌪𑌤𑌿𑌸𑍍𑌸𑍁𑌰𑍇𑌶𑌶𑍍𑌚 𑌹𑌰𑌸𑍂𑌨𑍁𑌸𑍍𑌸𑍁𑌰𑌾𑌗𑍍𑌰𑌜𑌃 ।
𑌸𑍁𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌣𑍍𑌯𑌃 𑌕𑍁𑌮𑌾𑌰𑌾𑌖𑍍𑌯𑌂 𑌷𑌡𑌙𑍍𑌗𑌾𑌨𑌿 𑌪𑍍𑌰𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥
𑌇𑌤𑌿 ।

𑌅𑌥 𑌦𑍍𑌵𑌿𑌤𑍀𑌯𑌾𑌵𑌰𑌣𑍇 𑌕𑍁𑌮𑌾𑌰𑌾𑌷𑍍𑌟𑌕𑌮𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌮𑌦𑍍𑌭𑍈𑌰𑌵𑍇 । 𑌪𑍍𑌰𑌥𑌮𑌂 𑌶𑌕𑍁𑌨𑌂 𑌰𑍇𑌤𑌂 𑌪𑍂𑌤𑌨𑌂 𑌵𑌕𑍍𑌰𑌮𑌾𑌣𑌿𑌨𑌮𑍍 । 𑌨𑌿𑌜𑌂 𑌶𑍇𑌷𑌦𑍇𑌶𑌂 𑌚 𑌶𑌙𑍍𑌖𑌵𑌮𑍀𑌯𑌾𑌷𑍍𑌟𑌕𑌮𑍍 । 𑌕𑍁𑌙𑍍𑌕𑍁𑌮𑌂 𑌰𑌕𑍍𑌤𑌵𑌰𑍍𑌣𑌂 𑌚 𑌨𑍀𑌲𑌂 𑌶𑍁𑌕𑍍𑌲𑌂 𑌚 𑌮𑍇𑌚𑌕𑌮𑍍 ॥ 𑌵𑌜𑍍𑌰𑌾𑌸𑌨𑌂 𑌯𑌥𑍋𑌰𑍍𑌧𑍍𑌵𑌵𑌰𑍍𑌣𑌂 𑌚 𑌕𑌾𑌞𑍍𑌚𑌂 𑌚𑍈𑌵𑌾𑌷𑍍𑌟𑌵𑌰𑍍𑌣𑌕𑌮𑍍 । 𑌵𑌜𑍍𑌰𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌸𑌮𑌾𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌮𑌹𑌿𑌤𑌿𑌵𑌾𑌹𑌨𑌕𑌮𑍍 । 𑌮𑌕𑍁𑌟𑌂 𑌚𑌾𑌕𑍍𑌷𑌿𑌯𑌾𑌗𑍍𑌰𑌂 𑌚 𑌪𑌦𑍍𑌮𑌾𑌸𑌨𑌸𑌂𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑌮𑍍 ॥ 𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌾𑌦𑍍𑌯𑌷𑍍𑌟𑌦𑌿𑌕𑍍𑌷𑍁 ।

𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌥𑌮𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑌕𑍁𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌰𑍇𑌤𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌪𑍂𑌤𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑌕𑍍𑌰𑌮𑌾𑌣𑌿𑌨𑍇 𑌨𑌮𑌃 ।
𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌨𑌿𑌜𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑍇𑌷𑌦𑍇𑌶𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑌙𑍍𑌖𑌵𑌮𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।

𑌇𑌤𑍍𑌯𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 । 𑌤𑌦𑍍𑌬𑌾𑌹𑍍𑌯𑍇 𑌤𑍃𑌤𑍀𑌯𑌾𑌵𑌰𑌣𑍇 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌾𑌦𑍍𑌯𑌷𑍍𑌟𑌦𑌿𑌕𑍍𑌷𑍁 ॥

𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌯𑌕𑍍𑌷𑌗𑌣𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃 ।
𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌰𑌾𑌕𑍍𑌷𑌸𑌗𑌣𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃 ।
𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌪𑍈𑌶𑌾𑌚𑌗𑌣𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃 ।
𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌗𑌨𑍍𑌧𑌰𑍍𑌵𑌗𑌣𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃 ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌸𑍌𑌮𑍍𑌯𑌗𑌣𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃 ।
𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌦𑌾𑌨𑌵𑌗𑌣𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃 ।
𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌕𑌿𑌨𑍍𑌨𑌰𑌗𑌣𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃 ।
𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌪𑌿𑌤𑍃𑌗𑌣𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃 ।

𑌇𑌤𑌿 𑌤𑍃𑌤𑍀𑌯𑌾𑌵𑌰𑌣𑌂 𑌸𑌮𑍍𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 । 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌹𑌸𑍍𑌤𑌂 𑌮𑍂𑌲𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌸𑌮𑍍𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥ 𑌧𑌨𑍁𑌷𑍍𑌕𑍇 𑌤𑍁 𑌷𑌡𑍍𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑍇 𑌵𑌿𑌨𑌾 𑌕𑌲𑍍𑌪𑍇𑌨𑍋𑌪𑌚𑌾𑌰𑍈𑌃 𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌤𑌦𑍍𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌮𑍍 ॥

‘‘𑌧𑌨𑍁𑌷𑍍𑌕𑌂 𑌚 𑌤𑌥𑌾 𑌬𑌾𑌣𑌂 𑌵𑌜𑍍𑌰𑌶𑌕𑍍𑌤𑍀 𑌵𑌰𑌾𑌭𑌯𑍇 ।
𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌂 𑌰𑌕𑍍𑌤𑌵𑌰𑍍𑌣𑌂 𑌚 𑌕𑌰𑌣𑍍𑌡𑌮𑌕𑍁𑌟𑌾𑌨𑍍𑌵𑌿𑌤𑌮𑍍 ॥
𑌮𑌯𑍂𑌰𑌪𑍃𑌷𑍍𑌠𑌂 𑌸𑌮𑌾𑌸𑍀𑌨𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌾𑌭𑌰𑌣𑌭𑍂𑌷𑌿𑌤𑌮𑍍 ।

𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌣𑍍𑌯𑍇𑌶𑌂 𑌸𑌮𑍍𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌵𑍃𑌤𑍍𑌤𑍌 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌾𑌦𑌿𑌷𑌡𑍍𑌦𑌿𑌕𑍍𑌷𑍁—

𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌪𑍁𑌰𑌭𑌵𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑍐 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌈𑌶𑍍𑌵𑌰𑌭𑌵𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑍐 𑌹𑍍𑌰𑍂𑌂 𑌶𑌰𑌵𑌣𑌭𑌵𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑍐 𑌹𑍍𑌰𑍈𑌂 𑌶𑍈𑌲𑌜𑌾𑌭𑌵𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑍐 𑌹𑍍𑌰𑍌𑌂 𑌭𑌵𑌹𑌰𑌶𑌿𑌵𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।
𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌃 𑌶𑌿𑌵𑌹𑌰𑌭𑌵𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 ।

𑌇𑌤𑌿 𑌸𑌮𑍍𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌕𑌨𑍍𑌯𑌦𑍇𑌵𑌾𑌨𑍍 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌵𑌦𑍍𑌦𑍍𑌰𑌵𑍍𑌯𑌪𑍁𑌷𑍍𑌪𑍈𑌃 𑌸𑌵𑍍𑌯𑌞𑍍𑌜𑌨𑌂 𑌹𑌵𑌿𑌸𑍍𑌤𑌾𑌮𑍍𑌬𑍂𑌲𑌂 𑌚 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯 । 𑌧𑍂𑌪𑌦𑍀𑌪𑌾𑌵𑌲𑍍𑌯𑌾𑌣𑌿 𑌦𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌸𑌰𑍍𑌵𑍋𑌪𑌚𑌾𑌰𑌂 𑌕𑌾𑌰𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌬𑌾𑌹𑍍𑌯𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑍇 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑍇 𑌵𑌾 𑌸𑌮𑌕𑍍𑌷𑌣𑌂 𑌷𑌡𑌶𑍍𑌰𑌕𑍁𑌣𑍍𑌡𑌂 𑌪𑌰𑌿𑌕𑌲𑍍𑌪𑍍𑌯 𑌕𑍁𑌣𑍍𑌡𑌸𑌂𑌸𑍍𑌕𑌾𑌰𑌾𑌨𑍍 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨 𑌷𑌡𑌕𑍍𑌷𑌰𑍇𑌣 𑌆𑌹𑍁𑌤𑌿𑌂 𑌹𑍁𑌤𑍍𑌵𑌾 । 𑌚𑌰𑍁𑌹𑌵𑌿𑌷𑌾𑌗𑍍𑌨𑍌 𑌹𑍁𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌮𑍂𑌲𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌾𑌙𑍍𑌗𑍈𑌃 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍈𑌃 𑌦𑍍𑌰𑌵𑍍𑌯𑌾𑌹𑍁𑌤𑌿𑌂 𑌹𑍁𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌯𑌶𑍍𑌚𑌿𑌤𑍍𑌤𑌾𑌰𑍍𑌥𑌂 𑌵𑍍𑌯𑌾𑌹𑍃𑌤𑍍𑌯𑌾 𑌹𑍁𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌕𑍁𑌣𑍍𑌡𑌪𑍂𑌰𑍍𑌣𑌾𑌹𑍁𑌤𑌿𑌂 𑌨𑌿𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍍𑌯 𑌪𑌰𑌿𑌧𑌿𑌪𑌰𑌿𑌸𑍍𑌤𑌰𑌣𑌾𑌦𑍀𑌨𑍍 𑌵𑌿𑌸𑍃𑌜𑍍𑌯 𑌕𑍁𑌣𑍍𑌡𑌰𑌕𑍍𑌷𑌾𑌂 𑌸𑌙𑍍𑌗𑍃𑌹𑍍𑌯 𑌦𑍇𑌵𑌦𑍇𑌵𑌸𑍍𑌯𑌾𑌪𑌿 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑍍𑌯 𑌬𑌹𑌿𑌰𑍍𑌨𑌿𑌷𑍍𑌕𑍍𑌰𑌮𑍍𑌯 𑌪𑌰𑌿𑌜𑌨𑍈𑌸𑍍𑌸𑌹 𑌪𑌾𑌰𑍍𑌷𑌦𑌾𑌦𑌿 𑌦𑍇𑌵𑌂 𑌪𑌰𑌿𑌹𑌾𑌸𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

𑌅𑌥 𑌆𑌰𑌾𑌧𑍍𑌯𑌪𑍍𑌰𑌧𑌾𑌨𑌂 𑌬𑌲𑌿𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌤𑌦𑍍𑌬𑌾𑌹𑍍𑌯𑌾𑌷𑍍𑌟𑌦𑌿𑌕𑍍𑌷𑍁 𑌯𑌕𑍍𑌷𑌾𑌦𑌿𑌗𑌣 𑌬𑌲𑌿𑌂 𑌨𑌿𑌕𑍍𑌷𑌿𑌪𑍍𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌧𑌾𑌨𑌪𑍀𑌠𑍇 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌗𑌣𑌪𑍀𑌠𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌬𑌲𑌿𑌂 𑌨𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌕𑌾𑌰𑍍𑌯𑍋𑌤𑍍𑌸𑌵𑌂 𑌪𑌾𑌰𑍍𑌷𑌦𑌾𑌦𑌿𑌦𑍇𑌵𑌾𑌨𑍍 𑌯𑌥𑌾𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑍇 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑍍𑌯 𑌏𑌵𑌂 𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣 𑌉𑌤𑍍𑌸𑌵𑌬𑍇𑌰𑌂 𑌬𑌲𑌿𑌪𑍀𑌠𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌸𑌰𑍍𑌵𑍋𑌪𑌚𑌾𑌰𑌾𑌨𑍍 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌂 𑌤𑌤𑍍𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑍇 𑌨𑌿𑌰𑍍𑌮𑌾𑌲𑍍𑌯𑍇𑌶𑌚𑌣𑍍𑌡𑌨𑌾𑌥𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌵𑌿𑌜𑍍𑌞𑌾𑌪𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌸𑍁𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌣𑍍𑌯𑌪𑍂𑌜𑌾𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 ॥

---

## 𑌅𑌥 𑌗𑍌𑌰𑍀𑌪𑍂𑌜𑌾𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 ॥

𑌯𑌤𑍍𑌰 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌲𑌯𑍇 𑌶𑌿𑌵𑌾𑌲𑌯𑌾𑌤𑍍 𑌪𑍃𑌥𑌗𑍇𑌵 𑌗𑍌𑌰𑍍𑌯𑌾𑌲𑌯𑍋 𑌵𑌰𑍍𑌤𑌤𑍇 𑌪𑍍𑌰𑌤𑍍𑌯𑍇𑌕𑌂 𑌤𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯𑌂 𑌕𑍍𑌰𑌮𑌃 ॥

𑌶𑌾𑌨𑍍𑌤𑌿𑌨𑍀 𑌤𑍁 𑌸𑌾𑌹𑌾𑌯𑍍𑌯𑌂 𑌗𑍌𑌰𑍀𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌰𑍍𑌮𑌹𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑍀 ।
𑌰𑍌𑌦𑍍𑌰𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌰𑍍𑌮𑌹𑌾𑌵𑌾𑌣𑍀 𑌸𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌤𑍍𑌰𑌯𑌮𑌿𑌹𑍋𑌚𑍍𑌯𑌤𑍇 ॥
𑌯𑍋𑌗𑌂 𑌭𑍋𑌗𑌂 𑌚 𑌵𑍀𑌰𑌂 𑌚 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌰𑍇𑌷𑌾 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌧𑌾 𑌭𑌵𑍇𑌤𑍍 ।
𑌯𑍋𑌗𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌸𑍍𑌤𑍁 𑌪𑍀𑌠𑌂 𑌸𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 𑌭𑍋𑌗𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌸𑍍𑌤𑍁 𑌵𑌿𑌗𑍍𑌰𑌹𑌾 ।
𑌵𑍀𑌰𑌂 𑌬𑌾𑌹𑍍𑌯𑌾𑌲𑌯𑍇 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌃 𑌤𑌤𑍍𑌤𑌤𑍍𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑍇𑌷𑍁 𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌅𑌥 𑌦𑍇𑌶𑌿𑌕𑌃 𑌦𑍇𑌵𑍍𑌯𑌾𑌲𑌯𑌂 𑌗𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌾𑌵𑌰𑌣𑍇 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌸𑌹𑌿𑌤𑍌 𑌉𑌤𑍍𑌸𑌵𑌮𑌣𑍍𑌡𑌪𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌵𑌿𑌶𑍍𑌯 𑌆𑌗𑍍𑌨𑍇𑌯𑍇𑌨 𑌤𑌾𑌲𑌤𑍍𑌰𑌯𑌾𑌦𑌿𑌪𑌞𑍍𑌚𑌕𑌂 𑌸𑌾𑌮𑌾𑌨𑍍𑌯𑌾𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌂 𑌸𑌂𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌆𑌗𑍍𑌨𑍇𑌯𑍇𑌨 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌣𑌾𑌯𑌾𑌮𑌾𑌦𑌿 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌵𑌿𑌧𑌿𑌵𑌤𑍍 𑌸𑌕𑌲𑍀𑌕𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌸𑍍𑌮𑌿𑌨𑍍 𑌗𑍌𑌰𑍀𑌕𑌲𑌾𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌂 𑌕𑍁𑌰𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 ॥

𑍐 𑌹𑍌𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌸𑌰𑍍𑌵𑌵𑌿𑌦𑍍𑌯𑌾𑌨𑌾𑌂 𑌸𑌦𑌾𑌶𑌿𑌵𑍋𑌂 𑌤𑌾𑌰𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌶𑌿𑌰𑌸𑌿 ।

𑍐 𑌹𑍈𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌤𑌤𑍍𑌪𑍁𑌰𑍁𑌷𑌾𑌯 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌮𑌹𑍇 𑌮𑌹𑌾𑌦𑍇𑌵𑌾𑌯 𑌧𑍀𑌮𑌹𑌿 𑌤𑌨𑍍𑌨𑍋 𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌚𑍋𑌦𑌯𑌾𑌤𑍍 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌯𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇 ।

𑍐 𑌹𑍂𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌅𑌘𑍋𑌰𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌹𑍃𑌦𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌹𑍃𑌦𑌯𑍇 । 𑍐 𑌹𑍂𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌅𑌥 𑌘𑍋𑌰𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌗𑍁𑌹𑍍𑌯𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌗

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌦𑍇। 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌾𑌯 𑌵𑌿𑌰𑌜𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌵𑌾𑌮𑌬𑌾𑌹𑍌। 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌘𑍋𑌰𑌤𑌰𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌧𑌿𑌯𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌬𑌾𑌹𑍌। 𑍐 𑌸𑌰𑍍𑌵𑍇𑌭𑍍𑌯𑌸𑍍𑌸𑌰𑍍𑌵𑌶𑌰𑍍𑌵𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌸𑍍𑌤𑍇 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍁 𑌸𑍍𑌵𑌯𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌜𑌠𑌰𑍇। 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑌰𑍂𑌪𑍇𑌭𑍍𑌯𑌸𑍍𑌸𑌰𑍍𑌵𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑍋 𑌨𑌾𑌭𑍌।

𑍐 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌵𑌾𑌮𑌦𑍇𑌵𑌾𑌯 𑌵𑌾𑌮𑌿𑌨𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌯𑍋𑌨𑌿𑌗𑍁𑌹𑍍𑌯𑍇। 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌜𑍍𑌯𑍇𑌷𑍍𑌠𑌾𑌯 𑌜𑍍𑌵𑌾𑌮𑌿𑌨𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌵𑌾𑌮𑍋𑌰𑍌। 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍇𑌷𑍍𑌠𑌾𑌯 𑌕𑍃𑌷𑍍𑌣𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍋𑌰𑍌। 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌧𑍃𑌤𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑍋 𑌵𑌾𑌮𑌜𑌾𑌨𑍁𑌨𑌿। 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌕𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌕𑍍𑌷𑌮𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌜𑌾𑌨𑍁𑌨𑌿। 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌕𑌲𑌵𑌿𑌕𑌰𑌣𑌾𑌯 𑌮𑍈𑌤𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑍋 𑌵𑌾𑌮𑌜𑌙𑍍𑌘𑌾𑌯𑌾𑌂। 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌬𑌲𑌵𑌿𑌕𑌰𑌣𑌾𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌜𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑍋 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌜𑌙𑍍𑌘𑌾𑌯𑌾𑌂। 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌬𑌲𑌾𑌯 𑌵𑌿𑌜𑍍𑌞𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌵𑌾𑌮𑌪𑍍𑌰𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑍇। 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌬𑌲𑌪𑍍𑌰𑌮𑌥𑌨𑌾𑌯 𑌭𑍂𑌤𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑍋 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌪𑍍𑌰𑌕𑍋𑌷𑍍𑌠𑍇। 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌭𑍂𑌤𑌦𑌮𑌨𑌾𑌯 𑌕𑍍𑌰𑌿𑌯𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌵𑌾𑌮𑌪𑌾𑌰𑍍𑌶𑍍𑌵𑍇 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌮𑌨𑍋𑌨𑍍𑌮𑌨𑌾𑌯 𑌕𑍍𑌷𑌾𑌨𑍍𑌤𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣 𑌪𑌾𑌰𑍍𑌶𑍍𑌵𑍇

𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌸𑌦𑍍𑌯𑍋𑌜𑌾𑌤𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌪𑌦𑍍𑌯𑌾𑌮𑌿 𑌶𑌾𑌨𑍍𑌤𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌵𑌾𑌮𑌪𑌾𑌦𑍇। 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌸𑌦𑍍𑌯𑍋𑌜𑌾𑌤𑌾𑌯 𑌵𑍇𑌦𑌾𑌨𑍍𑌤𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌪𑌾𑌦𑍇। 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌭𑌵𑍇 𑌭𑌵𑍇 𑌦𑌯𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌵𑌾𑌮𑌹𑌸𑍍𑌤𑍇। 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌅𑌨𑌾𑌦𑌿𑌭𑌵𑍇 𑌭𑍂𑌤𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌹𑌸𑍍𑌤𑍇। 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌭𑌵𑌸𑍍𑌵𑌮𑌾𑌂 𑌦𑍍𑌯𑍁𑌤𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌵𑌾𑌮𑌸𑍍𑌤𑌨𑍇। 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌭𑌵𑍋𑌦𑍍𑌭𑌵𑌾𑌯 𑌸𑌿𑌦𑍍𑌧𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌸𑍍𑌤𑌨𑍇।

𑌇𑌤𑌿 𑌗𑍌𑌰𑍀𑌪𑌞𑍍𑌚𑌵𑌿𑌂𑌶𑌤𑌿𑌕𑌲𑌾𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌃 ॥

𑌪𑍁𑌨𑌃 𑌅𑌞𑍍𑌜𑌲𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌷𑌣𑍍𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌶𑍍𑌚 𑌦𑍍𑌰𑌵𑍍𑌯𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑍍𑌯𑌰𑍍𑌥𑍍𑌯 𑌪𑌾𑌦𑍍𑌯𑌾𑌦𑍀𑌨𑌿 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌹𑌸𑍍𑌤𑌾𑌵𑌨𑌮𑍍𑌰𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌿 𑌪𑍁𑌣𑍍𑌯𑌾𑌹 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌗𑌵𑍍𑌯 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌾𑌮𑍃𑌤𑌸𑍍𑌨𑌪𑌨𑌾𑌨𑌿 𑌪𑌰𑌿𑌕𑌲𑍍𑌪𑍍𑌯 𑌆𑌰𑌭𑍇𑌤 𑌵𑌿𑌨𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰 𑌪𑍂𑌜𑌾𑌦𑌿 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌆𑌰𑌮𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑍇𑌣 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌤𑌤𑍍𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑍇 𑌵𑌾𑌮𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣 𑌮𑌧𑍍𑌯𑌦𑍇𑌶𑍇 𑌵𑌿𑌨𑌾𑌯𑌕 𑌸𑌰𑌸𑍍𑌵𑌤𑍀 𑌮𑌹𑌾

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



[illegible] सम्पूज्य । दक्षिणपार्श्वे श्रीशक्तिबीजपूर्वकं [illegible] योगिनीं सम्पूज्य । वामपार्श्वे ॐ [illegible] योगिनीं सम्पूज्य । [illegible] देशे [illegible] सम्पूज्य [illegible] पार्श्वे [illegible] । [illegible] देशे कामेशीं सम्पूज्य वामपार्श्वे योगिनीभ्यो नमः ॥

ध्यानं

[illegible] ध्यायेत् [illegible] ।
[illegible] योगिनीं [illegible] ॥

[illegible] ध्यानेन योगिनीं सम्पूज्य । [illegible] पार्श्वे योगिनीभ्यो नमः । ध्यानम्-

[illegible] ॥ इति ध्यात्वा ।

योगिनीं सम्पूज्य- [illegible] । [1]ध्यानम् ।

कृष्णं त्रिनेत्रं [illegible] रक्त [illegible] हृदि [illegible] । [illegible] ध्यानं ध्यायेत् [illegible] ॥ इति ध्यात्वा ।

[illegible] ध्यात्वा [illegible]

1 [illegible] वृषशक्ति [illegible] । [illegible] कृष्ण [illegible] । [illegible] कृष्ण [illegible]

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



[illegible] वागीश्वरी क्रियाकीर्तिलक्ष्मीसरस्वती [illegible] सम्पूज्य [illegible] शङ्खोदकेन संप्रोक्ष्य निर्माल्यं सम्पूज्य [illegible] विष्वक्सेनाय [illegible] हस्तं प्रक्षाल्य [illegible] शङ्खजलेन बिम्बं प्रक्षाल्य [illegible] गायत्र्यादि [illegible] विधाय ध्यायेत् ।

[1] [illegible]

[illegible] ॥

इति ध्यात्वा [illegible]

[illegible] ॥

[illegible] ।

[illegible] ।

[illegible] ।

---

1 [illegible] ध्यानम् ॥ [illegible] ।

In Public domain. Digitization: Muthulakshmi Research Academy

ஷ்ணவீம் ததா । வாராஹீம் பஶ்சிமே பூஜ்ய ஐந்த்ராணீம் மாருதே ந்யஸேத் । சாமுண்டீம் ஸௌம்யதிக்பாகே மஹாலக்ஷ்மீமீஶாநகோசரே । இதி ।

அத த்ருதீயாவரணே ப்ரணவாதிவ்யோமாக்ஷரபீஜை: ஶ்ரீகாரஸம்புடிதம் வ்ருஷபகணபதிஸ்கந்தமஹாஶாஸ்த்ருமந்த்ரவீரபத்ரக்ஷேத்ரபாலபாஸ்கராந் ஸமப்யர்சயேத் । ததா ஹி ॥

பூர்வே ஶ்ரீம் ஓம் ஹாம் ஶ்ரீம் வ்ருஷபாய நம: ।
ஆக்நேய்யாம் ஶ்ரீம் ஓம் ஹாம் ஶ்ரீம் கணபதயே நம: ।
தக்ஷிணே ஶ்ரீம் ஓம் ஹாம் ஶ்ரீம் ஸ்கந்தாய நம: ।
நைர்ருதே ஶ்ரீம் ஓம் ஹாம் ஶ்ரீம் மஹாஶாஸ்த்ரே நம: ॥
பஶ்சிமே ஶ்ரீம் ஓம் ஹாம் ஶ்ரீம் மந்த்ராய நம: ।
வாயவ்யே ஶ்ரீம் ஓம் ஹாம் ஶ்ரீம் வீரபத்ராய நம: ।
ஸௌம்யே ஶ்ரீம் ஓம் ஹாம் ஶ்ரீம் க்ஷேத்ரபாலாய நம: ।
ஐஶாநே ஶ்ரீம் ஓம் ஹாம் ஶ்ரீம் பாஸ்கராய நம: ।

இத்யப்யர்ச்ய । சதுர்த்தாவரணே ப்ரதக்ஷிணம் ॥

ஓம் ஶ்ரீம் ஶவீதேவ்யை நம: ।
ஓம் ஶ்ரீம் ஸ்வாஹாதேவ்யை நம: ।
ஓம் ஶ்ரீம் காமகண்டீதேவ்யை நம: ।
ஓம் ஶ்ரீம் 1 ஜாதாதேவ்யை நம: ।
ஓம் ஶ்ரீம் ஸங்கேஶீதேவ்யை நம: ।
ஓம் ஶ்ரீம் பத்ராதேவ்யை நம: ।
ஓம் ஶ்ரீம் ஶ்ரீஹர்ஷிணீ தேவ்யை நம: ।
ஓம் ஶ்ரீம் ஜீவாநநீ தேவ்யை நம: ।
ஓம் ஶ்ரீம் ஸாவித்ரீதேவ்யை நம: ।
ஓம் ஶ்ரீம் பூமிதேவ்யை நம: ।

---

1. ஜாதாஸங்கேஶீபத்ரா ஶ்ரீஹர்ஷிணீ ஜீவாநநீ ஸ்வாநே தாஹிநீ மோஹிநீ கோராகம்பீரிணீ ஹர்ஷிண்ய ஸ்ஸாதவ்யா இதி பாதி ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



இதி ஸம்பூஜ்ய । பஞ்சமாவரணே வஜ்ராத்யாயுதஶக்தீ: பூர்வாதி தஶதிக்ஷு ஸம்பூஜயேத்ஸஹ ॥

ஓம் ஹ்ரீம் வஜ்ராய விஶாகின்யை நம: பூர்வே ।
ஓம் ஹ்ரீம் ஶக்தயே விஷ்ணவ்யை நம: ஆக்நேய்யாம் ।
ஓம் ஹ்ரீம் தண்டாய யாம்யை நம: யாம்யே ।
ஓம் ஹ்ரீம் கட்காய விகர்மவ்யை நம: நைர்ருத்யே ।
ஓம் ஹ்ரீம் பாஶாய விஶாலாயை நம: பஶ்சிமே ।
ஓம் ஹ்ரீம் த்வஜாய த்வஜின்யை நம: வாயவ்யே ।
ஓம் ஹ்ரீம் கதாயை ஶ்ரியை நம: ஸௌம்யே ।
ஓம் ஹ்ரீம் த்ரிஶூலாய ஶூலின்யை நம: ஈஶான்யே ।
ஓம் ஹ்ரீம் பத்மாய பத்மின்யை நம: ஈஶாநேந்த்ர
(மத்யே)
ஓம் ஹ்ரீம் சக்ராய ஸுதர்ஶின்யை நம: । நிர்ருதிவருண
(மத்யே)

இதி ஸம்பூஜ்ய ஶக்திம் மூலமந்த்ரேணாப்யர்ச்ய பூர்வவத்தர்ம ஹ்ருத்ஸூக்தம் ஹ்ருதயே ஶாந்த்யக்ஷராணிவா ஹிரண்ய உபசாரைர் ஸம்பூஜ்ய ஸுவர்ணபுஷ்பை: மூலேந பூஜயித்வா நீராஜநாத்யுபசாராந் விதத்யாத் ॥

பூர்வோக்தவிதேஹஸ்த ப்ரமாணேந யோநிகுண்டம் வ்ருத்தகுண்டம் த்ரிகோணகுண்டம் வா லக்ஷணவத்விரச்ய குண்டஸம்ஸ்காராதி பூர்வோக்தம் விதாய ஸூர்யமந்த்ரேண ஷட்ஸஹஸ்ராஹுதிம் மூலேந ஹுத்வா தத்தத்வ்யாபகமந்த்ரேண ஶதம் ஹுத்வா த்ரவ்யாஹுதிம் பூர்வவத்ப்ராணேந மூலேந ஹுத்வா ஸம்பாதாஹுதிம் பூர்ணாஹுதிம் விதாய பலிம் நிக்ஷிப்ய பரிஸ்தரணாதீந் குண்டே ஸம்யோஜ்ய தேவே ஶ்ரீஸூர்யே ஹோமஸமர்ப்பணம் க்ருத்வா நித்யோத்ஸவம் காரயேத் ॥

---

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



## 𑌅𑌥 𑌦𑍇𑌵𑍀𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑍋𑌤𑍍𑌸𑌵𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃 ॥

𑌅𑌥 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌪𑌰𑍍𑌵𑌸𑍍𑌵𑌾𑌚𑌾𑌰𑍍𑌯𑌃 𑌯𑌾𑌨𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑍀𑌂 𑌰𑌙𑍍𑌗𑍇 𑌸𑌮𑌾𑌰𑍋𑌪𑍍𑌯 𑌅𑌲𑌙𑍍𑌕𑌾𑌰𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌉𑌤𑍍𑌸𑌵𑍇𑌨𑌾𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 । 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌮𑍍—

1 𑌸𑍍𑌮𑍇𑌰𑌾𑌨𑌨𑌾𑌂 𑌚𑌤𑍁𑌰𑍍𑌹𑌸𑍍𑌤𑌾𑌂 𑌵𑌰𑌾𑌭𑌯𑌸𑌰𑍋𑌰𑍁𑌹𑍈𑌃 ।
𑌉𑌤𑍍𑌪𑌲𑍇𑌨 𑌸𑌹𑌾𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌾𑌂 𑌕𑌰𑌣𑍍𑌡𑌮𑌕𑍁𑌟𑌾𑌨𑍍𑌵𑌿𑌤𑌾𑌮𑍍 ॥
𑌚𑌿𑌤𑍍𑌰𑌵𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰 𑌸𑌹𑌾𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌾𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌾𑌭𑌰𑌣𑌭𑍂𑌷𑌿𑌤𑌾𑌮𑍍 ।
𑌪𑍍𑌰𑌸𑌨𑍍𑌨𑌵𑌦𑌨𑌾𑌂 𑌦𑍇𑌵𑍀𑌂 𑌭𑌾𑌵𑌯𑍇𑌤𑍍𑌸𑍂𑌰𑍍𑌯𑌸𑌪𑍍𑌰𑌭𑌾𑌮𑍍 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌉𑌤𑍍𑌸𑌵𑍇𑌨𑌾𑌽𑌽𑌵𑌾𑌹𑍍𑌯 𑌅𑌷𑍍𑌟𑌶𑌕𑍍𑌤𑍀𑌰𑌾𑌵𑌰𑌣𑍇 𑌸𑌮𑍍𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌪𑌾𑌦𑍍𑌯𑌾𑌦𑍍𑌯𑍁𑌪𑌚𑌾𑌰𑌵𑌿𑌶𑍇𑌷𑍈𑌶𑍍𑌚 𑌆𑌗𑍍𑌨𑍇𑌯𑍇 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌮𑌾𑌧𑌾𑌯 𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣 𑌆𑌰𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌬𑌲𑌿𑌂 𑌚 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌵𑌤𑍍 𑌪𑍍𑌰𑌥𑌮𑌵𑍃𑌷𑌭𑌪𑍀𑌠𑌾𑌦𑌿𑌦𑌿𑌕𑍍𑌷𑍁 𑌬𑌲𑌿𑌂 𑌦𑌦𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 । 𑌤𑌥𑌾𑌹𑌿 ॥

𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑍇 𑌵𑍃𑌷𑌭𑌪𑍀𑌠𑍇 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌜𑍃𑌮𑍍𑌭𑌿𑌣𑍍𑌯𑍈 𑌸𑍍𑌵𑌾
𑌆𑌗𑍍𑌨𑍇𑌯𑍍𑌯𑌾𑌂 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌸𑌿𑌦𑍍𑌧𑌿𑌨𑍍𑌯𑍈 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 [𑌹𑌾
𑌯𑌾𑌮𑍍𑌯𑍇 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑌾𑌨𑍍𑌤𑌿𑌶𑍋𑌭𑌿𑌨𑍍𑌯𑍈 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌨𑍈𑌰𑍃𑌤𑍇 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌹𑍇𑌤𑌿𑌨𑍍𑌯𑍈 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌪𑌶𑍍𑌚𑌿𑌮𑍇 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌰𑌾𑌮𑌿𑌣𑍍𑌯𑍈 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌵𑌾𑌯𑌵𑍍𑌯𑍇 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌭𑌦𑍍𑌰𑌕𑌾𑌲𑌿𑌨𑍍𑌯𑍈 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌸𑍌𑌮𑍍𑌯𑍇 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌦𑍁𑌰𑍍𑌗𑌾𑌯𑍈 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾
𑌐𑌶𑌾𑌨𑍍𑌯𑍇 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌵𑍈𑌷𑍍𑌣𑌵𑍍𑌯𑍈 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾

𑌇𑌤𑌿 𑌬𑌲𑌿𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌬𑌹𑌿𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌵𑌿𑌶𑍍𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌯𑌾𑌣𑌪𑍀𑌠𑍇 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌮𑌯𑌾𑌯 𑌪𑍀𑌠𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌅𑌣𑌿𑌮𑌾𑌦𑌿𑌕𑍋𑌪𑌰𑌿 𑌅𑌸𑍍𑌯

---

1 𑌗𑍌𑌰𑍀𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌂 𑌵𑌾—

𑌶𑍍𑌯𑌾𑌮𑌾𑌙𑍍𑌗𑍋𑌤𑍍𑌪𑌲𑌧𑌾𑌰𑌿𑌣𑍀𑌂 𑌶𑌶𑌿𑌪𑍍𑌰𑌭𑌾𑌂 𑌪𑍀𑌤𑌾𑌮𑍍𑌬𑌰𑌾𑌢𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌤𑌾𑌂 𑌵𑌾𑌮𑍇 𑌭𑍃𑌙𑍍𑌗𑌾𑌰𑌾𑌂 𑌸𑌵𑍍𑌯𑍇𑌤𑌰𑍋𑌤𑍍𑌤𑌨𑌯𑌾𑌂 𑌹𑌾𑌰𑌹𑌾𑌰𑌾𑌧𑌰𑌾𑌮𑍍 ॥ 𑌦𑍇𑌵𑍇𑌶𑌾𑌰𑍍𑌪𑌿𑌤𑌪𑌾𑌦𑍁𑌕𑌾𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌣𑌯𑌨𑌾𑌂 𑌹𑌾𑌰𑌦𑍍𑌵𑌯𑍇𑌨𑌾𑌞𑍍𑌚𑌿𑌤𑌾𑌂 𑌗𑍌𑌰𑍀𑌂 𑌦𑌿𑌵𑍍𑌯𑌵𑌿𑌭𑍂𑌷𑌿𑌤𑌾𑌂 𑌭𑌯𑌹𑌰𑍀𑌂 𑌶𑍋𑌭𑌯𑌾𑌽𑌽𑌵𑍇𑌷𑍍𑌟𑌿𑌤𑌾𑌮𑍍 ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



मध्ये दण्डवत् प्रणम्य प्रदक्षिणं दक्षिणपादेन दक्षिणादि प्रदक्षिणं प्रदक्षिणपीठे शाक्तमातरः योगमातरः सिद्धमातरः देवमातरः गणिकामातरः मन्त्रमातरः सम्पूज्य ।

1 ध्यानम् —

ज्वालाकेशा ऊर्ध्वदंष्ट्रा सर्वभक्षा भयाढ्या रक्ता च बाणम् । चापं च पाशं दधती त्रिहस्ता पाशादिरक्ता बलिपीठशक्तिः ॥

इति ध्यात्वा श्रीवाह्यध्यानादिपञ्चोपचारैः सम्पूज्य पञ्चमावरणद्वारेषु, प्रदक्षिणोपचाराणि दत्वा स्वाहान्तेन बलिं निक्षिप्य मन्त्रेण जपेन सं वेष्ट्य पीठशक्तिं प्रदक्षिणं सम्पूज्य श्रीमद्देवीं यथास्थाने संस्थाप्य नैवेद्य प्रदक्षिणोपचाराणि दत्वा सर्वोपचारान् कारयेत् । ततो देवीसन्निधौ हरेतापवत् ताण्डवं कारयेत् ॥

अथ निर्माल्यमानीय चण्डेश्वर्यायार्पयित्वा चण्डेश्वरीं मन्त्रेणावाह्य ध्यानादिना सान्निध्यं सम्पूज्य निर्माल्यमाल्यगन्धादिकं समर्प्य हविर्निवेद्य प्रदक्षिणोपचाराणि दत्वा अनुज्ञामादाय सन्निधिमेव गत्वा देवेश्वर्याः नमस्कारस्तोत्र प्रदक्षिणादिकं विधाय चाञ्चल्यदोषं विधाय क्षमापयेत् । मन्त्रेश्वरीं प्रार्थयेत् ।

ज्ञानतोऽज्ञानतो वा विशेषात् मन्त्रतन्त्रे यत् । तत्सर्वं प्रणमेऽत्र वरदे क्षमस्वाद्य मन्त्रेश्वरि ॥ इति

विज्ञाप्य धन्विकामारोप्य बहिः प्रविशेत् ।

इति नित्यार्चनाविधिः समाप्तः ॥

---

1 बलिपीठशक्तिध्यानं मातृकायामेवं विधं वर्तते ।
ज्वालादिकेशां ऊर्ध्वदंष्ट्रां सर्वेषां भक्षकां ध्यायेत्
बाणपाशौ । खड्गं च हस्तद्वयधारयन्तां पीठ
शक्तिं बलिरक्तप्रदायिनीम् ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

## 𑌅𑌥 𑌕𑌪𑌿𑌲𑌾𑌪𑍂𑌜𑌾 ।

𑌤𑌤𑍍𑌸𑌲𑌕𑍍𑌷𑌣𑌾𑌂 𑌕𑌪𑌿𑌲𑌾𑌂 𑌮𑍂𑌲𑌨 𑌨𑌮𑍋𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌸𑍍𑌨𑌾𑌨𑍋𑌕𑍍𑌤𑌦𑍍𑌰𑌵𑍍𑌯𑍈𑌸𑍍𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑌕𑍍𑌷𑌾𑌲𑍍𑌯 𑌵𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣𑌾𑌚𑍍𑌛𑌾𑌦𑌨𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌤𑌦𑍍𑌯𑍋𑌗𑍍𑌯𑌾𑌹𑌾𑌰𑌪𑍋𑌷𑌣𑌭𑌾𑌜𑌨𑍇𑌨 𑌧𑍂𑌪𑌾𑌦𑌿 𑌪𑌾𑌦𑍍𑌯𑌾𑌦𑍍𑌯𑍈𑌰𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌵𑌾𑌦𑍍𑌯𑌘𑍋𑌷𑍈𑌸𑍍𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑍍𑌯 𑌜𑌨𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑍇 𑌧𑍂𑌪𑌦𑍀𑌪 𑌶𑍍𑌰𑍁𑌤𑌿𑌶𑍍𑌰𑌵𑌣𑌗𑌾𑌨 𑌗𑍀𑌤𑌵𑌾𑌦𑍍𑌯𑌨𑍃𑌤𑍍𑌤𑍈𑌃 𑌦𑍇𑌵𑌾𑌗𑍍𑌰𑍇 𑌦𑍇𑌶𑌾𑌨𑍍𑌤𑌰𑌂 𑌨𑍀𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌤𑌦𑍍𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍇 𑌪𑌾𑌰𑍍𑌶𑍍𑌵𑍇 𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑌾𑌭𑌿𑌮𑍁𑌖𑍀𑌂 𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌯𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌣𑌾𑌯𑌾𑌮𑌾𑌦𑌿𑌭𑌿𑌸𑍍𑌸𑌙𑍍𑌕𑌲𑍍𑌪𑍍𑌯 𑌸𑍍𑌨𑌾𑌨𑌾𑌨𑍍𑌤𑍇 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌾𑌮𑍃𑌤𑍇𑌨 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌮𑌣𑍍𑌡𑌪𑍇 𑌷𑍋𑌡𑌶𑍋𑌪𑌚𑌾𑌰𑍈𑌃 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑍁𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌃 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌸𑌮𑍇𑌤𑌾𑌃 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌸𑍍𑌥𑌲𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌿𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌮𑌙𑍍𑌗𑌲𑌾𑌷𑍍𑌟𑌕𑌂 𑌪𑌠𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌕𑌪𑌿𑌲𑌾 𑌨𑌾𑌮𑌭𑌿𑌃 𑌨𑌮𑍋𑌽𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌪𑌞𑍍𑌚𑍋𑌪𑌚𑌾𑌰𑍈𑌃 𑌷𑍋𑌡𑌶𑍋𑌪𑌚𑌾𑌰𑍈𑌶𑍍𑌚 𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌮𑍍 –

𑌗𑍋𑌰𑍂𑌪𑌂 𑌮𑌾𑌤𑍃𑌕𑌾𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌃 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌾𑌦𑍍𑌯𑌾𑌃 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌦𑍇𑌵𑌤𑌾𑌃 ।
𑌮𑍁𑌖𑌂 𑌤𑍁 𑌚𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌦𑍈𑌵𑌤𑍍𑌯𑌂 𑌪𑍃𑌷𑍍𑌠𑍇 𑌗𑌙𑍍𑌗𑌾 𑌸𑌰𑌸𑍍𑌵𑌤𑍀 ॥
𑌪𑌾𑌦𑍇𑌷𑍁 𑌧𑌰𑍍𑌮𑌦𑍇𑌵𑌾𑌶𑍍𑌚 𑌸𑍍𑌕𑌨𑍍𑌧𑌯𑍋𑌰𑌗𑍍𑌨𑌿𑌸𑍂𑌰𑍍𑌯𑌕𑍌 ।
𑌪𑌾𑌰𑍍𑌶𑍍𑌵𑍇 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌤𑍀𑌰𑍍𑌥𑌾𑌨𑌿 𑌰𑍋𑌮𑌕𑍂𑌪𑍇 𑌋𑌷𑍀𑌶𑍍𑌵𑌰𑌾𑌃 ॥
𑌇𑌤𑍍𑌯𑍇𑌵𑌂 𑌦𑍇𑌵𑌤𑌾𑌰𑍂𑌪𑌂 𑌗𑍋𑌦𑍇𑌵𑌿𑌕𑌾𑌂 𑌨𑌮𑌾𑌮𑍍𑌯𑌹𑌮𑍍 ।

𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌆𑌵𑌾𑌹𑍍𑌯 𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌨𑌾𑌦𑌿 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌰𑍍𑌶𑍍𑌯 𑌧𑍂𑌪𑌦𑍀𑌪𑌾𑌵𑌸𑌾𑌨𑌾𑌨𑌿 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌗𑍋𑌮𑍂𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌗𑌨𑍍𑌧𑌮𑌾𑌲𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌭𑌿𑌰𑌲𑌙𑍍𑌕𑍃𑌤𑍍𑌯𑌾𑌵𑌾𑌹𑍍𑌯 – 𑍐 𑌹𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌕𑍍𑌷𑍂𑌂 𑌕𑌪𑌿𑌲𑌾𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌗𑌨𑍍𑌧𑌾𑌦𑌿𑌷𑍋𑌡𑌶𑍋𑌪𑌚𑌾𑌰𑌾𑌨𑍍 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌧𑍂𑌪𑌦𑍀𑌪𑌾𑌵𑌸𑌾𑌨𑍇 𑌪𑌾𑌯𑌸𑌾𑌦𑌿𑌕𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌧𑍂𑌪𑌦𑍀𑌪𑌾𑌵𑌸𑌾𑌨𑍇 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌵𑌿𑌜𑍍𑌞𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌗𑍋𑌯𑌪𑍍𑌰𑌾𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍍𑌯𑌨 𑌨𑌿𑌵𑌾𑌸𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑍇 𑌵𑌿𑌸𑍃𑌜𑍇𑌤𑍍 । 𑌅𑌨𑌨𑍍𑌤𑌰𑌮𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑌮𑌣𑍍𑌡𑌪𑍇 𑌉𑌪𑌵𑌿𑌶𑍍𑌯 𑌕𑌾𑌲𑌾𑌤𑍀𑌤𑌾𑌦𑌿 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌯𑌶𑍍𑌚𑌿𑌤𑍍𑌤𑌾𑌯𑌥𑌂 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨𑌾𑌷𑍍𑌟𑍋𑌤𑍍𑌤𑌰𑌶𑌤𑌂 𑌹𑍁𑌤𑍍𑌵𑌾 ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



யஶொாக்தவத் வித்தா-ந-ஸாரம் நித்யஶா-நம் வியாய, ஸவெ-ு ஞ ஜ்ருஹம் ஷ்ருவிஶெய-ঃ ॥

ஜதி ஷ்யஶ ஸஙிர-வகாஶஸஙிவ-ஜாவியிঃ ॥

---

## 1 ஊய உவஸஙிவ-ஜா ॥

ஊய ஷி-தீயயாெஶ ஆரமணவதிஶாரஹூ வ-வ-ுவத் வ-ஜாம் வியாய விெஶஷாவ-ுநாஜி வியாய ஹவிஸ்தா ஶ-ப ெஜ நிவெதூ உவசாராநு வியாய ஹொமஶக்தீம் ஸ ஶ-ப்ஜ்ய த க்தாெஜ வரெஶ்வரீம் ெஜவெஜவேஶ்வரம் சாஶஊக்ருத்ய ெநெவெ ெஜூாஶநஶாநாயம் ெஜஶிகஸாஶூாராஹரெணஃ ஸவ-ு வாெஜூாவசார வஙிஜெநஃ நாநாவியாஞாவஷம்ஶதா ஶ-பஜவா த்ராஜீநு விதி த்ருவெஷ்ரூணாஹாஷ்ய ஶ-ஞெஜநாஹிஶ ஞூ்ய ஷிஶ-பஸநாவகூணெந வியாய த தா த்ராஜீநு வஙிசா ரகஶஸ்தெக ஸம்ஹூாவூ ஸ்வஹிஶஜஐெவாெஷஸ்ஶம் வயு-நீ ஸூஸ்தெதாயவ-வ-ுகம் ெஜவாஶூஶ-வஶஶூ ெநெவெஜூ ஶணெவ ஸாஹூாவூ வ-ஷாஞ்ஶம் ஶ-ஞெஜந வியாய விஶஶா ஸநம் ஸ ஶ-ப்ஜ்ய தெஸூாஜநாஜிஷஶவாநீயதா ஶ-ஞாஜீநு நிவெதூ ய-வஜீவாஜிநா ஸவெ-ுாவசாராநு காரயெத் । தஜநஞரம் ஸவெ-ுஷாம் நிவெஜநம் வியாய ஊஷ்ரீகாய-ுதா ஞ்ஜவவ-ஜாஜிகம் த்ரஜெத் । ஊநெூாவசாராநு வ-வ-ுவத் காரயெத் ॥

ஜத்யூ-வஸஙிவ-ஜா வியிঃ ॥

---

1 நித்யவ-ஜாவியி ஶாத்ரகாயாம் ஷ்ருயஶஸஙிவ-ஜா நஞரம் ஶாயூாஹ்நிக வ-ஜா வியிঃ, ஊநஞரம் த்ருதீயயா ெஶ உவஸஙிவ-ஜா வியிரிதி விஜூெத । ஷட்காலநிண-ு ய வக்ஷ பெஶ ெஶாகா-ந-ஹெவந ச வூத்யாஸிதஃ ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



## अथ माध्याह्निकपूजाविधिः ॥

उत्तरकारणे धनुर्मासपूजाविधिपटले —
मध्याह्नसमये प्राप्ते स्नपनं पञ्चगव्यकम्। आरपू-
जां प्रकल्प्याथ पाद्यान्तं समर्चयेत्। विघ्नशाखि-
ञ्चतः कृत्वा शिरस्नानं प्रपूजयेत्। अभिषेकञ्च
तः कृत्वा गन्धपुष्पैरलङ्कृतम्। होमाग्निं पूज-
येत् पश्चात् नैवेद्यादिपचारतः। गौरीपू-
जां ततः कृत्वा चण्डं पूजयेत् ततः। इति विद्येश-
तो माध्याह्न पूजायामार्गः कृतमाध्याह्निकश्च
यः उपरि प्रविश्य स्नपनमण्डप उपविश्य सकलीकरणा-
द्यष्टपूजनान्तं पूर्ववत् कृत्वा अर्घ्यं परिकल्प्य
पञ्चाहपञ्चगव्य पञ्चामृत नित्यस्नपन विशेष
1 स्नपनादि विधाय आरपूजां कृत्वा बिम्बं परिह-
स्ताद्भ्यः प्रविश्य गर्भावरणादि विघ्नेशश्वेतशास्त्राया-
रादि शिवासनपर्यन्तं सम्पूज्य मूलाह्वानं विधाय।
अभिषेकक्रमेण द्रव्यैस्सह अन्नाभिषेकादिस्नपना-
ञ्चम्भिषिच्य अलङ्कृत्य कामिकोक्तवत् हविस्सम्पूज्य नै-
वेद्यापचाराद् विधाय होमशक्त्यादि सहाशक्तिपर्य-
न्तं सहोत्सवादिनित्यदेवता विना स्नपनदानपर्यन्तं वि-
धाय ततः पादुकारायनादि कृत्वा अग्निरोहं परि-
ह्रास्य चण्डेशकोटाकाद्यष्टपरिषेण सम्भितिं सम्पू-
ज्य चण्डावरणं कार्यात्।

ततः निर्माल्यसन्धानपरिविश्य निर्माल्यादिनादि-
कं शङ्खब्राह्मणादीनां सर्वेषां च विनियोगं
कारयेत् ॥

इति माध्याह्निकपूजाविधिः ॥

---

1 स्नपनसहनादि इति पाठः।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

## अथ होमविधिः ॥

ततो गृहस्थपक्षे स्वस्वाश्रमोक्तं विधाय अग्रेणाज्यं संप्रोक्ष्य पुरस्तात् परिस्तरणादि कृत्वा संकल्प्य तत औपासनाग्नौ पूर्णाहुतिपर्यन्तं जां कृत्वा हवनमारभेत् ।

क्षीरे वा दध्नि वा आज्ये वा ... पवित्रेण वा स्रुचा स्रुवेण वा ... मन्त्रेण ... हुत्वा ... । ... हुत्वा ... शेषं ... विभज्य ... शेषं ... बलिं ... दत्वा ... क्षिपेत् । तद्यथा ... दक्षिणदेशे ... विधाय ... पश्चिमोत्तरे दक्षिणदेशे देवादिभ्यो ... बलिं निक्षिप्य ... देवताभ्यो ... शेषं ... बलिं निक्षिप्य तदन्ते ... होमं विधाय स्वस्वाश्रमोक्तं ... कृत्वा संकल्प्य शिवाग्नौ प्रवणमारभेत् ॥

इति होमविधिः ॥

---

## अथ प्रदोषकालपूजाविधिः ॥

नित्यं पूजयेत् ... नैवेद्यं ... नैवेद्यं ... ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌮𑌹𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌾𑌦𑌿𑌦𑍇𑌵𑌾𑌨𑌾𑌂 𑌗𑍌𑌰𑌵𑍍𑌯𑍇𑌣𑍈𑌵 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑌨𑌂 𑌤𑍁। 𑌉𑌪𑌚𑌾𑌰𑌾𑌶𑍍𑌚 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌤𑍍𑌰' 𑌇𑌤𑍍𑌯𑍁𑌤𑍍𑌤𑌰𑌕𑌾𑌰𑌣𑍋𑌕𑍍𑌤𑌤𑍍𑌵𑌾𑌤𑍍 𑌪𑍍𑌰𑌦𑍋𑌷𑌕𑌾𑌲𑍇 𑌪𑍂𑌜𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌵𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯𑌮𑌾𑌣 𑌪𑍍𑌰𑌕𑌾𑌰𑍇𑌣 𑌨𑌟𑍇𑌶𑌂 𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌤𑌦𑍍𑌯𑌥𑌾—

## 𑌅𑌥 𑌨𑍃𑌤𑍍𑌤𑌰𑌾𑌜𑍇𑌶𑌪𑍂𑌜𑌾 ॥

𑌤𑌤𑌶𑍍𑌚𑌤𑍁𑌰𑍍𑌥𑌯𑌾𑌮𑌾𑌰𑍍𑌧𑌸𑌮𑌯𑍇 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌯𑌃 𑌪𑌰𑌿𑌚𑌾𑌰𑌕𑍈𑌃 𑌸𑌾𑌰𑍍𑌧𑌂 𑌨𑌟𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌸𑌨𑍍𑌨𑌿𑌧𑌿𑌂 𑌗𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌵𑌦𑍁𑌪𑌵𑌿𑌶𑍍𑌯 𑌗𑍀𑌤𑌵𑌾𑌦𑍍𑌯𑌾𑌦𑍀𑌨𑌿 𑌪𑌰𑌿𑌚𑌾𑌰𑍍𑌯 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌦𑍍𑌵𑌾𑌰𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌦𑍍𑌵𑌾𑌰𑌪𑍂𑌜𑌾𑌦𑌿𑌕𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌗𑍍𑌦𑍍𑌵𑌾𑌰𑌸𑍍𑌯 𑌸𑌭𑌾𑌗𑍃𑌹𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌵𑌿𑌶𑍍𑌯 𑌸𑌭𑌾𑌵𑌰𑌣𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌬𑌿𑌮𑍍𑌬𑌮𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌆𑌸𑌨𑌂 𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍।

𑌤𑌦𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌮𑌤𑍍𑌕𑌾𑌮𑌿𑌕𑍇— 𑌸𑌕𑌲𑌨𑌿𑌷𑍍𑌕𑌲𑌾𑌤𑍍𑌮𑌕𑌾𑌸𑌨𑌂 𑌤𑍁 𑌵𑌿𑌧𑍀𑌯𑌤𑍇 । 𑌪𑌾𑌦𑌾𑌦𑌿 𑌚 𑌕𑌲𑍍𑌪𑌿𑌤𑌾𑌙𑍍𑌗𑌂 𑌮𑍂𑌲𑌾𑌧𑌾𑌰𑌂 𑌚 𑌭𑌾𑌵𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌤𑌤𑍋𑌽𑌨𑌨𑍍𑌤𑌾𑌸𑌨𑌂 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌂 𑌸𑌿𑌂𑌹𑌾𑌸𑌨𑌂 𑌦𑍍𑌵𑌿𑌤𑍀𑌯𑌕𑌮𑍍 । 𑌯𑍋𑌗𑌾𑌸𑌨𑌂 𑌤𑍃𑌤𑍀𑌯𑌂 𑌤𑍁 𑌚𑌤𑍁𑌰𑍍𑌥𑍇 𑌤𑍁 𑌪𑌦𑍍𑌮𑌾𑌸𑌨𑌂 𑌭𑌵𑍇𑌤𑍍 । 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌮𑌂 𑌵𑌿𑌮𑌲𑌾𑌖𑍍𑌯𑌂 𑌤𑍁 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌭𑍂𑌤𑌾𑌤𑍍𑌮𑌕𑌾𑌸𑌨𑌮𑍍 । 𑌆𑌵𑌾𑌹𑌨𑌾𑌸𑌨𑌂 𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌚 𑌸𑍍𑌨𑌾𑌨𑌕𑌰𑍍𑌮𑌣𑌿 𑌵𑌿𑌮𑌲𑌂 𑌪𑌾𑌵𑌨𑍇 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 𑌨𑍈𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯𑍇 𑌯𑍋𑌗𑌾𑌸𑌨𑌮𑍍 । 𑌸𑍍𑌤𑍋𑌤𑍍𑌰𑍇 𑌚𑍈𑌵 𑌨𑍃𑌤𑍍𑌤𑍇 𑌚 𑌸𑌿𑌂𑌹𑌾𑌸𑌨𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌕𑌲𑍍𑌪𑌯𑍇𑌤𑍍 𑌇𑌤𑌿॥

𑌏𑌵𑌂 𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣𑌾𑌵𑌾𑌹𑌨𑌾𑌯 𑌪𑌦𑍍𑌮𑌾𑌸𑌨𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌮𑍂𑌲𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣𑌾𑌵𑌾𑌹𑌨𑌾𑌦𑌿 𑌸𑌕𑌲𑍀𑌕𑍃𑌤𑌿𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌾𑌙𑍍𑌗𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌕𑌲𑌾𑌙𑍍𑌗𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌨𑌾𑌦𑌿𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌰𑍍𑌶𑍍𑌯 𑌤𑌥𑌾 𑌚 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌮𑍂𑌲𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌆𑌵𑌾𑌹𑌨𑌾𑌦𑌿𑌨𑌾 𑌦𑍇𑌵𑍀𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌤𑌤𑍋 𑌦𑍇𑌵𑌾𑌗𑍍𑌰𑍇 𑌪𑍍𑌰𑌤𑌿𑌮𑌾𑌪𑍂𑌜𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌸𑍍𑌨𑌾𑌨𑌪𑍀𑌠𑌂 𑌸𑌂𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌤𑌦𑍁𑌪𑌰𑌿 𑌸𑌿𑌂𑌹𑌾𑌸𑌨𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌤𑌦𑍍𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌤𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌤𑌿𑌮𑌾𑌸𑌂𑌪𑍁𑌟𑌂 𑌸𑌂𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌉𑌜𑍍𑌜𑍍𑌵𑌲𑌵𑍇𑌟𑌕𑌂 𑌨𑍀𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌤𑌨𑍍𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌆𑌰𑌪𑍂𑌜𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌯𑌥𑌾𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌵𑌦𑍍𑌵𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌣𑌿 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌶𑌿𑌰𑌂 𑌸𑌂𑌗𑍃𑌹𑍍𑌯 𑌆𑌧𑌾𑌰𑍇𑌣 𑌸𑍍𑌨𑌾𑌨𑌦𑍇𑌶𑍇 𑌸𑌂𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌤𑌥𑌾 𑌶𑌿𑌰𑌆𑌧𑌾𑌰𑌤𑍇𑌨𑌾𑌵𑌾𑌹𑌨𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣𑌾𑌽𑌽𑌵𑌾𑌹𑌨𑌾𑌦𑍀𑌨𑍍 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌹𑍍𑌯 𑌆𑌵𑌾𑌹𑍍𑌯 𑌆𑌵𑍍𑌯𑌯𑌾𑌹𑍍𑌯 𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌨𑌾𑌦𑌿𑌪𑌞𑍍𑌚𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌶𑍍𑌯 𑌸𑌪𑍍𑌤𑌾𑌵𑌰𑌣𑌾𑌨𑍍 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯𑌾𑌚𑍍𑌚 ।

𑌅𑌨𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌨𑍃𑌤𑍍𑌤𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌂 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌸𑌹𑌿𑌤𑌂 𑌅𑌨𑌨𑍍𑌤𑌾𑌸𑌨𑍇𑌨 𑌹𑍃𑌦𑌯𑍇𑌨 𑌆𑌪𑍂𑌜𑌨𑌾𑌵𑌸𑍍𑌯𑌾𑌦𑍈𑌃 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌵𑌾𑌰𑌂 𑌸𑍍𑌨𑌾𑌨𑌾𑌯𑌚𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌪𑌾𑌦𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌭𑍃𑌤𑌿𑌶𑌿𑌰𑌸𑌿𑌷𑍇𑌕𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣𑌾𑌭𑌿𑌷𑌿𑌚𑍍𑌯 𑌉𑌦𑍍𑌧𑍂𑌲𑌨𑌾𑌦𑌿𑌵𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌗𑌨𑍍𑌧𑌪𑍁𑌷𑍍𑌪𑌧𑍂𑌪𑌦𑍀𑌪𑌾𑌭𑌰𑌣𑍈𑌰𑌲𑌙𑍍𑌕𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌬𑌿𑌂𑌬𑌂 𑌤𑌦𑍍𑌵𑌦𑌲𑌙𑍍𑌕𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌵𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌦𑍍𑌧𑍂𑌲𑌨𑌾𑌰𑌙𑍍𑌕𑌾𑌰𑌾𑌦𑍀𑌨𑍍 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯𑌾𑌚𑍍𑌚 ।

𑌅𑌥 𑌨𑍈𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯𑌾𑌯𑌚𑌂 𑌯𑍋𑌗𑌾𑌸𑌨𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌪𑌾𑌦𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌭𑍃𑌤𑌿𑌶𑌿𑌰𑍋 𑌵𑌿𑌮𑌲𑌾𑌸𑌨𑌮𑌹𑍍𑌯𑌾𑌦𑍍𑌯 𑌉𑌪𑌾𑌹𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌶𑌾𑌲𑌾𑌨𑍍𑌨𑌂 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯 𑌬𑌿𑌲𑍍𑌵𑌪𑌦𑌾𑌸𑌨𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌨𑌟𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌂 𑌕𑍍𑌰𑌮𑌨 𑌆𑌪𑌦𑍍𑌧𑌿𑌮𑌪𑌦𑌿𑌵𑍍𑌯𑌾𑌮𑌹𑍍𑌯𑌾𑌦𑍍𑌯 𑌹𑍃𑌦𑌯𑍇 𑌗𑌾𑌯𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯𑌾𑌽𑌭𑌿𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍍𑌯 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌯𑍇𑌚𑍍𑌚 ।

𑌅𑌪𑌸𑍍𑌮𑌾𑌰𑌂 𑌤𑌂 𑌚𑌤𑍁𑌰𑍍𑌭𑍁𑌜𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌣𑌯𑌨𑌂 𑌪𑌾𑌦𑌤𑍁𑌦 𑌧𑌾𑌰𑌯𑍁𑌨𑍍𑌮𑌾𑌕𑌂 𑌚𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌂 𑌪𑌤𑍍𑌰𑌶𑌿𑌵𑌿𑌭𑍂𑌷𑌾𑌵𑌿𑌤𑌕𑌾𑌰𑌂 𑌪𑍋 𑌦𑍍𑌵𑌯𑌂 𑌪𑌦𑌂 𑌕𑌾𑌞𑍍𑌚𑌿𑌤𑌮𑍍 ॥ 𑌸𑌵𑍍𑌯 𑌸𑍍𑌵𑌸𑍍𑌤𑌿𑌕𑌕𑌾𑌞𑍍𑌚𑌮𑍇 𑌦𑌮𑌰𑍁𑌕𑌂 𑌗𑌙𑍍𑌗𑌾𑌮𑌯𑍇 𑌬𑌿𑌭𑍍𑌰𑌤𑌂 𑌪𑌦𑍇 𑌕𑌿𑌙𑍍𑌕𑌿𑌣𑍀𑌜𑌾𑌲𑌂 𑌨𑌟𑍇𑌶𑌮𑍀𑌹𑌿𑌤𑌾𑌪𑌸𑍍𑌮𑌾𑌰𑌦𑍇𑌹𑌸𑍍𑌥𑌿𑌤𑌮𑍍 ॥ 𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾𑌽𑌽𑌵𑌾𑌹𑍍𑌯 𑌤𑌤𑌃 𑌤𑌦𑌾𑌮𑌤𑌃 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑌿𑌵𑌕𑌾𑌮𑌸𑍁𑌨𑍍𑌦𑌰𑍀𑌕𑌾𑌸𑌨𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑌿𑌵𑌕𑌾𑌮𑌸𑍁𑌨𑍍𑌦𑌰𑍀𑌕𑌾𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮𑌃 । 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌮𑍍 ॥

𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌂 𑌚 𑌦𑍍𑌵𑌿𑌭𑍁𑌜𑌾𑌂 𑌸𑍁𑌮𑍁𑌖𑌿𑌤𑌕𑌰𑌾𑌂 𑌨𑍀𑌲𑍋𑌤𑍍𑌪𑌲𑌂 𑌬𑌿𑌭𑍍𑌰𑌤𑍀𑌂 𑌶𑍍𑌯𑌾𑌮𑌾𑌭𑌾𑌂 𑌦𑍍𑌵𑌿𑌸𑍁𑌨𑍇𑌤𑍍𑌰𑌵𑌾𑌰𑌦𑌨𑌾𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌤𑍍𑌯𑌗𑍍𑌰𑌯𑍀𑌨𑌸𑍍𑌤𑌨𑍀𑌮𑍍 । 𑌨𑌾𑌨𑌾𑌭𑌰𑌣𑌭𑍂𑌷𑌣𑌹𑍇𑌮𑌰𑌤𑍍𑌨𑌮𑌕𑍁𑌟𑌾𑌂 𑌕𑍇𑌶𑌾𑌨𑍍𑌤𑌾𑌂 𑌦𑍍𑌯𑌾𑌕𑍍𑌷𑌾𑌂 𑌹𑌰𑌜𑍇 𑌦𑍇𑌵𑍀𑌂 𑌤𑌾𑌣𑍍𑌡𑌵𑌦𑍍𑌰𑌷𑍍𑌟𑍍𑌰𑍀𑌨𑌾 𑌚 𑌸𑌹𑌿𑌤𑌾𑌂 𑌗𑍌𑌰𑍀𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌾𑌦𑍍𑌯𑌲𑌙𑍍𑌕𑍃𑌤𑌾𑌮𑍍 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌆𑌪𑍂𑌜𑍇𑌨𑌾𑌽𑌽𑌵𑌾𑌹𑍍𑌯 𑌹𑍃𑌦𑌤𑌪𑍀𑌠𑍇𑌜𑍍𑌸𑍍𑌸𑍍𑌵𑌂 𑌸𑍍𑌵𑍃𑌷𑍍𑌟𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌪𑌞𑍍𑌚𑌕𑍃𑌤𑍍𑌯𑌂 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌾𑌕𑍍𑌷𑌰𑌂 𑌯𑌥𑌾𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑍇𑌷𑍁

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



வி_ந்யஸ்ய ஸம்ஹிதயாzஹ்யஸ்ய ஶங்கேண க்ருஷ்ணகந்தம் தார
யித்வா ஶங்கமுத்ராபடே ச தாரயித்வா ப்ரதிஷ்டே பஞ்சா
வரணஸ்தானேஷு பஞ்சாவரணம் ஸம்பூஜ்ய நைவேத்ய
பாத்ரவத்வாவஸ்யாணி தத்வா விஷ்ணுபூதிம் பலிம் தத்வா
யித்வா விஷ்ணும் வேதிகே ஸம்ஸ்தாப்ய யதாஸ்தானம் விந்யஸேத்॥
அத பூஜாத: ஶக்திப்ரஷ்டித்ரேண பஞ்சாவரண
ஸ்யாஸ்ய ப்ரணவேந ப்ராஸ்யாஸ்ய ஜாயாயாம் வணாநஸ்ய
ஸ்ய தேவீம் மௌலீஷேத் ஸம்பூஜ்ய நைவேத்யாதிம் ப்ரா
ஶனாஸனம் ஸம்பூஜ்ய ஶங்கபாத்யாவதம் ஶேஷம் நை
வேத்யம் பாத்ரவத்வாவஸ்யாணி ச தத்யாத் ॥
அத ந்ருத்தாரம்பஸ்ய தாளஸூத்ரவாத்யை: தேவம் ஸந்தோ
ஷ்ய தாளாந்தே ப்ரதிஷ்டம் ப்ரதிஷ்டம் நைவேத்யாவ
சாரம் விதாய வாஹனஸிம்ஹாஸனம் ஸம்பூஜ்ய ஶக்த்யாதிஷ்டி
க்ஷேத்ர ப்ரஹ்மஸஹிதம் ஶஷ்டேர்வஹஸ்யாஸ்ய தகாஶ்வ
யோ: பதஞ்சலிவ்யாக்ரபாதௌ ஸம்பூஜ்ய பாதயோஶ்ச
பஸ்மாரஸ்யாஸ்ய ஜடாயாம் கங்காசந்த்ரஸ்யாஸ்ய தத: உத்
ஶாந்த்யர்தம் ஶக்திபாதாந்த்ர விஷ்வக்ஸேனாஷாபப்ர
திவாஸ்யாய தாலோத்ஸவம் நைவேத்ய பாத்ரவத்வா
வேத்யாபாராநந்தேயாத் ।
இதி ப்ரதோஷகாலே ந்ருத்தாரம்பே பூஜாவிதி: ॥
அத பூஜாவிஷ்ணுஸ்ய ஶேஷ்வராதிபேராணாம் மௌ
லாஸ்து நைவேத்யம் பாத்ரவத்வாதிகஞ்ச தத்வா ஸர்வோபசா
ராந்து கல்பயேத் । இதி ப்ரதோஷகாலபூஜா ॥

---

### ஸாயரக்ஷாயாம்
### பூஜாவிஷ்ணுபூஜாவிதி: ॥

காலே ப்ரதோஷகாலபூஜா விதிவத்யதே ।
தேஹஶுத்திம் ஸமாசரேத் ।
ஸ்நானம் காரயேத் பஶ்சாத் ஆரபூஜா விதீயதே ।
பூஜாபேரஞ்ச ஸம்ஸ்தாப்ய நைவேத்யஞ்ச ததோ பரம் ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



ரூரஜோவவாரஶோமெஹுண வ-ஙஜயிக்வா யயாகூஶ்ஷ ।
ஶயெ௵ ஸவஹுக்ஷ நைவேத்யம் வாவஹுத் வணூஹெரவாநு।
நைவேத்யஞ்ச தத: வஸூாத்ரவவாாரம்ஸஙெயவவ।
ஹுதாஶநம் ஸஶஹுவஹு நிதெ்யாத்ஸவஶத: வாஜ॥ ஊதி
விதூயதே ।

தத்நந்தரம் ஶ்ரீஜூஸணியிஶ்ரவகஶ்ர ஸகஸகாரணவ-
ணூ்ரஹவணுமஸ்ரு வணூாஶ்ருதஸுவநாவஹுவாத்யாவஶதீயா
ஞம் வ-ஙவெஹுரக்ஷவுகாமெண க்ருக்வா அரவ-ஙஜாஜிகஞு
வஙவஹுவக்ஷ்யக்வா ஶிவ வணாஸந வணூாவரணாஜிகஶெ
ண ஸஶ-ஙஜ்யாஹிஷெக நைவேத்ய ய-ஙவ 1 தீவாத்யவ
வாாநு வியாய ॥ தத்ஜெ வொஶாஸுநெஶூம் விநாzநூ
தெவதாநாம் யயொக்தாஹிஷெகாவஹுநெ வியாய நைவெ
த்யய-ஙவதீவாத்யவவாநு க்ருக்வா ஸாயாஹிகவ-ஙவெஹு
வா கஜெ வா வொஶாஸுநெஶூம் யஜெக ॥

---

1 காமெண । கூவாஹநஞ்ச பூயஶம் ஸூவநஞ்ச ஆி
தீயகஜு । த்ருதீயம் வாத்யொயம் ஸ்யாக கூவஶநம் வத
யஹுகஜு । வணூஶூவஹுர விநூாஸஷ்ஷஞெவா ஹிஷெவ
நஜு ॥ ஸவதஶம் வஸூகஸுணாவூஷ்ஷம் வஷ்வ-ஙஜநஜு ॥
நவஶெள ய-ஙவதீவெளவ த்ஶஶஞ்ச நிவெத்யகஜு । வணகாத்
ஶம் வஶிம் கயஹுாக அாத்ஶம் ஹொஶகஶுவ । க்ஷயொத்ஶம்
ஶ்ரீவஶிஞு மெயவாத்யஞுதத்ஹுஶஜு। நூத்ம் வணுத்ஶஞெஞு
வாவூஅாஸநஞ்ச ஷொஷஶஜு॥ ஊதி ஷொஷஶொவவா
ரொ யஃ கயிதஃ தத்ஞமஹுதீவொவவார ஷொஷஶவியஃ
கயூதெ ।

பூயஶஃ வஷ்ஷதீவஸூ ஆிதீயஃ வரஷாஶூமஃ ।
த்ருதீயொ நாமதீவஸூ வதயெஹுா மஜதீவகஃ ॥
வணுஶொ வ்யாஸூதீவஸூ ஷஷொஹம்ஸாவூதீவகஃ ।
ஸவதஶொ வாஜிதீவஸுத ஹூஷ்ஷஶஸிம் ஹதீவகஃ ॥
நவதீஸூ-ஙஙு தீவஸுத த்ஶஶஃ கெதத்ம் தீவகஃ ।
வஸூாக வூஷஹதீவஸுத அாத்ஶொ ஜூஶஞயா ॥

[illegible]णी-

ततः [illegible]तीर्थस्य [illegible]तीर्थस्तदनन्तरम्।
[illegible]तीर्थश्चैव [illegible] शक्तितीर्थं तु षोडशम्॥

एवं तीर्थवरं षोडशधा विधाय कलशं पञ्च [illegible] ब्रह्म[illegible]पूजा [illegible] [illegible] [illegible] व्यञ्जनादि[illegible]। पञ्च ब्रह्म[illegible]पूजाविधानं [illegible] प्रकाशयिष्यते। [illegible] षोडशोपचार प्रकारः उच्यते॥

प्रथमं [illegible]तीर्थं तु 1
द्वितीयः [illegible]तीर्थकः 2
तृतीयो नागतीर्थश्च 3
चतुर्थो वृषभस्तथा 4
पञ्चमो [illegible]तीर्थः स्यात् 5
षष्ठकः [illegible]। 6
सप्तमः [illegible]तीर्थश्च 7
[illegible]ष्टमं स्मृतम् 8
नक्षत्रं नवमं चैव 9
[illegible] दशमं स्मृतम् 10
एकादशं तु [illegible] स्यात् 11
द्वादशं [illegible] तथा 12
[illegible] त्रयोदशं चैव 13
ध्वजं स्यात्तु चतुर्दशम्। 14
पञ्चदशं [illegible] 15
षोडशं व्यजनं भवेत् 16

[illegible] विनियोक्तव्यानि [illegible]।

नैवेद्य [illegible] इत्यादि [illegible] जपः [illegible] ॐ ह्रां [illegible]नमः इत्य[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌟𑍍𑌵𑌿𑌣𑍀-

𑌤𑌂 𑌧𑍂𑌰𑍍𑌵𑌯𑌂 𑌵𑌯𑌂 𑌧𑍂𑌰𑍍𑌵𑌾𑌮𑌸𑍍𑌤𑍍𑌵𑌂 𑌦𑍇𑌵𑌾𑌨𑌾𑌮𑌸𑌿 𑌸𑌸𑍍𑌨𑌿𑌤𑌮𑌂 𑌪𑌪𑍍𑌰𑌿𑌤𑌮𑌂 𑌜𑍁𑌷𑍍𑌟𑌤𑌮𑌂 𑌵𑌹𑍍𑌨𑌿𑌤𑌮𑌂 𑌦𑍇𑌵𑌹𑍂𑌤𑌮𑌮𑌹𑍍𑌰𑍁𑌤𑌮𑌸𑌿 𑌹𑌵𑌿𑌰𑍍𑌧𑌾𑌨𑌂 𑌦𑍃𑌂𑌹𑌸𑍍𑌵 𑌮𑌾 𑌹𑍍𑌵𑌾𑌰𑍍𑌮𑌿𑌤𑍍𑌰𑌸𑍍𑌯 𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌚𑌕𑍍𑌷𑍁𑌷𑌾 𑌪𑍍𑌰𑍇𑌕𑍍𑌷𑍇 𑌮𑌾 𑌭𑍇𑌰𑍍𑌮𑌾 𑌸𑌂𑌵𑌿𑌕𑍍𑌥𑌾 𑌮𑌾 𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌹𑌿𑌂𑌸𑌿𑌷𑌮𑍍 । 𑌇𑌤𑌿 𑌜𑌪𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌧𑍂𑌪𑌮𑌾𑌘𑍍𑌰𑌾𑌪𑌯𑌾𑌮𑌿 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌾𑌘𑍍𑌰𑌾𑌪𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌦𑍀𑌪𑍇 । 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑍂𑌰𑍍𑌯𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑍍𑌯𑍁𑌚𑍍𑌚𑌾𑌰𑍍𑌯 𑌉𑌦𑍍𑌦𑍀𑌪𑍍𑌯𑌸𑍍𑌵 𑌜𑌾𑌤𑌵𑍇𑌦𑍋𑌪𑌘𑍍𑌨𑌨𑍍𑌨𑌿𑌰𑍍𑌋𑌤𑌿𑌂 𑌮𑌮 । 𑌪𑌶𑍂𑌂𑌶𑍍𑌚 𑌮𑌹𑍍𑌯𑌮𑌾𑌵𑌹 𑌜𑍀𑌵𑌨𑌞𑍍𑌚 𑌦𑌿𑌶𑍋 𑌦𑌿𑌶 । 𑌮𑌾 𑌨𑍋 𑌹𑌿𑌂𑌸𑍀𑌜𑍍𑌜𑌾𑌤𑌵𑍇𑌦𑍋 𑌗𑌾𑌮𑌶𑍍𑌵𑌂 𑌪𑍁𑌰𑍁𑌷𑌂 𑌜𑌗𑌤𑍍 । 𑌅𑌬𑌿𑌭𑍍𑌰𑌦𑌗𑍍𑌨 𑌆𑌗𑌹𑌿 𑌶𑍍𑌰𑌿𑌯𑌾 𑌮𑌾 𑌪𑌰𑌿𑌪𑌾𑌤𑌯 । 𑌇𑌤𑌿 𑌜𑌪𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌦𑍀𑌪𑌂 𑌸𑌂𑌦𑌰𑍍𑌶𑌯𑌾𑌮𑍀𑌤𑌿 𑌸𑌂𑌦𑌰𑍍𑌶𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌵𑍃𑌷𑌦𑍀𑌪𑍇 । 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌣𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑍍𑌯𑍁𑌚𑍍𑌚𑌾𑌰𑍍𑌯 𑌸𑌪𑍍𑌰𑌥 𑌸𑌭𑌾𑌂 𑌮𑍇 𑌗𑍋𑌪𑌾𑌯 𑌯𑍇 𑌚 𑌸𑌭𑍍𑌯𑌾𑌃 𑌸𑌭𑌾𑌸𑌦𑌃 𑌤𑌾𑌨𑌿𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌿𑌯𑌾𑌵𑌤𑌃 𑌕𑍁𑌰𑍁 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌮𑌾𑌯𑍁𑌰𑍁𑌪𑌾𑌸𑌤𑌾𑌮𑍍 । 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌜𑌪𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌵𑍃𑌷𑌦𑍀𑌪𑌾𑌖𑍍𑌯𑌮𑍁𑌕𑍍𑌷𑌾𑌰𑌦𑍀𑌪𑌂 𑌸𑌂𑌦𑌰𑍍𑌶𑌯𑌾𑌮𑍀𑌤𑌿 𑌸𑌂𑌦𑌰𑍍𑌶𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌪𑍁𑌰𑍁𑌷𑌮𑍃𑌗𑌦𑍀𑌪𑍇 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌦𑍈𑌤𑍍𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑍍𑌯𑍁𑌚𑍍𑌚𑌾𑌰𑍍𑌯 𑌪𑍁𑌰𑍁𑌷𑌮𑍃𑌗𑌶𑍍𑌚𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌮𑌸𑍋 𑌗𑍋𑌧𑌾 𑌕𑌾𑌲𑌕𑌾 𑌦𑌾𑌰𑍍𑌵𑌾𑌘𑌾𑌟𑌸𑍍𑌤𑍇 𑌵𑌨𑌸𑍍𑌪𑌤𑍀𑌨𑌾𑌮𑍇𑌣𑍍𑌯𑌹𑍍𑌨𑍇 𑌕𑍃𑌷𑍍𑌣𑍋 𑌰𑌾𑌤𑍍𑌰𑌿𑌯𑍈 𑌪𑌿𑌕𑌃 𑌕𑍍𑌷𑍍𑌵𑌿𑌙𑍍𑌕𑌾 𑌨𑍀𑌲𑌶𑍀𑌰𑍍𑌷𑍍𑌣𑍀 𑌤𑍇𑌽𑌰𑍍𑌯𑌮𑍍𑌣𑍇 𑌧𑌾𑌤𑍁𑌃 𑌕𑌕𑍍𑌕𑌟𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌜𑌪𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑍁𑌰𑍁𑌷𑌮𑍃𑌗𑌦𑍀𑌪𑌂 𑌦𑌰𑍍𑌶𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌨𑌾𑌗𑌦𑍀𑌪𑍇 𑍐 𑌨𑌾𑌗𑌰𑌾𑌜𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑍍𑌯𑍁𑌚𑍍𑌚𑌾𑌰𑍍𑌯 𑌨𑌮𑍋𑌸𑍍𑌤𑍁 𑌸𑌰𑍍𑌪𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌯𑍇 𑌕𑍇 𑌚 𑌪𑍃𑌥𑌿𑌵𑍀𑌮𑌨𑍁 𑌯𑍇 𑌅𑌨𑍍𑌤𑌰𑌿𑌕𑍍𑌷𑍇 𑌯𑍇 𑌦𑌿𑌵𑌿 𑌤𑍇𑌭𑍍𑌯𑌸𑍍𑌸𑌰𑍍𑌪𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃 𑌯𑍇 𑌦𑍋 𑌰𑍋𑌚𑌨𑍇 𑌦𑌿𑌵𑍋 𑌯𑍇 𑌵𑌾 𑌸𑍂𑌰𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌰𑌶𑍍𑌮𑌿𑌷𑍁 𑌯𑍇𑌷𑌾𑌮𑌪𑍍𑌸𑍁 𑌸𑌦𑌃 𑌕𑍃𑌤𑌂 𑌤𑍇𑌭𑍍𑌯𑌃 𑌸𑌰𑍍𑌪𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃 𑌯𑌾 𑌇𑌷𑌵𑍋 𑌯𑌾𑌤𑍁𑌧𑌾𑌨𑌾𑌨𑌾𑌂 𑌯𑍇 𑌵𑌾 𑌵𑌨𑌸𑍍𑌪𑌤𑍀𑌂𑌰𑌨𑍁 𑌯𑍇 𑌵𑌾𑌵𑌟𑍇𑌷𑍁 𑌶𑍇𑌰𑌤𑍇 𑌤𑍇𑌭𑍍𑌯𑌃 𑌸𑌰𑍍𑌪𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌜𑌪𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌨𑌾𑌗𑌦𑍀𑌪𑌂 𑌦𑌰𑍍𑌶𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



ध्वजः-

गजध्वजे ओं ह्रां विघ्नेश्वराय नमः इत्यावाह्य गणानां त्वा गणपतिं हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमं ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आ नः शृण्वन्नूतिभिः सीद सादनम् इति मन्त्रं जपित्वा गजध्वजं स्थापयेत् ॥

व्याघ्रध्वजे ओं ह्रां वागीश्वर्यै नमः इत्यावाह्य सिंहे व्याघ्र उत या पृदाकौ त्विषिरग्नौ ब्राह्मणे सूर्ये या । इन्द्रं या देवी सुभगा जजान सा न आगन्वर्चसा संविदाना इति जपित्वा व्याघ्रध्वजं स्थापयेत् ॥

हंसध्वजे ओं ह्रां ब्रह्मणे नमः इत्यावाह्य हंसः शुचिषद्वसुरन्तरिक्षसद्धोता वेदिषदतिथिर्दुरोणसत् । नृषद्वरसदृतसद्व्योमसदब्जा गोजा ऋतजा अद्रिजा ऋतं बृहत् इति मन्त्रं जपित्वा हंसध्वजं स्थापयेत् ॥

वाजिध्वजे । ओं ह्रां सोमाय नमः इत्यावाह्य कृत्व्य वाजिन्पृथिवीं चित्रिद्धर्षाकृत् । हंस्या पृक्त्वा यज्ञोपस्पृशि यतः पनातकं वयम् ॥ इति जपित्वा वाजिध्वजं स्थापयेत् ॥

सिंहध्वजे । ओं ह्रां दुर्गायै नमः इत्यावाह्य या देवी सुभगा सर्वत्रेति मन्त्रं जपित्वा सिंहध्वजं स्थापयेत् ॥

शरभध्वजे । ओं ह्रां त्रिपुरान्तकाय नम इत्यावाह्य अभिषेति यद्व्योमिव्याहृदयं शरभमाकारमासयेत् पृथिवीं शर्वाय पृथ्व्यास्वर्वाय च्छुष्कस्य वाकृत्स्य च सर्वान् श्रासयत्यभयस्य शार्दूलस्य विष्णोः त्र्यम्बकाय चैव वैवस्वताय नमः ॥ इति मन्त्रं जपित्वा शरभध्वजं स्थापयेत् ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌧𑍍𑌵𑌜𑍇-

𑌕𑍇𑌤𑍁𑌦𑍀𑌪𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑌾𑌯𑌵𑍇 𑌨𑌮𑌃 𑌕𑍇𑌤𑍁𑌂 𑌕𑍃𑌣𑍍𑌵𑌨𑍍𑌨𑌕𑍇𑌤𑌵𑍇 𑌪𑍇𑌶𑍋 𑌮𑌰𑍍𑌯𑌾 𑌅𑌪𑍇𑌶𑌸𑍇 𑌸𑌮𑍁𑌷𑌦𑍍𑌭𑌿𑌰𑌜𑌾𑌯𑌥𑌾𑌃 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌜𑌪𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌕𑍇𑌤𑍁𑌦𑍀𑌪𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌰𑍍𑌶𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌵𑍃𑌷𑌭𑌦𑍀𑌪𑍇 । 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑍃𑌷𑌭𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑍍𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌯𑌃 𑌸𑌹𑌸𑍍𑌰𑌶𑍃𑌙𑍍𑌗𑍋 𑌵𑍃𑌷𑌭𑌃 𑌕𑌲𑍍𑌯𑌾𑌣𑍋 𑌦𑍍𑌰𑍋𑌣𑌕𑍁𑌹𑌿𑌤𑌃। 𑌕𑌾𑌰𑍍𑌷𑍍𑌣𑌵𑌪𑍁𑌷𑌾𑌣𑍇𑌨 𑌵𑍃𑌷𑌭𑍇𑌣 𑌯𑌜𑌾𑌮𑌹𑍇। 𑌇𑌤𑌿𑌜𑌪𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌵𑍃𑌷𑌭𑌦𑍀𑌪𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌰𑍍𑌶𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌪𑍂𑌰𑍍𑌣𑌦𑍀𑌪𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌦𑍇𑌵𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮 𑌇𑌤𑍍𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌦𑍇𑌵𑍀𑌂 𑌵𑌾𑌚𑌮𑌜𑌨𑌯𑌨𑍍𑌤 𑌦𑍇𑌵𑌾𑌃 𑌤𑌾𑌂 𑌵𑌿𑌶𑍍𑌵𑌰𑍂𑌪𑌾𑌃 𑌪𑌶𑌵𑍋 𑌵𑌦𑌨𑍍𑌤𑌿 𑌸𑌾 𑌨𑍋 𑌮𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑍇𑌷𑌮𑍂𑌰𑍍𑌜𑌂 𑌦𑍁𑌹𑌾𑌨𑌾 𑌧𑍇𑌨𑍁𑌰𑍍𑌵𑌾𑌗𑌸𑍍𑌮𑌾𑌨𑍁𑌪𑌸𑍁𑌷𑍍𑌟𑍁𑌤𑍈𑌤𑍁 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌜𑌪𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌣𑌦𑍀𑌪𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌰𑍍𑌶𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌕𑍁𑌕𑍍𑌕𑍁𑌟𑌦𑍀𑌪𑍇 । 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌸𑍍𑌕𑌨𑍍𑌦𑌾𑌯 𑌨𑌮 𑌇𑌤𑍍𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌨𑌿𑌵𑍃𑌷𑍍𑌟𑍍𑌯𑍈𑌶𑍍𑌵𑌰𑌸𑌮𑌾𑌯𑌨𑍍𑌤𑍈𑌃 𑌕𑌾𑌮𑍇𑌹𑍁𑌭𑌿𑌕𑌮𑌾𑌵𑌰𑍍𑌣𑍈𑌃 𑌉𑌦𑍍𑌰𑌾𑌯𑌾𑌹𑌿 𑌸𑌹𑌸𑍍𑌰𑌯𑌾𑌕𑍍𑌷𑌿𑌵𑌿𑌦𑍍𑌰𑌾𑌷𑍍𑌟𑌿𑌵𑌸𑌨𑌃𑌵𑌾𑌯𑍋𑌶𑍍𑌵𑌤𑌵𑌿𑌕𑌰𑍍𑌦𑍍𑌰𑌮𑍈𑌃 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌤𑍋𑌵𑌿𑌷𑌵𑌰𑍍𑌣𑍈𑌃 𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑌾𑌶𑍍𑌵𑍇𑌨𑍍𑌪𑌾𑌰𑌾𑌵𑌸𑍍𑌤 𑌸𑌾𑌬𑍍𑌦𑍍𑌹𑌣𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌸𑌾𑌬𑍍𑌦𑍍𑌹𑌣𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌸𑌾𑌬𑍍𑌦𑍍𑌹𑌣𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌜𑌪𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌕𑍁𑌕𑍍𑌕𑍁𑌟𑌦𑍀𑌪𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌰𑍍𑌶𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌕𑌰𑍍𑌪𑍂𑌰𑌦𑍀𑌪𑍇 । 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌮𑌹𑌾𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑌵𑍇 𑌨𑌮 𑌇𑌤𑍍𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌇𑌦𑌂 𑌵𑌿𑌷𑍍𑌣𑍁𑌰𑍍𑌵𑌿𑌚𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇 𑌤𑍍𑌰𑍇𑌧𑌾 𑌨𑌿𑌦𑌧𑍇 𑌪𑌦𑌮𑍍। 𑌸𑌮𑍂𑌢𑌮𑌸𑍍𑌯 𑌪𑌾𑌂𑌸𑍁𑌰𑍇 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌜𑌪𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌕𑌰𑍍𑌪𑍂𑌰𑌦𑍀𑌪𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌰𑍍𑌶𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌅𑌗𑍍𑌨𑌿𑌦𑍀𑌪𑍇 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑌹𑍍𑌨𑌯𑍇 𑌨𑌮 𑌇𑌤𑍍𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌅𑌗𑍍𑌨 𑌆𑌯𑌾𑌹𑌿 𑌵𑍀𑌤𑌯𑍇 𑌗𑍃𑌣𑌾𑌨𑍋 𑌹𑌵𑍍𑌯𑌦𑌾𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌿 𑌹𑍋𑌤𑌾 𑌸𑌤𑍍𑌸𑌿 𑌬𑌰𑍍𑌹𑌿𑌷𑌿 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌜𑌪𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌅𑌗𑍍𑌨𑌿𑌦𑍀𑌪𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌰𑍍𑌶𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌦𑍀𑌪𑍇 । 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌯𑍇 𑌨𑌮 𑌇𑌤𑍍𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌗𑍌𑌰𑍀𑌰𑍍𑌮𑌿𑌮𑌾𑌯 𑌸𑌲𑌿𑌲𑌾𑌨𑌿 𑌤𑌕𑍍𑌷𑌤𑍍𑌯𑍇𑌕𑌪𑌦𑍀 𑌦𑍍𑌵𑌿𑌪𑌦𑍀 𑌸𑌾 𑌚𑌤𑍁𑌷𑍍𑌪𑌦𑍀 𑌅𑌷𑍍𑌟𑌾𑌪𑌦𑍀 𑌨𑌵𑌪𑌦𑍀 𑌬𑌭𑍂𑌵𑍁𑌷𑍀 𑌸𑌹𑌸𑍍𑌰𑌾𑌕𑍍𑌷𑌰𑌾 𑌪𑌰𑌮𑍇 𑌵𑍍𑌯𑍋𑌮𑌨𑍍𑌨𑌿𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌜𑌪𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌦𑍀𑌪𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌰𑍍𑌶𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



பிம்பே-

## பஞ்சாவரணஸகலபூஜா ॥

அஸ்த்ராதிகாதி பஞ்சாங்கமுத்ரா நிரீக்ஷணாதிஸம்ஸ்காரம்
ஸம்பாத்ய ஸ்வஸ்த்யந்தம் பஞ்சாங்கம் ஓம் ஹாம் ஆத்மதத்த்வாய
நம: ஆத்மதத்த்வாதிபதயே ப்ரஹ்மணே நம: । ஓம் ஹாம் வி
த்யாதத்த்வாய நம: வித்யாதத்த்வாதிபதயே விஷ்ணவே நம: ।
ஓம் ஹாம் ஶிவதத்த்வாய நம: ஶிவதத்த்வாதிபதயே ருத்ராய
நம: । இத்யப்யர்ச்ய, அஸ்த்ராதிகேஸராக்ரே ஓம் ஹௌம் ஶா
ந்த்யதீதகலாயை நம: பூர்வே ஓம் ஹாம் ஶாந்திகலாயை
நம: । தக்ஷிணே ஓம் ஹாம் வித்யாகலாயை நம: । உத்தரே
ஓம் ஹாம் ப்ரதிஷ்டாகலாயை நம: । பஶ்சிமே ஓம் ஹாம் நிவ்ரு
த்திகலாயை நம: । இத்யப்யர்ச்ய பஞ்சப்ரஹ்மஷடங்கமூர்த்தி
பிம்பநாபகர்ணிகே க்ருத்வா யோநாபத்மவிஜ்ஞாஸ்த்ராதி
ஸ்நா: ப்ரதமம் அஸ்த்ராதிகல்ய யபவதீவௌ தக்ஷா பபூ
ணடிகாங்கம் ஹிரண்யபாத்ரம் ஸயோ: பஞ்சோபசாரதி ஸய
பாத்ராஸநீதி ஸகயா ப்ரஹ்மண உபஹாரதி ஸகலயெவ
யஜமாந ஸூர்யாஸ்த்ரேஜோ தயாதி இதி மந்த்ரம் ஜபித்வா தயா
யேத் ॥

பஶ்சிமே ஸத்யோஜாதம் ப்ரபத்யாமி ஸத்யோஜாதாய
வை நமோ நம: பவே பவே நாதிபவே பவஸ்வமாம் பவோத்
பவாய நம: இதி மந்த்ரேண பஞ்சோபசாராதிகம் தத்யாத் ॥
உத்தரே வாமதேவாய நமோ ஜ்யேஷ்டாய நம: ஶ்ரேஷ்டாய நமோ
ருத்ராய நம: காலாய நம: கலவிகரணாய நமோ பலவிக
ரணாய நமோ பலாய நமோ பலப்ரமதநாய நம: ஸர்வ
பூததமநாய நமோ மநோந்மநாய நம: இதி மந்த்ரேண
பஞ்சோபசாராதிகம் தத்யாத் । தக்ஷிணே அகோரே
ப்யோऽதகோரேப்யோ கோரகோரதரேப்ய: ஸர்வேப்ய:
ஸர்வஶர்வேப்யோ நமஸ்தே அஸ்து ருத்ரரூபேப்ய: இதி
மந்த்ரேண த்ரிஶோபசாராதிகம் தத்யாத் । பூர்வே தத்பு
ருஷாய வித்மஹே மஹாதேவாய தீமஹி தந்நோ ருத்ர:

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



ப்ரவ்ணீ-

ப்ரசொாதயாகஃ இதி மந்த்ரேண அர்சாவாராத்ரிகநுஶ-ுயெகஃ ।
ஂரஂஶாெந-ஂரஂஶாநஸ்வ-ுவிஷ்யாநா ஶீஸ்ரஸ்வ-ுஹெஅதாநாம்
ப்ருஹ: யிவதிப்ரு-ுஹூணொzயிவதிப்ரு-ுஹூா ஶிவொமெ
சுஸ்த- ஸதாஶிவொம் । இதி மந்த்ரேண அகஃர்வாராத்ரிகநு
ஶ-ுயெகஃ ॥

நக்ஷத்ரீவெ- சுக்ஷிந-ுঃவாதர்க்ருத்திகாঃ நக்ஷத்ரதெவ
மிந்த்ரியம் । இதமாஸாம் விசக்ஷணம் । ஹவிராஸஞ்ஜுஹோதந
இதி மந்த்ரேண நக்ஷத்ரீவநுஶ-ுயெகஃ ॥

ஸொமொ வா அதஸ்ய ராஜ்யமாதத்தே । யொ ராஜா
ஸந்ராஜ்யா வா ஸொமேந யஜதே । தெவஸுவாமெதாநி
ஹவீம்ஷிபவந்தி । அதாவந்தோவைதேவாநாம் ஸவாঃ । த
அவாஸ்மை ஸவாந் ப்ரயச்சந்தி । த அநம் புநஸ்ஸுவந்தே
ராஜ்யாய । தெவஸு-மூராஜாபவதி இதி மந்த்ரேண சவ-ுமூர
தீவநுஶ-ுயெகஃ ।

ப்ருஹஸ்தாமக்ஷத்ரப்ருஷப்ருஷவ்ருஷியம் த்ரிஷ்டுபௌஜஶ்ஶு
தமாநுவீரம் । இந்த்ர ஸ்தொமேந பஞ்சதஶேந மத்யமிதம்வாதே
ந ஸகரேண ரக்ஷா இதி மந்த்ரேண ஹஸ்தரக்ஷாம் தாரயெகஃ ।
அத்ர மா மநஸொ ஜாதঃ । சக்ஷோঃ ஸு-மூயெ-ுா சஜாயத
இதி மந்த்ரேண தவ-ுணம் தஶ-ுயெகஃ ॥

சுக்ஷிஜெஉவாரொஹிதம் யஜுஷஸ்ய தெவ மூர்க்விஜம் ।
ஹொதாரம் ரத்நயாதமம் । சுயவா த-மூர்மஸ்யத்ரவாயஞ்
ஹீதாঃ தஷிந்த்ராஸ்ரீக்ருணாதாஞ்சிஶாவெ இதி மந்த்ரேணவா
ஊத்ரம் தாரயெகஃ ॥

ராஜாயிராஜாய ப்ரஸஹ்ய ஸாஹிநே நமோ வயம்
வைஶ்ரவணாய குர்மஹே ஸமேகாமாந் காமகாமாயமஹ்யம்
காமேஶ்வரோ வைஶ்ரவணோ ததாது குபேராய வைஶ்ர
வணாய மஹாராஜாய நமঃ। இதி மந்த்ரேண சாமரம் வீஜயெகஃ

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

[illegible]

[illegible] ॥ இதி வசநேந ஸம்வீஜயேத் ॥

[illegible]

ஶிவத்விஜ [illegible] ச ஸேவிதம் ।
ஶிவதீக்ஷித [illegible] ச ஸேவிதம் ॥
[illegible] ஸேவிதம் ।
[illegible] ஸேவிதம் ॥
[illegible] ஸேவிதம் ।
தீக்ஷாநைஷ்டிக [illegible] ஸேவிதம் ॥
தீக்ஷாஸமய [illegible] ஸேவிதம் ॥ இதி ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



# ஸௌராஷ்ட்ரத்வஜ: ॥

தத்யதா — ததஸௌராஷ்ட்ரேஶ்வராயய ரவஶ்ர ஸௌ
ஷ்ட்ராஸ்ய உபவிஶ்ய க்ருஷ்ணஶ்ரஸ்யாதி வாதாரவரணீயாநாம் வஶி
க்ஷ்வா ததஃ ப்ருதிவிஜ்ஞாபிஷேகாய ச வஞ்ஜமய வஞ்ஜாஶ்ரத
ஸ்வ நவப்ரஜாஹோராதிஸப்தாத ஆரவப்ரஜாம் விதாய
ஸந்தமத்வா ஜஹஜம் ஸப்ரஜ்ய ப்ரவஞ்ஜவடரஸ்தாய
மஹமேஹோ மஹாவரணஹ்யச பிப்தயரவெசாத
கேந ஸாஷ்ட்ராக்ஷ்ய வஞ்ஜாஸநரஹ்யச நிரசாம்யம் நீக்வா
ஸவசநாயசம் வத்ராஸநரஹ்யச ததந்நேத்ரேண பிப்தய
ஸ்யாநுவாஹநாதிகம் விதாய வப்ரவசவக திவிஜ்ஞவப்ரஜார
பிஷேகாதயசநாஞாம் விதிவத்க்ருத்வா கஞ்ஜே பிப்ஸம்த
ஶச ஸம்யோஜ்ய யதாஸ்தாநே நிவேஶயேத் ॥

வரந: ஷேவதாத்ரயே ஸ்நாநாய சரநஞாஸநரஹ்யச
கஶ்த்ரேணாவெசாதகேந ஸம்ப்ரோக்ஷ்ய வஸ்த்ரம் வஶித்ரஜ்ய
கந்யவஸ்த்ரேண உத்தசநம் க்ருத்வா வரந: வஸ்த்ரஹப்ஷண
மஙவரஷ்ராம்யாதி ஹிரண்யக்ருத்ய விரஶாஸநரஹ்யச பிப்
த்ரயராஸநரப்ரகிச ரப்ரமெ ஸ்வரப்ரஜ்ய பிப்த்ரயஸ்ய
ஹ்ருத்தேஶே ஃகாயத்ரீரஹிரஞ்ஜ்ய த்யாயேத் ॥

“தக்ஷாஶ்வத்தவாரநிஶ்சிதவதம் க்ருஷ்ணம் ரூமம் வாஹயம்
டக்கம் வாதயதம் வரம் ச கடகம் பிஹ்ராணயா வாரகே ।
வாராஶ்வத்தநிஶ்சிதாந்யவதயா தேவ்யாயரதம்ஶய்ததஸ்ஸ்த்ரே
நாஜகரஅயேந ஸஹிதம் ஸொரமரஹேஶம்ஹஜெ ॥

இதி த்யாத்வா ரப்ரமெநாநுவாஹ்ய ரப்ரயசாதிவாதாநாம்
வாதாதிஶௌசஜ்ஞம் ஹ்ருதயாதிவக்த்ராநாம் ஸ்ருஷ்ட்யாதிப்ரஹ்ம
ஜ்ஞரஹ்யச கராந்யாஸம் விதாய ஃகாயத்ரீத்ரயேணாபி
ரஞ்ஜ்ய யப்ரவதீவாவசாணி தக்வா வப்ரவசாதயஷ்திக்ஷர
ஸநஜேஶாந ஶக்தியரதாந ஸ்வரப்ரஜ்ய நத்யாதீந த்ருதீயா
வரணே ஸ்வரப்ரஜ்ய சதரயசாவரணே தஶலோகபாலாந
ஸ்வரப்ரஜ்ய வஞ்ஜாவரணே தஶாயரயஹ்யசயப்ரவதீவா

In Public domain: Digitization Muthulakshmi Research Academy

𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌣𑌿 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌬𑌿𑌮𑍍𑌬𑌰𑍂𑌪𑌾𑌣𑍍𑌯𑌷𑍁 𑌤𑌤𑍍𑌸𑍍𑌵𑌰𑍂𑌪𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌨𑍈𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌕𑌂 𑌉𑌕𑍍𑌤𑌪𑍍𑌰𑌕𑌾𑌰𑍇𑌣 𑌸𑌮𑌰𑍍𑌪𑍍𑌯 𑌶𑍇𑌷𑌾𑌣𑌾𑌂 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯 𑌯𑌥𑍋𑌕𑍍𑌤𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌣𑌿 𑌦𑌦𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 ॥

𑌅𑌥 𑌬𑌹𑌿𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌵𑌿𑌶𑍍𑌯 𑌨𑍃𑌤𑍍𑌤𑌮𑌣𑍍𑌟𑌪𑍇 𑌵𑌾 𑌪𑌚𑌨𑌾𑌲𑌯𑍇 𑌵𑌾 𑌹𑌸𑍍𑌤𑌤𑍍𑌰𑌯𑌂 𑌚𑌤𑍁𑌰𑌶𑍍𑌰𑌮𑌣𑍍𑌡𑌲𑌂 𑌪𑌰𑌿𑌕𑌲𑍍𑌪𑍍𑌯 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌪𑌞𑍍𑌚𑌾𑌶𑌤𑍍𑌤𑌣𑍍𑌡𑍁𑌲𑍇𑌷𑍁 𑌤𑌦𑍁𑌪𑌰𑌿 𑌕𑌲𑌶𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌸𑌪𑍍𑌤 𑌸𑌹𑌸𑍍𑌰𑌾𑌣𑌿 𑌨𑍀𑌰𑌾𑌜𑌨𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌣𑌿 𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌯𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌶𑌾𑌲𑌿𑌵𑌿𑌶𑍇𑌷𑍇𑌣 𑌧𑌾𑌨𑍍𑌯𑌰𑌾𑌶𑌿𑌂 𑌵𑌿𑌸𑍍𑌤𑌾𑌰𑍍𑌯 𑌧𑌾𑌨𑍍𑌯𑌮𑍇𑌕𑌂 𑌪𑌤𑌾𑌕𑌾𑌕𑌾𑌰𑌂 𑌪𑌰𑌿𑌕𑌲𑍍𑌪𑍍𑌯 𑌘𑍃𑌤𑍇𑌨 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑍍𑌯 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌦𑍀𑌪𑌾𑌨𑍍 𑌶𑍇𑌷𑌵𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍈𑌃 𑌕𑍃𑌤𑌾𑌕𑍍𑌷𑌤𑌪𑌰𑌿𑌶𑍍𑌰𑌿𑌤𑌾𑌂 𑌪𑌙𑍍𑌕𑍍𑌤𑌿𑌂 𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌦𑍀𑌪𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌹𑍃𑌦𑌯𑍇𑌨 𑌤𑌦𑍁𑌪𑌰𑌿 𑌕𑌰𑍍𑌪𑍂𑌰𑌖𑌣𑍍𑌡𑌮𑌾𑌜𑍍𑌯𑌪𑍂𑌰𑌿𑌤𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌣𑌿 𑌹𑌸𑍍𑌤𑌪𑍀𑌠𑍇 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌘𑍃𑌤𑍇𑌨 𑌸𑌂𑌯𑍋𑌜𑍍𑌯 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌨𑌵𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌣𑌿 𑌘𑌣𑍍𑌟𑌾𑌘𑍋𑌷𑌵𑌿𑌧𑌿 𑌪𑌾𑌰𑍀𑌕𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌪𑍁𑌣𑍍𑌯𑌕𑌾𑌹𑌰𑌿𑌦𑍍𑌰𑌾𑌯𑌾 𑌉𑌪𑌦𑍀𑌪𑌾𑌰𑍍𑌚𑌾𑌵𑌰𑌾𑌨𑍍 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌤𑌦𑍍𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌗𑌣𑌿𑌕𑌾𑌕𑌰𑍇 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌨𑍃𑌤𑍍𑌯𑌗𑍀𑌤𑌵𑌾𑌦𑍍𑌯𑍈𑌃 𑌸𑌹 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑌯𑍇𑌤𑍍 𑌦𑍇𑌵𑌸𑌨𑍍𑌨𑌿𑌧𑌾𑌵𑌰𑍍𑌷𑌵𑌿𑌶𑍍𑌯 𑌕𑌰𑍁𑌣𑍇 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌵𑍃𑌤𑍍𑌤𑍍𑌯𑌾 𑌪𑌰𑌾𑌬𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌅𑌥 𑌉𑌪𑌚𑌾𑌰𑌃 𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑌦𑌿𑌶𑌿 𑌵𑌷𑌟𑍍𑌕𑌾𑌰𑌪𑍍𑌰𑌣𑌾𑌮𑌾𑌦𑌿𑌕𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑌞𑍍𑌚 𑌦𑍇𑌵𑌦𑍇𑌵𑌸𑍍𑌯 𑌦𑍃𑌷𑍍𑌟𑌿𑌦𑍋𑌷𑌪𑌰𑌿𑌹𑌾𑌰𑌾𑌦𑌿 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑌦𑌾𑌯𑌂 𑌸𑌾𑌯𑌰𑌕𑍍𑌷𑌾𑌂 𑌕𑌰𑌿𑌷𑍍𑌯𑍇 𑌇𑌤𑌿 𑌸𑌙𑍍𑌕𑌲𑍍𑌪𑍍𑌯 𑌅𑌗𑍍𑌨𑍍𑌯𑌾𑌧𑌾𑌨𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌅𑌕𑍍𑌷𑌤𑌂 𑌚 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌪𑌦𑍍𑌮𑍇𑌷𑍁 𑌪𑍍𑌰𑌧𑌾𑌨𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌾𑌚𑍀𑌨𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌬𑌿𑌮𑍍𑌬𑌸𑍍𑌯𑍋𑌪𑌰𑌿 𑌦𑍃𑌷𑍍𑌟𑌿𑌦𑍋𑌷𑍇 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌾𑌣𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑌸𑍍𑌯 𑌚𑌤𑍁𑌰𑍍𑌦𑌿𑌕𑍍𑌷𑍁 𑌇𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌾𑌦𑍀𑌨𑍍 𑌲𑍋𑌕𑌪𑌾𑌲𑌾𑌨𑍍 𑌚𑌤𑍁𑌰𑍍𑌵𑍇𑌦𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌨𑍍 𑌤𑌦𑍁𑌪𑌰𑌿 𑌚𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑌸𑍂𑌰𑍍𑌯𑍌 𑌉𑌪𑌵𑌿𑌶𑍍𑌯 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌬𑌲𑌿𑌦𑌾𑌨𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌆𑌵𑌾𑌹𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌅𑌥 𑌨𑍈𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯𑌾𑌦𑌿𑌕𑌂 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌸𑌨𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌪𑌾𑌲𑌿𑌕𑌾𑌂 𑌨𑍈𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯𑌂 𑌨𑌾𑌨𑌾𑌵𑌿𑌧𑌾𑌨𑌿 𑌭𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯𑌾𑌣𑌿 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌦𑍋𑌷𑌕𑌾𑌲𑍇 𑌪𑌾𑌤𑍍𑌰𑌾𑌦𑍀𑌨𑌿 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌪𑍍𑌰𑌤𑍍𑌯𑍇𑌕𑌂

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



नादि ताल्वच्छेदं निवेश्य उपचारादिसिंहासनं सं
पूज्य पञ्चपीठनिरीक्षणाद्यष्टमुद्राणां कृत्वा
मूलमन्त्रेण त्रिवारं बिन्दुत्रयं वसिष्ठस्य हस्तम
स्तकं विधाय तत्र दीपं तन्मन्त्रेण सूर्यचन्द्रा
ग्निकारणपक्षः पावकः तत्त्वेन मन्त्रार्थमर्पण स
हितं सूर्यस्य तृतीयावस्थेन मूलेन प्रणवाकार
मवस्थ्य पादादिमस्तकान्तं समर्पयेत् ॥

अथ देशाधिपं वसिष्ठस्य हस्तं प्रक्षाल्य अ
न्यतीर्थादि तत्तद्वसिष्ठस्य करशिरं विधाय पाद्याचमनी
ये च दत्त्वा त्रिवादिकोपरि पञ्चगव्यादिकादीपमालो
व्य ययोक्तमन्त्रेणाभ्यर्च्य सूर्याय पञ्चपीठा
वर्त्माणि दत्त्वा धूपदीपादिकाद्यन्तराणं पञ्चब्रह्म म
न्त्रेण वसिष्ठस्य हस्तं प्रक्षाल्य पाद्यं विधाय सू
वर्णीयं दत्त्वा पवित्रपुष्पं जपं कुर्यात् शिवसन्निध्य अ
स्त्रेणस्वस्तिकावरि संप्रोक्ष्य मूलेनाभिमन्त्र्य
सूर्यादीनि येनोपहारार्थः पुष्पस्य मूलेन प्र
दक्षिणपञ्चिमादिषु पञ्चपञ्चकं कापाल्यस्त्रिज
निंपवत्त्रादि द्रव्येभ्यस्मं हस्त सन्निध्य देवत्वयो
वसि कवचेन वसिष्ठस्य दीपस्थापिकोपरि विन्यस्य
त्रिः वसिष्ठस्य करे हस्तं प्रक्षाल्य पञ्चेण ह
स्तोत्तलनं कृत्वा मूलेन हस्त सन्निध्य मूलयादि
पादान्तं पञ्चस्थानेषु पञ्चब्रह्मेनेण बिन्दु
यस्य रक्षां धारयित्वा बाहुमूले च पवित्रं धारयेत्
पृष्ठपार्श्वयोः सद्योजातादिमन्त्रेण रक्षां धारयि
त्वा हस्तशिरं विधाय पात्रं मूलमन्त्रेण करन्यासं
सन्निध्य कवचेन वसिष्ठस्य वसिपारककरे दत्त्वा ह
स्तं प्रक्षाल्य पाद्याचमनीये मूलत्रयस्य पादह
स्तयो मात्रादिदत्त्वा पञ्चः दपलाम हत्वा परव्यज
न तालवृन्तादिकं तत्तन्मन्त्रेण ययोक्तमन्त्रं च
पृष्ठपार्श्वे सन्निध्य तत्तन्मात्रादिदेवत्वयस्य दर्शयि
त्वा उपचाराविधाय पञ्चः कपालपाद्याचमनीयत्वयं

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



[illegible] दत्त्वा [illegible] तत [illegible] [illegible] विज्ञाप्य [illegible] [illegible] पाद्यादि [illegible] क्रमं प्रविश्य [illegible] विसृज्य [illegible] येत् ॥

इति सोमास्कन्दपूजाविधिः ॥

---

## अथ स्कन्दपूजाविधिः ॥

ततः [illegible] स्कन्ददेवालयं प्रविश्य [illegible] गर्भगृहं प्रविश्य [illegible] संप्रोक्ष्य [illegible] आसनं संपूज्य [illegible] ध्यायेत् ।

एकवक्त्रं द्विनेत्रं च चतुर्हस्तं [illegible] ।
[illegible]समायुक्तं सृणिहस्तं च दक्षिणे ॥
[illegible] वामहस्तं च सर्वाभरणशोभितम् ।
हेमवस्त्रधरं देवं हेमयज्ञोपवीतकम् ॥

इति ध्यात्वा ओं [illegible] इत्यावाह्य [illegible] शक्तिद्वयं [illegible] । ध्यायेत् ॥

पीतनील[illegible] [illegible] ।
[illegible]वस्त्रसमायुक्ते [illegible] दक्षिणे ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



[illegible] ॥

[illegible] सर्वाभीष्टप्रसिद्धये ।
[illegible] ॥

तत आवाह्य नैवेद्यान्तं [illegible] युवतीर्वा [illegible] दत्त्वा [illegible] सर्वोपचारान् विदध्यात् ॥

ततो महेश्वरादि[illegible]राणां परिवाराणां [illegible] सर्वोपचारान् विधाय [illegible] पूजान्ते [illegible] अर्धयामपूजार्थं [illegible] ।

## अर्धयामपूजा ॥

उत्तरकारणे यथा[illegible] पूजाविधिः पठ्यते ।
अर्धयामं प्रकुर्वीत [illegible] पञ्चगव्यकम् ॥
पञ्चामृतं प्रकल्प्याथ धारापूजां न कारयेत् ।
[illegible] स्नाननैवेद्य [illegible] च ॥
धूपदीपादिकं दत्त्वा [illegible] निवेदयेत् ॥
[illegible] पश्चात् क्षेत्रपालं समर्चयेत् ॥

अर्धयामपूजार्थं [illegible] पञ्चगव्य पञ्चामृतस्नपनादिकं [illegible] धारापूजां विना [illegible] सम्पूज्य [illegible] प्रविश्य [illegible] सम्पूज्य [illegible] हरेत् । [illegible] विधाय आसने शक्त्यादिशक्तिपर्यन्तं सम्पूज्य आवाहनादि [illegible] प्रदर्श्य [illegible] यथाक्रमं [illegible] । तथा चोक्तं श्री[illegible]किरणे ।

अर्धयामस्य पूजार्थं [illegible] ।
[illegible] कारयेत् ॥

In Public domain, Digitization Muthulakshmi Research Academy

इत्यर्घ्यपादाभिषिच्य गव्याज्यक्षीरदधिपञ्चगव्यादिभिर्म नारिकेलोदक गन्धोदकानि विशेषात्पुष्पोदकं सुवर्णोदकं शङ्खोदकं च पानीयोदकं चाभिषिच्य वस्त्रेणार्द्रापनयनं विधाय वस्त्रयज्ञोपवीतगन्धमाल्यादिभिरलङ्कृत्य धूपदीपनैवेद्यादि सुवर्णपात्रे कृत्वा व्यञ्जनापूपनैवेद्यादि हविस्तु ... निवेद्य सुवर्णनीयं दत्वा सर्वोपचारान् कारयेत् ॥

ततः शुद्धे पट्टवस्त्रे गौरीं सम्पूज्य देवेशस्य शयनार्थं प्रवेशार्थं पादुकां वा शिबिकेश्वरं वा क्षेत्रपालिकां अध्य संस्थाप्य तस्मिन्वृष[1]भासनं सम्पूज्य तन्मध्ये दिव्य वस्त्र गन्धमाल्याभरणैः अलङ्कृत्य श्रीभूमिभ्यां सम्पूज्य ध्याये येत् ।

माणिक्यं श्रीवत्सं च कौस्तुभं सुन्दरं शार्ङ्गम् ।
पद्मश्रीहस्तं च दयितं च परं श्रीकरम् ॥
सौमित्रायरं देवं करुणं च पद्मं च कर्णम् ।
शयितं वामपादं च उद्धितं दक्षिणं पदम् ॥
सर्वगन्धसुविधाढ्यं सर्वाभरणभूषितम् ।
विद्याधरं सौम्यं सर्वलोककारणम् ॥ इति
ध्यात्वा ।

श्रीदेवनारायणाय नैवेद्य पूर्वादीनि पात्राणि दत्वा ब्राह्मणेभ्यश्च नीराजनादि उपचारान् विधाय शिबिकायां विचित्रवर्णनावाद्य कुर्यात् ध्वज छत्रचामरव्यजन तालवृन्तैस्सहितं विचित्र पुष्प दीपावलीसमन्वितं पञ्चनैवेद्य गीत वाद्य नृत्य गद्य पद्य नटनोपचारान् विज्ञाप्य विष्वक्सेनादि च वैभवयुक्त देवता सङ्घसम्मेलनघोष्य नगरि केश्वरादनुज्ञया यथास्थानं प्रतिष्ठाप्य नगरिकेशवा शयनार्थं गर्भगृहे शिबिकायाः समीपे पर्यङ्के

1 पद्मासनमित्यधिकः ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



[illegible] देवीं दक्षिणतः प्रतिष्ठाप्य [illegible] देवीसहितं देवदेवं सम्पूज्य ब्राह्मणैश्च [illegible] पुष्पेण [illegible] [illegible] ध्यायेत् ॥

श्यामवर्णां त्रिनेत्रां च [illegible] ।
हेमवस्त्रधरां देवीं सर्वाभरणभूषिताम् ।
[illegible] सव्यहस्तेन दधतीं पुष्पहस्तकाम् ।
[illegible] निषण्णां तां प्रसन्नवदना[illegible] ।
एवं ध्यात्वा परां देवीं पुष्पेणावाहयेत् [illegible] ॥

[illegible] निवेद्य [illegible] दत्वा [illegible] नीराजनाद्युपचारान् [illegible] दत्वा [illegible] प्रविश्य [illegible] यजेत् ॥

इति पुष्पयागविधिः समाप्तः ॥

## अथ क्षेत्रपालपूजा ॥

तदनन्तरं क्षेत्रपालपूजार्थं क्षेत्रपाल[illegible] उपविश्य प्राणायामादिना सकलीकृत्य [illegible] संप्रोक्ष्य [illegible] पूजाङ्गद्रव्याणि च संप्रोक्षयेत् ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌅𑌥 𑌕𑌰𑌾𑌙𑍍𑌗𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌿𑌪𑍍𑌰𑌕𑌾𑌰𑌃 - 𑌓𑌂 𑌹𑌃 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । 𑌇𑌤𑌿 𑌕𑌰𑌶𑍋𑌧𑌨𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌅𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌾𑌦𑌿𑌕𑌨𑌿𑌷𑍍𑌠𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌹𑍋𑌂 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌾𑌯 𑌅𑌙𑍍𑌗𑍁𑌷𑍍𑌠𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌨𑌮𑌃 । 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌹𑍇𑌂 𑌤𑌤𑍍𑌪𑍁𑌰𑍁𑌷𑌾𑌯 𑌤𑌰𑍍𑌜𑌨𑍀𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌨𑌮𑌃 । 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌹𑍁𑌂 𑌅𑌘𑍋𑌰𑌾𑌯 𑌮𑌧𑍍𑌯𑌮𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌨𑌮𑌃 । 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌹𑌿𑌂 𑌵𑌾𑌮𑌦𑍇𑌵𑌾𑌯 𑌅𑌨𑌾𑌮𑌿𑌕𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌨𑌮𑌃 । 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌹𑌂 𑌸𑌦𑍍𑌯𑍋𑌜𑌾𑌤𑌾𑌯 𑌕𑌨𑌿𑌷𑍍𑌠𑌿𑌕𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌨𑌮𑌃 । 𑌇𑌤𑍍𑌯𑍇𑌵𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌹𑌃 𑌕𑍍𑌷𑍁𑌰𑌪𑌦𑍍𑌧𑌾𑌰𑌣𑌾𑌯 𑌕𑌰𑌤𑌲𑌕𑌰𑌪𑍃𑌷𑍍𑌠𑌾𑌭𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌨𑌮𑌃 । 𑌷𑌡𑌙𑍍𑌗𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌃 । 𑌅𑌥 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌵𑌤𑍍 𑌮𑌾𑌤𑍃𑌕𑌾𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌾𑌦𑌿𑌕𑌲𑌾𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌅𑌨𑍍𑌤𑌰𑍍𑌯𑌾𑌗𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨𑌾𑌰𑍍𑌘𑍍𑌯𑌂 𑌸𑌂𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌪𑍁𑌣𑍍𑌯𑌾𑌹𑌪𑌞𑍍𑌚𑌗𑌵𑍍𑌯𑌪𑌞𑍍𑌚𑌾𑌮𑍃𑌤𑌸𑍍𑌨𑌪𑌨𑌾𑌨𑌿 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌆𑌗𑍍𑌨𑍇𑌯𑌦𑍇𑌶𑍇 𑌵𑍀𑌰𑌗𑌣𑌪𑌤𑌿𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌪𑌾𑌶𑌾𑌙𑍍𑌕𑍁𑌶𑌗𑌦𑌾𑌶𑍃𑌙𑍍𑌗𑌪𑌞𑍍𑌚𑌬𑌾𑌣𑍀𑌂 𑌚 𑌤𑌰𑍍𑌜𑌨𑍀𑌮𑍍 ।
𑌵𑍀𑌰𑌂 𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌂 𑌵𑌨𑍍𑌦𑍇 𑌗𑌜𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌲𑍋𑌚𑌨𑌮𑍍 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌅𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 𑌆𑌗𑍍𑌨𑍇𑌯𑍇 𑌪𑍀𑌠𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌦𑌿𑌶𑌿 𑌪𑌾𑌰𑍍𑌶𑍍𑌵𑍇 𑌚 𑌪𑍁𑌷𑍍𑌪𑌦𑍂𑌰𑍍𑌵𑌾𑌪𑌤𑍍𑌰𑌾𑌦𑍀𑌨𑍍 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌅𑌥 𑌪𑍀𑌠𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌪𑌾𑌰𑍍𑌶𑍍𑌵𑌯𑍋𑌃 𑌓𑌂 𑌹𑌾𑌂 𑌦𑍍𑌵𑌾𑌰𑌪𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌓𑌂 𑌨(𑌨𑌾)𑌸𑌿𑌕𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃 𑌅𑌥 𑌦𑍍𑌵𑌾𑌰𑌪𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 𑌮𑌣𑌿𑌮𑌾𑌦𑍃𑌷𑍍𑌟𑌵𑌸𑌿𑌕𑍇𑌭𑍍𑌯𑍋 𑌨𑌮𑌃 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 𑌧𑍂𑌪𑌦𑍀𑌪𑌾𑌦𑍀𑌨𑌿 𑌦𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌅𑌨𑍍𑌤𑌃𑌪𑍍𑌰𑌵𑌿𑌶𑍍𑌯 𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑌂 𑌨𑌿𑌵𑌾𑌰𑍍𑌯 𑌦𑍇𑌹𑌲𑍀𑌸𑌸𑍍𑌯 𑌚 𑌕𑌿𑌰𑌸𑍍𑌵𑌿𑌣𑍀𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌈𑌶𑌾𑌨𑌾𑌦𑌿𑌨𑍈𑌰𑍃𑌤𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂 𑌰𑌹𑌸𑍍𑌯𑌾𑌵𑌰𑌣𑌂 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌵𑌤𑍍 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨𑌾𑌪𑍇𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯𑌾𑌤𑌕𑍇𑌨 𑌬𑌿𑌲𑍍𑌵𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌕𑍂𑌸𑌨𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌿𑌂 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨𑌾𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 𑌆𑌵𑌾𑌹𑍍𑌯 𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑌨𑌾𑌦𑍍𑌯𑍁𑌪𑌚𑌾𑌰𑍈𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌉𑌰𑌗𑌬𑌦𑍍𑌧𑌕𑌾𑌙𑍍𑌕𑍍𑌷𑌾𑌶𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌪𑌣𑌾𑌸𑍍𑌯𑌮𑍃𑌤𑌕𑌲𑌾𑌮𑌵𑌰𑌾𑌭𑌯𑌾𑌷𑍍𑌟𑌬𑌾𑌹𑍁𑌮𑍍 । 𑌰𑌕𑍍𑌤𑌮𑌣𑍀𑌨𑍀𑌲𑌕𑌿𑌰𑍀𑌟𑌕𑍌𑌶𑌂 𑌪𑌟𑍍𑌟𑌕𑌵𑌿𑌮𑌾𑌂 𑌜𑌟𑌿𑌲𑌂 𑌭𑌜𑍇 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌣𑍇𑌤𑍍𑌰𑌮𑍍 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌮𑍂𑌰𑍍𑌤𑌿𑌂 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌪𑌰𑍍𑌯𑍁𑌕𑍍𑌷𑌿𑌤𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌮𑌧𑍍𑌯𑍇 𑌪𑍍𑌰𑌸𑍂𑌨𑌮𑌾𑌹𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌬𑌿𑌮𑍍𑌬𑌮𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑌾𑌦𑍍𑌯 𑌤𑍈𑌲𑌾𑌭𑌿𑌷𑍇𑌕𑌾𑌦𑌿𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣𑌾𑌭𑌿𑌷𑌿𑌚𑍍𑌯 𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌵𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣𑌾

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌤𑍁𑌲𑌨𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌰𑌕𑍍𑌤𑌵𑌾𑌸𑌸𑍀 𑌬𑌾𑌹𑍂𑌦𑌾𑌮𑌾𑌯𑍁𑌗𑌂 𑌵𑌰𑍀𑌯𑌾𑌯𑍁 𑌯𑌜𑍍𑌞𑌸𑍂𑌤𑍍𑌰𑌾𑌦𑍀 𑌦𑍂𑌰𑍍𑌣𑌦𑌾𑌮𑌾𑌕𑌿𑌂𑌕𑌿𑌣𑍀𑌧𑌾𑌦𑌮𑌞𑍍𑌜𑍀𑌰𑌪𑌟𑍁𑌪𑍋𑌰𑌧𑌂𑌪𑍇𑌟𑍍𑌟𑌾𑌗𑍍𑌰𑌨𑌯𑌨𑍋𑌯𑍁𑌜𑍍𑌵𑌲𑌾𑌮𑌾𑌦𑌕𑍂𑌟𑌦𑌾𑌣𑌿𑌕𑍍𑌯𑌸𑌂𑌕𑍍𑌲𑍃𑌧𑌾𑌦𑍀 𑌸𑌪𑍂𑌷𑌣𑍈𑌃 𑌅𑌲𑌙𑍍𑌕𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌨𑌾𑌨𑌾𑌵𑌿𑌧𑌦𑍍𑌰𑌵𑍍𑌯𑌧𑌾𑌰𑌕𑍍𑌤𑌚𑌨𑍍𑌦𑌨𑌾𑌦𑌿𑌨𑌾 𑌦𑌨𑍍𑌤𑌿𑌵𑍍𑌯 𑌸𑍁𑌵𑌸𑍁𑌰𑌭𑌿𑌸𑍁𑌵𑌾𑌸𑌧𑌾𑌦𑌿𑌭𑌿𑌰𑌲𑌙𑍍𑌕𑍃𑌤𑍍𑌯 𑌪𑍁𑌷𑍍𑌪𑌵𑍃𑌷𑍍𑌟𑍍𑌯𑌾 𑌸𑌮𑍍𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌦𑍁𑌗𑍍𑌧𑌨𑌾𑌹𑌿𑌤𑌂 𑌨𑍈𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 "𑌶𑍍𑌵𑌾𑌨𑌧𑍍𑌵𑌜𑌾𑌯 𑌵𑌿𑌦𑍍𑌮𑌹𑍇 𑌶𑍂𑌲𑌹𑌸𑍍𑌤𑌾𑌯 𑌧𑍀𑌮𑌹𑌿 । 𑌤𑌨𑍍𑌨𑍋 𑌭𑍈𑌰𑌵𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌚𑍋𑌦𑌯𑌾𑌤𑍍" 𑌇𑌤𑌿 𑌭𑍈𑌰𑌵𑌗𑌾𑌯𑌤𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌅𑌭𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌪𑍍𑌰𑌥𑌮𑌾𑌵𑌰𑌣𑍇 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌷𑌡𑌙𑍍𑌗𑌾𑌨𑌿 𑌸𑌮𑍍𑌪𑍂𑌜𑌯𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌤𑌤𑍋 𑌦𑍍𑌵𑌿𑌤𑍀𑌯𑌾𑌵𑌰𑌣𑍇 𑌵𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯𑌮𑌾𑌣𑌾𑌨𑍍𑌯𑌷𑍍𑌟𑌦𑌿𑌕𑍍𑌷𑍁 𑌅𑌷𑍍𑌟𑌭𑍈𑌰𑌵𑌾𑌨𑍍 𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 । 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌂

> 𑌕𑌰𑌕𑌲𑌿𑌤𑌕𑌪𑌾𑌲𑌃 𑌕𑍁𑌣𑍍𑌡𑌲𑍀 𑌦𑌣𑍍𑌡𑌪𑌾𑌣𑌿𑌃
> 𑌤𑌰𑌣𑌤𑌿𑌮𑌿𑌰𑌨𑍀𑌲𑍋 𑌵𑍍𑌯𑌾𑌲𑌯𑌜𑍍𑌞𑍋𑌪𑌵𑍀𑌤𑌃 ।
> 𑌕𑍍𑌰𑌤𑍁𑌸𑌮𑌯𑌸𑌪𑌰𑍍𑌯𑌾 𑌵𑌿𑌘𑍍𑌨𑌵𑌿𑌚𑍍𑌛𑍇𑌦𑌹𑍇𑌤𑍁𑌃
> 𑌜𑌯𑌤𑌿 𑌬𑌟𑍁𑌕𑌨𑌾𑌥𑌃 𑌸𑌿𑌦𑍍𑌧𑌿𑌦𑌃 𑌸𑌾𑌧𑌕𑌾𑌨𑌾𑌮𑍍 ॥
>
> 𑌇𑌤𑌿 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌵𑌾 ।

1 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌬𑌟𑍁𑌕 𑌹𑌾𑌂 𑌹𑍀𑌂 𑌹𑍂𑌂 𑌹𑍈𑌂 𑌹𑍌𑌂 𑌹𑍌𑌂 𑌹𑌃 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌦𑌣𑍍𑌡𑌾𑌯𑍁𑌧𑌭𑍈𑌰𑌵 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌪𑌾𑌦𑍁𑌕𑌾𑌂 𑌪𑍂𑌜𑌯𑌾𑌮𑌿 𑌨𑌮𑌃 ।

2 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌬𑌟𑍁𑌕 𑌹𑌾𑌂 𑌹𑍀𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌚𑌣𑍍𑌡𑌭𑍈𑌰𑌵 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌪𑌾𑌦𑍁𑌕𑌾𑌂 𑌪𑍂𑌜𑌯𑌾𑌮𑌿 𑌨𑌮𑌃 ।

3 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌬𑌟𑍁𑌕 𑌹𑌾𑌂 𑌹𑍀𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌰𑌵𑍀𑌷𑌣𑌭𑍈𑌰𑌵𑌶𑍍𑌰𑍀𑌪𑌾𑌦𑍁𑌕𑌾𑌂 𑌪𑍂𑌜𑌯𑌾𑌮𑌿 𑌨𑌮𑌃 ।

4 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌬𑌟𑍁𑌕 𑌹𑌾𑌂 𑌹𑍀𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌸𑌕𑌾𑌨𑍍𑌤𑌭𑍈𑌰𑌵 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌪𑌾𑌦𑍁𑌕𑌾𑌂 𑌪𑍂𑌜𑌯𑌾𑌮𑌿 𑌨𑌮𑌃 ।

5 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌬𑌟𑍁𑌕 𑌹𑌾𑌂 𑌹𑍀𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌣𑌭𑍈𑌰𑌵 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌪𑌾𑌦𑍁𑌕𑌾𑌂 𑌪𑍂𑌜𑌯𑌾𑌮𑌿 𑌨𑌮𑌃 ।

6 𑌓𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌬𑌟𑍁𑌕 𑌹𑌾𑌂 𑌹𑍀𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌨𑌭𑍋𑌮𑌿𑌦𑍁𑌯𑌭𑍈𑌰𑌵𑌶𑍍𑌰𑍀𑌪𑌾𑌦𑍁𑌕𑌾𑌂 𑌪𑍂𑌜𑌯𑌾𑌮𑌿 𑌨𑌮𑌃 ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy


7 𑍐 𑌫𑍍𑌰𑍇𑌂 𑌫𑌟𑍍 𑌫𑌾𑌂 𑌫𑍀𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 [illegible]𑌭𑍈𑌰𑌵𑌶𑍍𑌰𑍀𑌪𑌾𑌦𑍁𑌕𑌾𑌂 𑌪𑍂𑌜𑌯𑌾𑌮𑌿 𑌨𑌮𑌃।

8 𑍐 𑌫𑍍𑌰𑍇𑌂 𑌫𑌟𑍍 𑌫𑌾𑌂 𑌫𑍀𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌫𑌟𑍍𑌕𑌾𑌰𑌭𑍈𑌰𑌵𑌶𑍍𑌰𑍀𑌪𑌾𑌦𑍁𑌕𑌾𑌂 𑌪𑍂𑌜𑌯𑌾𑌮𑌿 𑌨𑌮𑌃। 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯

𑌤𑌦𑍍𑌬𑌹𑌿𑌃 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌾𑌦𑍍𑌯𑌷𑍍𑌟𑌦𑌿𑌕𑍍𑌷𑍁 𑌤𑍃𑌤𑍀𑌯𑌾𑌵𑌰𑌣𑍇

1 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌅𑌸𑌿𑌤𑌾𑌙𑍍𑌗𑌭𑍈𑌰𑌵𑌾𑌯 𑌬𑍍𑌰𑌾𑌹𑍍𑌮𑍀𑌦𑍇𑌵𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃।

2 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌰𑍁𑌰𑍁𑌭𑍈𑌰𑌵𑌾𑌯 𑌮𑌾𑌹𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑍀𑌦𑍇𑌵𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃

3 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌚𑌣𑍍𑌡𑌭𑍈𑌰𑌵𑌾𑌯 𑌕𑍌𑌮𑌾𑌰𑍀𑌦𑍇𑌵𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃।

4 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌕𑍍𑌰𑍋𑌧𑌨𑌭𑍈𑌰𑌵𑌾𑌯 𑌵𑍈𑌷𑍍𑌣𑌵𑍀𑌦𑍇𑌵𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃।

5 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌉𑌨𑍍𑌮𑌤𑍍𑌤𑌭𑍈𑌰𑌵𑌾𑌯 𑌵𑌾𑌰𑌾𑌹𑍀𑌦𑍇𑌵𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃।

6 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌕𑌪𑌾𑌲𑍀𑌶𑌭𑍈𑌰𑌵𑌾𑌯 𑌮𑌾𑌹𑍇𑌨𑍍𑌦𑍍𑌰𑍀𑌦𑍇𑌵𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃।

7 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌭𑍀𑌷𑌣𑌭𑍈𑌰𑌵𑌾𑌯 𑌚𑌾𑌮𑍁𑌣𑍍𑌡𑌾𑌦𑍇𑌵𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃।

8 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌸𑌂𑌹𑌾𑌰𑌭𑍈𑌰𑌵𑌾𑌯 𑌚𑌣𑍍𑌡𑌿𑌕𑌾𑌦𑍇𑌵𑍍𑌯𑍈 𑌨𑌮𑌃।

𑌇𑌤𑌿 𑌤𑍃𑌤𑍀𑌯𑌾𑌵𑌰𑌣𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌾𑌤𑍍 𑌚𑌤𑍁𑌰𑍍𑌥𑌾𑌵𑌰𑌣𑍇 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌾𑌦𑌿𑌚𑌤𑍁𑌰𑍍𑌦𑌿𑌕𑍍𑌷𑍁

1 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌹𑍇𑌤𑍁𑌕𑌵𑍇𑌤𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃।

2 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌏𑌕𑌪𑌾𑌦𑌵𑍇𑌤𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃।

3 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌭𑍀𑌮𑌰𑍂𑌪𑌵𑍇𑌤𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃।

4 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌅𑌚𑌰𑌵𑍇𑌤𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃।

𑌨𑍈𑌰𑍃𑌤𑍍𑌯𑌾𑌦𑍍𑌯𑍈𑌶𑌾𑌨𑍍𑌯𑌾𑌨𑍍𑌤𑌂

1 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌪𑍁𑌰𑌾𑌨𑍍𑌤𑌵𑍇𑌤𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃।

2 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌵𑌹𑍍𑌨𑌿𑌵𑍇𑌤𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃।

3 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌅𑌗𑍍𑌨𑌿𑌜𑌿𑌹𑍍𑌵𑌵𑍇𑌤𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃।

4 𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌕𑌾𑌲𑌾𑌗𑍍𑌨𑌿𑌰𑍂𑌪𑌵𑍇𑌤𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃।

𑌇𑌤𑌿 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 [illegible]

𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌕𑌰𑌾𑌲𑌵𑍇𑌤𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌸𑌂𑌶𑌾𑌨𑍍𑌤𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌤𑌃—

𑍐 𑌹𑌾𑌂 𑌹𑌾𑌟𑌕𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌵𑍇𑌤𑌾𑌲𑌾𑌯 𑌨𑌮𑌃 । 𑌇𑌤𑍍𑌯𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯

𑌅𑌥 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌾𑌵𑌰𑌣𑍇 𑌪𑍍𑌰𑌕𑌾𑌰𑌾𑌷𑍍𑌟𑌦𑌿𑌕𑍍𑌷𑍁 𑌦𑌶𑌲𑍋𑌕𑌪𑌾𑌲𑌾𑌨𑍍𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌪𑍁𑌨𑌃 𑌬𑌿𑌂𑌬𑍇 𑌸𑌕𑌲𑌾𑌦𑌿𑌭𑌾𑌵𑌾𑌙𑍍𑌗𑌂 𑌪𑌞𑍍𑌚𑌵𑌕𑍍𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌬𑍍𑌰𑌹𑍍𑌮𑌾𑌦𑌿𑌷𑌡𑌙𑍍𑌗𑌂 𑌵𑌿𑌨𑍍𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌆𑌵𑌾𑌹𑌨𑌾𑌦𑌿𑌕𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌵𑌰𑍍𑌣𑌯𑍋𑌨𑌿𑌮𑍁𑌦𑍍𑌰𑌾𑌂 𑌪𑍍𑌰𑌦𑌰𑍍𑌶𑍍𑌯 𑌨𑌾𑌨𑌾𑌵𑌿𑌧𑍈𑌃 𑌪𑍁𑌷𑍍𑌪𑍈𑌃 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌗𑌨𑍍𑌧𑌪𑍁𑌷𑍍𑌪𑌧𑍂𑌪𑌦𑍀𑌪𑌾𑌦𑍍𑌯𑍁𑌪𑌚𑌾𑌰𑍈𑌃 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌪𑌾𑌯𑌸𑌾𑌨𑍍𑌨𑌂 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯 𑌤𑌾𑌮𑍍𑌬𑍂𑌲𑌮𑍁𑌖𑌵𑌾𑌸𑌾𑌦𑍍𑌯𑍁𑌪𑌚𑌾𑌰𑌾𑌨𑍍 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌸𑍍𑌤𑍋𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌠𑌂 𑌸𑌮𑌰𑍍𑌪𑍍𑌯 𑌗𑍀𑌤𑌵𑌾𑌦𑍍𑌯𑌨𑍃𑌤𑍍𑌤𑌾𑌦𑌿𑌕𑌂 𑌕𑌾𑌰𑌯𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌤𑌤𑌃 𑌪𑌾𑌰𑍍𑌶𑍍𑌵𑌦𑍇𑌶𑍇 𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑍇𑌶𑍍𑌵𑌰𑌮𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 𑌨𑍈𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯𑌧𑍂𑌪𑌦𑍀𑌪𑌾𑌦𑍍𑌯𑍁𑌪𑌚𑌾𑌰𑌾𑌨𑍍 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌤𑌾𑌮𑍍𑌬𑍂𑌲𑌾𑌦𑌿𑌕𑌂 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

---

## 𑌅𑌥 𑌬𑌾𑌹𑍍𑌯𑌪𑍂𑌜𑌾 ॥

𑌆𑌲𑌯𑌸𑍍𑌯 𑌬𑌾𑌹𑍍𑌯𑌦𑍇𑌶𑍇 𑌦𑍇𑌵𑌾𑌗𑍍𑌰𑍇 𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑍇 𑌵𑌾 𑌹𑌸𑍍𑌤𑍋𑌨𑍍𑌨𑌤𑌂 𑌚𑌤𑍁𑌰𑌶𑍍𑌰𑌂 𑌹𑌸𑍍𑌤𑌵𑌿𑌸𑍍𑌤𑌾𑌰𑌂 𑌸𑍋𑌪𑌾𑌨𑌾𑌦𑌿𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌪𑌰𑌿𑌕𑌲𑍍𑌪𑍍𑌯 𑌤𑌸𑍍𑌯𑌾𑌗𑍍𑌰𑍇 𑌵𑌿𑌪𑍁𑌲𑌂 𑌪𑌦𑍍𑌮𑌪𑍀𑌠𑌂 𑌸𑌂𑌸𑍍𑌥𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌚𑌤𑍁𑌰𑌶𑍍𑌰𑌪𑍀𑌠𑌂 𑌗𑍋𑌮𑌯𑍇𑌨𑍋𑌪𑌲𑌿𑌪𑍍𑌯 𑌰𑌜𑍋𑌭𑌿𑌰𑍍𑌨𑍍𑌯𑌾𑌸𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌤𑌸𑍍𑌯𑍋𑌰𑍍𑌧𑍍𑌵𑌂 𑌵𑌿𑌦𑌿𑌕𑍍𑌷𑍁 𑌪𑌦𑍍𑌮𑍇𑌨 𑌪𑌙𑍍𑌕𑌜𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌤𑌦𑍍𑌬𑌹𑌿𑌃 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌕𑍋𑌣𑌂 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌤𑌦𑍍𑌬𑌹𑌿𑌃 𑌚𑌤𑍁𑌰𑌶𑍍𑌰𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌚𑌤𑍁𑌰𑌶𑍍𑌰𑌬𑌾𑌹𑍍𑌯𑍇 𑌵𑍃𑌤𑍍𑌤𑌦𑌲𑌂 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌤𑌦𑍍𑌬𑌹𑌿𑌶𑍍𑌚𑌾𑌷𑍍𑌟𑌦𑌲𑌪𑌦𑍍𑌮𑌂 𑌪𑌰𑌿𑌕𑌲𑍍𑌪𑍍𑌯 𑌦𑌲𑌬𑌾𑌹𑍍𑌯𑍇 𑌵𑍀𑌥𑍀𑌵𑌯𑌾 𑌚𑌤𑍁𑌰𑍍𑌦𑍍𑌵𑌾𑌰𑌸𑌂𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌚𑌤𑍁𑌰𑌶𑍍𑌰𑌂 𑌭𑍂𑌪𑍁𑌰𑌂 𑌕𑌾𑌰𑌯𑍇𑌤𑍍 ।

𑌤𑌤 𑌆𑌚𑌾𑌰𑍍𑌯𑌃 𑌤𑌦𑍍𑌬𑌹𑌿𑌃 𑌸𑌙𑍍𑌕𑌲𑍍𑌪𑍍𑌯 𑌉𑌪𑌵𑌿𑌶𑍍𑌯 𑌅𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌸𑌂𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯 𑌚𑌤𑍁𑌰𑌶𑍍𑌰𑌾𑌨𑍍𑌤𑌰𑌾𑌲𑍇 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌾𑌦𑌿𑌦𑌿𑌕𑍍𑌷𑍁 𑌵𑍇𑌤𑌾𑌲𑌦𑌶𑌕𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌅𑌷𑍍𑌟𑌦𑌲𑍇𑌷𑍁 𑌶𑌕𑍍𑌤𑌿𑌸𑌹𑌿𑌤𑌂 𑌅𑌷𑍍𑌟𑌭𑍈𑌰𑌵𑌮𑌭𑍍𑌯𑌰𑍍𑌚𑍍𑌯 𑌤𑍍𑌰𑌿𑌕𑍋𑌣𑌾𑌨𑍍𑌤𑌰𑍇 𑌵𑌟𑍁𑌕𑌤𑍍𑌰𑌯𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥ 𑌧𑍍𑌯𑌾𑌨𑌮𑍍 ॥

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



वरदाभयहस्तं च अक्षमालां कमण्डलुम् ।
दधतं बटुकं वन्दे पार्वतीसहितं विभुम् ॥
इति । पूर्वदिक्कोणे ओं ह्रीं हूं फट् विरिञ्चि बटुकश्रीपादुकां पूजयामि नमः । इति संपूज्य उत्तरदिक्कोणे ध्यानम् ।

शङ्खचक्रधरं देवं चापबाणोरमुद्धृतम् ।
ध्यायेन्द्रार्कबटुकं श्रिया युक्तं सुयौवनम् ॥
इति ध्यात्वा ओं ह्रीं श्रीं हूं फट् मुकार्कबटुकभैरवश्रीपादुकां पूजयामि नमः ।

अथ दक्षिणदिक्कोणे ध्यानम् ।
शूलं खड्गकं चैव दधतं वरदाभये ।
गौरीदेवीसमायुक्तं ध्यायेद्रुद्रं महास्वनम् ॥
इति ध्यात्वा ओं ह्रीं श्रीं हूं फट् रुद्रबटुकभैरवश्रीपादुकां पूजयामि नमः । इति संपूज्य मध्यवृत्ते क्षेत्रपालं मूलमन्त्रेणावाह्य पूर्ववत् स्थापनादिमुद्राः प्रदर्श्य ध्यायेत् ॥

रक्तवर्णं त्रिनेत्रं च जटामौलिधरं धृतम् ।
हस्ताभ्यां खर्परं शूलं योगं निर्वाणरूपकम् ॥
किङ्किणीजालसंभूष्यं भैरवं भव्यसुन्दरम् ।
इति ध्यात्वा तद्बहिरष्टदलेषु यथासंख्यया षोडशस्वरान् नमोऽन्तं संपूज्य चतुरस्राकारे ककारक्षान्तपञ्चवर्णानि नमोऽन्तानि संपूज्य पूर्वादिपत्राणि दत्त्वा तन्मध्ये पायसान्नेन बलिं दत्त्वा एवं क्रमेण देवताबलिं दद्यात् ।

तथा चोक्तं श्रीमदनमतन्त्रे — पायसान्नेन मन्त्रेण स्वाहान्तं मुद्रयान्वितम् । बलिं दद्यात्ततः पूर्वं दीपत्रयं समर्पितम् ॥ कुर्यात् श्रीकीर्तिविजयं सर्वत्र सर्वतः स्थितम् । सर्वरोगप्रशमनं क्षुद्रग्रहनिवारणम् ॥ तत्र राजनरक्षार्थं बलिं दद्याद्विशेषतः ॥ अनेन क्रमेण बलिं दद्यात् ।

𑌅𑌨𑌨𑍍𑌤𑌰𑌂 𑌬𑌲𑌿𑌪𑍀𑌠𑌂 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨𑌾𑌭𑌿𑌷𑌿𑌚𑍍𑌯 [illegible] 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨 [illegible] 𑌅𑌷𑍍𑌟𑌭𑍈𑌰𑌵𑌂 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍। 𑌤𑌦𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌮𑌦𑍍[illegible], „[illegible] । [illegible] । 𑌭𑌟𑍍𑌟𑌾𑌰𑌭𑍈𑌰𑌵𑌃 𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌤𑍋 𑌹𑍍𑌯𑌷𑍍𑌟𑌭𑍈𑌰𑌵𑌮𑍁𑌚𑍍𑌯𑌤𑍇 ॥”

𑌏𑌵𑌂 𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣 𑌸𑌂𑌪𑍂𑌜𑍍𑌯 𑌪𑌾𑌯𑌸𑌾𑌨𑍍𑌨𑍇𑌨 𑌬𑌲𑌿𑌂 𑌦𑌦𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍। [illegible] 𑌬𑌲𑌿𑌪𑍍𑌰𑌦𑌾𑌨𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌯𑌥𑌾 𑌓𑌂 𑌨𑌮𑍋 𑌭𑌗𑌵𑌤𑍇 𑌓𑌂 𑌶𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌹𑍍𑌰𑍂𑌂 𑌵𑌾 𑌵𑍈𑌂 𑌵𑌾 𑌵𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌕𑍍𑌷𑍍𑌰𑍀𑌂 𑌜𑌪𑌿𑌨𑍇 [illegible] 𑌇𑌮𑌾𑌂 𑌪𑍂𑌜𑌾𑌂 𑌬𑌲𑌿𑌂 𑌗𑍃𑌹𑍍𑌣 𑌗𑍃𑌹𑍍𑌣 𑌸𑍍𑌵𑌾𑌹𑌾 𑌇𑌤𑌿 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑍇𑌣 𑌬𑌲𑌿𑌂 𑌦𑌦𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 ॥

𑌅𑌥 𑌨𑍃𑌤𑍍𑌤𑌗𑍀𑌤𑌵𑌾𑌦𑍍𑌯𑌾𑌦𑍀𑌨𑍍 [illegible] 𑌪𑍀𑌠𑌦𑍇𑌵𑌤𑌾 𑌉𑌦𑍍𑌵𑌾𑌸𑍍𑌯 𑌅𑌨𑌨𑍍𑌤𑌰𑌂 [illegible] 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 [illegible] 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 [illegible] 𑌪𑍍𑌰𑌵𑌿𑌶𑍍𑌯 𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲[illegible] 𑌤𑌾𑌮𑍍𑌬𑍂𑌲𑌂 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯 [illegible] 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌶𑌯𑌨[illegible] 𑌮𑍂𑌲𑍇𑌨 𑌦𑍇𑌵𑌸𑍍𑌯 [illegible] 𑌵𑌿𑌸𑍃𑌜𑍍𑌯 𑌸𑍍𑌤𑍋𑌤𑍍𑌰𑌂 𑌨𑌮𑌸𑍍𑌕𑌾𑌰𑌂 𑌚 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 [illegible] 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 [illegible] 𑌬𑌹𑌿𑌃 𑌪𑍍𑌰𑌵𑌿𑌶𑍍𑌯 [illegible] 𑌕𑍃𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌸𑌕𑌲𑍀𑌕𑍃𑌤𑍍𑌯 [illegible] 𑌭𑍋𑌜𑌨𑌾𑌦𑌿 𑌤𑌾𑌮𑍍𑌬𑍂𑌲[illegible] 𑌵𑌿𑌧𑌾𑌯 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌾𑌤𑍍 𑌶𑌯𑌨𑌸𑍍𑌥𑌾𑌨𑍇 𑌶𑌯𑌨𑌂 𑌕𑌾𑌰𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌶𑍍𑌰𑍀[illegible]
𑌶𑍍𑌰𑍀[illegible] 𑌅𑌘𑍋𑌰𑌶𑌿𑌵𑌾𑌚𑌾𑌰𑍍𑌯𑌵𑌿𑌰𑌚𑌿𑌤𑌾𑌯𑌾𑌂
𑌸𑌕𑌲𑌾𑌗𑌮𑌸𑌾𑌰𑌸𑌂𑌗𑍃𑌹𑍀𑌤𑌾𑌯𑌾𑌂 𑌪𑌰𑌾𑌰𑍍𑌥𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯
𑌪𑍂𑌜𑌾𑌪𑌦𑍍𑌧𑌤𑍍𑌯𑌾𑌂 𑌕𑍍𑌷𑍇𑌤𑍍𑌰𑌪𑌾𑌲𑌪𑍂𑌜𑌾𑌵𑌿𑌧𑌿𑌃
𑌸𑌮𑌾𑌪𑍍𑌤𑌃 ॥

𑌪𑌰𑌾𑌰𑍍𑌥𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑌪𑍂𑌜𑌾𑌵𑌿𑌧𑌿𑌸𑍍𑌸𑌮𑌾𑌪𑍍𑌤𑌃 ॥

## மஹாப்ரதோஷபூஜாவிதி படல: ॥

பூர்வகாரணே ।

அத வக்ஷ்யே விஶேஷேண ப்ரதோஷார்ச்சாவிதிக்ரமம் ।
பக்தாநாம் ரக்ஷணார்த்தாய க்ருதாந்தஸ்ய ச நிக்ரஹ: ॥
க்ருத: காலாந்தகேநாபி தத்காலம் ரஜநீமுகே ।
அஸ்தாநம் ஸமாரப்ய த்ரிபாதேந த்ரிணாடிகா ॥
ப்ரதோஷ இதி விக்யாதா தத்காலே ஶிவமர்ச்சயேத் ।
ஸ்நாநம் தாநம் ஜபோ ஹோமோ நிஷ்பலஞ்ச பவேத்ததா ॥
வ்ருஷஸ்ய வ்ருஷணே சைவ ஸர்வதீர்த்தாநி தத்ர வை ।
தஸ்மாத்த்வ்ருஷணம் ஸ்ப்ருஷ்ட்வா ஶ்ருங்கமத்யே ஶிவம் [1]த்ருஶேத் ॥
ஜ்ஞாநரோமாந்திதாஸீ க்ருத்யக்ஷாத்தா ஹ்யப்யாயிப்ருத்ய: ।
கில்பிஷம் மந:வேத கோபஸோஹஹயாநி ச ॥
நந்தே ஸந்நிதி விஜ்ஞாப்ய தேவதேவஸ்ய ஸந்நிதௌ ।
தத்பலம் மஹேந்த்ராத்யை: ஸர்வதேவை: ப்ரார்த்யதே ॥
க்ஷேத்ரேண தாமவநேத்ரேண மேவ்ய விஜ்ஞாப்ய ஸந்நிதௌ ।
தத்வத்ருஷ்டா ஸாயிகா து ஜமத்ரோ விஶேஷத: ॥
த்ரிவாரமிதி க்ருத்வா து தத்பலம் ந வித்யதே ।
ஸர்வபாபஹரம் புண்யம் ஸர்வதோஷநிக்ருந்தநம் ॥
ஸாயங்காலே விஶேஷேண ஶிவபூஜாம் ஸமாரபேத் ।
வ்ருஷபம் பூஜயேத் பூர்வம் பஞ்சகவ்யாபிஷேசநம் ।
ஶர்க்கரோதேந ஸம்ஸ்நாப்ய கந்தம் புஷ்பம் ச பூர்வவத் ।
க்ருஸராந்நம் நிவேத்யாத தாம்பூலஞ்ச நிவேதயேத் ॥
ப்ராஸாதஸ்ய விஶேஷேண ஸந்த்யம் ஶாகிபி: கர்ப்பூர-
மாலேஜை: பர்வைஷ்வித்தைஸ்ஸாயகம் விகிரேத்ஸமநுக்ரமாத்
பரிஸ்த்யக்த ததோ த்ருஷ்டை: பர்ண்யாதம் பாதயேத்தத:
நவக்ஷம் ஸமோதாய ப்ரோக்ஷயேத்த்வாஸிநா ॥

---

1. ஆர்ஷ: ப்ரயோக: ।

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



तज्जलेन वेष्टयेत्तु वस्त्रकं [illegible] ।
[illegible] नाभिके [illegible] ॥
[illegible] संस्थाप्य [illegible] ।
पञ्चगव्यञ्च संस्थाप्य पञ्चामृत[illegible] ॥
नाभिके रोदके चैव [illegible] ।
स्नानद्रव्यं समाहृत्य प्रोक्षयेत् [illegible] वारिणा ॥
[illegible] ततः [illegible] ।
[illegible] ततः कृत्वा [illegible] ततः परम् ॥
[illegible] ।
[illegible] ॥
[illegible] ।
पञ्च[illegible] ॥
नाभिके रोदके चैव स्नापयेत् परमेश्वरम् ।
स्नानद्रव्यं समादाय देवदेव[illegible] ॥
नैवेद्यं वाथ [illegible] स्नापयेत्तु विशेषतः ।
[illegible]
[illegible] ॥
[illegible] ॥
[illegible] ।
[illegible] ॥
तत्र काले [illegible] स्नापयेत् परमेश्वरम् ।
[illegible] ॥
[illegible] ।
[illegible] विशेषतः ।
[illegible] ॥
[illegible] ।
[illegible] ॥

1 [illegible]

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy



𑌦𑍇𑌵𑌸𑍍𑌯 𑌨𑌯𑌨𑍋𑌚𑍍𑌛𑌿𑌷𑍍𑌟𑌂 𑌵𑍃𑌷𑍋𑌤𑍍𑌸𑍇 (𑌨𑌿𑌰𑍍𑌵𑌞𑍍𑌚𑌕𑌃) ॥
𑌶𑍁𑌦𑍍𑌧𑌾𑌨𑍍𑌨𑌂 𑌪𑌾𑌯𑌸𑌾𑌨𑍍𑌨𑌞𑍍𑌚 𑌗𑍁𑌡𑌾𑌪𑍂𑌪𑌞𑍍𑌚 𑌵𑌿𑌶𑍇𑌷𑌤𑌃 ॥
𑌕𑌦𑌲𑍀𑌨𑌾𑌲𑌿𑌕𑍇𑌰𑌾𑌮𑍍𑌰𑌾𑌦𑌿𑌭𑌕𑍍𑌷𑍍𑌯𑌵𑌰𑍍𑌣𑌾𑌵𑌦𑌂𑌶𑌕𑍈𑌃 ।
𑌨𑍈𑌵𑍇𑌦𑍍𑌯𑌨𑍍𑌦𑌾𑌪𑌯𑍇𑌤𑍍 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌾𑌤𑍍 𑌹𑍃𑌦𑌯𑍇𑌨𑍈𑌵 𑌮𑌨𑍍𑌤𑍍𑌰𑌤𑌃 ।
𑌪𑌾𑌨𑍀𑌯𑌨𑍍𑌦𑌾𑌪𑌯𑌿𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌤𑍁 𑌤𑌾𑌮𑍍𑌬𑍂𑌲𑌞𑍍𑌚 𑌨𑌿𑌵𑍇𑌦𑌯𑍇𑌤𑍍 ॥
𑌪𑌰𑌿𑌵𑌾𑌰𑌬𑌲𑌿𑌂 𑌦𑌤𑍍𑌤𑍍𑌵𑌾 𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑌹𑍋𑌮 𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌵𑌤𑍍 ।
𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑍋𑌤𑍍𑌸𑌵𑌨𑍍𑌤𑌤𑌃 𑌕𑍁𑌰𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍𑌪𑍂𑌰𑍍𑌵𑌵𑌦𑍍𑌵𑍀𑌥𑍌 𑌦𑍇𑌶𑌿𑌕𑍋𑌤𑍍𑌤𑌮𑌃 ।
𑌧𑍂𑌪𑌮𑍍𑌦𑌾𑌪𑌯𑍇𑌤𑍍 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌾𑌤𑍍 𑌸𑌹𑌸𑍍𑌰𑌾𑌕𑍍𑌷𑌸𑌮𑌨𑍍𑌵𑌿𑌤𑌮𑍍 ॥
𑌛𑌤𑍍𑌰𑌚𑌾𑌮𑌰𑌕𑍌 𑌦𑌦𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 𑌵𑍇𑌦𑌂 𑌵𑌿𑌜𑍍𑌞𑌾𑌪𑍍𑌯 𑌦𑍇𑌶𑌿𑌕𑌃 ।
𑌵𑍇𑌦𑍈𑌃 𑌪𑍁𑌰𑌾𑌣𑍈𑌰𑍍𑌗𑍇𑌯𑍈𑌶𑍍𑌚 𑌕𑍁𑌰𑍍𑌯𑌾𑌤𑍍 𑌸𑍍𑌤𑍋𑌤𑍍𑌰𑌾𑌦𑍍𑌯𑌮𑌾
𑌚𑌰𑍇𑌤𑍍 ॥
𑌸𑌰𑍍𑌵𑌵𑌾𑌦𑍍𑌯𑌸𑌮𑌾𑌯𑍁𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌨𑍃𑌤𑍍𑌤𑌗𑍀𑌤𑍇𑌨 𑌸𑍇𑌵𑌿𑌤𑌮𑍍 ।
𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍 𑌪𑌰𑌮𑍇𑌶𑌾𑌨𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌸𑌮𑍍𑌪𑌤𑍍𑌸𑍁𑌖𑌾𑌵𑌹𑌮𑍍 ॥
𑌵𑍃𑌷𑌾𑌦𑍍𑌯𑌜𑌨𑍇 𑌹𑍀𑌨𑍇 𑌰𑌾𑌜𑌰𑌾𑌷𑍍𑌟𑍍𑌰𑌸𑍍𑌯 𑌦𑍋𑌷𑌕𑍃𑌤𑍍 ।
𑌤𑌸𑍍𑌮𑌾𑌤𑍍 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌪𑍍𑌰𑌯𑌤𑍍𑌨𑍇𑌨 𑌶𑌿𑌵𑌪𑍂𑌜𑌾𑌂 𑌸𑌮𑌾𑌚𑌰𑍇𑌤𑍍 ॥
𑌵𑍃𑌷𑍋𑌤𑍍𑌸𑍇 𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑌸𑌂𑌹𑌿𑌤𑍍𑌯𑌾 𑌰𑍁𑌦𑍍𑌰𑌯𑍋𑌗𑍇 𑌮𑌹𑍀𑌯𑌤𑍇 ।
𑌦𑍇𑌶𑌿𑌕𑌂 𑌪𑍂𑌜𑌯𑍇𑌤𑍍𑌤𑌤𑍍𑌰 𑌵𑌸𑍍𑌤𑍍𑌰𑌹𑍇𑌮𑌾𑌙𑍍𑌗𑍁𑌲𑍀𑌯𑌕𑍈𑌃 ॥
𑌭𑌕𑍍𑌤𑌾𑌨𑌾𑌂 𑌪𑌰𑌿𑌚𑌾𑌰𑌾𑌣𑌾𑌂 𑌸𑍍𑌵𑌸𑍍𑌵𑌵𑌿𑌤𑍍𑌤𑌾𑌨𑍁𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑌾𑌮𑍍 ।
𑌵𑍃𑌷𑍋𑌤𑍍𑌸𑍇 𑌯𑌜𑌨𑌂 𑌪𑍍𑌰𑍋𑌕𑍍𑌤𑌂 𑌸𑌰𑍍𑌵𑌾𑌘𑌨𑌿𑌕𑍃𑌨𑍍𑌤𑌨𑌮𑍍 ॥

𑌇𑌤𑌿 𑌵𑍃𑌷𑍋𑌤𑍍𑌸𑌵𑌪𑍂𑌜𑌾𑌵𑌿𑌧𑌿𑌪𑌟𑌲𑌃
𑌷𑌷𑍍𑌟𑍍𑌯𑍁𑌤𑍍𑌤𑌰𑌶𑌤𑌤𑌮𑌃 ॥

---

𑌉𑌤𑍍𑌤𑌰𑌕𑌾𑌰𑌣𑍇 𑌵𑍃𑌷𑍋𑌤𑍍𑌸𑌵𑌪𑍂𑌜𑌾𑌵𑌿𑌧𑌿𑌪𑌟𑌲𑍇-
𑌶𑌯𑌨𑌾𑌨𑍍𑌤𑌾𑌦𑌹𑍍𑌨𑍍𑌯𑍁𑌚𑍍𑌚𑌾𑌲𑍍𑌯 𑌮𑍌𑌳𑍀𑌪𑍂𑌜𑌾𑌂 𑌸𑌮𑌾𑌚𑌰𑍇𑌤𑍍 ।
𑌨𑌿𑌤𑍍𑌯𑍋𑌤𑍍𑌸𑌵𑌨𑍍𑌤𑌤𑌃 𑌪𑌶𑍍𑌚𑌾𑌤𑍍 𑌵𑍃𑌷𑌭𑌾𑌰𑍂𑌢𑌭𑍂𑌷𑌯𑍇𑌤𑍍 ।
𑌪𑍍𑌰𑌾𑌦𑌕𑍍𑌷𑌿𑌣𑍍𑌯𑌕𑍍𑌰𑌮𑍇𑌣𑍈𑌵 𑌮𑌣𑍍𑌡𑌪𑍇 𑌵𑍇𑌶𑌯𑍇𑌤𑍍𑌤𑌤𑌃 ।
𑌇𑌤𑍍𑌯𑌪𑌿𑌵𑌦𑌨𑍍𑌤𑍇 । 𑌇𑌦𑌮𑌪𑌿 𑌵𑌚𑌨𑌮𑌾𑌵𑌶𑍍𑌯𑌕𑌮𑍍 ॥

𑌶𑌿𑌵𑌮𑌸𑍍𑌤𑍁 ॥

---

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

ஜலஸக்தி விதி.
இன்னும் மற்றும்
24 பாலிகைகள்
மேல் மந்திரம்
த்வாரார்ச்சனை.

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy

In Public domain. Digitization Muthulakshmi Research Academy